केंद्रीय विद्यालय संगठन,
जम्मू संभाग

अध्ययन सामग्री
STUDY MATERIAL

सत्र/SESSION : 2023-24

कक्षा/CLASS: XII

विषय: हिंदी

केंद्रीय विद्यालय संगठन
जम्मू संभाग, जम्मू

छात्रोपयोगी सहायक- सामग्री सत्र 2023-24

कक्षा- 12वीं

विषय- हिंदी (आधार) कोड सं. 302

मुख्य संरक्षक

श्री नगेन्द्र गोयल, उपायुक्त

के.वि.सं. क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू संभाग, जम्मू

संरक्षक

श्री जी.एस. मेहता, सहायक आयुक्त क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू संभाग

श्री इस्लाम खान, सहायक आयुक्त क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू संभाग

श्री अनिल कुमार, सहायक आयुक्त क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू संभाग

मार्गदर्शक

श्री आर. के. श्रीवास्तव, प्राचार्य के.वि. सुन्दरबनी

सहायक-सामग्री प्रस्तुतकर्ता

श्री संजय कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी), के.वि. क्र.1, उधमपुर

श्री महावीर प्रसाद रैगर, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी), के.वि. जिन्द्राह

श्री सुरेश चन्द्र शर्मा, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी), के.वि. भद्रवाह

श्री लाल सिंह, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी), के.वि. उरी

श्री डी. आर. इनखिया, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी), के.वि. कारगिल

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
पाठ्यक्रम व प्रश्न-पत्र का प्रारूप	**4-5**
अपठित बोध	**6-19**
1.अपठित गद्यांश	6-13
2.अपठित पद्यांश	14-19
कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**20-40**
1.पाठ 3. विभिन्न प्रकार के माध्यम के लिए लेखन	20-24
2.पाठ 4. पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया	25-29
3.पाठ 5. विशेष लेखन:- स्वरूप एवं प्रकार	30-33
4.पाठ11. कहानी का नाट्यरूपांतरण	34
5.पाठ 12. कैसे बनता है रेडियो नाटक	35-36
6.पाठ 13. नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन	37-40
पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 (काव्य खंड)	**41-66**
1. पाठ-1 आत्मपरिचय, एक गीत - हरिवंशराय बच्चन	41-44
2. पाठ-2 पतंग - आलोक धन्वा	45-48
3. पाठ-3 कविता के बहाने, बात सीधी थी पर - कुँवर नारायण	48-51
4. पाठ-4 कैमरे में बंद अपाहिज - रघुवीर सहाय	51-53
5. पाठ-6 उषा - शमशेर बहादुर सिंह	53-55
6. पाठ-7 बादल राग - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	55-58
7. पाठ-8 कवितावली, लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप- गोस्वामी तुलसीदास	58-62
8. पाठ-9 रुबाइयाँ - फ़िराक गोरखपुरी	62-63
9. पाठ-10 छोटा मेरा खेत, बगुलों के पंख - उमाशंकर जोशी	64-66
पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 (गद्य खंड)	**67-90**
1. पाठ-11 भक्तिन - महादेवी वर्मा	67-71
2. पाठ-12 बाज़ार दर्शन - जैनेन्द्र कुमार	71-74
3. पाठ-13 काले मेघा पानी दे - धर्मवीर भारती	74-77
4. पाठ-14 पहलवान की ढोलक - फणीश्वरनाथ रेणु	78-81
5. पाठ-17 शिरीष के फूल - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	82-86
6. पाठ-18 श्रम विभाजन और जाति-प्रथा, मेरी कल्पना का आदर्श समाज- डॉ. आंबेडकर	86-90
पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2	**91-111**
1. पाठ-1 सिल्वर वैडिंग - मनोहर श्याम जोशी	91-97
2. पाठ-2 जूझ - आनंद यादव	98-103
3. पाठ-3 अतीत में दबे पाँव - ओम थानवी	103-111
प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र (1 से 5)	**112-176**
परियोजना कार्य हेतु सुझावात्मक विषय, आंतरिक मूल्यांकन की जानकारियाँ	**(परिशिष्ट-1)**

हिंदी (आधार) (कोड सं. 302)

कक्षा- 12वीं (2023-24) परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन

प्रश्न-पत्र दो खंडों- खंड 'अ' और 'ब' में होगा |

खंड 'अ' में 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे |

खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे | प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे |

भारांक- 100 **निर्धारित समय- 3 घंटे**

खंड "अ" (वस्तुपरक प्रश्न)		
	विषयवस्तु	**भार**
	अपठित बोध	**15**
1.	एक अपठित गद्यांश पर आधारित 10 बहुविकल्पात्मक प्रश्न (अधिकतम 300 शब्दों का) (1 अंक x 10 प्रश्न)	10
2.	एक अपठित पद्यांश पर आधारित 5 बहुविकल्पात्मक प्रश्न (अधिकतम 150 शब्दों का) (1 अंक x 5 प्रश्न)	05
	पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम की इकाई एक से पाठ संख्या 3, 4 तथा 5 पर आधारित	**05**
3.	पाँच बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1 अंक x 5 प्रश्न)	05
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न	**10**
4.	पठित काव्यांश पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक x 05 प्रश्न)	05
5.	पठित गद्यांश पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक x 05 प्रश्न)	05
	पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न	**10**
6.	पठित पाठों पर आधारित दस बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक x 10 प्रश्न)	10
खंड- "ब" (वर्णनात्मक प्रश्न)		
	पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पाठ संख्या 3, 4, 5, 11, 12 तथा 13 पर आधारित	**16**
7.	दिए गए तीन अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन (6 अंक x 1 प्रश्न)	06
8.	कहानी का नाट्यरूपांतरण / रेडियो नाटक / अप्रत्याशित विषयों के लेखन पर आधारित दो प्रश्न (विकल्प सहित) (लगभग 40 शब्दों में) (2 अंक x 2 प्रश्न)	04
9.	पत्रकारिता और जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन पर आधारित तीन में से दो प्रश्न (विकल्प सहित) (लगभग 60 शब्दों में) (3 अंक x 2 प्रश्न)	06
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 एवं वितान भाग-2 पर आधारित	**24**
10.	काव्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) (3 अंक x 2 प्रश्न)	06
11.	काव्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) (2 अंक x 2 प्रश्न)	04
12.	गद्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) (3 अंक x 2 प्रश्न)	06
13.	गद्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) (2 अंक x 2 प्रश्न)	04
14.	वितान के पाठों पर आधारित दो में से एक प्रश्न का उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) (4अंक x 1 प्रश्न)	04
	श्रवण तथा वाचन	**10**
	परियोजना कार्य	**10**
कुल अंक		**100**

निर्धारित पुस्तकें :

1. **आरोह भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

2. वितान, भाग-2, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

3. **अभिव्यक्ति और माध्यम,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

नोट- पाठ्यक्रम के निम्नलिखित पाठ हटा दिए गए हैं

आरोह भाग-2	**काव्य खंड**	• गजानन माधव मुक्तिबोध- सहर्ष स्वीकारा है (पूरा पाठ) • फ़िराक गोरखपुरी- ग़ज़ल
	गद्य खंड	• विष्णु खरे- चार्ली चैप्लिन यानी हम सब (पूरा पाठ) • रज़िया सज्जाद ज़हीर- नमक (पूरा पाठ)
वितान, भाग-2		• एन फ्रैंक- डायरी के पन्ने

कक्षा बारहवीं हेतु प्रश्न-पत्र का विस्तृत प्रारूप जानने के लिए कृपया बोर्ड द्वारा जारी आदर्श प्रश्न पत्र देखें |

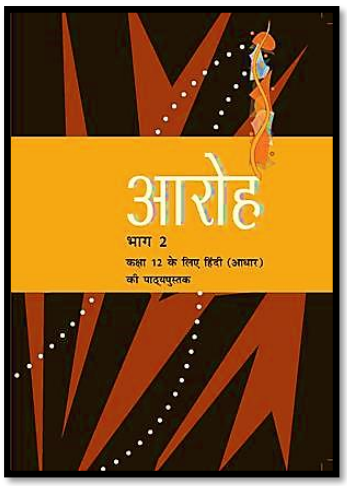

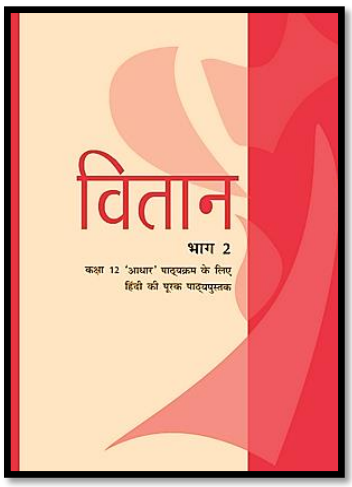

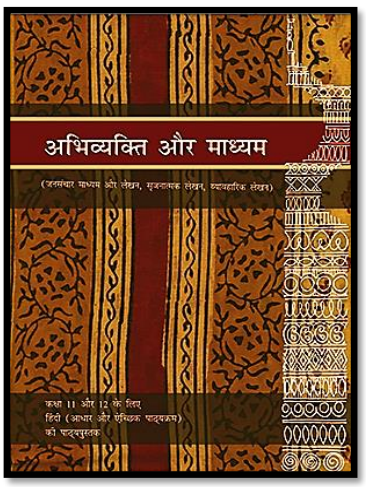

अपठित बोध

अपठित गद्यांश व पद्यांश के प्रश्नों को हल करते समय ध्यान रखने योग्य बातें-

1.दिए गए अवतरण को कम से कम दो बार ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए | इसे जब दूसरी बार पढ़ा जाए तो प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए पढ़ा जाए |

2.गद्यांश/पद्यांश के मूल भाव को उचित प्रकार समझना चाहिए तथा प्रश्नों के उत्तर गद्यांश /पद्यांश में ही ढूँढने चाहिए। इसी आधार पर उपयुक्त विकल्प का चयन करना चाहिए |

3. गद्यांश/पद्यांश में सूचनाओं के माध्यम से किसी बात का वर्णन किया जाता है. उन सूचनाओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

4.शीर्षक गद्यांश/पद्यांश के मूल भाव को प्रकट करता हो | शीर्षक का चयन करते समय आरंभिक या अंतिम पंक्तियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, लेकिन उसी आधार पर अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाल लेना चाहिए।

5..प्रत्येक प्रश्न का उत्तर गद्यांश/पद्यांश के अनुरूप और लेखक/कवि के विचार के अनुरूप ही होना चाहिए। इसी आधार पर उपयुक्त विकल्प चुनना चाहिए |

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए-

गद्यांश-1

समय वह संपत्ति है जो प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की ओर से मिली है। जो लोग इस धन को संचित रीति से बरतते हैं वे शारीरिक सुख तथा आत्मिक आनंद प्राप्त करते हैं। इसी समय की संपत्ति के सदुपयोग से एक जंगली मनुष्य सभ्य और देवता स्वरूप बन जाता है। इसी के द्वारा मूर्ख-विद्वान, निर्धन-धनवान, अज्ञ-विज्ञ और अनुभवी बन सकता है। संतोष, हर्ष तथा सुख मनुष्य को प्राप्त नहीं होता जब तक वह उचित रीति से समय का सदुपयोग नहीं करता। समय निसंदेह एक रतन राशि है। जो कोई उसे अपरिमित और अगणित रूप से अंधाधुंध व्यय करता है वह दिन प्रतिदिन अकिंचन, रिक्त हस्त और दरिद्र होता जाता है। वह आजीवन खिन्न और भाग्य को कोसता रहता है। मृत्यु भी उसे इस दुख और जंजाल से छुड़ा नहीं सकती प्रत्युत उसके लिए मृत्यु का आगमन मानो अपराधी के लिए गिरफ्तारी का वारंट है। सच तो यह है कि समय की बर्बादी एक तरह की आत्महत्या है। अंतर केवल इतना ही है कि आत्मघात सर्वदा के लिए जीवन जंजाल से छुड़ा देता है और समय के दुरुपयोग से एक निर्दिष्ट काल तक जीवन मृत्यु की दशा में बना रहता है ऐसे ही मिनट, घंटे और दिन प्रमाद और अकर्मण्यता में बीतते जाते हैं। यदि मनुष्य विचार करें गणना करें तो उसकी संख्या महीनों तथा वर्षों तक पहुँचती है। यदि उससे कहा जाता है कि तेरी आयु के 10- 5 बरस घटा दिए गए तो निसंदेह उसके हृदय पर भारी आघात पहुँचता है परंतु वह स्वयं निश्चेष्ट बैठे हुए अपने अमूल्य जीवन को नष्ट कर रहा है और क्षय व विनाश पर कुछ भी शक नहीं करता | संसार में सबको दीर्घायु प्राप्त नहीं होती है परंतु सबसे बड़ी हानि जो समय की दुरपयोगिता और अकर्मण्यता से होती है वह यह है कि पुरुषार्थहीन और निरीह पुरुष के विचार अपवित्र और प्रदूषित हो जाते हैं। वास्तव में बात तो यह है कि मनुष्य कुछ ना कुछ करने के लिए ही बनाया गया है। जब चित और मन लाभदायक कर्म में रत नहीं होते तब उनका झुकाव बुराई और पाप की ओर अवश्य हो जाता है। इस हेतु यदि मनुष्य सचमुच ही मनुष्य बनना चाहता है तो सब कर्मों से बढ़कर श्रेष्ठ कार्य उसके लिए यह है कि उसे एक पल भी व्यर्थ न गवाएं | प्रत्येक कार्य के लिए पृथक समय और प्रत्येक समय के लिए पृथक कार्य निश्चित करें |

1.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1 समय को ईश्वर से प्राप्त अमूल्य निधि बताया गया है।

कथन 2. अपरिमित का अर्थ होता है सीमित |

कथन 3. समय की बर्बादी आत्महत्या के समान है |

कथन 4. अनुच्छेद में बताया गया है कि किसी कार्य के असफल होने पर भाग्य को कोसना अच्छी बात है क्योंकि भाग्य से ही मनुष्य को वांछित वस्तुएं मिलती है |

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है -

(क) केवल कथन 1

(ख) केवल कथन 1और 3

(ग) कथन 1, 2 और 3

(घ) सभी कथन सही हैं

2. आत्मिक आनंद कौन लोग प्राप्त करते हैं ?

(क) जो लोग बहुत परिश्रम करते हैं (ख) जो लोग बहुत धन कमाते हैं

(ग) जो लोग समय की संपत्ति को संयमित रूप से खर्च करते हैं

(घ) जो लोग ईश्वर का भजन करते हैं

3. मृत्यु किस को इस जंजाल से नहीं छुड़ा सकती?

(क) जो लोग बहुत धन व्यय करते हैं (ख) जो लोग परिश्रम नहीं करते हैं

(ग) जो लोग समय को व्यर्थ करते हैं (घ) जो लोग धन की चिंता करते हैं

4. लेखक ने आत्महत्या किसे कहा है? क.

(क) समय का महत्व ना समझने वाले को (ख) धन का महत्व समझने वाले को

(ग) शरीर का महत्व न समझने वाले को (घ) विद्या का महत्व न समझने वाले को

5. लेखक मनुष्य को क्या करने की सलाह देता है?

(क) परिश्रम करने के लिए (ख) धन अर्जित करने के लिए

(ग)प्रत्येक कार्य के लिए पृथक समय व प्रत्येक समय के लिए पृथक कार्य निश्चित करने की

(घ) दिन रात परिश्रम करने के लिए

6. लेखक ने दरिद्र किसे कहा है?

(क) समय की संपत्ति को अंधाधुंध खर्च करने वाले को

(ख) माता पिता की संपत्ति को अंधाधुंध खर्च करने वाले को

(ग) अपनी संपत्ति को अंधाधुंध खर्च करने वाले को

(घ) इनमें से कोई नहीं

7. इस गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है-

(क) समय की संपत्ति (ख) ईश्वर का महत्व

(ग) अच्छा मनुष्य (घ) गिरफ्तारी का वारंट

8. सदुपयोग शब्द का विलोम शब्द है-

(क) सही उपयोग (ख) अनुप्रयोग

(ग) दुरुपयोग (घ) इनमें से कोई नहीं

9. अकर्मण्यता शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय है-

(क) अ तथा ता (ख) अ तथा याता

(ग) अक तथा आ (घ) इनमें से कोई नहीं

10.अमूल्य शब्द का अर्थ है-

(क) जिसका कोई मूल्य ना हो (ख) जिसका मूल्य आँका न जा सके

(ग) जिसका थोड़ा मूल्य हो (घ) इनमें से कोई नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ख	ख	ग	क	ग	क	क	ग	क	ख

गद्यांश-2

यद्यपि यह एक शाश्वत सत्य है फिर भी मृत्यु से सबको भय लगता है। वास्तव में भय किसी वस्तु से अलग हो जाने का है। जो छूटता है उसमें भय है, धन छूट जाएगा, परिवार छूट जाएगा, इसका भय है। त्याग में भय है, किस त्याग में भय हैं ? जिन वस्तुओं को या परिजनों को हम उपयोगी समझते हैं उनके त्याग में भय है। वहाँ भय नहीं होता जहाँ त्याग अपनी इच्छा से किया जाता है जैसे कपड़ा पुराना हो जाता है तो इच्छा से त्याग करते हैं। ऐसे त्याग में संतोष है। दुख वहाँ होता है जहाँ कोई अपनी वस्तु छिन या छूट जाती है। हम कपड़ा या धन दूसरों को दे सकते हैं परंतु एक वस्तु है प्राण जो हम नहीं दे सकते। शरीर से प्राण निकल जाए तो कहते हैं मृत्यु हो गई। इसमें दुख होता है क्योंकि प्राण को हम इच्छा से नहीं छोड़ते। पंच भूतों से बनाया हुआ यह शरीर पहले विकास को प्राप्त होता है और फिर ह्रास की ओर उन्मुख होता है। पंचमहाभूतों के साथ आत्मा का जुड जाना जन्म है। पाँच महाभूतों से आत्मा का अलग हो जाना मृत्यु है। हमारे मनीषी ही बताते हैं कि जो लोग मृत्यु से निर्भय होकर जीवन को पूर्णता के साथ और अर्थपूर्ण जीते हैं वे ही अपना जीवन विश्वास से जी पाते हैं। परंतु हम में से अधिकतर जीवन के परिवर्तन और उलटफेर में इतने तटस्थ और उदासीन रहते हैं कि मृत्यु के बारे में अज्ञानी से बने रहते हैं। मृत्यु अपने शिकार पर बाज पक्षी की तरह चुपचाप आक्रमण कर देती है |गुरु तेगबहादुर जी चेतावनी देते हैं प्रिय मित्र मृत्यु स्वच्छंद है वह कभी भी अपने शिकार के भक्षण के लिए झपट सकती है वह चुपचाप ही आक्रमण कर देती है | अतः आनंद और प्रेम के साथ जियो |

1. शाश्वत सत्य क्या है ?

(क) जीवन (ख) मृत्यु (ग) शोक (घ) सुख

2. मृत्यु से भय क्यों लगता है?

(क) सब कुछ छूट जाने के कारण (ख) फल की चिंता के कारण

(ग) नरक के डर के कारण (घ) अगले जन्म की चिंता के कारण

3. त्याग से भय क्यों लगता है?

(क) बेकार की वस्तुएं छोड़ने के कारण (ख) उपयोगी वस्तुएं छूटने के कारण

(ग) लोभ लालच के कारण (घ) इनमें से कोई नहीं

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1. मृत्यु शाश्वत असत्य है।

कथन 2. पृथ्वी, जल, वायु, तेज और आकाश यह पंच भौतिक तत्व होते हैं।

कथन 3. मृत्यु अपनी शिकार पर शेर की तरह आक्रमण कर देती है।

कथन 4. गुरु तेगबहादुर जी ने आनंद व प्रेम के साथ जीने का सन्देश दिया |

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है –

(क) केवल कथन 2 और 4 (ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3 (घ) उपर्युक्त सभी

5. हमारा शरीर किससे बना है?

(क) पांच महा भूतों से (ख) चार महा भूतों से

(ग) सात महा भूतों से (घ) इनमें से कोई नहीं

6. जन्म क्या होता है?

(क) पांच महा भूतों से आत्मा का मिलना (ख) सात महाभूतों से आत्मा का मिलना

(ग) पांचवा भूतों से आत्मा का निकलना (घ) इनमें से कोई नहीं

7. मृत्यु आती है-

(क) अचानक बिना बताए हुए (ख) पूर्व सूचना देकर

(ग) आने का आहट देकर (घ) इनमें से कोई नहीं

8. मृत्यु की तुलना किस पक्षी से की गई है?

(क) हंस से (ख) बाज पक्षी से (ग) कौआ से (घ) उल्लू से

9. शाश्वत शब्द का अर्थ है-

(क) अदृश्य (ख) हमेशा रहने वाला

(ग) थोडे समय रहने वाला (घ) कभी-कभी दिखने वाला

10. मनीषी शब्द के अर्थ को प्रकट करने वाला शब्द नहीं है-

(क) मूर्ख (ख) विद्वान

(ग) ज्ञानवान (घ) ऋषि

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ख	क	ख	क	क	ग	क	ख	ख	क

गद्यांश-3

दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है। समय को इस महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी । इस महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह से कति कर दिया है। भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इस महामारी के संक्रमण को रोकने के उद्देश्य को पूर्ण बंदी लागू की गई और इसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया। परंतु यह भी सच है कि जिस महामारी से रहे हैं, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की बड़ी भूमिका है, लेकिन सबसे बड़ी चिंता बच्चों और बुजुर्गों को होती है।

इस मामले में अधिकतर नागरिकों ने जागरूकता और सहजबोध की वजह से अनेक सावधानियाँ बरती है, लेकिन इसके समानान्तर अन्य कई समस्याएं खड़ी हुई है। जैसे, आर्थिक गतिविधियाँ जिस प्रकार बुरी तरह प्रभावित हुई है, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और ऊहापोह की स्थिति उत्पन्न कर दी है। एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों को लाचारी यह है कि जहाँ उन्हें यह आश्वासन दिया गया था कि उन्हें नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वहीं उनके साथ हुआ उल्टा | नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराये के घर तक छोड़ने की नौबत आ गई। इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर भी पड़ा है, उसका समाधान कैसे होगा, यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है।

विशेष तौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है। फिर भी, इसमें किए गए वैकल्पिक इंतजामों की वजह से स्कूल भले बंद हो, लेकिन शिक्षा जारी रखने की कोशिश की गई है। स्कूल बंद होने पर बहुत सारे शिक्षकों की वेतन की चिंता प्राथमिकता नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिंता उन्हें सता रही है। हालाँकि एक ओर, एक बड़ी संख्या उन बच्चों की है, जो लैपटॉप या स्मार्टफोन के साथ जीते हैं, लेकिन दूसरी ओर बहुत शिक्षक ऐसे भी है, जिन्हें कम्प्यूटर चलाना ही नहीं आता। उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएं लेने की, परंतु उन्होंने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिल से सीखा। इस तरह फिलहाल जो परिस्थिति है, उसमें पढ़ाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है।

1.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1 गद्यांश में महामारी को अभिशाप बताया गया है।

कथन 2. गद्यांश के अनुसार महामारी से बेरोजगारी छा जाती है।

कथन 3. आजकल सभी शिक्षक ऑनलाइन कार्य करने में समर्थ है।

कथन 4. ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों का भविष्य खराब हो जाता है।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है -

(क) केवल कथन 1

(ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3

(घ) उपर्युक्त सभी

2.पूर्णबंदी लागू क्यों की गई?

(क) संक्रमण को रोकने के लिए (ख) लोगों की आवाजाही को रोकने के लिए

(ग) नियम लागू करने के लिए (घ) लोगों द्वारा नियम न मानने के कारण

3.हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिंता क्यों है?

(क) कमजोर और अक्षम होने के कारण (ख) प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण

(ग) अधिक बीमार रहने के कारण (घ) बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण

4.स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों को जा रही है?

(क) प्राइवेट स्कूलों के दवाब के कारण (ख) शिक्षा जारी रखने के लिए

(ग) बच्चों के भविष्य की चिंता के कारण (घ) शिक्षकों के वेतन के कारण

5.ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है?

(क) शिक्षक की अकुशलता के कारण (ख) तकनीकी रूप से योग्य न होने के कारण

(ग) तकनीकी साधन न होने के कारण (घ) अभिभावकों की रुचि न होने के कारण

6.शिक्षकों ने तकनीक को खुले दिल से क्यों सीखा?

(क) ऑनलाइन पढ़ाने को विवशता के कारण (ख) अपने वेतन के कारण

(ग) बच्चों के भविष्य की चिंता के कारण (घ) अभिभावकों के भय के कारण

7.महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कैसे कराया है?

(क) बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा (ख) अपनी नौकरी की चिंता द्वारा

(ग) अपने वेतन की चिंता द्वारा (घ) तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा

8.जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते है?

(क) जीवन में हलचल उत्पन्न हो जाना (ख) जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना

(ग) जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना (घ) जीवन में आराम न होना

9.भारत में नियम-कानून लागू करना अपने आप में चुनौती क्यों है?

(क) आबादी अधिक होने के कारण

(ख) लोगों के अशिक्षित होने के कारण

(ग) लोगों द्वारा नियम न मानने के कारण

(घ) लोगों में नियम-कानून की समझ न होने के कारण

10.लोगों के जीवन में ऊहापोह की स्थिति कैसे उत्पन्न हो गई?

(क) महामारी आ जाने से (ख) आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो जाने से

(ग) नौकरी चले जाने से (घ) वेतन न मिलने से

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ख	क	ख	ग	क	ग	क	ग	क	ख

गद्यांश-4

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है। मानव समाज में विभिन्न पंथों और विविध मत-मतांतरों के लोग साथ-साथ रह रहे हैं। ऐसे में यह अधिक आवश्यक हो गया है कि लोग एक-दूसरे को जाने; उनकी आवश्यकताओं को, उनकी इच्छाओं-आकांक्षाओं को समझें; उन्हें वरीयता दें और उनके धार्मिक विश्वासों, पद्धतियों, अनुष्ठानों को सम्मान दें। भारत जैसे देश में यह और भी अधिक आवश्यक है, क्योंकि यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है। स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में वे अपने समय से बहुत आगे थे। उन्होंने धर्म को सेवा के केंद्र में रखकर ही आध्यात्मिक चिंतन किया था। उन्होंने यह विद्रोही बयान दिया कि इस देश के तैंतीस करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की तरह मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मनुष्य की मूर्तियों को हटा दिया जाए। उनका दृढ़ मत था कि विभिन्न धर्मो-संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए। वे विभिन्न संप्रदायों की अनेकरूपता को उचित और स्वाभाविक मानते थे। स्वामी जी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य

स्थापित करने के पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयायी बनाने के विरुद्ध थे। वे कहा करते थे— "यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें, एक ही पूजा-पद्धति को अपना लें और एक-सी नैतिकता का अनुपालन करने लगें, तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी, क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा।"

1.'टापू की तरह' जीने से लेखक का क्या अभिप्राय है?

(क) घमंड में रहना (ख) समाज से अलग रहना

(ग) समाज से जुड़कर रहना (घ) विनम्र बनकर रहना

2.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1. मानव शब्द में अ प्रत्यय है

कथन 2. मनुष्य सामाजिक प्राणी होने के कारण समाज में मिलजुल कर रहता है।

कथन 3. स्वामी विवेकानंद जी ने धर्म को सेवा के केंद्र में रखकर आध्यात्मिक चिंतन किया था।

कथन 4. हमें हिंदू ,मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों का नाम परिवर्तन कर केवल मानव धर्म कर देना चाहिए।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है -

(क) केवल कथन 1

(ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3

(घ)उपर्युक्त सभी

3.विभिन्न पंथों और मत-मतांतरों के लोग मिलकर नहीं रहेंगे तो उसका क्या परिणाम होगा?

(क) समाज में शांति स्थापित होगी

(ख) धार्मिक संस्थानों में विवाद नहीं होगा

(ग) सभी का जीवन और अधिक कठिन हो जाएगा

(घ) सभी का जीवन सुखमय हो जाएगा

4.स्वामी विवेकानंद किस बात को समझते थे?

(क) भारत देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है

(ख) भारत में विभिन्न धर्मों, संप्रदायों के बीच संवाद नहीं होना चाहिए

(ग) भारत में सभी धर्मों को स्थान देना उचित नहीं है

(घ) भारत में धार्मिक अनुष्ठानों को महत्त्व नहीं देना चाहिए

5.विवेकानंद जी ने किसको मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखकर आध्यात्मिक चिंतन किया?

(क) समाज को (ख) रीति-रिवाज को

(ग) अनुष्ठानों को (घ) धर्म को

6.विभिन्न धर्म संप्रदायों के बीच संवाद होने से क्या होगा?

(क) विवादों का अंत करने के लिए रास्ता मिलेगा

(ख) विभिन्न संप्रदायों की अनेकरूपता से सभी धार्मिक आस्थाओं के लोगों के विचारों का पता चलेगा

(ग) विभिन्न धार्मिक संस्थाओं व उनके मतों का भेद पता चलेगा

(घ) सभी विवादों की जड़ का पता चलेगा

7.स्वामी विवेकानंद ने सभी लोगों द्वारा एक ही धर्म, मत, पूजा पद्धति को अपनाने या मानने को कैसी स्थिति माना है?

(क) सौभाग्यपूर्ण (ख) सकारात्मक

(ग) दुर्भाग्यपूर्ण (घ) नकारात्मक

8.विवेकानंद जी ने मंदिरों में किन्हें स्थापित करने का मत दिया?

(क) देवियों को (ख) देवताओं को

(ग) दरिद्र व कुपोषण के शिकार लोगों को (घ) सामान्य मनुष्यों को

9.गद्यांश में किसकी आवश्यकताओं तथा इच्छाओं का सम्मान करने की बात कही गई है?

(क) विवेकानंद जी की (ख) विभिन्न मतों को मानने वाले लोगों की

(ग) उच्च वर्ग के लोगों की (घ) निम्न वर्ग के लोगों की

10.प्रस्तुत गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?

(क) अनेकता में एकता पर (ख) धर्म आधारित समाज पर

(ग) संप्रदाय मतभेद पर (घ) समाज व्यवस्था पर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ख	ग	ग	क	घ	ख	ग	ग	ख	क

गद्यांश-5

भाषा का एक प्रमुख गुण है-सृजनशीलता। हिंदी में सृजनशीलता का अद्भुत गुण है, अद्भुत क्षमता है, जिससे वह निरंतर प्रवाहमान है। हिंदी ही ऐसी भाषा है, जिसमें समायोजन की पर्याप्त और जादुई शक्ति है। अन्य भाषाओं और संस्कृतियों के शब्दों को हिंदी जिस अधिकार और सहजता से ग्रहण करती है, उससे हिंदी की संभावनाएँ प्रशस्त होती है। हिंदी के लचीलेपन ने अनेक भाषाओं के शब्दों को ही नहीं, उनके सांस्कृतिक तेवरों को भी अपने में समेट लिया है। यही कारण है कि हिंदी सामाजिक संस्कृति तथा विविध भाषा-भाषियों और धर्मावलंबियों की प्रमुख पहचान बन गई है। अरबी, फ़ारसी, तुर्की, अंग्रेज़ी आदि के शब्द हिंदी की शब्द-संपदा में ऐसे मिल गए हैं, जैसे वे जन्म से ही इसी भाषा परिवार के सदस्य हों। यह समाहार उसकी जीवंतता का प्रमाण है।

आज हम परहेज़ी होकर, शुद्धतावाद की जड़ मानसिकता में कैद होकर नहीं रह सकते। सूचना-क्रांति, तकनीकी विकास और वैज्ञानिक आविष्कारों के दबाव ने हमें सबसे संवाद करने के अवसर दिए है। विश्व-ग्राम की संकल्पना से हिंदी को निरंतर चलना होगा। इसके लिए आवश्यक है- आधुनिक प्रयोजनों के अनुरूप विकास और भाषा एवं लिपि से संबंधित यांत्रिक साधनों का विकास। इंटरनेट से लेकर बाजार तक, राजकाज से लेकर शिक्षा और न्याय के मंदिरों तक हिंदी को उपयोगी और कार्यक्षम बनाने के लिए उसका सरल-सहज होना आवश्यक है और उसकी ध्वनि, लिपि, शब्द- वर्तनी, वाक्य-रचना आदि का मानकीकृत होना भी आवश्यक है।

1.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1. भाषा सृजनशीलता के गुण के कारण ही प्रवाहमान हो पाती है ।

कथन 2. हिंदी भाषा ने विदेशी भाषाओं को भी आत्मसात कर लिया है।

कथन 3. संकल्पना में सम् उपसर्ग है

कथन 4. मानकीकृत का अर्थ होता है एक शब्द के अनेक प्रचलित रूपों में से किसी एक को मान्यता देना।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है -

(क) केवल कथन 1 (ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3 (घ) उपर्युक्त सभी

2.हिंदी की संभावनाएँ कैसे प्रशस्त होती गई हैं?

(क) अन्य भाषाओं के शब्दों को सहजता से ग्रहण करने से

(ख) अपने सांस्कृतिक स्वरूप से

(ग) अपनी तटस्थता से

(घ) अन्य भाषाओं को तुच्छ समझकर

3.हिंदी ने लचीलेपन के कारण क्या किया?

(क) केवल अन्य भाषा के शब्दों को ग्रहण किया

(ख) अन्य भाषाओं के शब्दों व सांस्कृतिक तेवरों को अपने में समेट लिया

(ग) अपनी सामाजिक पहचान को बनाए रखा

(घ) दूसरी भाषाओं को अधिक महत्व दिया

4.हिंदी भाषा के संदर्भ में शुद्धतावादी होने से क्या तात्पर्य है?

(क) गैर-हिंदी भाषाओं के शब्दों को ग्रहण करना

(ख) हिंदी की बोलियों और उनके शब्दों को प्रधानता देकर हिंदी का विकास करना

(ग) क और ख दोनों (घ) केवल हिंदी को महत्त्व देना

5.आज हमें सबसे संवाद करने के अवसर किसने दिए हैं?

(क) सूचना क्रांति ने (ख) तकनीकी विकास ने

(ग) वैज्ञानिक आविष्कारों के दबाव ने (घ) उपरोक्त सभी

6.आधुनिक प्रयोजनों के अनुरूप विकास और भाषा एवं लिपि से संबंधित यांत्रिक साधनों का विकास करने से क्या होगा?

(क) विश्वग्राम की संकल्पना साकार हो जाएगी (ख) हिंदी की उन्नति अवरुद्ध हो जाएगी

(ग) मनुष्य यंत्रवत प्राणी बनकर रह जाएगा (घ) तकनीकी उन्नति होगी

7.हिंदी को उपयोगी और कार्यक्षम बनाने के लिए उसे कैसा होना चाहिए ?

(क) समृद्ध (ख) क्लिष्ट

(ग) सरल-सहज (घ) ये सभी

8.हिंदी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं में भारत का प्रतिनिधित्व कब करेगी?

(क) जब सरकार की तत्परता होगी

(ख) जब जनता की इच्छाशक्ति होगी

(ग) जब सरकार की तत्परता के साथ जनता की दृढ़ इच्छाशक्ति को हिंदी से जोड़ देंगे

(घ) जब हिंदी को अधिक महत्त्व मिलने लगेगा

9.हिंदी ने अन्य भाषाओं के शब्दों को स्वयं में समाहित करते हुए अपना स्वरूप निर्मित करके क्या किया?

(क) भारत की भौगोलिक स्थिति में परिवर्तन किया

(ख) भारत की सामाजिक संस्कृति की पहचान बन गई

(ग) हिंदी के स्वरूपों को आच्छादित किया

(घ) हिंदी के विकास को रोक दिया

10.प्रस्तुत गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है?

(क) हिंदी भाषा पर (ख) हिंदी भाषा और अन्य भाषा पर

(ग) हिंदी भाषा और तकनीकी युग पर (घ) हिंदी के विकास पर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
घ	क	ख	क	घ	क	ग	ग	ख	ग

****

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए-

पद्यांश-1

शांति नहीं तब तक, जब तक
सुख भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो,
नहीं किसी को कम हो।
ऐसी शांति राज्य करती है
तन पर नहीं, हृदय पर,
नर के ऊँचे विश्वासों पर
श्रद्धा, भक्ति, प्रणय पर।
न्याय शांति का प्रथम न्यास है
जब तक न्याय न आता।
जैसा भी हो महल शांति का,
सुदृढ़ नहीं रह पाता।
कृत्रिम शांति शशंक आप,
अपने से ही डरती है,
खड़ग छोड़ विश्वास किसी का,
कभी नहीं करती है।
और जिन्हें इस शांति व्यवस्था में
सुख भोग सुलभ है,
उनके लिए शांति ही जीवन, सार, सिद्धि दुर्लभ है।

1.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1. कवि के अनुसार शांति स्थापित करने के लिए सुख-सुविधा के साधनों पर सभी को समान अधिकार मिलना चाहिए।

कथन 2. पद्यांश में न्याय को शांति की प्रथम कसौटी/धरोहर कहा गया है।

कथन 3. खडग तलवार का पर्यायवाची है।

कथन 4. कृत्रिम शांति स्थापित करने से मनीष भयभीत रहता है।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है –

(क) केवल कथन 1 (ख) केवल कथन 1और 2
(ग) कथन 1, 2 और 3 (घ) उपर्युक्त सभी

2.कृत्रिम शांति से क्या हानि संभव है ?

(क) न्याय मिलता है, शांति नहीं (ख) विद्वेष विस्तार पाता है
(ग) वास्तविक संबंधों के स्थान पर कृत्रिम भावों का प्रसार
(घ) प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम संसाधनों की बहुलता

3.काव्यांश का संदेश क्या हो सकता है?

(क) समता व न्याय का समाज में पोषण करना चाहिए
(ख) कृत्रिम शांति और समान अवसर प्रदान करना चाहिए
(ग) योग्यता के आधार पर ही जीवन संसाधनों का बंटवारा होना चाहिए
(घ) कृत्रिम विज्ञान की सहायता से प्राकृतिक शांति स्थापित करनी चाहिए

4. कवि किस प्रकार की शांति को महत्वपूर्ण मानता है?

(क) न्याय और आर्थिक समानता पर आधारित

(ख) कृत्रिम शांति और आर्थिक समानता पर आधारित

(ग) कृत्रिम शांति से वैश्विक संघर्षों के समाधान पर आधारित

(घ) श्रद्धा, भक्ति, प्रणय व त्याग आधारित

5. निम्नलिखित कथनों को सुमेलित कीजिए

1. शांति स्थापित होती है।	**a) खडग से**
2. कृत्रिम शांति डरती है।	**b) अपने आप से**
3. कृत्रिम शांति टिक पाती है ।	**c) समान साधन और अवसर की प्राप्ति से**
4. सुख भाग से तात्पर्य है।	**d) न्याय से**

(क) 1. d 2. b 3. a 4. c

(ख) 1. c 2. b 3. d 4. a

(ग) 1. a 2. d 3. c 4. b

(घ) 1. a 2. c 3. b 4. d

1	2	3	4	5
ख	घ	क	क	क

पद्यांश-2

प्रभु ने तुमको कर दान किए, सब वांछित वस्तु विधान किए।
तुम प्राप्त करो उनको न अहो, फिर है किसका वह दोष कहो ?
समझो न अलभ्य किसी धन को, नर हो न निराश करो मन को।
किस गौरव के तुम योग्य नहीं,कब कौन तुम्हें सुख भोग्य नहीं ?
जन हो तुम भी जगदीश्वर के, सब है जिसके अपने घर के ।
फिर दुर्लभ क्या है उसके मन को ? नर हो, न निराश करो मन को ।
करके विधि-वाद न खेद करो, निज लक्ष्य निरंतर भेद करो।
बनता बस उद्धम ही विधि है, मिलती जिससे सुख की निधि है।
समझो धिक् निष्क्रिय जीवन को, नर हो, न निराश करो मन को ।

1.वांछित वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने में किसका दोष है ?

(क) अकर्मण्य मनुष्यों का (ख) समाज में व्याप्त असमानता का

(ग) निराश नर नारियों का (घ) निराशाजनक परिस्थितियों का

2.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1 गद्यांश के अनुसार ईश्वर ने पृथ्वी पर सभी वस्तुएं प्रदान की है।

कथन 2. निष्क्रिय जीवन को धिक्कारना चाहिए।

कथन 3. भाग्य के भरोसे नहीं बैठना चाहिए।

कथन 4. परिश्रम करने से सारी वस्तुएं / सभी सुख प्राप्त हो जाते है।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है –

(क) केवल कथन 1 (ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3 (घ) उपर्युक्त सभी

3.इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है ?

(क) नर हैं, अतः निराश न हों (ख) आशा के साथ जगदीश्वर पर भरोसा रखें

(ग) लक्ष्य है, अतः पाने का प्रयास करें (घ) नियति निश्चित है, अतः प्रतीक्षा करें

4.इस काव्यांश से कवि के कौन से विचारों का परिचय मिलता है ?

(क) कवि अलभ्य धन अर्जित कर गौरव प्राप्ति के लिये प्रेरणा दे रहे हैं

(ख) कवि बता रहे हैं भगवान जी के लिये सभी जन एक समान हैं

(ग) कवि कर्मण्येवाधिकारस्ते का मार्ग अपना कर्म करने को कह रहे हैं

(घ) कवि कह रहे हैं निराशा त्याग कर नियति स्वीकार करनी चाहिये

5.निम्नलिखित कथनों को सुमेलित कीजिए

शब्द	**अर्थ**
1. कर	**a) इच्छित**
2. वांछित	**b) परिश्रम**
3. विधि वाद	**c) भाग्य**
4. उद्यम	**d) हाथ**

(क) 1. a 2. c 3. d 4. b

(ख) 1. c 2. b 3. d 4. a

(ग) 1. d 2. a 3. c 4. b

(घ). 1. a 2. c 3. b 4. d

1	2	3	4	5
क	घ	ग	ग	ग

पद्यांश-3

जिसके चरणों पर धरती
और बाँहों में गंगा-जमुना जल है,
जिसके नयनों का काजल ही
उड़कर बनता बादल-दल है,
पर्वत कैसे कह दूँ इसको-
यह तो मेरा तीर्थ स्थल है।
इस तीर्थ के दर्शन से ही
मानस बन जाता है दर्पण।
यों तो इसने सबकी उन्नति
अपनी ही जैसी चाही है
सबके संग सच्चाई और,
सुंदरता की नीति निबाही है;
पर कभी किसी से झुका नहीं
इसका इतिहास गवाही है,
ऐसे गर्वोन्मत्त प्रहरी पर
न्योछावर मेरा तन-मन-धन

1.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1. प्रस्तुत पद्यांश में बताया गया है कि हिमालय के चरण पृथ्वी पर है।

कथन 2. गर्वोन्मत में गुण संधि है।

कथन 3. कभी अपना तन मन और धन हिमालय पर करना चाहता है।

कथन 4. कवि केवल अपनी उन्नति चाहता है।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है –

(क) केवल कथन 1 (ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3 (घ) उपर्युक्त सभी

2.कवि ने अपना तीर्थ स्थल किसे माना है?

(क) मंदिर को (ख) मस्जिद को

(ग) हिमालय पर्वत को (घ)) मातृभूमि को

3.तीर्थ स्थल का दर्शन करने का क्या परिणाम होता है?

(क) मन दर्पण के समान स्वच्छ बन जाता है।

(ख) मन में संन्यास लेने की प्रवृत्ति जागृत हो जाती है

(ग) मन शंकाओं से घिर जाता है।

(घ) मन का अधूरापन भर जाता है |

4.पद्यांश के अनुसार इतिहास किस बात का गवाह है?

(क) कवि का सिर कहीं झुका नहीं है

(ख) बादल धरती पर बरसे हैं

(ग) हिमालय का सिर किसी से नहीं झुका है

(घ) सुंदरता किसी के आगे नहीं झुकती है

5.निम्नलिखित कथनों को सुमेलित कीजिए

1. कविता में तीर्थ स्थल कहा गया है।	**a) बादल को**
2. हिमालय के नेत्रों का काजल कहा गया है।	**b) इतिहास को**
3. अडिगता का साक्षी बताया गया है	**c) कवि को**
4. गर्वोन्मत प्रहरी पर न्योछावर बताया गया है।	**d) हिमालय को**

(क) 1. a 2. c 3. d 4. B (ख) 1. c 2. b 3. d 4. a

(ग) 1. a 2. d 3. c 4. B (घ) 1. d 2. a 3. b 4. d

1	2	3	4	5
ग	ग	क	ग	घ

पद्यांश-4

जी हाँ हजूर, मैं गीत बेचता हूँ,
मैं तरह-तरह के गीत बेचता हूँ,
मैं किस्म-किस्म के गीत बेचता हूँ,
जी, माल देखिए, दाम बताऊँगा,
बेकाम नहीं है, काम बताऊँगा,
कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैंने,
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैंने,
यह गीत सख्त दर्द भुलाएगा,
यह गीत पिया को पास बुलाएगा,
जी, पहले कुछ शर्म लगी मुझको !
पर बाद बाद में अक्ल जगी मुझको,
जी, लोगों ने तो बेच दिए ईमान,
जी, आप न हो सुनकर ज़्यादा हैरान।

1.कवि गीत बेचने को मजबूर क्यों हुआ?

(क) कवि को कोई अन्य कार्य नहीं आता

(ख) वर्तमान व्यवस्था नैतिक मूल्यों की कद्र नहीं करती

(ग) समाज में सब कुछ बिकाऊ है

(घ) कवि के पास भिन्न-भिन्न प्रकार के गीत हैं

2.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1. पद्यांश में कवि ने बाजारवादी संस्कृति के बारे में बताया है।

कथन 2. कभी बाजारवादी संस्कृति को प्रजातांत्रिक संस्कृति के रूप में मानता है ।

कथन 3. कवि प्रियतम को पास बुलाने वाले गीत भी लिखता है।

कथन 4. कवि के अनुसार लोगों ने अपने ईमान भी बेच दिए।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है -

(क) कथन 1,3 और 4 (ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3 (घ) उपर्युक्त सभी

3.प्रस्तुत पद्यांश में किस पर व्यंग्य किया गया है?

(क) कवि की गीत बेचने की प्रवृत्ति पर

(ख) औद्योगिक पूँजीवादी व्यवस्था पर जहाँ सब कुछ बिकाऊ है

(ग) गीतों के विभिन्न प्रकारों पर (घ) दाम लगाने वाले कवियों पर

4.प्रस्तुत पद्यांश का मूल भाव क्या है?

(क) गीतों को बेचने का कार्य करना

(ख) वर्तमान भौतिकवादी व्यवस्था का विरोध करना

(ग) गीतकार के दुःख की अभिव्यक्ति करना

(घ) गीत के प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण वर्णन करना

5. यहां कुछ शब्द दिए गए हैं पद्यांश से उन शब्दों के पर्यायवाची शब्दों को तालिका से सुमेलित करके लिखिए।

शब्द	**अर्थ**
1. प्रज्ञा	**a)** गीत
2. संताप	**b)** दाम
3. मूल्य	**c)** दर्द
4. नगमा	**d)** अक्ल

(क) 1. a 2. c 3. d 4. b

(ख) 1. c 2. b 3. d 4. a

(ग) 1. d 2. c 3. b 4. a

(घ) 1. a 2. c 3. b 4. d

1	2	3	4	5
ख	घ	ख	क	ग

पद्यांश-5

इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से
संचित करो धरा, समता की भाव वृष्टि से
जाति भेद की, धर्म वेश की

काले गोरे, रंग द्वेष की
ज्वालाओं से जलते जग में
इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।
लो अतीत में उतना ही जितना पोषक है।
जीर्ण शीर्ण का मोह, मृत्यु का ही द्योतक है।
तोड़ो बंधन, रुके न चिंतन
गति जीवन का सत्य चिरंतन
धारा के शाश्वत प्रवाह में इतने गतिमान बनो
कि जितना परिवर्तन है।

1.'ज्वालाओं से जलते जग में पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(क) अतिश्योक्ति (ख) अन्योक्ति

(ग) अनुप्रास (घ) उपमा

2.नए समाज के निर्माण में नई सोच क्या होगी?

(क) सभी को समानता की दृष्टि से देखना (ख) स्वयं को ऊँचा उठाना

(ग) दूसरों से भेदभाव करना (घ) धर्म को प्रधानता देना

3.कवि ने समानता का भाव दर्शाने के लिए किसका उदाहरण दिया है?

(क) अतीत (ख) वर्षा का

(ग) मृत्यु का (घ) पवन का

4.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन 1 कवि ने नए समाज की स्थापना में समता की महत्ता प्रकट की है |

कथन 2. मलयानिल को शान्ति का प्रतीक बताया है |

कथन 3. अतीत की अच्छी यादें भविष्य निर्माण का आधार है |

कथन 4. आगे बढ़ना ही जीवन है |

निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है -

(क) केवल कथन 1

(ख) केवल कथन 1और 2

(ग) कथन 1, 2 और 3

(घ) सभी कथन सही हैं

5.हमें किसके समान जीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए?

(क) सूरज के (ख)धरती के

(ग) परिवर्तन के (घ) बंधन के

1	2	3	4	5
घ	ख	ख	घ	ग

****

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन (अभिव्यक्ति और माध्यम)

पाठ 3. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

1) निम्नलिखित में से कौन सी बातें रेडियों के लिए समाचार लेखन की बुनियादी बातें हैं -

क) साफ-सुधरी और टाइप्ड कॉपी

ख) डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षरों का प्रयोग

ग) क और ख दोनों

घ) कोई भी नहीं

उत्तर: ग) क और ख दोनों

2) प्रसारण के लिए तैयार की जा रही समाचार कॉपी को कंप्यूटर पर कितने स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए?

क) सिंगल स्पेस ख) डबल स्पेस

ग) ट्रिपल स्पेस घ) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: ग) ट्रिपल स्पेस

3) उल्टा पिरामिड शैली में समाचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को कहां लिखा जाता है?

क) सबसे पहले ख) बीच में

ग) आखिर में घ) कहीं भी

उत्तर: क) सबसे पहले

4) लेखन में हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है?

क) भाषा ख) व्याकरण

ग) वर्तनी घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर: घ) उपर्युक्त सभी

5) इंटरनेट क्या है?

क) लोकल एरिया नेटवर्क का एक इंटरकनेक्शन

ख) एक सिंगल नेटवर्क

ग) विभिन्न नेटवर्क का एक विशाल कनेक्शन

घ) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर ग) विभिन्न नेटवर्क का एक विशाल कनेक्शन

6) इनमें से कौन सा एक इंटरनेट नेटवर्क है?

क) मैन ख) लेन ग) वैन घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर ख) लेन

7) पहली वेबसाइट अस्तित्व _____ आई थी ?

क) 1992 में ख) 1991में ग) 1994 में घ) 1990 में

उत्तर (ख) 1991में

8) गूगल क्रोम एक _____ है।

क) सर्च इंजन ख) ईमेल ग) वेबसाइट घ) ब्राउज़र

उत्तर (घ) ब्राउज़र

9) 'एंकर बाइट' में बाइट का क्या अर्थ है?

क) मेघा बाइट ख) कीड़े का काटना

ग) एंकर की आवाज घ) बाइट यानी कथन

उत्तर (घ) बाइट यानी कथन

10) भारत में टेलीविजन का आरंभ कब हुआ था?

क) 20 अगस्त 1949 ख) 15 सितंबर 1959

ग) 26 जनवरी 1975 घ) 4 मार्च 1942

उत्तर: ख) 15 सितंबर 1959

11) हिंदी में नेट पत्रकारिता किसके साथ शुरू हुई थी?

क) वेब दुनिया ख) इंटरनेट

ग) घटनास्थल से खबर प्रस्तुत करना घ) बी.बी.सी. साइट

उत्तर: क) वेब दुनिया

12) निम्नलिखित में से कौन सा अखबार प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ इंटरनेट पर उपलब्ध है?

क) अमर उजाला ख) हिंदुस्तान

ग) भास्कर घ) प्रभासाक्षी

उत्तर: घ) प्रभासाक्षी

13) पत्रकारिता की सबसे सर्वश्रेष्ठ साइट कौन सी है?

क) बी.बी.सी. साइट ख) आई.आई.एम.सी. साइट

ग) एच हिंदी साइट घ) हिंदी भाषण साइट

उत्तर: क) बी.बी.सी. साइट

14) टेलीविजन के लिए खबर लिखने की मौलिक शर्त क्या है-

क) शब्दों के साथ लेखन

ख) श्रोता के लिए लेखन

ग) चित्रों के साथ लेकन

घ) दृश्य के साथ लेखन **उत्तर: घ) दृश्य के साथ लेखन**

15) टेलीविजन पर खबर पेश करने के तरीकों को हम किस प्रकार समझ सकते हैं-

क) खबरों के प्रचलित ढांचे या फॉर्मेट को समझकर

ख) खबरों के प्रचलित ढांचे को समझकर

ग) सिर्फ फॉर्मेट को समझकर

घ) टीवी पर दिखाई खबरों को समझकर

उत्तर: क) खबरों के प्रचलित ढांचे या फॉर्मेट को समझकर

16) टी.वी. के लिए अच्छी खबर कैसे खिलकर आती है ?

क) छोटे वाक्यों एवं बेहतरीन संपादन से ख) अच्छे चित्रों के रंग से

ग) विजुअल इफेक्ट्स से घ) अच्छे कार्यक्रमों से

उत्तर : (क) छोटे वाक्यों एवं बेहतरीन संपादन से

17) रेडियो..... माध्यम है।

क) दृश्य ख) श्रव्य

ग) दृश्य और श्रव्य दोनों घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: ख) श्रव्य

18) पहला छापाखाना सन् 1556 में कहां खुला?

क) केरल ख) दिल्ली

ग) गोवा घ) महाराष्ट्र

उत्तर: ग) गोवा

<u>बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु महत्वपूर्ण जानकारियाँ –</u>

1 प्रमुख जनसंचार माध्यम हैं – समाचार पत्र, रेडियो, टी.वी., इंटरनेट
जनसंचार माध्यम एक दूसरे के पूरक होते हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं |

2 प्रिंट या मुद्रित माध्यम हैं – छपाई वाले माध्यम जैसे समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ

3 मुद्रण या छपाई की शुरुआत हुई – चीन से

4 यूरोप के पुनर्जागरण जिसमें छापेखाने की अहम भूमिका थी – रेनेसाँ

5 छापेखाने का आविष्कार किया- गुटेनबर्ग (जर्मनी)

6 भारत में पहला छापाखाना खुला – 1556 ई. में गोवा में, ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए |

7 रेडियो एक माध्यम है- श्रव्य माध्यम, एक रेखीय (लीनियर)

8 नियमित अपडेट होने वाली पत्रकारिता की साइट – हिन्दू, टाइम्स ऑफ़ इंडिया, आज तक, जी न्यूज़ आदि |

9 भारत में वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता करने का श्रेय – तहलका डॉटकॉम

10 हिंदी के समाचार-पत्र – अमर उजाला, दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी, नई दुनिया, राजस्थान पत्रिका आदि |

11 समाचार-पत्र जो केवल इंटरनेट पर ही उपलब्ध है- प्रभासाक्षी |

12 एक वेब भाषा का नाम – हाइपर टेक्स्ट मार्क्डअप लैंग्वेज HTML

13 विश्व स्तर पर इन्टरनेट पत्रकारिता का दौर-
पहला- 1982 से 1992 तक , दूसरा – 1993 से 2001, तीसरा- 2002 से अब तक

14 भारत में इंटरनेट पत्रकारिता के दौर-
पहला- 1993 से 2002, दूसरा- 2003 से अब तक

15 इंटरनेट एक माध्यम है – अंतरक्रियात्मक (इंटरएक्टिव)

16 रेडियो में श्रोताओं के लिए फ्रेम 'आज' होता है |

17 नेट साउंड – प्राकृतिक आवाजें जो शूट करते वक्त खूब-ब-खुद चली आती है |

18 ब्राउज़र – वह औज़ार/साधन जिसके ज़रिये विश्वव्यापी जाल में प्रवेश किया जाता है |

19 वेब पत्रकारिता की साइट- 'रीडिफ़ डॉट कॉम' , 'इंडिया इंफोलाइन' , 'सीफी'

20 भारत की पहली साइट जो गंभीरता से इंटरनेट पत्रकारिता कर रही है – रीडिफ़

वर्णनात्मक प्रश्न

प्र. (1) प्रिंट/मुद्रित माध्यमों की विशेषताएँ व कमियाँ लिखिए ?

उत्तर- प्रिंट माध्यमों की विशेषताएँ-

(i) इनमें स्थायित्व होता है | इन्हें लम्बे समय तक सुरक्षित रख इस्तेमाल किया जा सकता है |

(ii) इन्हें हम कहीं भी और कभी भी पढ़ सकते हैं |

(iii) इससे हमारी लिखित भाषा का विस्तार होता है |

(iv) यह चिंतन, विचार व विश्लेषण का माध्यम है |

प्रिंट माध्यमों की कमियाँ-

(i) यह अनपढ़ लोगों के लिए उपयोगी नहीं है |

(ii) इससे तुरंत घटी घटनाओं की जानकारी नहीं मिलती |

(iii) इसमें गलतियों की संभावना रह जाती है |

(iv) इसमें आवंटित जगह में ही लेखक लिख सकता है |

प्र. (2) मुद्रित माध्यमों के लेखन में ध्यान रखने योग्य बातें लिखिए |

उत्तर- (i) लेखन में भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना चाहिए |

(ii) प्रचलित भाषा का प्रयोग करना चाहिए |

(iii) समय-सीमा व आवंटित जगह का ध्यान रखना चाहिए |

(iv) गलतियों व अशुद्धियों को ठीक करना चाहिए |

(v) लेखन में सहज प्रवाह हेतु तारतम्यता होनी चाहिए |

प्र. (3) रेडियो समाचार की संरचना को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- रेडियो समाचारों की संरचना उलटा पिरामिड शैली पर आधारित होती है । इस शैली में समाचार तीन भाग होते हैं-

इंट्रो- इसे इंट्रो / लीड / मुखड़ा कहते हैं। इसमें खबर के मूल तत्व को शुरू की दो-तीन पंक्तियों में बताया जाता है। यह खबर का सबसे अहम हिस्सा होता है। |

बॉडी- इस भाग में समाचार के विस्तृत ब्यौरे को घटते हुए महत्वक्रम में लिखा जाता है।

समापन- इसमें प्रासंगिक तथ्य और सूचनाएँ दी जा सकती हैं।

प्र. (4) रेडियो के लिए समाचार-लेखन की बुनियादी बातें लिखिए |

उत्तर-

1. कंप्यूटर पर ट्रिपल स्पेस में टाइप, दोनों ओर हाशिया छोड़ा जाता है, एक लाइन में अधिकतम 12-13 शब्द, पंक्ति के आखिर में कोई शब्द विभाजित नहीं, पृष्ठ के आखिर में कोई लाइन अधूरी नहीं हो |

2.लोकप्रिय संक्षिप्ताक्षर ही प्रयोग किए जाएँ अन्य नहीं |

3. 11से 999 तक के अंक अंकों में तथा अन्य सभी अंक शब्दों में लिखे जाएँ |

4.संकेत चिह्नों को शब्दों में लिखें जैसे प्रतिशत, डॉलर आदि

5.दशमलव के अंक नजदीकी पूर्णांक में लिखे जाएँ |

6.तिथियों को इस प्रकार लिखा जाए - 15 अगस्त उन्नीस सौ पचासी

प्र. (5) टी.वी. ख़बरों के विभिन्न चरण स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- टी.वी. ख़बरों के सात चरण इस प्रकार हैं -

1. फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज़- बड़ी ख़बर कम से कम शब्दों में तत्काल / तुरंत दर्शकों तक पहुँचाई जाती है |

2. ड्राई एंकर- एंकर बिना दृश्य के दर्शकों को सीधे-सीधे समाचार की जानकारी देता है |

3. फोन-इन - एंकर घटनास्थल पर मौजूद रिपोर्टर से फोन पर बात कर दर्शकों को सूचनाएँ देता है |

4. एंकर- विजुअल- दृश्यों के आधार पर खबर लिखी जाती है जिसे एंकर पढ़ता है | साथ ही साथ दृश्य भी दिखाए जाते हैं

5. एंकर बाइट- बाइट का अर्थ है कथन एंकर खबर पढ़ने और दृश्य दिखाने के साथ-साथ घटना से जुड़े व्यक्तियों के कथन दिखाता व सुनाता है। एंकर बाइट की आवश्यकता / महत्त्व खबर को प्रामाणिकता प्रदान करने के लिए है |

6. लाइव- खबर का घटनास्थल से सीधा प्रसारण लाइव कहलाता है |

7. एंकर पैकेज- एंकर सम्बंधित घटना के दृश्य बाइट, ग्राफिक्स, आदि के साथ उसे सम्पूर्ण रूप में प्रस्तुत करता है |

प्र. (6) टेलीविजन के लिए समाचार या आलेख (स्क्रिप्ट) लिखते समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

उत्तर- टेलीविजन में समाचार या आलेख (स्क्रिप्ट) लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए -

i) हमारे शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों |

ii) टेलीविजन लेखन प्रिंट और रेडियो दोनों ही माध्यमों से काफ़ी अलग है। इसमें कम-से-कम शब्दों में ज्यादा से ज्यादा खबर बताने की कला का इस्तेमाल करना चाहिए

iii) टी०वी० के लिए खबर लिखने की बुनियादी शर्त दृश्य के साथ लेखन है। दृश्य यानी कैमरे से लिए गए शॉट्स, जिनके आधार पर खबर बुनी जाती है।

प्र. (7) रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा की विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर- रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा की विशेषताएँ इस प्रकार हैं -

i) भाषा सरल किन्तु स्तरीय हो । आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाए |

ii) वाक्य छोटे सीधे और स्पष्ट लिखे जाएँ। वाक्यों में तारतम्य हो ।

iii) गैरजरूरी विशेषणों, सामासिक और तत्सम शब्दों, अतिरंजित उपमाओं आदि से बचना चाहिए।

iv) मुहावरों का इस्तेमाल जहाँ जरूरी हो, वही करना चाहिए।

v) रेडियो व टी.वी. में अखबारों से भिन्न निम्नलिखित, उपरोक्त, अधोहस्ताक्षारित, क्रमांक आदि शब्दों का प्रयोग नहीं होता है ।

प्र. (8) रेडियो, टेलीविज़न और इंटरनेट की विशेषताएं व कमियाँ लिखिए ।

उत्तर- रेडियो, टेलीविज़न और इंटरनेट की विशेषताएं व कमियाँ इस प्रकार हैं –

	रेडियो	**टेलीविज़न**	
विशेषताएँ	(i) यह श्रव्य माध्यम है । (ii) रेडियो पर खबरें सुनकर हम उन्मुक्त महसूस करते हैं । (iii) यह एकरेखीय माध्यम है (iv) यह एक सुलभ माध्यम है (v) यह पढ़े-लिखे व अनपढ़ सभी लोगों के लिए भी उपयोगी है ।	(i) यह दृश्य-श्रव्य माध्यम है । (ii) इस पर तस्वीरें देखकर जीवन्तता का अहसास होता है । (iii) यह एकरेखीय माध्यम है (iv) इस पर सीधा प्रसारण देखा जा सकता है ।	(i) इसमें रेडियो, टी.वी. व अखबार तीनों के गुण होते हैं । (ii) यह एक अंतरक्रियात्मक माध्यम है। (iii) यह सबसे तेज़ व लोकप्रिय माध्यम है ।
कमियाँ	(i) रेडियो पर समाचार एक बार में ही सुनना व समझना पड़ता है । (ii) तस्वीरें न होने के कारण कम रोचक होता है ।	(i) इसे बार-बार देख-सुन नहीं सकते । (ii) यह एक खर्चीला माध्यम है	(i) इससे अश्लीलता व दुराचारों को बढ़ावा मिलता है । (ii) इससे मन भटकने के कारण समय की बर्बादी होती है ।

प्र. (9) इंटरनेट व इंटरनेट पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर-

इंटरनेट सिर्फ़ एक टूल यानी औज़ार है, जिसे आप सूचना, मनोरंजन, ज्ञान और व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इंटरनेट पत्रकारिता इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन व खबरों का आदान-प्रदान इंटरनेट पत्रकारिता है। इसमें रेडियो, टी.वी. और अखबार तीनों के गुण, सबसे तेज़ व ताजा पत्रकारिता है। इंटरनेट पत्रकारिता लोकप्रिय है क्योंकि इससे खबरों के संप्रेषण के साथ बैकग्राउंडर तैयार करने में तत्काल सहायता मिलती है|

प्र. (10) हिंदी नेट संसार या वेब पत्रकारिता के इतिहास पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर- हिंदी में नेट पत्रकारिता 'वेब दुनिया' के साथ शुरू हुई। यह पोर्टल हिंदी का संपूर्ण पोर्टल है 'जागरण', 'अमर उजाला', 'नयी दुनिया', 'हिन्दुस्तान', 'भास्कर', 'राजस्थान पत्रिका', 'नवभारत टाइम्स', 'प्रभात खबर' व 'राष्ट्रीय सहारा के वेब संस्करण शुरू हुए । 'प्रभासाक्षी' नाम से शुरू हुआ अखबार, प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ इंटरनेट पर ही उपलब्ध है। आज पत्रकारिता के लिहाज से हिंदी की सर्वश्रेष्ठ साइट बीबीसी की है। | हिंदी नेट में कई साहित्यिक पत्रिकाएँ चल रही ।

प्र. (11) विश्व स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता के इतिहास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर- विश्व स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता का पहला दौर 1982 से 1992 तक जबकि दूसरा दौर चला 1993 से 2001 तक तीसरे दौर की इंटरनेट पत्रकारिता 2002 से अब तक की है।

सच्चे अर्थों में इंटरनेट पत्रकारिता की शुरुआत 1983 से 2002 के बीच हुई। नयी वेब भाषा एच टी एम एल (हाइपर टेक्स्ट मार्डअप लैंग्वेज) आई, इंटरनेट ईमेल आया, इंटरनेट आया, इंटरनेट एक्सप्लोरर और नेटस्केप नाम के ब्राउजर आए। इंटरनेट पत्रकारिता का तीसरा दौर सच्चे अर्थों में टिकाऊ हो सकता है।

****

पाठ 4. पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

1. विशेष रिपोर्ट किस आधार पर प्रकाशित होती हैं?

(अ) विश्लेषण (ब) व्याख्या (स) गहरी छानबीन (द) उपर्युक्त सभी

उत्तर (द) उपर्युक्त सभी

2. निम्नलिखित में से कौन-सा गुण फीचर का नहीं है?

(अ) फीचर लेखन में हिंदी समाचार की भांति उल्टा पिरामिड शैली का प्रयोग होता है

(ब) फीचर में लेखक अपनी राय तथा भावनाएं अभिव्यक्त कर सकता है।

(स) फीचर की भाषा सरल, आकर्षक एवं रूपात्मक होती हैं ।

(द) फीचर के साथ फोटो, रेखांकन, ग्राफिक्स आदि का होना आवश्यक होता है।

उत्तर : (अ) फीचर लेखन में हिंदी समाचार की भांति उल्टा पिरामिड शैली का प्रयोग होता है

3. निम्नलिखित में फीचर लेखन के गुण कौन से हैं ?

(अ) प्रासंगिकता एवं विश्वसनीयता (ब) रोचकता, संक्षिप्तता,सहजता एवं सरसता

(स) प्रचलित शब्दावली का प्रयोग (द) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (द) उपर्युक्त सभी

4.फीचर शब्द लैटिन भाषा के किस शब्द से निर्मित हैं ?

(अ) फैक्ट्रा (ब) फैक्ट्रर्स (स) फैक्ट्ररी (द) ये सभी

उत्तर: (अ) फैक्ट्रा

5. फीचर का आकार शैलीगत विशेषताओं के कारण होता है -

(अ) विस्तृत (ब) संक्षिप्त (स) अत्यंत लघु (द) असीमित

उत्तर: (अ) विस्तृत

6.**निम्न विकल्पों की सहायता से फीचर लेखन का क्रम निर्धारित कीजिए -**

(i) आमुख या भूमिका (ii) विषय का विस्तार (iii) शीर्षक (iv) निष्कर्ष या समापन

(अ) i,ii,iii,iv (ब) ii,iii,iv,i (स) iii,iv,ii,i (द) iii,i,ii,iv

उत्तर: (द) iii,i,ii,iv (शीर्षक, आमुख या भूमिका, विषय का विस्तार, निष्कर्ष या समापन - इस क्रम में फीचर लिखे जाते हैं।)

7.**निम्नलिखित में से कौन सा उद्देश्य अखबार या समाचार पत्र का उद्देश्य है** ?

(अ) सूचना देना, जागरूक बनाना एवं शिक्षित करना (ब) मनोरंजन करना

(स) लोकतांत्रिक समाज में एक पहरेदार शिक्षक एवं जनमत निर्माता की भूमिका अदा करना

(द) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (द) उपर्युक्त सभी

8.**समाचार के मुखड़े (इंट्रो) यानी शुरुआती दो-तीन पंक्तियों में आमतौर पर कितने ककारों को आधार बनाकर खबर लिखी जाती है ?**

(अ) दो या तीन (ब) तीन या चार

(स) चार या पांच (द) पांच या पांच

उत्तर: (ब) तीन या चार

9.**समाचार के तत्वों में जो शामिल नहीं है उसकी पहचान कीजिए-**

(अ) नवीनता (ब) जनरुचि

(स) संवाददाता (द) महत्वपूर्ण लोग

उत्तर: (स) संवाददाता

10.**लोगों की रुचि युद्ध, संघर्ष, चुनावी हार-जीत, खेल के परिणाम आदि में होती है ।' समाचार-लेखन की दृष्टि से यह समाचार के किस तत्त्व को अभिव्यक्त करता है ?**

(अ) टकराव या संघर्ष (ब) उपयोगी जानकारियां

(स) अनोखापन (द) प्रभाव-क्षेत्र

उत्तर: (अ) टकराव या संघर्ष

11.फ़ीचर से क्या अभिप्राय है ?

(अ) फ़ीचर एक अव्यवस्थित, मौलिक और आत्मनिष्ठ लेखन है

(ब) फ़ीचर केवल आंकड़ों पर आधारित होता है

(स) फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है

(द) फ़ीचर एक अव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है

उत्तर (स)फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है

12.. पत्रकारीय लेखन के लिए कच्चा माल किससे प्राप्त होता है ?

(अ) संपादकीय से (ब) साक्षात्कार से

(स) संपादक के नाम पत्र से (द)फ़ीचर से

उत्तर (ब) साक्षात्कार से

13.स्तंभ लेखन किस प्रकार का लेखन है ?

(अ) विचारपरक लेखन (ब) विश्लेषणात्मक लेखन

(स) विवेचनात्मक लेखन (द) वस्तुपरक लेखन

उत्तर (अ) विचारपरक लेखन

14. एक सफल साक्षात्कार के लिए इनमें से किन गुणों का होना आवश्यक नहीं है ?

(अ) विषय की अनभिज्ञता (ब) संवेदनशीलता

(स) धीरज (द) साहस

उत्तर (अ)**विषय की अनभिज्ञता**

15.लोकप्रिय लेखकों के लेखों की नियमित श्रृंखला को किस नाम से जाना जाता है ?

(अ) पत्रकार (ब) संपादकीय

(स) स्तंभ-लेखन (द) संपादन

उत्तर (स) स्तंभ-लेखन

16.आमतौर पर समाचार पत्रों में या अखबारों में समाचार पूर्णकालिक या अंशकालिक पत्रकारों के द्वारा लिखे जाते हैं, जो कहलाते हैं -

अ) संवाददाता या रिपोर्टर (ब) संपादकीय

(स) स्तंभ लेखक (द) संपादक

उत्तर (अ) संवाददाता या रिपोर्टर

17.समाचार के मुखडे (इंट्रो) यानी शुरुआती दो-तीन पंक्तियों में आमतौर पर चार ककारों को आधार बनाकर खबर लिखी जाती है ? ये ककार है -

(अ)क्या, कौन,कब, कहां (ब)कैसे, कौन कब, कहां

(स)क्या, कौन क्यों, कहां (द)क्या, कैसे, कब, कहां

उत्तर (अ) क्या, कौन,कब, कहां

18.क्या, कौन कब, कहां - इन चार ककारों के विषय में सत्य कथन है -

(अ) ये ककार सूचनात्मक एवं तथ्यों पर आधारित होते हैं

(ब) ये ककार विवरणात्मक, व्याख्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर देते हैं।

(स) ये ककार सूचनात्मक एवं तथ्यों पर आधारित नहीं होते हैं ।

(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (अ) ये ककार सूचनात्मक एवं तथ्यों पर आधारित होते हैं

19. कैसे और क्यों - इन दो ककारों के विषय में सत्य कथन है -

(अ) ये ककार सूचनात्मक एवं तथ्यों पर आधारित होते हैं

(ब) ये ककार विवरणात्मक, व्याख्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर देते हैं।

(स) ये ककार सूचनात्मक एवं तथ्यों पर आधारित नहीं होते हैं ।

(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (ब) ये ककार विवरणात्मक, व्याख्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर देते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु महत्वपूर्ण जानकारियाँ –

1 पत्रकारीय लेखन में जार्गन्स और क्लीशे का प्रयोग नहीं करना चाहिए |
जार्गन्स- ऐसी शब्दावली जिससे बहुत कम पाठक परिचित होते हैं
क्लीशे - पिष्टोक्ति या दोहराव या चलन से बाहर

2 **सीधी पिरामिड शैली** - कथात्मक लेखन के लिए (इसमें क्लाइमेक्स अंत में)
उलटा पिरामिड शैली - समाचार लेखन (इसमें क्लाइमेक्स आरम्भ में आता है)

3 उलटा पिरामिड शैली का आरम्भ 19 वीं सदी के मध्य में अमेरिका के गृहयुद्ध के दौरान हुआ |

4 **फ़ीचर लेखन** की शैली काफ़ी हद तक कथात्मक होती है | इसकी शब्द सीमा अखबारों में 250 से 2000 शब्दों तक हो सकती है |

5 **फ़ीचर के प्रकार** - समाचार बैकग्राउंडर, खोजपरक फ़ीचर, जीवनशैली फीचर, रूपात्मक फीचर, व्यक्तिगत फीचर, यात्रा फीचर, विशेष रूचि फीचर |

6 **खोजी रिपोर्ट -** रिपोर्टर मौलिक शोध व छानबीन द्वारा तथ्य सामने लाता है
इन-डेप्थ रिपोर्ट - उपलब्ध तथ्यों की गहरी छानबीन कर सूचनाएँ सामने लाता
विश्लेषणात्मक रिपोर्ट- तथ्यों का विश्लेषण किया जाता है |
विवरणात्मक रिपोर्ट - तथ्यों के बारीक विवरण को प्रस्तुत किया जाता है |

7 **विचारपरक लेखन के रूप** - संपादकीय, स्तंभ, लेख, साक्षात्कार

8 **सम्पादक के नाम पत्र** - यह संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित व स्थायी स्तंभ है |

9 **लेख** - सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित, लेखक के अपने विचार होते हैं जो तथ्यों पर आधारित होते हैं, कोई निश्चित शैली नहीं होती |

10 पत्रकार तीन प्रकार -**पूर्णकालिक पत्रकार-** नियमित वेतन भोगी पत्रकार
अंशकालिक पत्रकार- निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार
फ्रीलांसर- भुगतान के आधार पर अलग-अलग अख़बारों के लिए लिखता है

11 **समाचार लेखन के छह ककार- क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे**

12 **संपादकीय लेखन-** अखबार की अपनी आवाज़

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1. पत्रकारीय लेखन से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर : समाचार माध्यमों मे काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों तथा श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं, इसे ही पत्रकारीय लेखन कहते हैं। पत्रकरिता या पत्रकारीय लेखन के अन्तर्गत सम्पादकीय, समाचार,आलेख, रिपोर्ट, फ़ीचर, स्तम्भ तथा कार्टून आदि आते हैं।

प्रश्न 2. पत्रकार के प्रकार कितने प्रकार के होते हैं ?

उत्तर--- पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं ।

i) पूर्ण कालिक पत्रकार : किसी समाचार पत्र या संगठन के नियमित वेतनभोगी कर्मचारी।

ii) **अंशकालिक पत्रकार (स्ट्रिंगर):** निश्चित मानदेय पर कार्य करने वाले पत्रकार ।

iii) फ़्रीलांसर या स्वतंत्र पत्रकार : ये किसी संस्था से जुड़े नहीं होते । जब ये लिखते है तो इनका लेख कोई भी छाप सकता है और बदले में एक निश्चित राशि इन्हें भेज दी जाती है ।

प्रश्न 3. समाचर लेखन की उल्टा पिरामिड शैली पर प्रकाश डालिए ?

उत्तर-- समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं| इसमें घटते महत्त्व क्रम में घटनाओं को प्रस्तुत कर समाचार का अंत किया जाता है। समाचार में इंट्रो, बॉडी और समापन के क्रम में घटनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं । समाचार लेखन में छः ककार होते हैं- **क्या, कौन, कहाँ, कब , क्यों और कैसे** इंट्रो में आने वाले क्या, कौन कब, कहां - ये चार ककार सूचनात्मक एवं तथ्यों पर आधारित होते हैं जबकि बॉडी और समापन में आने वाले कैसे और क्यों - ये दो ककार विवरणात्मक, व्याख्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर देते हैं।

इंट्रो या मुखडा .....,अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय

बॉडी .....कम महत्वपूर्ण

समापन .....सबसे कम महत्वपूर्ण

प्रश्न 4 फ़ीचर लेखन की प्रमुख विशेषताएं बताइए |

उत्तर : फीचर लेखन की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं-

i) फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है। फ़ीचर का उद्देश्य मुख्य रूप से पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना तथा उनका मनोरंजन करना होता है।

ii) फीचर लेखन में उल्टा पिरामिड शैली की बजाय लेखन की शुरुआत कहीं से भी हो सकती है।

iii) फीचर लेखन की शैली कथात्मक होती है ।

iv) फीचर लेखन की भाषा सरल, सरस , बिंबात्मक, आकर्षक और मन को छू लेने वाली होती है।

v) फीचर लेखन में शब्दों की कोई अधिकतम सीमा नहीं होती । फीचर लेखन में सामान्यतः ढाई सौ से ढाई हजार के बीच में शब्द होते हैं।

प्रश्न 5. फ़ीचर और समाचार में प्रमुख अंतर बताइए ।

उत्तर : फीचर और समाचार में प्रमुख अंतर निम्नलिखित हैं -

i) समाचार का उद्देश्य सूचना देना होता है जबकि फीचर का उद्देश्य सूचना के साथ मनोरंजन भी होता है |

ii) समाचार उल्टा पिरामिड शैली में में लिखे जाते हैं, जबकि फ़ीचर लेखन की कोई सुनिश्चित शैली नहीं होती ।

iii) समाचार तात्कालिक घटनाओं पर आधारित होते हैं जबकि फीचर तात्कालिक घटनाओं पर आधारित नहीं होते |

iv) समाचार में रिपोर्टर को अपने विचारों को डालने की स्वतंत्रता नहीं होती, जबकि फ़ीचर में लेखक को अपनी राय , दृष्टिकोण और भवनाओं को जाहिर करने का अवसर होता है ।

प्रश्न 6.फीचर लेखन की प्रमुख प्रकार बताइए।

उत्तर : फीचर लेखन की प्रमुख प्रकार निम्नलिखित है -

i) रेडियो फीचर - वहां रेडियो फीचर केवल प्रसारण माध्यमो से सुनने के लिए होते हैं इनमें संगीत और ध्वनि पक्ष काफी प्रबल होता है।

ii) समाचार फीचर- ऐसे फीचर का मूलभाव समाचार होते हैं। किसी घटना का पूर्ण विवेचन विश्लेषण इसके अंतर्गत किया जाता है।

iii) यात्रा फीचर- यात्राओं का प्रभावपूर्ण संस्मरणात्मक चित्रण इन फीचरो में होता है।

iv) व्यक्तिगत फीचर - इसमें साहित्य, संगीत, चित्रकला, नाटा, खेल जगत, राजनीतिक, विज्ञान, धर्म आदि क्षेत्रों में समाज का नेतृत्व करनेवाले व्यक्तियो- विशिष्ट व्यक्तियों पर फीचर लिखे जाते हैं।

इसके अतिरिक्त खोजपरक फीचर, साक्षात्कार फीचर, जीवनशैली परक फीचर इत्यादि अनेक प्रकार के फीचर होते है।

प्रश्न 7. विशेष रिपोर्ट से क्या अभिप्राय है ? विशेष रिपोर्ट के कितने प्रकार होते हैं ?

उत्तर : अखबारों व पत्रिकाओं में गहरी छान-बीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर प्रकाशित होने वाली रिपोर्ट विशेष रिपोर्ट कहलाती हैं । विशेष रिपोर्ट के प्रमुख प्रकार निम्नलिखित है -

i) **<u>खोजी रिपोर्ट</u>** : इसमें रिपोर्टर द्वारा अनुपलब्ध तथ्यों को गहरी छान-बीन कर सार्वजनिक किया जाता है।

ii) **<u>इन्डेप्थ रिपोर्ट</u>**: सार्वजानिक रूप से प्राप्त तथ्यों की गहरी छान-बीन कर उसके महत्वपूर्ण पक्षों को पाठकों के सामने लाया जाता है ।

iii) **<u>विश्लेषणात्मक रिपोर्ट</u>** : इसमें किसी घटना से जुड़े तथ्यों का विश्लेषण व व्याख्या की जाती है |

iv) **<u>विवरणात्मक रिपोर्ट</u>** : इसमें किसी घटना को विस्तार एवं बारीकी के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

प्रश्न 8. विचारपरक लेखन से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर : समाचार-पत्रों में समाचार एवं फ़ीचर के अतिरिक्त संपादकीय, लेख, पत्र, टिप्पणी, वरिष्ठ पत्रकारों व विशेषज्ञों के स्तम्भ छपते हैं । ये सभी विचारपरक लेखन के अन्तर्गत आते हैं ।

प्रश्न 9. 'संपादकीय' पर टिप्पणी लिखिए ।

उत्तर : संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारत्मक लेख को, जिसे संबंधित समाचार पत्र की राय या उसकी आवाज़ भी कहा जाता है,संपादकीय कहते हैं । संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार या राय न होकर समग्र पत्र-समूह की राय होता है, इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता।

प्रश्न 10 स्तम्भ लेखन पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर : स्तंभ लेखन एक प्रकार का विचारत्मक लेखन है । कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान एवं लेखन शैली के लिए जाने जाते हैं । ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर समाचरपत्र उन्हें अपने पत्र में नियमित स्तम्भ - लेखन की जिम्मेदारी प्रदान करते हैं । इस प्रकार किसी समाचार-पत्र में किसी ऐसे लेखक द्वारा किया गया विशिष्ट तथा नियमित लेखन जो अपनी विशिष्ट शैली एव वैचारिक रुझान के कारण समाज में ख्याति प्राप्त हो, स्तम्भ लेखन कहा जाता है ।

प्रश्न 11. संपादक के नाम पत्र कहां प्रकाशित किए जाते है ?

उत्तर : समाचार पत्रों में संपादकीय पृष्ठ पर तथा पत्रिकाओं की शुरुआत में संपादक के नाम आए पत्र प्रकाशित किए जाते हैं । यह प्रत्येक समाचारपत्र का नियमित स्तम्भ होता है । इसके माध्यम से समाचार-पत्र अपने पाठकों को जनसमस्याओं तथा मुद्दों पर अपने विचार एवं राय व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है ।

प्रश्न 12. साक्षात्कार/इंटरव्यू किसे कहते है ? :

उत्तर : किसी पत्रकार के द्वारा अपने समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए, किसी व्यक्ति विशेष से उसके विषय में अथवा किसी विषय या मुद्दे पर किया गया प्रश्नोत्तरात्मक संवाद साक्षात्कार कहलाता है । साक्षात्कार लिखने के दो तरीके होते हैं । पहले तरीके में साक्षात्कार को सवाल और जवाब के रूप में लिखा जा सकता है और दूसरे तरीके में साक्षात्कार को आलेख की तरह भी लिखा जा सकता है।

प्रश्न 13. फीचर लेखन को आत्मनिष्ठ लेखन क्यों कहा जाता है ?

उत्तर : फीचर लेखन को आत्मनिष्ठ लेखन इसलिए कहा जाता है क्योंकि -

i) फीचर लेखन में लेखक फीचर लिखते समय अपनी व्यक्तिगत विचार, भावनाएं एवं अनुभूतियों को फीचर में स्थान देता है।

ii) फीचर लेखन में लेखक की व्यक्तिगतगत राय और दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होता है।

iii) फीचर लेखक केंद्रित होता है।

****

पाठ 5. विशेष लेखन:- स्वरूप एवं प्रकार

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. विशेष लेखन कहलाता है?

अ. सामान्य लेखन से हटकर किसी विशेष विषय पर किया गया लेखन

ब. किसी विषय पर लिखा गया रचनात्मक लेखन

स. किसी विषय पर किया गया क्रियात्मक लेखन

द. किसी भी विषय पर किया गया गतिशील लेखन।

उत्तर (अ) सामान्य लेखन से हटकर किसी विशेष विषय पर किया गया लेखन

2. संवाददाताओं की रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखकर उनके काम के विभाजन को क्या कहते हैं?

अ. सीट ब. नीट

स. बीट द. रपीट

उत्तर (स) बीट

3. विशेष लेखन के कितने क्षेत्र हैं?

अ. एक ब. दो

स. चार द. अनेक

उत्तर (द) अनेक

4. विशेष लेखन के लिए किस प्रकार की भाषा शैली अपेक्षित है?

अ. साहित्यिक भाषा ब. सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा

स. बाजारू भाषा द. हिन्दी उर्दू मिश्रित भाषा

उत्तर (ब) सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा

5. इनमें से विशेष लेखन का कौन-सा क्षेत्र नहीं है?

अ. सिनेमा ब. मनोरंजन

स. स्वास्थ्य द. समाचार

उत्तर (द) . समाचार

6. कारोबार और व्यापार से संबंधित खबर का सम्बन्ध किससे है?

अ. खेल क्षेत्र से ब. कृषि क्षेत्र से

स. आर्थिक क्षेत्र द. राजनीतिक क्षेत्र

उत्तर (स) . आर्थिक क्षेत्र

7. इनमें से कौन-सा शब्द क्रिकेट जगत का नहीं है?

अ. हिट विकेट ब. स्पिन

स. रन द. तेजड़िए

उत्तर (द) तेजड़िए

8. इनमें से कौन-सा शब्द आर्थिक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है?

अ. तेजड़िए ब. बिकवाली

स. मंदड़िए द. रन आउट।

उत्तर (द) रन आउट।

9. भारत में कौन-सा खेल अधिक लोकप्रिय है?

अ. फुटबाल ब. क्रिकेट

स. वॉलीबाल द. टेनिस

उत्तर (ब) क्रिकेट

10. विशेषज्ञता प्राप्त करने हेतु क्या आवश्यक है:-

अ. स्वयं को अपडेट रखना ब. पुस्तकें पढ़ना

स. निरंतर दिलचस्पी द. उपर्युक्त सभी

उत्तर (द) उपर्युक्त सभी

11. विशेष लेखन क्यों किया जाता है-

अ. समाचार पत्रों में विविधता आती है

ब. पत्रों का कलेवर बढ़ता है

स. संपादक का महत्व बढ़ता है

द. केवल 1 एवं 2

उत्तर (द) . केवल 1 एवं 2

12. विशेष संवाददाता किन्हें कहा जाता है-

अ. केवल रिपोर्टिंग करनेवालों को

ब. विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वालो को

स. उपर्युक्त दोनों

द. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (ब) विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वालो को

13.बीट कहते हैं-

अ. विभिन्न प्रकार के समाचारों को ब.विभिन्न प्रकार के रिपोर्टर

स. विभिन्न प्रकार की आवाज़ द. उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर (अ) विभिन्न प्रकार के समाचारों को

14.कारोबार तथा अर्थजगत से जुड़ी खबरें किस शैली में लिखी जाती हैं-

अ.रोचक शैली में ब. प्रश्न शैली में

स. उल्टा पिरामिड शैली में द. उपर्युक्त सभी में

उत्तर (स) उल्टा पिरामिड शैली में

15. बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को क्या कहा जाता है-

अ. विशेष संवाददाता ब. संवाददाता

स.उपर्युक्त दोनों द. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (ब) उपर्युक्त दोनों

<u>बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु महत्वपूर्ण जानकारियाँ –</u>

1 विशेष लेखन- सामान्य से हटकर किया लेखन

2 डेस्क- संपादन, डेस्क पर संपादित कर छपने योग्य बनाया जाता है

3 बीट- रिपोर्टिंग का विशेष क्षेत्र / विषय

4 न्यूजपेग- लेख में ताज़ा घटना का उल्लेख जिसके कारण वह मुद्दा चर्चा में आया

5 विशेष लेखन के अनेक क्षेत्र जैसे खेल, व्यापार,विज्ञान, फिल्म, विदेश, शिक्षा आदि

6 विशेष लेखन की भाषा- सरल, सहज, बोधगम्य भाषा
शीर्षक आकर्षक जैसे- चाँदी लुढकी, भारत ने पाकिस्तान को पीटा, शेयर उछले
तकनीकी शब्दों का प्रयोग

7 विशेष लेखन के लिए सूचनाओं के स्रोत- मंत्रालय के सूत्र, प्रेस कॉफ्रेंस, साक्षात्कार, जांच रिपोर्ट्स, इन्टरनेट, संगठन से जुड़े व्यक्ति

8 विशेष लेखन में समाचार नहीं आते

9 आजकल पत्रकारिता में किसकी आवश्यकता है- मास्टर ऑफ़ वन

वर्णनात्मक प्रश्न-

1. विशेष लेखन किसे कहते हैं ? विशेष लेखन की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हट कर किया गया लेखन विशेष लेखन कहलाता है | विशेष लेखन के विषय हैं- व्यापार, खेल, राजनीति, कृषि, विज्ञान आदि |

विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग होती है। इसमें संवाददाता को संबंधित विषय की तकनीकी शब्दावली का जान होना आवश्यक होता है | इसके शीर्षक आकर्षक होने चाहिए | इसमें विषय की गहराई तक जाना चाहिए | जैसे –

1.कारोबार और व्यापार में तेजडिए, सोना उचला , चांदी लुढकी आदि।

2.पर्यावरण संबंधी लेख में आद्रता , टैक्सेस कचरा , ग्लोबल वार्मिंग आदि।

2. डेस्क क्या है ?

उत्तर : डेस्क का अर्थ है- सम्पादन | डेस्क पर समाचारों को संपादित कर उसे छपने योग्य बनाया जाता है | समाचार माध्यमों में अलग-अलग विषयों पर विशेष लेखन के लिए अलग-अलग डेस्क होती हैं । यथा-व्यापार तथा कारोबार के लिए अलग तथा खेल की खबरों के लिए अलग डेस्क निर्धारित होता है।

3. बीट से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर : बीट का अर्थ है- रिपोर्टिंग का विशेष क्षेत्र | समाचार माध्यमों द्वारा अपने संवाददाता को किसी विशेष क्षेत्र की रिपोर्टिंग की जिम्मेदारी दी जाती है, इसे बीट कहते हैं | जैसे- खेल, अपराध, कानून, फिल्म आदि |

4. बीट रिपोर्टिंग तथा विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अन्तर है ?

उत्तर : i) बीट रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता को उस क्षेत्र की सामान्य जानकारी होनी चाहिए किन्तु विशेषीकृत रिपोर्टिंग में संवाददाता को उस क्षेत्र की गहरी समझ होनी चाहिए |

ii) बीट रिपोर्टिंग में संवाददाता को बीट से जुडी सामान्य खबरें लिखनी होती है जबकि विशेषीकृत रिपोर्टिंग में संवाददाता को विशेष क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं और मुद्दों का बारीकी से विश्लेषण कर पाठकों के लिए अर्थ स्पष्ट करना होता है ।

iii) बीट रिपोर्टिंग की भाषा-शैली सामान्य जबकि विशेषीकृत रिपोर्टिंग की भाषा-शैली विशेष होती है|

5- बीट रिपोर्टिंग किसे कहते हैं ?

उत्तर- जब पत्रकार अपनी बीट यानी रिपोर्टिंग के विशेष क्षेत्र से जुडी सूचनाएं एकत्र करता है, इसे बीट रिपोर्टिंग कहते हैं | एक संवाददाता की बीट अगर अपराध है तो इसका अर्थ है कि वह अपराधिक घटनाओं की रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार होगा |

6- पत्रकारीय विशेषज्ञता से क्या अभिप्राय है ? पत्रकारीय विशेषज्ञता प्राप्त करने हेतु क्या किया जा सकता है?

उत्तर-व्यवसायिक रूप से प्रशिक्षित ना होने के बावजूद उस विषय में जानकारी और अनुभव के आधार पर अपनी समझ को इस हद तक विकसित करना कि सूचनाओं की सहजता से व्याख्या कर पाठकों को उसके मायने समझा सके।

विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए स्वयं को अपडेट रखना चाहिए। पुस्तकें पढ़ना ,शब्दकोश आदि का सहारा लेना ,सरकारी-गैरसरकारी संगठनों से संपर्क रखना ,निरंतर दिलचस्पी और सक्रियता आवश्यक है।

महत्वपूर्ण स्मरणीय तथ्य -

पत्रकारिता का मूल तत्व जिज्ञासा **है ।**
संपादकीय **पृष्ठ पर संपादक के नाम पत्र प्रकाशित किए जाते हैं ।**
स्तंभ के **अंतर्गत लेखक को विषय चुनाव की स्वतंत्र प्रदान की जाती हैं ।**
संपादकीय लेखन में संपादक का नाम न लिखने का मुख्य कारण है यह है कि संपादकीय में व्यक्ति विशेष के विचार न होकर पूरे समाचार-पत्र समूह की आवाज होतीहै
संपादक के नाम पत्र **स्तंभ जनमत को प्रतिबिंबित करता है ।**
साक्षात्कार लिखने के दो **तरीके होते हैं** (सवाल- जवाब और आलेख के रूप में लिखा जा सकता है।)
समाचार, फीचर, लेख एवं चित्र - ये चार अंग समाचार पत्र के होते है।)
समाचार-लेखन में संवाददाता और संपादक-मंडल **की भूमिका मुख्य होती है ।**

नवीन शब्द परिचय-

1. अपडेटिंग- विभिन्न वेबसाइटों पर उपलब्ध सामग्री को समय-समय पर संशोधित और परिवर्धित किया जाता है। इसे ही अपडटिंग कहते है।
2. ऑडियंस - जनसंचार माध्यमों के साथ जुड़ा एक विशेष शब्द यह जनसंचार माध्यमों के दर्शकों, श्रोताओं और पालकों के लिए सामूहिक रूप से इस्तेमाल होने वाला शब्द है।
3. डेडलाइन- समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित होने के लिए पहुँचने की आखिरी समय-सीमा को डेडलाइन कहते है।
4. पीत पत्रकारिता (येलो जर्नलिज्म)- समाचारपत्रों द्वारा पाठकों को लुभाने के लिए झूटी अफवाहो व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोपणे, प्रेम संबंधों, भंडाफोड़ और फिल्मी गपशप को समाचार की तरह प्रकाशित किया। उसमें सनसनी फैलाने का तत्व अहम था।
5.. पेज थ्री पत्रकारिता - पेज थ्री पत्रकारिता का तात्पर्य ऐसी पत्रकारिता से है जिसमें फैशन, अमीरों की पार्टियों महफिलो और जाने-माने लोगों (सेलीब्रिटी) के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है।
6. फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन (एफ.एम.)- रेडियो प्रसारण को एक विशेष तकनीक जिसमे फ्रीक्वेंसी को मॉड्यूलेट किया जाता है। रेडियो का प्रसारण दो तकनीकों के जरिये होता है जिसमें एक तकनीक एमप्लीच्यूड मॉड्युलेशन (ए.एम.) है और दूसरा फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन (एफ.एम.)। एफ.एम. तकनीक अपेक्षाकृत नयी है और इसकी प्रसारण की गुणवत्ता बहुत अच्छी मानी जाती है।
7. स्टिंग आपरेशन- जब किसी टेलीविजन चैनल का पत्रकार छुपे टेलीविजन के कैमरे के जरिये किसी गैर-कानूनी, अवैध और असामाजिक गतिविधियों को फ़िल्माता है और फिर उसे अपने चैनल पर दिखाता है तो इसे स्टिंग आपरेशन कहते हैं।

****

पाठ 11 कहानी का नाट्यरूपांतरण

प्रश्न 1. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

उत्तर-कहानी के नाट्य रूपांतरण में निम्नलिखित आवश्यक बातों का ध्यान रखना चाहिए-

i) कथानक के अनुसार ही दृश्य दिखाए जाने चाहिए।

ii) नाटक के दृश्य बनाने से पहले उसका खाका तैयार करना चाहिए।

iii) नाटकीय संवादों का कहानी के मूल संवादों के साथ मेल होना चाहिए।

iv) कहानी के संवादों को नाट्य रूपांतरण में एक निश्चित स्थान मिलना चाहिए।

v) संवाद सरल, संक्षिप्त और बोलचाल की भाषा में होने चाहिए। संवाद अधिक लंबे न हों |

प्रश्न 2. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य विभाजन कैसे करते हैं ?

उत्तर-कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य विभाजन निम्न प्रकार करते हैं-

i) कहानी की कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित करना चाहिए ।

ii) प्रत्येक भाग से दृश्य बनाने चाहिए | प्रत्येक दृश्य का आरम्भ, मध्य व अंत होना चाहिए |

iii) एक दृश्य का अंत दूसरे के आरम्भ से जुड़ना चाहिए |

iv) एक स्थान और समय पर घट रही घटना को एक दृश्य में लिया जाता है।

v) दृश्य विभाजन करते समय कथाक्रम और विकास का भी ध्यान रखा जाता है।

प्रश्न 3. नाटक और कहानी में क्या क्या समानताएं होती है?

उत्तर नाटक और कहानी में निम्नलिखित समानता होती है

i) नाटक और कहानी में कथावस्तु अनिवार्य रूप से होती है ।

ii) दोनों में कहानी का क्रमिक विकास होता है ।

iii) दोनों में पात्र होते हैं और पात्रों का संवाद पाया जाता है।

iv)दोनों में द्वंद्व होता है और चरमोत्कर्ष दिखाया जाता है।

v) दोनों की रचना देशकाल, वातावरण एवं उद्देश्य को ध्यान में रखकर की जाती है।

प्रश्न 4. कहानी और नाटक में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-कहानी और नाटक में कुछ असमानताएँ या अंतर भी हैं जो इस प्रकार है-

i) कहानी का संबंध लेखक और पाठकों से होता है जबकि नाटक का संबंध लेखक, निर्देशक, दर्शक तथा श्रोताओं से है।

ii) कहानी कहीं अथवा पढ़ी जाती है जबकि नाटक का मंच पर अभिनय किया जाता है।

iii) कहानी में आरंभ, मध्य और अंत होते हैं जबकि नाटक को दृश्यों में विभाजित किया जाता है।

iv) कहानी में मंच सज्जा, संगीत तथा प्रकाश का महत्त्व नहीं है जबकि नाटक में मंच सज्जा, संगीत और प्रकाश व्यवस्था का विशेष महत्त्व होता है।

प्रश्न 5.कहानी के पात्र नाट्य रूपांतरण में किस प्रकार परिवर्तित किये जा सकते हैं ?

उत्तर-कहानी के पात्र नाट्य रूपांतरण में निम्न प्रकार से परिवर्तित किये जा सकते हैं-

i) कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता का नाटक के पात्रों से मेल होना चाहिए।

ii) पात्रों की भावभंगिमाओं तथा उनके व्यवहार का भी उचित ध्यान रखना चाहिए।

iii) पात्र घटनाओं के अनुरूप मनोभावों को प्रस्तुत करने वाले होने चाहिए।

iv) पात्र अभिनय के अनुरूप होने चाहिए। पात्रों का मंच के साथ मेल होना चाहिए।

v) पात्रों के संवाद छोटे, प्रभावशाली, बोलचाल की भाषा में हो ।

प्रश्न 6. कहानी के नाट्य रूपांतरण की समस्याएँ लिखिए | उनका क्या समाधान हैं ?

उत्तर- कहानी के नाट्य रूपांतरण में निम्नलिखित समस्याएँ आती हैं -

i) पात्रों के मनोभावों और उससे सम्बन्धित प्रसंगों की नाटकीय प्रस्तुति करना |

ii) पात्रों के द्वंद्वों की नाटकीय प्रस्तुति करना |

समाधान – इसके लिए स्वगत कथन यानी मंच के एक कोने में जाकर बोलना चाहिए | साथ ही वायस ओवर का प्रयोग करना चाहिए जिसमें मंच के पीछे से आवाज़ आए |

पाठ 12. कैसे बनता है रेडियो नाटक

1. नाटक किसे कहते हैं ? इसे दृश्य काव्य क्यों कहा जाता है ?

उत्तर- साहित्य की वह विधा जिसे पढ़ने-सुनने के साथ-साथ देखा व अभिनय किया जाता है, उसे नाटक कहते हैं | मंच पर देख सकने के कारण भारतीय परंपरा में इसे दृश्य-काव्य कहा जाता है |

2. **रेडियो नाटक किसे कहते हैं ?**

उत्तर- रेडियो पर प्रस्तुत किया जाने वाला नाटक जिसकी प्रस्तुति संवादों और ध्वनि प्रभावों द्वारा होती है | इसमें एक्शन की गुंजाइश नहीं होती और अवधि व पात्रों की संख्या सीमित होती है |

3. **सिनेमा-रंगमंच (दृश्य-श्रव्य) तथा रेडियो नाटक (श्रव्य) में समानताएँ व अंतर लिखिए |**

उत्तर- समानताएं- दोनों में चरित्र-चित्रण, संवाद, कहानी आदि होते हैं |

अंतर- सिनेमा-रंगमंच में दृश्य , मंच-सज्जा व पोशाक होती है तथा इसमें हाव-भाव का महत्त्व होता है जबकि रेडियो नाटक में ध्वनि-प्रभाव होते हैं तथा दृश्य , मंच-सज्जा व पोशाक नहीं होती |

4. **रेडियो नाटक की कहानी में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?**

उत्तर- (i) कहानी सिर्फ घटना प्रधान न हो - यदि रेडियो नाटक की कहानी में एक्शन (हरकत) अधिक होगा तो वह उबाऊ हो जाएगी | जैसे – अपराधी के पीछे पुलिस भाग रही है और उनमें संघर्ष के एक्शन की ध्वनि हो तो हम अधिक देर तक नहीं सुन सकते |

(ii) अवधि ज्यादा न हो – रेडियो नाटक की अवधि 15-30 मिनट तक होनी चाहिए | इससे अधिक अवधि में एकाग्रता नहीं होगी | अगर कहानी लम्बी है तो उसे धारावाहिक के रूप में पेश किया जाए जिसकी हर कड़ी 15-30 मिनट हो या 15 मिनट,30 मिनट या 45मिनट हो सकती है |

(iii) पात्रों की संख्या सीमित हो- पात्रों की संख्या सीमित होने पर श्रोता आवाज़ द्वारा उन्हें पहचान सकेंगे | पात्रों की संख्या इस प्रकार होनी चाहिए-

15 मिनट - 5से 6 पात्र

30-40 मिनट - 8से 12पात्र

60 मिनट/ अधिक - 15से 20 पात्र

5. **रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभावों और संवादों का क्या महत्त्व है ?**

उत्तर- रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभावों और संवादों का विशेष महत्त्व है, जो इस प्रकार है-

(i) रेडियो नाटक में पात्रों से सम्बन्धित सभी जानकारियाँ संवादों द्वारा मिलती हैं |

(ii) पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ संवादों के द्वारा ही उजागर होती हैं |

(iii) रेडियो नाटक का पूरा कथानक संवादों पर ही आधारित होता है |

(iv) इसमें ध्वनि प्रभावों और संवादों के माध्यम से ही कथा को श्रोताओं तक पहुँचाया जाता है |

(v) संवादों के माध्यम से ही रेडियो नाटक का उद्देश्य स्पष्ट होता है |

6. रेडियो पर रेडियो नाटक का आरंभ किस प्रकार हुआ ?

उत्तर- आज से कुछ दशक पहले रेडियो ही मनोरंजन का प्रमुख साधन था। उस समय टेलीविज़न, सिनेमा, कम्प्यूटर आदि मनोरंजन साधन उपलब्ध नहीं थे। ऐसे समय में घर बैठे ही रेडियो ही मनोरंजन का सबसे सस्ता और सुलभ साधन था। रेडियो पर खबरें आती इसके साथ-साथ अनेक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम भी प्रसारित किये जाते थे। रेडियो पर संगीत और खेलों का आँखों देखा हाल प्रसारित कि जाता था। हिंदी के अनेक नाटक जो बाद में मंच पर बहुत प्रसिद्ध रहे वे मूलतः रेडियो के लिए ही लिखे गए थे। धर्मवीर भारतीय द्वारा रचित 'अंधा युग' और मोहन राकेश द्वारा रचित 'आषाढ़ का एक दिन इसका एक श्रेष्ठ उदाहरण है।

7. दृश्य श्रव्य माध्यमों (टी.वी.) की तुलना में श्रव्य माध्यम (रेडियो) की क्या सीमाएं हैं? इन सीमाओं को किस तरह पूरा किया जा सकता है?

उत्तर- (i) दृश्य श्रव्य माध्यम में हम नाटक को अपनी आंखों से देख भी सकते हैं और पात्रों के संवादों को सुन भी सकते हैं किंतु श्रव्य माध्यम में हम केवल सुन सकते हैं उसे देख नहीं सकते।

(ii)दृश्य श्रव्य माध्यम में हम पत्रों के हाव भाव देखकर उनकी दशा का अनुमान लगा सकते हैं किंतु श्रव्य माध्यम में हम ऐसा कुछ भी नहीं कर सकते।

सीमित अवधि व सीमित पात्रों आदि द्वारा इन्हें पूरा किया जा सकता है |

8. रेडियो नाटक और नाटक में क्या अंतर है?

उत्तर- (i) नाटक मंच पर प्रस्तुत किया जाता है जबकि रेडियो नाटक रेडियो पर

(ii) रेडियो नाटक में पात्रो का परिचय वेशभूषा से भी हो सकता है जबकि नाटक में संवाद द्वारा ही परिचय दिया जा सकता है।

(iii) नाटक में वातावरण दिखाया जा सकता है जबकि रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभाव द्वारा वातावरण निर्माण

(iv) नाटक में कथा ऐक्शन प्रधान हो सकती है जबकि रेडियो नाटक में नही।

(v) नाटक में पात्र अधिक हो सकते है जबकि रेडियो नाटक में अधिकतम 5

9. रेडियो नाटक के लिए पात्रों की संख्या सीमित क्यों रखनी चाहिए|(CBSE 2022)

उत्तर - क्योंकि रेडियो नाटक में श्रोता पात्रों की पहचान उनकी आवाज के द्वारा ही करता है ऐसे में सीमित पात्रों को तो आवाज के द्वारा पहचाना जा सकता है किंतु अगर पात्रों की संख्या ज्यादा है तो श्रोता बहुत सारी आवाजों के बीच पात्र की पहचान नहीं कर पायेगा ।

10. रेडियो नाटक की अवधि 15-20 मिनिट के बीच क्यों होनी चाहिए| (CBSE 2022)

उत्तर-रेडियो एक श्रव्य माध्यम है और नाटक का आनंद श्रोता आवाज और ध्वनि प्रभाव के जरिये ही करता है ऐसे कम समय में तो श्रोता नाटक में एकतान बना रहता है परंतु लंबे समय तक श्रोता एकाग्र नहीं बना रह सकता और फिर रेडियो में नाटक थोड़ा लम्बा या उबाऊ होने पर श्रोता दूसरे चैनल पर उंगली घुमा सकता है अतः नाटक की अवधि 15-20 मिनिट होनी चाहिए|

****

पाठ 13. नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन

प्रश्न 1 अप्रत्याशित विषयों पर लेखन किसे कहते हैं ?

उत्तर- आशा से हट कर दिए गए विषय जिसमें विचार प्रवाह हमारे में मन में अधिक न हो, उन पर किया गया रचनात्मक लेखन अप्रत्याशित विषयों पर लेखन कहलाता है |

प्रश्न 2. पारंपरिक और अप्रत्याशित विषयों में अंतर बताइए |

उत्तर : पारंपरिक विषय वो विषय होते हैं जो किसी मुद्दे, विचार, घटना आदि से जुड़े होते हैं और अधिकतर सामाजिक और राजनीतिक विषय होते हैं। इसमें आप अपनी व्यक्तिगत राय को उतनी तवज्जह न देकर सामूहिक विचार पर ज़ोर देते हैं, जबकि अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में आपके अपने निजी विचार होते हैं।

प्रश्न3. रटंत क्या है ? रटंत को कुटेव (बुरी लत) क्यों कहा गया है ?

उत्तर : दूसरों द्वारा तैयार की गई सामग्री को याद करके ज्यों का त्यों प्रस्तुत करना रटंत कहलाती है | इसे कुटेव (बुरी लत) इसलिए कहा जाता है क्योंकि –

i) इससे मनुष्य दूसरों पर निर्भर हो जाता है |
ii) इससे भावों की मौलिकता ख़त्म हो जाती है |
iii) इससे असली अभ्यास का मौका नहीं मिलता |
iv) इससे सोचने की शक्ति कमजोर हो जाती है |

प्रश्न 4. नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के द्वारा रटंत से कैसे बचा जा सकता है ?

अथवा

अप्रत्याशित विषयों पर लेखन को प्राथमिकता क्यों दी जाती है ?

उत्तर : अप्रत्याशित विषयों पर लेखन को प्राथमिकता देने के लाभ इस प्रकार है –

i) इससे मनुष्य दूसरों पर निर्भर नहीं रहता |
ii) इससे मनुष्य के सोचने की ताकत बढ़ जाती है |
iii) इससे मनुष्य में नए व मौलिक विचार आते हैं |
iv) इससे लेखन कौशल बढ़ता है |

प्रश्न 5. नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के क्या क्या नियम हो सकते है ?

अथवा

नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में ध्यान रखने योग्य बातें लिखिए |

उत्तर : नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में ध्यान रखने योग्य बातें इस प्रकार हैं -

i) इसकी शुरुआत आकर्षक व बहुआयामी होनी चाहिए |
ii) इसमें लिखी गई बातें आपस में जुडी हों और उनमें सुसंबद्धता का गुण हो |
iii) इसमें 'मैं' शैली का प्रयोग किया जा सकता है ।
iv) इसमें भाषायी शुद्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।
V) इसमें विचारों की आत्मनिष्ठता व लेखक के व्यक्तित्व की छाप होनी चाहिए |

प्रश्न 6. क्या अप्रत्याशित विषयों पर लेखन कोई निश्चित रूप लेती है?

उत्तर : जी नहीं, ऐसा बिलकुल नहीं है । अप्रत्याशित लेखन का कोई निश्चित रूप नहीं होता है । दैनिक जीवन से जुड़े हुए किसी भी विषय पर अप्रत्याशित लेखन लिखा जा सकता है । जब आप अपने विचारों को अपने अनुभव, तर्क, सिद्धांत, समाज, स्थान, काल और पात्र के आधार पर शब्दांकित करते हैं तो वो कभी संस्मरण, कभी निबंध, कभी रेखाचित्र, कभी कहानी, कभी यात्रा वृतांत कभी रिपोतार्ज आदि साहित्यिक विधा का रूप ले सकता है।

नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के कुछ उदाहरण

1.कर्म का महत्त्व / अभ्यास का फल / करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान

"कुछ काम करो, कुछ काम करो, जग में रह कर कुछ नाम करो
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो, समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो।"

मानव-जीवन में कर्म की प्रधानता है। कर्म अभ्यास के साथ जुड़ा है। अभ्यास का अर्थ है-किसी काम को करने का निरंतर प्रयत्न। किसी काम को करने से वांछित सफलता नहीं मिलती तो उसे निरंतर प्रयत्न करते रहना चाहिए। किसान जो बीज खेत में बोता है, उसे ही फसल के रूप में वह बाद में काटता है।

निरंतर अभ्यास करने से मूर्ख भी ज्ञानी हो जाता है | शरीर को सुडौल बनाने के लिए निरंतर व्यायाम आवश्यक है। विद्यार्थी को कोई चीज बार-बार याद करनी पड़ती है। कवि भी तभी प्रखर बनता है जब वह अभ्यास करता है। इससे मानव की कार्य-कुशलता बढ़ती है।
अभ्यास के द्वारा व्यक्ति ज्ञान की विभिन्न धाराओं का परिचय प्राप्त करता है। अभ्यास मानव-जीवन के लिए वह पारस पत्थर है जिसका स्पर्श पाकर लोहा भी सोना हो जाता है। जड़ बुद्ध वाला व्यक्ति भी अभ्यास से सीख सकता है। ठीक ही कहा गया है कि -

"करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रह भरोसे भाग्य के दुख भोग पछताते नहीं।।"

2. जहां न पहुंचे रवि वहां पहुंचे कवि / कवि की कल्पना शक्ति

"कहते हैं कि सूर्य की किरण हर अंधेरे को चीर कर उजाला करती हैं।
कवि की लेखनी निराशा को खत्म कर आशा-संचार करती है।"

मनुष्य अपनी कल्पना शक्ति का प्रयोग करके ऐसे स्थानों पर पहुँच जाता है जहाँ मनुष्य का पहुँचना असंभव है। असीमित संभावनाओं से परिपूर्ण कविता मनुष्य के हृदय तक पहुँचती है
एक कवि की कलम में इतनी शक्ति होती है कि वह समाज में परिवर्तन एवम् क्रांति दोनों ला सकता है।

आकाश में विद्यमान सूर्य की किरणें समस्त संसार को प्रकाशित एवम् आलोकित करती हैं पर कवि की कल्पना सूर्य की किरणों को पार करके आकाश की उस अंतिम सीमा को स्पर्श करती हैं जहाँ सूर्य का पहुँचना असंभव है | वास्तव में कवि जब विचारों को शब्दों में बाँधकर रचना लिखता है तो उसकी रचना समय, स्थान की सीमा को पार कर जाती है | असीमित संभावनाओं से परिपूर्ण कविता मनुष्य के हृदय तक पहुँचती है |

आजादी के आंदोलन में कवियों और लेखकों की रचनाओं ने ही करोड़ों भारतीयों के हृदय में स्वतंत्रता की चेतना उत्पन्न की थी | आज से हजारों साल पहले लिखे वेद हमें आज भी जीवन की राह दिखाते हैं | कवि के द्वारा लिखी गई रचना युगो युगो तक सीख देती है जैसे रामचरितमानस | कविता के बहाने' कविता के कवि कुंवर नारायण जी कविता की यात्रा के बारे में बताते है -

"कविता एक उड़ान हैं चिड़िया के बहाने
कविता की उडान भला चिडिया क्या जाने?"

3. प्रातःकाल योग करते लोग

योग रखे निरोग, योग भगाए रोग

प्रातःकाल का समय बहुत सुहावना होता है। उस समय चारों ओर का वातावरण शांत होता है। प्रकृति अपने सुंदरतम रूप में होती है। ऐसा समय योग करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होता है। एक दिन मैं प्रातःकाल के समय पार्क में घूमने गया। मैंने वहाँ देखा कि बहुत से लोग घास के मैदान में अपना आसन बिछाकर योग कर रहे थे। योग करते समय वे बहुत प्रसन्न नजर आ रहे थे। उनमें केवल वृद्ध व्यक्ति ही नहीं, बल्कि सभी आयु वर्ग के लोग थे। जब उनका योग पूरा हो गया तब मैंने एक व्यक्ति से योग के विषय में पूछा कि प्रातःकाल योग करने से क्या लाभ होता है तो उस व्यक्ति ने बताया कि योग हमारे जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग हमारे शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। यह मन को शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव दूर कर सोचने की क्षमता तथा आत्मविश्वास और एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से हमारा शरीर तो स्वस्थ रहता ही है साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है। वर्तमान परिवेश में योग न केवल हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व में बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। इस प्रकार प्रातःकाल योग करते लोगों को देखकर तथा योग से होने वाले लाभों के विषय में जानकर मुझे भी योग करने की प्रेरणा मिली। हम सभी लोगों को प्रातः काल योग करना चाहिए।

प्रतिदिन करें नियम से योग |
अपने शरीर व मन को रखें निरोग ||

4. अति सर्वत्र वर्जयेत / अति किसी चीज की अच्छी नहीं

भारतीय संस्कृति में अति का त्याग करने की बात हमेशा कही गई है। क्योंकि किसी भी चीज की अति अंततः नुकसानदायक साबित होती है, चाहे कार्य कितना भी अच्छा क्यों ना हो | राजा बलि ने तो दान ही दिया था ये दान उन्होंने अपनी क्षमता से बढ़ कर दिया इसलिए बावन भगवान द्वारा साढ़े तीन पग भूमि मांगने पर उन्हें अपने प्राणों की कुर्बानी देनी पड़ी।

इस प्रकार किसी भी क्षेत्र में अति हानिकारक परिणाम ही देती है चाहे वह क्षेत्र सकारात्मक हो या नकारात्मक हो । यदि किसी व्यक्ति ने यदि ज्यादा भोजन खा लिया हो तो उसे ज्यादा भोजन खाने के परिणाम स्वरूप; अपचन, उल्टी या दस्त आदि हो जाती है -

"भोजन, आहार, निद्रा, खेल, व्यसन, और अर्थ संचय ।
विज्ञान प्रगति अस्त्र शस्त्र निर्माण अति सर्वत्र वर्जय ।।"

धन की अति- दुर्व्यसनों को जन्म देती है । ज्यादा धन, गलत काम करवाता है क्योंकि ज्यादा धन, आदमी का मस्तिष्क विकृत कर देता है ।

विद्वानों का तो यहां तक कहना है कि प्रत्येक रिश्ते में परस्पर प्रेम भी संतुलित मात्रा में करना चाहिए। यदि रिश्तों में भी प्रेम संतुलित मात्रा में न होकर अति की सीमा को पार कर जाएगा तो उस प्रेम के टूटने की बहुत अधिक संभावना है ।

आज विज्ञान की प्रगति के कारण हम पर्यावरण के क्षेत्र में अति करते जा रहे हैं निश्चित रूप से इस अति का दुष्परिणाम इस सृष्टि का पुनः विनाश के रूप में सामने आ सकता है 'कामायनी' में जयशंकर प्रसाद ने इसी बात को समझाते हुए कहा कि -

"प्रकृति रही दुर्जेय, पराजित ,हम सब थे भूले मद में;
भोले थे, हाँ तिरते केवल, ,सब विलासिता के नद में। "

5. फुटपाथ पर सोते लोग

महानगरों में सुबह सैर पर निकलिए, एक तरफ आप स्वास्थ्य-लाभ करेंगे तो दूसरी तरफ आपको फुटपाथ पर सोते हुए लोग नजर आएँगे। महानगर को विकास का आधार स्तंभ माना जाता है, लेकिन वहीं पर मानव-मानव के बीच इतना अंतर है। यहाँ पर दो तरह के लोग हैं-एक उच्च वर्ग, जिसके पास उद्योग, सत्ता, धन है, जिससे वह हर सुख भोगता है। उसके पास बड़े-बड़े भवन हैं और यह वर्ग महानगर के जीवन-चक्र पर प्रभावी है।

दूसरा वर्ग वह है जो अमीर बनने की चाह में गाँव छोड़कर आता है तथा यहाँ आकर फुटपाथ पर सोने के लिए मजबूर हो जाता है। महँगाई, गरीबी आदि के कारण इन लोगों को भोजन भी मुश्किल से नसीब होता है।
सरकार की तमाम योजनाएँ भ्रष्टाचार के मुँह में चली जाती हैं और गरीब सुविधाओं की बाट जोहता रहता है। वह गरीबी में पैदा होता है, गरीबी में पलता बढ़ता है और गरीबी में ही मर जाता है। वह जीते-जी रूखी-सूखी खाकर पेट की आग जैसे-तैसे बुझा लेता है और फटे-पुराने कपड़ों से तन ढँक लेता है, पर उसके सिर पर छत नसीब नहीं हो पाती और वह फुटपाथ, पार्क या अन्य खुली जगहों पर सोने को विवश रहता है।

आपके अभ्यास हेतु कुछ विषय दिए जा रहे हैं-

डिजिटल युग और मैं	**मेले में अभिन्न मित्र से भेंट**
परीक्षा तनाव के कारण व बचने के उपाय	**नकली सामान, भरपूर विज्ञापन**
उच्च शिक्षा हेतु छात्रों का विदेशों में पलायन	**बदलते सामजिक रीति-रिवाज़**
स्वाध्याय का आनंद	**झरोखे के बाहर**
अचानक अतिथि-सेवा का अवसर	**लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका**
जब रास्ते में मेरी चप्पल टूट गई	**दिया और तूफ़ान : मानव जीवन का सत्य**
रेलयात्रा में अपरिचित का मिलना	**मोटे अनाजों के प्रयोग से बदलेगा जीवन**
जब मैं समुद्र की लहरों में घिर गया	**एक कामकाजी औरत की शाम**

****

आरोह भाग-2 काव्य खंड

पाठ-1 आत्म-परिचय व एक गीत- हरिवंश राय बच्चन

आत्मपरिचय मूलभाव-

कवि हरिवंश राय बच्चन ने 'आत्मपरिचय' में प्रेम और मस्ती का संदेश दिया है।

कवि अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक है परंतु प्रेम के बिना उसे ये संसार अधूरा लगता है।

कवि सांसारिक लोभ-लालच व मोह-माया के ज्ञान को भुलाना चाहता है और धन-दौलत को ठोकर मारता है।

कवि अपना परिचय देते हुए लगातार दुनिया से अपने द्रविधात्मक और द्वंद्वात्मक संबंधों का मर्म उद्घाटित करता चलता है।

कवि कहता है कि दुनिया से मेरा संबंध प्रीतिकलह का है, मेरा जीवन विरुद्धों का सामंजस्य है- उन्मादों में अवसाद, रोदन में राग, शीतल वाणी में आग |

एक गीत मूलभाव-

निशा-निमंत्रण से उद्धृत इस गीत में कवि प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के संदर्भ में प्राणी-वर्ग के धड़कते हृदय को सुनने की काव्यात्मक कोशिश व्यक्त करता है।

किसी प्रिय आलंबन या विषय से भावी साक्षात्कार का आश्वासन ही हमारे प्रयास के पगों की गति में चंचल तेजी भर सकता है-अन्यथा हम शिथिलता और फिर जड़ता को प्राप्त होने के अभिशिप्त हो जाते हैं। यह गीत इस बड़े सत्य के साथ समय के गुजरते जाने के एहसास में लक्ष्य-प्राप्ति के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा भी लिए हुए है।

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

काव्यांश-1

मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ।
मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ

1.काव्यांश में कवि किसका भार लिए फिरता है?

(a) घर तथा परिवार का (b) संसार का
(c) अपने कार्यालय का (d) आस-पड़ोस का

2.काव्यांश के अनुसार कवि सबको क्या बाँट रहा है?

(a) खुशियाँ (b) दुःख (c) आशा (d) प्रेम

3.कवि अपने जीवन में किस सुरा का पान करता है?

(a) ईर्ष्या-द्वेष (b) उत्साह उमंग (c) स्नेह (d) ये सभी

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : कभी अपने मन का गान करता है ।

कारण (R) : यह संसार अपने मन का गान करने वाले को ही पूछता है ।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कवि के अनुसार संसार में किन लोगों को प्रतिष्ठा प्राप्त होती है?

(a) संसार के हित में कार्य करने वालों को

(b) संसार के लिए उच्च साहित्य रखने वालों को

(c) संसार की झूठी प्रशंसा न करने वालों को

(d) संसार का झूठा गुणगान करने वालों को

1	2	3	4	5
b	d	c	a	d

काव्यांश-2

मैं निज उर के उदगार लिए फिरता हूँ
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ;
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।
मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,
सुख-दुःख दोनों में मग्न रहा करता हूँ;
जग भव-सागर तरने को नाव बनाए,
मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।

1.'निज उर के उद्गार' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(a) अपने हृदय की वाणी की अभिव्यक्ति (b) अपने हृदय से भिन्न मनोभाव

(c) अपने हृदय से निकाल दी गई स्मृतियाँ (d) अपने हृदय के केवल दुःख

2.कवि को संसार प्रिय क्यों नहीं है?

(a) संसार के बदलाव के कारण (b) संसार की अपूर्णता के कारण

(c) संसार की समान स्थिति के कारण (d) उपरोक्त सभी

3.कवि के हृदय में कैसी अग्नि दहक रही है?

(a) ईर्ष्या-द्वेष से पूर्ण अग्नि (b) सभी कुछ नष्ट कर देने वाली अग्नि

(c) स्वयं को जलाने वाली विरहाग्नि (d) स्नेहरूपी अग्नि

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : यथार्थ को स्वीकार नहीं करने से कवि के स्वप्न अधूरे रह गए हैं।

कारण (R) : कल्पना और वास्तविकता में सामंजस्य की कमी होने से कवि को संसार अधूरा महसूस होता है।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कवि किसकी अपेक्षा नहीं करता है?

(a) विचारों की (b) साधनों की (c) प्रेम की (d) घृणा की

1	2	3	4	5
a	d	c	b	b

काव्यांश-3

हो जाए न पथ में रात कहीं ,मंज़िल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।
बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।
मुझसे मिलने को कौन विकल? मैं होऊं किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

1.कवि के मन में किस चीज की आशंका है?

(a) घर पहुंच पाने की (b) घर न पहुंच पाने की
(c) घर पहुंचने से पहले ही रात हो जाने की (d) यात्रा बिना रुकावट पूरी हो जाने की

2.कवि किस आशा से प्रेरित हो उठता है?

(a) मंजिल पास ही आने वाली है
(b) कोई उसकी प्रतीक्षा नहीं कर रहा है
(c) मंजिल तक पहुंचने में बहुत समय शेष है
(d) मंजिल तक पहुँचकर वह कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाएगा

3.थका हुआ पथिक किसे पाने के कारण जल्दी-जल्दी चलता है?

(a) अपने साथी को (b) अपने भोजन को
(c) अपने लक्ष्य को (d) अपने स्वार्थ को

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : चिड़िया के बच्चे अपनी मां की प्रतीक्षा कर रहे हैं ।

कारण (R) : चिड़िया तेजी से पंखा चला कर अपने घोंसले में जाना चाहती हैं।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कवि के पैरों की गति को कौन-सा भाव शिथिल कर देता है?

(a) चिड़िया की तीव्र उड़ान (b) बच्चों की व्याकुलता
(c) समय का तीव्रगति से व्यतीत होना (d) कवि से मिलने को किसी का व्याकुल न होना

1	2	3	4	5
c	a	c	c	d

वस्तुपरक प्रश्नों हेतु बिंदु -

स्नेह-सुरा- प्रेम रूपी नशा, जिसे पीकर कवि समस्त संसार में प्रेम फैलाना चाहता है|
उद्गार- कवि के कोमल और प्रेम से भरे विचार
उपहार- कवि की कोमल व प्रेम भावनाएँ जो वह संसार को देना चाहता है
कवि को संसार अधूरा लगता है क्योंकि इस संसार में प्रेम की कमी है|
प्रेमिका की यादों और उसके प्रति प्रेम के कारण कवि सुख-दुःख दोनों में मग्न रहता है |
उन्मादों में अवसाद का आशय- कवि में युवाओं का जोश, उत्साह है परन्तु संसार में प्रेम की कमी के कारण वे दुखी है और कवि को अपनी प्रेमिका से भी प्रेम प्राप्त नहीं हुआ है |
कवि सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया का ज्ञान भुलाना चाहता है |

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्र.(1) कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- विपरीत से लगने वाले इन कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात- सामाजिक दायित्वों के प्रति सचेत और संसार में प्रेम बढ़ाने की कोशिश करना | संसार के प्रति मेरी जिम्मेदारियाँ निभा रहा हूँ |

मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- प्रेम बढ़ाने के लिए संसार की निंदा की परवाह नहीं करता हूँ |

प्र.(2) जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं- कवी ने ऐसा क्यों कहा है ?

उत्तर
- दाना- सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया
- नादान- सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया में डूबे मूर्ख लोग

तात्पर्य यह है कि जहाँ सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया है वहीं उसमें डूबने वाले मूर्ख लोग भी हैं जो प्रेम को महत्त्व नहीं देते हैं |

प्र.(3) मैं और, और जग और कहाँ का नाता- पंक्ति में और शब्द की विशेषता बताते हुए पंक्ति के अर्थ को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर और शब्द की विशेषता- प्रथम व तृतीय और का अर्थ है- अलग/भिन्न
द्वितीय और का अर्थ है- तथा

इस प्रकार इसमें यमक अलंकार है |

पंक्ति का अर्थ- कवि कहता है कि मैं अलग हूँ तथा संसार अलग है क्योंकि मैं प्रेम को महत्त्व देता हूँ और संसार के लोग सांसारिकता को महत्त्व देते हैं |

प्र.(4) शीतल वाणी में आग- के होने का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर शीतल वाणी- कोमल शब्दों व शीतल स्वरों का प्रयोग

आग- प्रेम रहित संसार के प्रति क्रोध

संसार में प्रेम की कमी देखकर कवि को क्रोध आता है परंतु इस क्रोध को वह कोमल शब्दों और शीतल स्वरों के माध्यम से अपनी कविता में प्रकट करता है |

प्र.(5) 'आत्मपरिचय' कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए |

उत्तर इस कविता में कवि ने स्वयं की अस्मिता को दुनिया के सामने प्रकट किया है | कवि ने अपने कोमल भाव व प्रेम भरे विचार तथा स्वप्नों के संसार को प्रकट किया है | कवि ने अपने निजी प्रेम को सबके सामने प्रकट किया है |इस प्रकार कविता की एक-एक पंक्ति कवि का परिचय दे रही है | अतः यह शीर्षक सार्थक है |

प्र.(6) पथिक के कदम तेज़ व धीमे होने के कारण लिखिए |

उत्तर मंजिल नज़दीक दिखाई देने, मंजिल पर जल्दी पहुँचने और प्रियजनों से जल्दी मिलने की इच्छा के कारण पथिक जल्दी चलता है | जब पंथी के मन में विचार आता है कि उसका इंतजार करने वाला कोई नहीं है और वह किसके भले के लिए जल्दी जाए, तब उसके कदम धीमे हो जाते हैं |

प्र.(7) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे ?

उत्तर बच्चे इस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे कि उनकी माँ चिड़िया शीघ्र ही आएगी, उन्हें भोजन देकर उनका भरण-पोषण करेगी | साथ ही उन्हें ढेर सारा प्यार भी देगी |

प्र.(8) दिन जल्दी-जल्दी ढलता है – की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है ?

उत्तर **दिन जल्दी-जल्दी ढलता है** – की आवृत्ति से प्रेम की आतुरता और उसके प्रभावी रूप से प्रकट करना, कविता में लय पैदा करना, तथा कविता में रोचकता पैदा करना आदि विशेषताओं का पता चलता है |

पाठ-2 पतंग - आलोक धन्वा

मूलभाव-

- पतंग कविता में भादो के बाद हुए प्राकृतिक परिवर्तनों और बाल क्रियाकलापों को चित्रित करने के लिए सुंदर बिम्बों का प्रयोग किया गया है |
- इस कविता में भादों के महीने के बाद शरद ऋतु के सवेरे की तुलना खरगोश की लाल आँखों से की गई है |
- शरद की तुलना साइकिल चलाते बच्चे से की गई है | साइकिल चलाते बच्चे के समान शरद ऋतु बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करती है |
- शरद ऋतु में बच्चे पतंग उड़ाते हैं और उनके लिए पतंग दुनिया की सबसे हलकी और रंगीन चीज़ है , साथ ही पतंग का कागज़ सबसे पतला कागज़ है तथा उसकी कमानी सबसे पतली कमानी है |
- कवि ने शरद ऋतु में बच्चों द्वारा रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाने के साथ-साथ खुश होकर चिल्लाने व सीटी बजाने को नाज़ुक दुनिया कहकर वर्णित किया है |
- कवि आलोक धन्वा के अनुसार बच्चे कपास के समान कोमल, लचीले व पवित्र होते हैं |
- बच्चे पतंग के लिए बेसुध होकर तेज़ गति से दौड़ते हैं |
- पतंग के लिए दौड़ते बच्चों के पैरों की गूँज सभी दिशाओं में गूँजती है |
- बच्चों में झूले व पेड़ की डाली की तरह लचीलापन होता है |
- बच्चों में उत्साह, जोश व लचीलेपन के कारण वे छतों के खतरनाक किनारों से गिरने से बच जाते हैं |
- पतंग के साथ बच्चा केवल एक धागे से जुड़ा होता है परन्तु ऊँची उड़ती पतंग के साथ उसके दिल की धड़कन भी जुड जाती है |
- छतों के खतरनाक किनारों से गिरकर बचने पर बच्चे निडर हो जाते हैं और वह चमकदार धूप में भी पतंग उड़ाते हैं तथा तेज़ी से दौड़ते हैं |

पद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

पद्यांश-1

सबसे तेज बौछारे गयीं भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके-
दुनिया की सबसे हलकी और रंगीन चीज उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सके-
बाँस की सबसे पतली कमानी उड़ सके-
कि शुरू हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया

प्र.(1) पतंग कविता में किस ऋतु के समाप्त होने का उल्लेख है -

(a) सर्दी (b) बसंत (c) गर्मी (d) वर्षा

प्र.(2) शरद की तुलना किससे की गई है -

(a) साइकिल चलाने वाले बच्चे से (b) पतंग से

(c) खरगोश की आँखों से (d) तितलियों से

प्र.(3) निम्नलिखित में से कौन-सा परिवर्तन पतंग कविता में चित्रित नहीं है ?-

(a) कई ऋतुओं के बाद शरद का आगमन (b) सुबह का सूरज लाल व चमकदार

(c) शीतल मंद हवा चलना (d) आँधी व लू का चलना

प्र.(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : पतंग को पतले कागज और पतली कमानी से बनाया जाता है ।

कारण (R) : पतले कागज और पतली कमानी के कारण पतंग आसानी से ऊपर उड़ जाती हैं ।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्र.(5) चमकीले इशारों का अर्थ है -

(a) चमकदार सूर्य द्वारा आकर्षित करना (b) चमकदार चाँदनी द्वारा आकर्षित करना

(c) बिजली चमकना (d) पतंगों का चमकना

1	2	3	4	5
d	a	d	d	a

पद्यांश-2

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं डाल की तरह लचीले वेग अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज़ एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ-साथ भी उड़ रहे हैं
अपने रंधों के सहारे
अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं
पृथ्वी और भी तेज़ घूमती हुई आती है
उनके बेचैन पैरों के पास ।

प्र.(1) बच्चे से कपास की क्या समानता का गुण नहीं है -

(a) कोमलता (b) लचीलापन (c) पवित्रता (d) कठोरता

प्र.(2) 'छतों को नरम बनाते हुए' पंक्ति का अर्थ है -

(a) बच्चों के कोमल पैरों से छत मुलायम महसूस होना (b) छतों पर रूई फैलाना

(c) छत पर पतंगें रख देना (d) आसमान में बादलों का आना

प्र.(3) दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का अर्थ है-

(a) ढोल-नगाड़ों की आवाज़ गूँजना (b) तबलों की आवाज़ गूँजना

(c) पैरों की आवाज़ गूँजना (d) हवाओं की आवाज़ गूँजना

प्र.(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : बच्चों में कपास की तरह नरमी, लोच और कोमलता जन्मजात होती है।

कारण (R) : पृथ्वी घूमती हुई बच्चों के बेचैन पैरों के पास आती है ।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्र.(5) 'पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं' पंक्ति में 'वे' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है -

(a) पक्षी (b) बच्चे व उनके मन

(c) बादल (d) अन्य पतंगें

1	2	3	4	5
d	**a**	**c**	**c**	**b**

<u>वर्णनात्मक प्रश्न –</u>

प्र.(1) 'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए |

उत्तर 'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, वह इस प्रकार है -

(i) शरद ऋतु का आगमन कई ऋतुओं के बाद हुआ है |

(ii) शरद ऋतु में सुबह का सूर्य लाल व चमकदार है |

(iii) शरद ऋतु में आसमान साफ़ है |

(iv) शरद ऋतु में शीतल मंद हवा चल रही है और आकाश मुलायम हो गया है |

प्र.(2) जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास - कपास से बच्चों की तुलना क्यों की गई है ?

उत्तर कपास - कोमल, मुलायम, लचीली व साफ़

बच्चे - कोमल, मुलायम, सहनशील व पवित्र मन

जिस प्रकार कपास कोमल, मुलायम, लचीली व साफ़ होती है उसी प्रकार बच्चे कोमल व मुलायम होते हैं | साथ ही वे सहनशील होते हैं और उनका मन पवित्र होता है |

प्र.(3) पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं - बच्चों का उड़ान से कैसा सम्बन्ध है ?

उत्तर जब बच्चे पतंग उड़ाते हैं तो पतंग के साथ-साथ बच्चों के मन भी उड़ते हैं | जिस बच्चे की पतंग जितनी ऊँची उड़ती है, वह बच्चा भी अपने-आप को उतना ही ऊँचा उड़ता हुआ महसूस करता है | इस प्रकार जब बच्चे अपनी आँखों से पतंग को उड़ती हुई देखते हैं तो वह खुद उड़ता हुआ महसूस करते हैं

प्र.(4) दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है ?

उत्तर जब बच्चे पतंग के लिए बेसुध होकर खुरदरी छतों पर दौड़ते हैं तो उनके पैरों की आवाज़ चारों दिशाओं में गूँजती है | यह आवाज़ इस प्रकार लगाती है मानो चारों दिशाओं में ढोल-नगाड़े और मृदंग बज रहे हैं |

प्र.(5) खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं ?

उत्तर खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद हम अपने-आप को निडर और आत्मविश्वास से भरा महसूस करते हैं | हम अपने-आप को चुनौतियों का मुकाबला करने में अधिक सक्षम पाते हैं |

प्र.(6) कविता में आए बिम्बों को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर

1. **<u>दृश्य बिम्ब (आँखों के सामने उभरने वाले)</u> -** सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादो गया, खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा, शरद आया पुलों को पार करते हुए, अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए, चमकीली इशारों से बुलाते हुए, सुनहले सूरज के सामने आते हैं
2. **<u>श्रव्य बिम्ब (सुनाई देने वाले)</u> -** घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से, दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
3. **<u>स्पर्श बिम्ब (महसूस करने वाले)</u> -** आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए, छतों को नरम बनाते हुए

प्र.(7) शरद के सवेरे की तुलना किससे की गई है और क्यों ? शरद की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

उत्तर शरद के सवेरे की तुलना खरगोश की आँखों की गई है, क्योंकि शरद के सवेरे का सूर्य खरगोश की आँखों की तरह लाल और चमकदार होता है |

शरद की तुलना साइकिल चलाते बच्चे से की गई है, क्योंकि साइकिल चलाते बच्चे के समान शरद ऋतु उत्साह व उमंग से भरी होती है |

प्र.(8) छतों को नरम बनाने से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर पतंग के लिए खुरदरी छतों पर दौड़ते बच्चों के कोमल पैरों में चुभन का अहसास नहीं होता, तो ऐसा महसूस होता है कि उनके पैरों ने छतों को नरम बना दिया है |

****

पाठ-3 कविता के बहाने, बात सीधी थी पर - कुँवर नारायण

<u>कविता के बहाने मूलभाव-</u>

- यह कविता एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है।
- कवि कहता है कि चिड़िया की उड़ान की सीमा है, फूल के खिलने के साथ उसकी परिणति निश्चित है, लेकिन बच्चे के सपने असीम हैं।
- बच्चों के खेल में किसी प्रकार की सीमा का कोई स्थान नहीं होता।
- कविता भी शब्दों का खेल है और शब्दों के इस खेल में जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान और भविष्य-सभी उपकरण मात्र हैं। इसीलिए जहाँ कहीं रचनात्मक ऊर्जा होगी, वहाँ सीमाओं के बंधन खुद-ब-खुद टूट जाते हैं।

<u>बात सीधी थी पर मूलभाव-</u>

- इसमें कथ्य के द्वंद्व उकेरते हुए भाषा की सहजता की बात की गई है।
- अच्छी बात या अच्छी कविता का बनना सही बात का सही शब्द से जुड़ना होता है और जब ऐसा होता है तो किसी दबाव या अतिरिक्त मेहनत की जरूरत नहीं होती, वह सहूलियत के साथ हो जाता है।
- सही बात को सही शब्दों के माध्यम से कहने से ही रचना प्रभावशाली बनती है।
- मनुष्य अपनी भाषा को टेढ़ी तब बना देता है जब वह आडंबरपूर्ण तथा चमत्कारपूर्ण शब्दों के माध्यम से कथ्य को प्रस्तुत करने का प्रयास करता है।
- अंततः शब्दों के चक्कर में पड़कर वे कथ्य अपना अर्थ खो बैठते हैं।

पठित पद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

<u>पद्यांश-1</u>

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर-भीतर
इस घर उस घर

कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने?
कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर, इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?

1.कवि ने कविता को किसकी उड़ान माना है?

(a) प्रश्नों की (b) शब्द की
(c) सीमाओं की (d) कल्पना की

2."कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने" पंक्ति का आशय क्या है?

(a) कविता की उड़ान चिड़िया की उड़ान से कम होती है
(b) कविता की उड़ान असीमित है, इसे चिड़िया नहीं समझ पाती है
(c) कविता और चिड़िया दोनों की उड़ान अनन्त है
(d) कविता की उड़ान से चिड़िया भली-भाँति परिचित है

3.कवि ने फूल और कविता के खिलने में क्या अंतर बताया है?

(a) फूल क्षणिक होता है जबकि कविता अमर होती है
(b) फूल में सुगंध होती है जबकि कविता में नहीं होती
(c) फूल में सौंदर्य होता है जबकि कविता में क्षणिक सौंदर्य होता है।
(d) फूल और कविता दोनों में कोई समानता नहीं है

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : कवि के अनुसार फूल कविता की समता नहीं कर सकते हैं।

कारण (R) : कविता अनंत जीवन एवं आनंद से युक्त होती है।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।
d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कविता को फूल के बहाने से किससे जोड़ा गया है?

(a) जड़ हो जाने की प्रक्रिया से (b) मुरझाने की प्रक्रिया से
(c) खिलने की प्रक्रिया से (d) संवेदनशील हो जाने की प्रकिया से

1	2	3	4	5
d	b	a	d	c

पद्यांश-2

बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में
जरा टेढ़ी फँस गई।
उसे पाने की कोशिश में
भाषा को उलटा-पलटा
तोड़ा मरोड़ा, घुमाया फिराया
कि बात या तो बने
या फिर भाषा से बाहर आए
लेकिन इससे भाषा के साथ-साथ
बात और भी पेचीदा होती चली गई।

1.भाषा के चक्कर में पड़कर बात कैसी हो गई?

(a) सीधी (b) उल्टी (c) टेढ़ी (d) ये सभी

2.उसे पाने की कोशिश में पंक्ति में 'उसे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(a) कवि (b) प्रियसी (c) बात (d) कलम

3.बात सीधी थी पर' में कवि ने किस पर बल दिया है?

(a) भावों की सरलता (b) भाषा की जटिलता (c) भावों की गंभीरता (d) भाषा की सहजता

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) :भाषा के भावों की अभिव्यक्ति ठीक से स्पष्ट नहीं होती।

कारण (R) : भाषा के साथ तोड़-मरोड़ करने का परिणाम होता है।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.प्रस्तुत काव्यांश का केंद्रीय भाव क्या है?

(a) भाषा की सहजता पर जोर देना (b) भावों को प्रमुखता प्रदान करना

(c) बात कहने का ढंग सीखाना (d) बातचीत के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करना

1	2	3	4	5
c	c	d	d	a

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्र.(1) **इस कविता के बहाने बताएँ कि 'सब घर एक कर देने के माने' क्या है ?**

उत्तर 'सब घर एक कर देने के माने' है- आपसी भेदभाव समाप्त कर अपनत्व की भावना का विकास करना | कवि के अनुसार बच्चे आपसी भेदभाव मिटाकर अपनत्व व भाईचारे की भावना का विकास करते हैं | बच्चे खेलते हुए एक घर से दूसरे घर में बिना भेदभाव के चले जाते हैं और भाईचारा बढ़ाते हैं |

प्र.(2) **'उड़ने' व 'खिलने' का कविता से क्या सम्बन्ध बनता है ? तथा कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?**

अथवा

कविता, फूल और बच्चे से कविता की तुलना कवि ने किस प्रकार की है ?

उत्तर

चिड़िया, फूल, बच्चा	कविता
चिड़िया- उड़ान सीमित होती है और आसमान में एक निश्चित ऊँचाई तक ही उड़ सकती है		कविता की उड़ान असीमित होती है और वह दिल की गहराइयों से आसमान की ऊँचाइयों तक उड़ सकती है	
फूल- फूल का खिलने के साथ ही मुरझाना भी निश्चित हो जाता है और वह थोड़े समय के लिए ही खुशबू देता है		कविता बिना मुरझाए महकती रहती है	इसका प्रभाव कभी खत्म नहीं होता और यह हमेशा पाठकों को आनंद देती रहती है	
बच्चा = कविता 1. बच्चे खेल खेलते हैं व आनंद देते हैं उसी प्रकार कविता भी शब्दों का खेल है और आनंद प्रदान करती है	 2. दोनों ही भेदभाव मिटाकर अपनत्व व भाईचारे की भावना बढ़ाते हैं	 3.दोनों में ही रचनात्मक ऊर्जा होती है		

प्र.(3) **'भाषा को सहूलियत' से बरतने का क्या अभिप्राय है ?**

उत्तर 'भाषा को सहूलियत' से बरतने का अभिप्राय है - भाषा को सरलता और सहजता से प्रयोग में लाना | बात को सीधे और सरल शब्दों में कहना, जिससे कथ्य और भाषा में सामंजस्य स्थापित हो सके और बात लोगों तक सरलता से पहुँच सके | भाषा को सुविधाजनक एवं सहज ढंग से प्रयोग में लाना |

प्र.(4) **'सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है |' कैसे ?**

उत्तर कवि सीधी सरल बात को प्रभावी बनाने की कोशिश करता है | इसके लिए वह सुंदर, अलंकृत, प्रभावी व जटिल भाषा का प्रयोग करता है | भाषा के इस प्रदर्शन के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी व पेचीदा हो जाती है |

प्र.(5) **निम्नलिखित मुहावरों/ बिम्बों के आशय को स्पष्ट कीजिए-**

(i) बात की चूड़ी मर जाना

(ii) पेंच को कील की तरह ठोंक देना

उत्तर **(i) बात की चूड़ी मर जाना -** बात का प्रभावहीन होना | जब भाषा के साथ ज़ोर ज़बरदस्ती की जाए तो बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है | इसे कवि ने बात की चूड़ी मरना कहा है |

(ii)पेंच को कील की तरह ठोंक देना - बात में कसावट न होना | जब कवि से बात बन नहीं पा रही थी तब वह उसे जैसे-तैसे पूरी कर देता है | यह बात उस कील की तरह महसूस होती है जो बाहर से तो पूरी लगती है परन्तु अंदर से उसमें कसावट नहीं होती |

प्र.(6) **'बात सीधी थी पर' कविता का सन्देश / कथ्य / प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए |**

उत्तर कविता में कथ्य व माध्यम के द्वंद्व को बताते हुए कहा गया है कि हमें बात बात को सीधे-सरल शब्दों में कहना चाहिए | भाषा को सुन्दर, अलंकृत और जटिल बनाने के चक्कर में बात उलझने लगती है और मूल बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है | इसलिए हमें सही बात के लिए सही शब्दों का प्रयोग करना चाहिए | साथ ही भाषा की सरलता पर ध्यान देना चाहिए |

पाठ-4.कैमरे में बंद अपाहिज- रघुवीर सहाय

मूलभाव-

दूरदर्शन-कर्मियों की संवेदनहीनता और क्रूरता पर प्रकाश डाला गया है। प्राय: मीडिया में कार्यक्रम को आकर्षक और बिकाऊ बनाने के लिए मानवीय दुख-दर्द को खोलकर दिखाया जाता है । अपाहिजों को कैमरे के सामने लाकर उनसे बड़े क्रूर प्रश्न पूछे जाते हैं। उनके सोए हुए दर्द को जानबूझकर ताजा किया जाता है। मीडिया की कोशिश होती है कि अपाहिज व्यक्ति अपने दर्द से और दर्शक करुणा से रो पड़े। इस प्रकार उनका कार्यक्रम रोचक बन जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न –

प्र.(1) 'हम समर्थ शक्तिवान' पंक्ति में समर्थ का प्रयोग किया गया है -

(क) दूरदर्शन एंकर के लिए (ख) नेता के लिए

(ग) कैमरामैन के लिए (घ) अमीरों के लिए

प्र.(2) 'हम एक दुर्बल को लाएँगे' पंक्ति में दुर्बल का प्रयोग किया गया है -

(क) गरीब के लिए (ख) अपाहिज के लिए

(ग) आम आदमी के लिए (घ) कैमरामैन के लिए

प्र.(3) एक बंद कमरे में - पंक्ति में बंद कमरे का तात्पर्य है -

(क) सिनेमा का स्टूडियो (ख) टेलीविज़न स्टूडियो

(ग) घर का कमरा (घ) पूछताछ के लिए बनाया कमरा

प्र.(4) कविता में अपाहिज से पूछे गए प्रश्न किस प्रकार के थे ?

(क) बेतुके (ख) संवेदनहीन

(ग) उक्त दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.(5) कैमरे में बंद अपाहिज कविता में अपाहिज का साक्षात्कार लेते समय मीडियाकर्मी का दृष्टिकोण कैसा था ?

(क) व्यावसायिक व संवेदनशील (ख) सहानुभूतिपूर्ण व व्यावसायिक

(ग) संवेदनशील व सहानुभूतिपूर्ण (घ) व्यावसायिक व संवेदनहीन

प्र.(6) दूरदर्शन कैसा माध्यम है ?

(क) दृश्य (ख) श्रव्य (ग) दृश्य-श्रव्य (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.(7) (कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा) - ऐसा क्यों कहा गया है ?

(क) दर्शकों से सहानुभूति लेने के लिए (ख) कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने के लिए

(ग) अधिक धन कमाने के लिए (घ) उपर्युक्त सभी

प्र.(8) 'फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर' पंक्ति में बिम्ब है -

(क) घ्राण (ख) स्पर्श (ग) श्रव्य (घ) दृश्य

प्र.(9) अपाहिज को रुलाने का प्रयास क्यों किया गया ?

(क) अपाहिजपन की पीड़ा को प्रकट करने के लिए

(ख) दर्शकों की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए

(ग) अपाहिज के दुःख को कम करने के लिए

(घ) अपाहिज के प्रति संचालक की संवेदनशीलता के कारण

प्र.(10) 'हमें दोनों एक संग रुलाने हैं' इसके पीछे प्रश्नकर्ता का कौनसा उद्देश्य है ?

(क) अधिक धन कमाना (ख) करुणा को प्रकट कर स्वार्थ सिद्ध करना

(ग) कार्यक्रम लोकप्रिय बनाना (घ) उपरोक्त सभी

प्र.(11) कैमरा बस करो, नहीं हुआ रहने दो- इस पंक्ति से क्या पता चलता है ?

(क) कैमरामैन के काम न करने का

(ख) कार्यक्रम संचालक का व्यावसायिक उद्देश्य पूर्णतः पूरा न होने का

(ग) अपाहिज की पीड़ा न बता पाना

(घ) संवेदनशीलता का

प्र.(12) परदे पर वक्त की कीमत है-पंक्ति से साक्षात्कारकर्ता के किस नजरिए का पता चलता है?

(क) व्यावसायिक नजरिए (ख) सहानुभूतिपूर्ण नजरिए

(ग) संवेदनशील नजरिए (घ) सकारात्मक नज़रिए

प्र.(13) बस थोड़ी ही कसर रह गई - पंक्ति में किस कसर या कमी की ओर संकेत है ?

(क) अपाहिज की पीड़ा को व्यक्त करने की

(ख) अपाहिज व दर्शकों को एक साथ रुलाने की

(ग) केवल अपाहिज को रुलाने की

(घ) अपाहिज को खुश करने की

प्र.(14) कैमरे में बंद अपाहिज कविता के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?

(क) कविता शारीरिक चुनौती झेलते लोगों के प्रति संवेदनशील नज़रिया अपनाने के लिए प्रेरित करती है

(ख) इस कविता में मीडियाकर्मियों के संवेदनशील व्यवहार को उजागर किया गया है

(ग) यह कविता बताती है कि करुणा जगाने के मकसद से शुरू हुआ कार्यक्रम किस प्रकार क्रूर बन जाता है

(घ) मीडियाकर्मियों का रवैया कारोबारी दबाव के तहत संवेदनहीन हो जाता है

उत्तर-

1	क	6	ग	11	ख
2	ख	7	घ	12	क
3	ख	8	घ	13	ख
4	ग	9	ख	14	ख
5	घ	10	घ		

<u>वर्णनात्मक प्रश्न-</u>

प्र.(1) 'कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है- स्पष्ट कीजिए |

अथवा

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए |

उत्तर- कैमरे में बंद अपाहिज कविता में मीडिया के लोगों की व्यावसायिक मानसिकता व संवेदनहीनता को उजागर किया गया है | मीडिया के लोग अपनी मन-मानी कर अपाहिज व्यक्ति से स्टूडियो में बेहूदे प्रश्न

पूछते हैं, जैसे- आप क्या अपाहिज हैं ?, आप अपाहिज क्यों हैं ?, आपको अपाहिज होकर कैसा महसूस हो रहा है ? आदि | जब अपाहिज व्यक्ति इन प्रश्नों से दुखी होकर रोने लगता है और कार्यक्रम लोकप्रिय हो जाता है | इस प्रकार अपाहिज की पीड़ा को बेचकर वे लोकप्रियता और लाभ कमाने की कोशिश करते हैं |

प्र.(2) हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

उत्तर- **हम समर्थ शक्तिवान -** मीडिया के लोग अपने आप को सबसे अधिक ताकतवर मानते हैं | वे मानते हैं कि हम स्टूडियो में अपनी मनमानी कर कुछ भी कर सकते हैं |

हम एक दुर्बल को लाएँगे - अपाहिज व्यक्ति को मीडिया के लोग दुर्बल, कमज़ोर और लाचार मानते हैं और अपनी मनमानी का मौका ढूँढते हैं |

इस प्रकार कवि ने मीडिया के लोगों की क्रूर व्यावसायिकता और संवेदनहीनता पर व्यंग्य किया है |

प्र.(3) परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है ?

उत्तर- **परदे पर वक्त की कीमत है** कहकर कवि ने मीडिया के लोगों(साक्षात्कार लेने वालों)
के व्यावसायिक नज़रिए का पता चलता है | उनके लिए अपाहिज की पीड़ा का कोई महत्त्व नहीं बल्कि उनका उद्देश्य टी. वी. के परदे पर कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाकर अधिक धन कमाना है |

प्र.(4) यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक, दोनों एक साथ रोने लगेंगे, तो प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा ?

उत्तर- यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक, दोनों एक साथ रोने लगेंगे, तो प्रश्नकर्ता का यह उद्देश्य पूरा होगा कि उसका कार्यक्रम लोकप्रिय, भावनापूर्ण और करुणापूर्ण हो जाएगा | साथ ही वे अपंग व्यक्ति की पीड़ा व करुणा को बेचकर अधिक से अधिक धन कमा सकेंगे, साथ ही दिखावटी रूप से सामाजिक उद्देश्य भी पूरा हो जाएगा |

****

पाठ-6 उषा - शमशेर बहादुर सिंह

पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
और.....जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है।

प्रश्न.1. कवि ने प्रातःकालीन वातावरण की समानता नीले शंख से क्यों की है?

(a) भोर के समय वातावरण का रंग नीले शंख जैसा होने के कारण
(b) कवि को नीले शंख का रंग पसंद होने के कारण
(c) भोर के समय वातावरण के अनेक रंग बदलने के कारण
(d) नीले शंख के अतिरिक्त अन्य उपमा न मिलने के कारण

प्रश्न.2. भोर के नभ का सुरमई रंग दर्शाने के लिए क्या उपमा दी गई है?

(a) लाल केसर से धुली सिल (b) स्लेट पर लाल खड़िया चाक
(c) राख से लीपा चौका (d) नीले जल में गौर वर्ण

प्रश्न.3. चौके के गीला होने का क्या भावार्थ है?

(a) नए जीवन का उदय (b) वातावरण में नमी
(c) भोजन के लिए तैयार होना (d) वातावरण में शुष्कता

प्रश्न.4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) :उषा के सौंदर्य का जादू समाप्त हो जाता है।

कारण (R) : सूर्य के उदित होने पर।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न.5. 'काली सिल' और 'स्लेट' किस दृश्य को चित्रित करते हैं?

(a) भोरकालीन उजाला (b) भोरकालीन अंधेरा

(c) सायंकालीन अंधेरा (d) संध्याकालीन सूर्य

उत्तर -

1	2	3	4	5
a	c	b	d	b

निम्नलिखित अभिकथनों के लिए उचित तथा तर्कयुक्त विकल्प में से उत्तर दीजिए -

1.**अभिकथन (A) उषा कविता ग्रामीण परिवेश की ओर इंगित करती है।**

कारण (R) लीपा हुआ चौका या आँगन, सिल और स्लेट गाँवों में घर-घर दिखाई देते हैं।

(क) A और R दोनों सत्य हैं और R. A की सही व्याख्या करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं और R. A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) A सच है, लेकिन R झूठा है।

(घ) A झूठा है, लेकिन R सच है।

2. अभिकथन (A) कवि ने भोरकालीन नभ को राख से लीपा हुआ गीला चौका कहा है।

कारण (R) चौके की लिपाई के बाद उसमें आर्द्रता या नमी आ जाती है।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) A सच है, लेकिन R झूठा है।

(घ) A झूठा है, लेकिन R सच है।

3. अभिकथन (A) काली सिल और स्लेट के माध्यम से भोरकालीन अँधेरे का सटीक चित्रण है।

कारण (R) भोरकाल में आकाश में सुरमई अँधेरा होता है।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R. A की सही व्याख्या करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) A सच है, लेकिन R झूठा है।

(घ) A झूठा है, लेकिन R सच है।

4. अभिकथन (A) सुबह का खिलता सूरज अपनी किरणों को काफ़ी कोमल बनाए हुए है।

कारण (R) सूर्यास्त का सूरज थका-हारा, मलिन अब विश्राम करना चाहता है।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) A सच है लेकिन R झूठा है।

(घ) A झूठा है, लेकिन R सच है।

5. अभिकथन (A) प्रातःकालीन आकाश नीला शंख के समान था।

कारण (R) प्रातः कालीन आकाश स्वच्छ, निर्मल और पवित्र होता है।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) A सच है, लेकिन R झूठा है।

(घ) A झूठा है, लेकिन R सच है।

उत्तरमाला :

1. (क) A और R दोनों सत्य हैं और R. A की सही व्याख्या करता है।

स्पष्टीकरण- सुबह अपने कार्यों में लगे ग्रामीण वर्ग को स्पष्ट करने वाले प्रतिमान है।

2. (क) A और R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या करता है।

स्पष्टीकरण- लीपे हुए चौके में नमी होती है ठीक उसी प्रकार भोरकालीन आकाश में भी आद्रता होती है।

3. (क) A और R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या करता है।

स्पष्टीकरण- भोर में आकाश सिल और स्लेट की तरह काला नज़र आता है।

4. (ख) A और R दोनों सत्य है और R. A की सही व्याख्या नहीं करता है

स्पष्टीकरण- सुबह सूरज की किरणें कोमलता और सतेज होती जाती है। शाम को निस्तेज होती है।

.(क) Aऔर R दोनों सत्य है और R. A की सही व्याख्या करता है।

स्पष्टीकरण- क्योंकि नीला शंख स्वच्छ, निर्मल और पवित्रता का प्रतीक है।

<u>वर्णनात्मक प्रश्न –</u>

प्रश्न. 1- कविता के किन उपमानों को देखकर कहा जा सकता है कि उषा गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है ?

उत्तर :- **1. आसमान नीले शंख व गीली राख के समान-** आसमान में नमी है | गाँव की महिलाएँ भोर में ही अपना चूल्हा-चौका लीपकर अपनी दिनचर्या शुरू करती है।

2. काली सिल पर लाल केसर, स्लेट पर लाल चाक- काले आसमान में सूर्य की हल्की लालिमा है | गाँव के पुरुष सुबह जल्दी ही सिल पर केसर घिसकर पूजा की तैयारी करते हैं और बच्चे काली स्लेट पर लाल चाक से लिखकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं।

3. गौर झिलमिल देह- सूर्य की किरणें तालाब पर मानवीय आकृति जैसी लगती है | गाँव की महिलाएँ सुबह जल्दी ही तालाब में स्नान कर लेती है |

प्रश्न. 2 - भोर का नभ , राख से लीपा चौका

(अभी गीला पड़ा है)

नयी कविता में कोष्ठक ,विराम चिह्नों और पंक्तियों के बीच का स्थान भी कविता को अर्थ देता है | उपर्युक्त पंक्तियों में कोष्ठक से कविता में क्या विशेष अर्थ पैदा हुआ है ?समझाइए |

उत्तर :- नई कविता प्रयोगधर्मी है |इसमें भाषा- शिल्प के स्तर पर हर नए प्रयोग से अर्थ की अभिव्यक्ति की जाती है|प्रायः कोष्ठक अतिरिक्त ज्ञान की सूचना देता है|यहाँ अभी गीला पड़ा है के माध्यम से कवि गीलेपन की ताजगी को स्पष्ट कर रहा है |ताजा गीलापन स्लेटी रंग को अधिक गहरा बना देता है जबकि सूखने के बाद राख हल्के स्लेटी रंग की हो जाती है|

प्रश्न. 3- उषा का जादू क्या है ? उषा का जादू कब टूटता है ?

उत्तर- उषाकाल में (भोर से सूर्योदय तक) आसमान में कई रंग जैसे नीला, राख जैसा, लालिमा लिए काला रंग आदि आसमान में दिखाई देते हैं, यही उषा का जादू है | सूर्योदय होने और सूर्य की चमक के कारण उषा का जादू टूटता है |

प्रश्न. 4 - उषा कविता की भाषागत विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर- 1.खड़ी बोली हिंदी का प्रयोग किया गया है |

2.देशज व ग्रामीण शब्दों का प्रयोग किया गया है, जैसे- राख, चौका, खड़िया आदि |

3.नए उपमानों का प्रयोग किया गया है, जैसे- नीला शंख, राख से लीपा चौका आदि

4.उषाकाल के बिम्बों का प्रयोग किया गया है, जैसे- पानी में सूर्य किरणें झिलमिल देह के समान |

****

<u>पाठ-7 बादल राग – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'</u>

मूलभाव-

- कवि बादलों को देखकर कल्पना करता है कि बादल हवारूपी समुद्र में तैरते हुए क्षणिक सुखों पर दुख की छाया है जो संसार या धरती की जलती हुई छाती पर मानी छाया करके उसे शांति प्रदान करने के लिए आए हैं।

- बाढ़ की विनाश-लीला रूपी युद्ध-भूमि में वे नौका के समान लगते हैं।
- बादल की गर्जना को सुनकर धरती के अंदर सोए हुए बीज या अंकुर नए जीवन की आशा से अपना सिर ऊँचा उठाकर देखने लगते हैं।
- आकाश में तैरते बादल ऐसे लगते हैं मानो वज्रपात से सैंकड़ों वीर धराशायी हो गए हो और उनके शरीर क्षत-विक्षत है।
- कवि बादलों को क्रांति दूत की संज्ञा देता है। बादलों का गर्जन किसानों व मजदूरों को नवनिर्माण की प्रेरणा देता है।
- क्रांति से सदा आम आदमी को ही फ़ायदा होता है।
- बादल आतंक के भवन जैसे हैं जो कीचड़ पर कहर बरसाते हैं। बुराईरूपी कीचड़ के सफ़ाए के लिए बादल प्रलयकारी होते हैं।
- कवि कहता है कि कमजोर शरीर वाले कृषक बादलों को अधीर होकर बुलाते हैं क्योंकि पूंजीपति वर्ग ने उनका अत्यधिक शोषण किया है।

पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

पद्यांश-1

तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया
यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल!

(1) कवि किस का आवाहन करता है?

(a) बिजली (b) बादल (c) सूरज (d) प्रकृति

(2) क्रांति का दूत किसे कहा गया है?

(a) समीर (b) आसमान (c) बादल (d) नौका

(3) पृथ्वी में सोए हुए अंकुर के ऊपर किसका प्रभाव पड़ता है?

(a) कवि की पुकार का (b) कवि के गीतों का
(c) बादल की गर्जना का (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : बादल को क्रांतिदूत के रूप में चित्रित किया गया है।

कारण (R) : बादलों की युद्ध रूपी नौका में आम आदमी की इच्छाएँ भरी रहती हैं।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।
d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(5) अंकुर किसकी आशा में सिर उठाकर ताक रहे हैं?

(a) नवजीवन (b) क्रांति (c) पानी (d) बादल

उत्तरमाला-

(1)(b) (2)(c) (3)(c) (4)(d) (5)(a)

पद्यांश-2

अट्टालिका नहीं है रे आतंक-भवन
सदा पंक पर ही होता
जल-विप्लव-प्लावन,
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से सदा छलकता नीर,
रोग-शोक में भी हँसता है
शैशव का सुकुमार शरीर ।
रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल!
त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं।
है जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार!

(1) पंक किसका प्रतीक है?

(a) आम आदमी (b) विशेष वर्ग में लोग (c) अमीर वर्ग (d)पूंजीपति वर्ग

(2) अट्टालिका किसका प्रतीक है?

(a) शोषक एवं पूंजीपति वर्ग (b)मजदूर वर्ग (c) किसान (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

(3) धनिक वर्ग किस से भयभीत हैं?

(a) बादलों से (b) चेतना से (c) क्रांति से (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : पूँजीपतियों के ऊँचे ऊँचे भवन गरीबों को आतंकित करने वाले भवन हैं।

कारण (R) : प्रलय से पूँजीपति वर्ग ही प्रभावित होता है।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(5) जीवन के पारावार किसे कहा गया है?

(a) किसान (b) मजदूर (c) बादल (d) क्रांति

उत्तरमाला-

(1)(a) (2)(a) (3)(c) (4)(c) (5)((c)

वर्णनात्मक प्रश्न-

1. अस्थिर सुख पर दुख की छाया पंक्ति में दुख की छाया किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तर- कवि ने दुख की छाया' मानव जीवन में आने वाले दुखों, कष्टों को कहा है। कवि का मानना है कि संसार में सुख कभी स्थायी नहीं होता। उसके साथ-साथ दुख का प्रभाव रहता है। धनी शोषण करके अकूत संपत्ति जमा करता है परंतु उसे सदैव क्रांति की आशंका रहती है। वह सब कुछ छिनने के डर से भयभीत रहता है।

2.अशनि-पात से शापित उन्नत शत-शत वीर पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है?

उत्तर- इस पंक्ति में कवि ने पूँजीपति या शोषण या धनिक वर्ग की ओर संकेत किया है। बिजली गिरना' का तात्पर्य-क्रांति से है। क्रांति से जो विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग है, उसकी प्रभुसत्ता समाप्त हो

जाती है और वे उन्नति के शिखर से गिर जाते हैं। उनका गर्व चूर-चूर हो जाता है।

3.'बादल राग' कविता के आधार पर भाव स्पष्ट कीजिए-'विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते।'

उत्तर- 'विप्लव-रव' से तात्पर्य है-क्रांति का स्वर क्रांति का सर्वाधिक लाभ शोषित वर्ग को ही मिलता है क्योंकि उसके अधिकार छिने गए हैं। शोषक वर्ग के विशेषाधिकार खत्म होते हैं। आम व्यक्ति को जीने के अधिकार मिलते हैं। उनको दरिद्रता दूर होती है। अतः क्रांति की गर्जना से शोषित वर्ग प्रसन्न होता है।

4.बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन परिवर्तनों को कविता रेखांकित करती है?

उत्तर- कविता में बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले परिवर्तन इस प्रकार है -

i) आसमान में बादल गरज रहे हैं | बहुत तेज़ बारिश हो रही है |

ii) ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर बिजली गिर रही है और वे टूट-फूट रहे हैं |

iii)छोटे-छोटे पौधे पनप रहे हैं |

iv) कमलों से पानी टपक रहा है |

5. क्रांति की गर्जना का शोषक वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ता है? उनका मुख ढापना किस मानसिकता का घोतक है? 'बादल राग' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर- शोषक वर्ग ने आर्थिक साधनों पर एकाधिकार जमा लिया है, परंतु क्रांति की गर्जना सुनकर वह अपनी सत्ता को खत्म होते देखता है। वह बुरी तरह भयभीत हो जाता है। उसकी शांति समाप्त हो जाती है। शोषक वर्ग का मुख ढाँपना उनकी कमजोर स्थिति को दर्शाता है। क्रांति के परिणामों से वे भयभीत हैं।

6. 'बादल राग' कविता में 'ऐ विप्लव के वीर' किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तर- इस कविता में 'ऐ विप्लव के वीर!' बादल को कहा गया है। बादल घनघोर वर्षा करता है तथा बिजलियाँ गिराता है। इससे सारा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। बादल क्रांति का प्रतीक है। क्रांति आने से बुराई रूपी कीचड समाप्त हो जाता है तथा आम व्यक्ति को जीने योग्य स्थिति मिलती हैं।

7. 'बादल राग' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

उत्तर-'बादल राग' क्रांति की आवाज का परिचायक है। यह कविता जनक्रांति की प्रेरणा देती है। कविता में बादलों के आने से नए पौधे हर्षित होते हैं, उसी प्रकार क्रांति होने से आम आदमी को विकास के नए अवसर मिलते हैं। कवि बादलों को बारिश करने या क्रांति करने के लिए आह्वान करता है। यह शीर्षक उद्देश्य के अनुरूप है। अत: यह शीर्षक सर्वथा उचित है।

****

पाठ-8. कवितावली, लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप- गोस्वामी तुलसीदास

'कवितावली'

मूलभाव-

- पहले छंद "किसबी, किसान ...." में उन्होंने दिखलाया है कि संसार के अच्छे-बुरे समस्त लीला-प्रपंचों का आधार 'पेट की आग' का गहन यथार्थ है; जिसका समाधान वे राम की भक्ति में देखते हैं।
- दरिद्रजन की व्यथा दूर करने के लिए राम रूपी घनश्याम का आह्वान किया गया है। पेट की आग बुझाने के लिए राम रूपी वर्षा का जल अनिवार्य है।
- दूसरे छंद में कवि अकाल की स्थिति का चित्रण करता है। इस समय किसान खेती नहीं कर सकता, भिखारों को भीख नहीं मिलती, व्यापारी व्यापार नहीं कर पाता तथा नौकरी की चाह रखने वालों को नौकरी नहीं मिलती।
- कवि राम से प्रार्थना करते हैं कि अब आप ही इस दरिद्रता रूपी रावण का विनाश कर सकते हैं।
- तीसरे छंद ("धूत कहौ...") में भक्ति की गहनता और सघनता में उपजे भक्तहृदय के आत्मविश्वास का सजीव चित्रण है, जिससे समाज में व्याप्त जातिवाद - और दुराग्रहों के तिरस्कार का साहस पैदा है।

लक्ष्मण- मूर्छा और राम का विलाप

मूलभाव-

- आधी रात व्यतीत होने पर जब हनुमान नहीं आए,तब राम ने अपने छोटे भाई लक्ष्मण को उठाकर हृदय से लगा लिया और साधारण मनुष्य की भाँति विलाप करने लगे।
- राम बोले .....हे भाई !तुम मुझे कभी दुखी नहीं देख सकते थे।तुम्हारा स्वभाव सदा से ही कोमल था ।
- तुमने मेरे लिए माता पिता को भी छोड़ दिया और मेरे साथ वन में सर्दी,गर्मी और विभिन्न प्रकार की विपरीत परिस्थितियों को भी सहा |
- जैसे पंख बिना पक्षी,मणि बिना सर्प और सूँड बिना श्रेष्ठ हाथी अत्यंत दीन हो जाते हैं,हे भाई! यदि मैं जीवित रहता हूँ तो मेरी दशा भी वैसी ही हो जाएगी।
- मैं अपनी पत्नी के लिए अपने प्रिय भाई को खोकर कौन सा मुँह लेकर अयोध्या जाऊँगा।इस बदनामी को भले ही सह लेता कि राम कायर है और अपनी पत्नी को खो बैठा।
- हनुमान का संजीवनी लेकर आ जाना करुण रस में वीर रस का उदय हो जाने के समान है|

पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

पद्यांश-1

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी ।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।।
'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी।।

(1) काव्यांश के अनुसार विद्या प्राप्त करने में लगे लोगों का उद्देश्य इनमें से क्या है?

(a) ज्ञानवान बनना (b) समाज में शिक्षा का बढ़ावा देना
(c) जीवन यापन का साधन बनाना (d) सामाजिक बुराइयाँ दूर करने में सक्षम बनना

(2) 'चढ़तगिरि' के माध्यम से कवि क्या बताना चाहता है?

(a) लोग योग-साधना के लिए पहाड़ पर चढ़ते हैं।
(b) लोग औषधियाँ खोजने के लिए पहाड़ पर जाते हैं।
(c) लोग प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेने पहाड़ पर जाते हैं।
(d) लोग पहाड़ों पर भी आजीविका खोजने के लिए विवश हैं।

(3) संसार के सभी लोग काम क्यों करते हैं?

(a) पेट भरने के लिए (b) आनंद के लिए
(c) खेल के लिए (d) ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए

(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : पेट भरने के लिए लोग छोटे बड़े कार्य करते हैं ।

कारण (R) : पेट की आग समुद्र की आग से भी भयंकर है।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।
d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(5) तुलसीदास के राम किसके समान कृपालु है?

(a) बादलों के समान (b) समुद्र के समान

(c) जंगलों के समान (d) नदी के समान

उत्तरमाला- (1) (c), (2) (d), (3) (a), (4) (d), (5) (a)

पद्यांश-2

उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी।।
अर्ध राति गई कपि नहिं आयउ। राम उठाइ अनुज उर लायउ।।
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ।।
मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता।।
सो अनुराग कहाँ अब भाई। उठहु न सुनि मम बच बिकलाई ।।
जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू। पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू ।।

(1) प्रस्तुत पंक्तियों में किस भाषा का प्रयोग हुआ है?

(a) ब्रज (b) हिंदी (c) अवधी (d) संस्कृत

(2) शोकाकुल राम साधारण मनुष्य की तरह क्या करने लगे ?

(a) जोर जोर से पुकारने लगे (b) दुश्मन को कोसने लगे

(c) लक्ष्मण को गले से लगा लिया (d) सीता-सीता पुकारने लगे

(3) आधी रात्रि बीत जाने पर भी कौन नहीं आया ?

(a) भालू (b) वानर (c) हनुमान जी (d) सुग्रीव जी

(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : लक्ष्मण का स्वभाव राम के प्रति सदैव कोमल और विनम्र रहा है।

कारण (R) : लक्ष्मण ने माता-पिता को त्याग दिया और राम के साथ जंगल में गए।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(5) लक्ष्मण ने राम के लिए क्या किया?

(a) माता-पिता का त्याग (b) वन में नाना प्रकार के कष्टों का सहन

(c) सदैव हनुमान का साथ देते रहे (d) 'क' एवं 'ख' दोनों

उत्तरमाला- (1) (c), (2) (c), (3) (c), (4) (c), (5)(d)

पद्यांश-3

अब अपलोकु सोकु सुत तोरा। सहहि निठुर कठोर उर मोरा ।।
निज जननी के एक कुमारा। तात तासु तुम्ह प्रान अधारा।।
सौंपेसि मोहि तुम्हहि गहि पानी। सब बिधि सुखद परम हित जानी।।
उतरु काह दैहउँ तेहि जाई। उठि किन मोहि सिखावहु भाई ।।
बहु बिधि सोचत सोच बिमोचन। स्रवत सलिल राजिव दल लोचन ।।
उमा एक अखंड रघुराई। नर गति भगत कृपालु देखाई।।

सोरठा

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भए बानर निकर।
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ बीर रस।।

(1) लक्ष्मण के जीवित न होने पर राम के हृदय को क्या सहना पड़ता?

(a) अपयश (b) लक्ष्मण के वियोग का शोक

(c) लंका विजय की अधूरी खुशी (d) 'क' एवं 'ख' दोनों

(2) राम के अनुसार लक्ष्मण किसके प्राणों के आधार थे ?

(a) खुद राम के (b) माता सुमित्रा के

(c) माता कौशल्या के (d) राजा दशरथ के

(3)' राजीव दल लोचन' में कौन सा अलंकार है ?

(a) अनुप्रास अलंकार (b) यमक अलंकार

(c) रूपक अलंकार (d) उपमा अलंकार

(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : प्रभु का विलाप सुनकर वालों के समूह व्याकुल हो गए।

कारण (R) : राम के कमल रूपी नेत्रों से आँसू बहने लगे।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(5) किसके आने पर करुण रस में वीर रस का संचार हो गया ?

(a) जामवंत के (b) हनुमान के

(c) वैद्य सुषेण के (d) सीता के

उत्तरमाला- (1) (d), (2) (b), (3) (c), (4) (c), (5) (b)

वर्णनात्मक प्रश्न -

1. कवितावली में उदधृत छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है ।

उत्तर :- i) तुलसी ने लिखा है कि उस समय बेरोजगारी व भुखमरी की समस्या थी।

ii) किसान, व्यापारी, नौकर, भिखारी सभी बेरोजगार थे।

iii) आम-आदमी बेरोजगारी के कारण चिंतित था और पेट की आग बुझाने के लिए लोग अच्छे-बुरे काम करते थे।

iv) उस समय अमीर अधिक अमीर बगरीब अधिक गरीब थे। इससे स्पष्ट है कि तुलसी को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ थी।

2. भाई के शोक में विह्वल राम की दशा का वर्णन कीजिए।

अथवा

भाई के प्रति राम के प्रेम पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- i) राम के अनुसार, पुत्र, धन, पत्नी, भवन व परिवार बार-बार मिल सकते हैं परंतु भाई नहीं।

ii) भाई के बिना राम अपना जीवन महत्त्वहीन मानते थे। जैसे- बिना पंख के पक्षी, बिना मणि के साँप व बिना सूँड के हाथी ।

iii) एक पत्नी का स्थान दूसरी पत्नी ले सकती है, परंतु, भाई का स्थान कोई नहीं ले सकता।

3. शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?

उत्तर- लक्ष्मण को मूर्च्छित देखकर राम विलाप करने लगे, जिससे पूरी वानर सेना रोने लगी व शोक का भाव और करुण रस छा गया | इतने में हनुमान के आने व संजीवनी बूटी लाने के कारण राम के साथ पूरी वानर सेना में उत्साह का भाव व वीर रस छा गया। इसलिए करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव कहा गया है ।

4. भाई के शोक में डूबे राम के प्रलाप-वचन में स्त्री के प्रति कैसा सामाजिक दृष्टिकोण है ? तुलसी के नारी संबंधी विचार लिखिए!

उत्तर- भाई के शोक में डूबे राम के प्रलाप-वचन में नारी सम्बन्धी विचार इस प्रकार है –

i) भाई के शोक में डूबे राम कहते हैं कि एक पत्नी का स्थान दूसरी पत्नी ले सकती है. परंतु भाई का स्थान कोई नहीं ले सकता।

ii) भाई की तुलना में पत्नी कम महत्वपूर्ण है |

iii) पत्नी की हानि को विशेष हानि नहीं माना है।

5. पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है – तुलसी का यह काव्य सत्य का इस समय का भी युग-सत्य है? तर्क संगत उत्तर दीजिए ।

उत्तर :- तुलसीदास ने 'कवितावली' के एक पद में माना है कि 'पेट की आग' रामभक्ति रूपी मेघ ही बुझा सकते हैं। कवि का मानना है कि कर्म-फल ईश्वर के अधीन है और प्रकृति भी ईश्वर है | जब प्रकृति (ईश्वर) की कृपा से वर्षा होती है और मनुष्य कर्म करता है तो अन्न पैदा होता है जिससे पेट की आग का शमन होता है | अतः यह वर्तमान युग का भी सत्य है |

6. "धृत कहो : ... वाले छंद में ऊपर से सरल व निरीह दिखलाई पड़ने वाले तुलसी की भीतरी असलियत एक स्वाभिमानी भक्त हृदय की है। इससे आप कहाँ तक सहमत हैं ?

उत्तर- तुलसीदास ने इस छंद में अपने स्वाभिमान को व्यक्त किया है। वे सच्चे राम भक्त हैं तथा उन्हीं के प्रति समर्पित हैं। वे कहते हैं कि चाहे कोई उन्हें धूर्त कहे या योगी कहे, राजपूत कहे या जुलाहा कहे, उन्हें कोई फरक नहीं पड़ता। वे तो संसार - प्रसिद्ध राम के गुलाम है । वे समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध करते हैं। वे बाहर से सीधे हैं परंतु हृदय में स्वाभिमानी भाव को छिपाए हुए हैं।

****

पाठ-9. रुबाइयाँ – फ़िराक गोरखपुरी

मूलभाव-

- रुबाई उर्दू और फ़ारसी का एक छंद या लेखन शैली है। इसकी पहली दूसरी और चौथी पंक्ति में तुक मिलाया जाता है और तीसरी पंक्ति स्वतंत्र होती है।
- माँ अपने बच्चे को आँगन में खड़ी होकर अपने हाथों में प्यार से झुला रही है। वह उसे बार-बार हवा में उछाल देती है जिसके कारण बच्चा खिलखिलाकर हँस उठता है।
- वह उसे साफ पानी से नहलाती है तथा उसके उलझे हुए बालों में कंघी करती है।बच्चा भी उसे प्यार से देखता है जब वह उसे कपड़े पहनाती है।
- दीवाली के अवसर पर शाम होते ही पुते व सजे हुए घर सुंदर लगते है। चीनी मिट्टी के खिलौने बच्चों को खुश कर देते हैं। वह बच्चों के छोटे घर में दीपक जलाती है जिससे बच्चों के सुंदर चेहरों पर दमका आ जाती है।
- आसमान में चाँद देखकर बच्चा उसे लेने की जिद पकड़ लेता है। माँ उसे दर्पण में चाँद का प्रतिबिंब दिखाती है और उसे कहती है कि दर्पण में चांद उत्तर आया है।
- रक्षाबंधन एक मीठा बंधन है। रक्षाबंधन के कच्चे धागों पर बिजली के लच्छे हैं। सावन में रक्षाबंधन आता है। सावन का जो संबंध झीनी घटा से है, घटा का जो संबंध बिजली से है वही संबंध भाई का बहन से है।

पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

(1) प्रस्तुत कविता के कवि का क्या नाम है?

(a) शमशेर बहादुर सिंह (b) फिराक गोरखपुरी

(c) गोस्वामी तुलसीदास (d) कुँवर नारायण

(2)' चांद के टुकडे' उपमान का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(a) माँ (b) बच्चे (c) परिवार (d) उपरोक्त सभी

(3) प्रस्तुत काव्यांश में किसका वर्णन किया गया है?

(a) माँ के वात्सल्य भाव का (b) चाँद की सुंदरता का

(c) मनोहर वातावरण का (d) स्त्री के रूप का

(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : बच्चा खिलखिला कर हँसने लगता है।

कारण (R) : माँ उसे हवा में उछाल देती है।

a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(5) बच्चे की खिलखिलाहट भरी हँसी कहाँ गूँज उठती है?

(a)घर में (b)वातावरण में (c)आंचल में (d) स्वप्न में

उत्तरमाला- (1) (b) (2) (b) (3) (a) (4) (d) (5) (b)

वर्णनात्मक प्रश्न -

1. फिराक की रुबाइयों में चित्रित घरेलू जीवन के बिंब स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- **फिराक की रुबाइयों में चित्रित घरेलू जीवन के बिंब इस प्रकार है-**

i)माँ द्वारा बच्चे को गोद में खिलाने व उछालकर (लोका देना) खुश करने का बिंब है।

ii) माँ दवारा बच्चे को नहलाने, कधी करने व कपड़े पहनाने का बिंब |

iii) दीवाली की शाम का बिंब जिसमें माँ बच्चे के घरौंदे में दिया जला कर उसे खुश कर रही है|

iv) बच्चे का चाँद के लिए जिद्द करना व माँ द्वारा उसे शीशे में बच्चे का चाँद दिखाकर खुश करने का बिम्ब ।

v) रक्षाबंधन का बिम्ब जिसमें भाई- बहन के रिश्ते को बादल व बिजली के समान अटूट व चमकदार बताया है |

2.शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है?

अथवा

टिपण्णी करें- सावन की घटाएँ व रक्षाबंधन का बिम्ब

उत्तर- सावन में जिस प्रकार बादल व बिजली का अट्ट व चमकदार रिश्ता होता है उसी प्रकार रक्षाबंधन के पर्व पर जब बहन भाई को चमकदार राखी बाँधती है, तो उनका रिश्ता भी गहरा अटूट व चमकदार हो जाता है। यहाँ बिजली की चमक की तुलना राखी के चमकदार धागे और भाई- बहन के चमकदार व गहरे रिश्ते से की गई |

3. टिप्पणी करें- गोदी के चाँद और गगन के चाँद का रिश्ता।

उत्तर- माँ जब अपने बच्चे को गोद में लेती है, तब वह उसे चंद्रमा के समान सुंदर और आकर्षक लगता है। वह अपने बच्चे पर ममता लुटाती रहती है। माँ की गोदी में बच्चा जब चाँद को देखता है, तब वह उसे खिलौना मानकर अपने हाथों में लेने के लिए मचल उठता है। लेकिन एक माँ के लिए तो उसकी संतान ही चाँद है, इसलिए माँ ने बच्चे को आईना दिखाकर कहा कि ले! देख चांद।

पाठ-10. छोटा मेरा खेत और बगुलों के पंख - उमाशंकर जोशी

छोटा मेरा खेत :-

- कविता में खेती के रूपक द्वारा काव्य रचना प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया है |
- काव्य की रचना बीज बोने से लेकर पौधे विकसित होने के विभिन्न चरणों से गुजरती है |
- कवि कर्म की फसल कालजयी और शास्तव होती है |
- कविता का आनंद कभी कम नहीं होता |
- छोटा मेरा खेत का रूपक - खेत- कागज़ का पन्ना, रसायन, खाद - कल्पना, पल्लव- कल्पना के शब्द

बगुलों के पंख :-

- काले बादलों पर उड़ती बगुलों की श्वेत पंक्ति का चित्रण है| यह इतनी सुंदर है कि कवि अपना सबकुछ भूलकर इसमें खो गया है|
- चित्रात्मक वर्णन द्वारा कवि ने काले बादलों पर उडती बगुलों की श्वेत पंकित का मनोहारी वर्णन किया है |
- बगुलों की श्वेत पंकित का दृश्य कवि के हृदय पर अमिट प्रभाव छोड़ता है |
- कवि ने एक ओर काले बादलों पर उड़ती बगुलों की श्वेत पंक्ति का चित्र अंकित किया है | कवि के अनुसार यह दृश्य उसकी आँखें चुराए लिए जा रहा है | वह उसे देखने के लोभ से बच नहीं पा रहा इसलिए उसे रोकने की गुहार लगाता है

पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

1. प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किस खेत की बात की है?

(अ) मनरूपी खेत (ब) प्रेमरूपी खेत
(स) कागजरूपी खेत (द) हरियालीरूपी खेत

2. कवि ने अपने खेत में कैसा बीज बोया था?

(अ) धान रूपी बीज (ब) शब्द रूपी बीज
(स) प्रेमरूपी बीज (द) ये सभी

3. कवि ने अभिव्यक्ति रूपी बीज कहाँ बोया था?

(अ) खेत में (ब) घर के आँगन में
(स) छत पर (द) कागज के पृष्ठ पर

4. 'कोई अंधड़ कहीं से आया' पंक्ति में 'अंधड़' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(अ) अनजान व्यक्ति के लिए (ब) कवि के मन के भावों के लिए
(स) आँधी के लिए (द) विरोधी व्यक्ति के लिए

5. कवि कौनसा रसायन डालता है ?

(अ) यूरिया का (ब) शब्दों का (स) कल्पना का (द) भावों का

उत्तरमाला-

1	2	3	4	5
स	ब	द	ब	स

अभिकथन –तर्क सम्बन्धी प्रश्न -

1.अभिकथन (A) – कवि के द्वारा खेत में किसी अंधड़ अर्थात भावनात्मक आँधी के प्रभाव से किसी क्षण एक बीज बोया जाता है।

कारण (R) - यह बीज रचना, विचार और अभिव्यक्ति का हो सकता है।

(क). अभिकथन (A) सही है जबकि कारण (R) गलत है ।

(ख). अभिकथन (A) गलत है जबकि कारण (R) सही है ।

(ग). अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की व्याख्या करता है।

(घ). अभिकथन(A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R,A की व्याख्या नहीं करता है।

2.अभिकथन (A)- कवि काले बादलों में उड़ते बगुलों को रोक कर रखने की गुहार लगाता है|

कारण (R) - उसकी सुंदरता का आनंद लेना चाहता है|

(क). अभिकथन (A) सही है जबकि कारण (R) गलत है ।

(ख). अभिकथन (A) गलत है जबकि कारण (R) सही है ।

(ग). अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की व्याख्या करता है।

(घ). अभिकथन(A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R,A की व्याख्या नहीं करता है।

3.अभिकथन (A) - कवि को कागज का पन्ना एक चौकोर खेत की तरह लगता है।

कारण (R) - जिसमें वह कविता नहीं लिखता है |

(क). अभिकथन (A) सही है जबकि कारण (R) गलत है ।

(ख). अभिकथन (A) गलत है जबकि कारण (R) सही है ।

(ग). अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की व्याख्या करता है।

(घ). अभिकथन(A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R,A की व्याख्या नहीं करता है।

4.अभिकथन (A)- कवि काले बादलों से भरे आकाश में पंक्ति बनाकर उड़ते सफेद बगुलों को देखता है।

कारण (R) - वे कजरारे बादलों के ऊपर तैरती साँझ की श्वेत काया के समान प्रतीत होते हैं।

(क). अभिकथन (A) सही है जबकि कारण (R) गलत है ।

(ख). अभिकथन (A) गलत है जबकि कारण (R) सही है ।

(ग). अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की व्याख्या करता है।

(घ). अभिकथन(A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R,A की व्याख्या नहीं करता है।

उत्तरमाला- 1. (ग), 2. (ग), 3. (क) , 4. (ग)

वर्णनात्मक प्रश्न-

1.छोटे चौकोने खेत को कागज़ का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है?

उत्तर:- कवि अपने कवि- कर्म को किसान के कृषि कर्म जैसा ही बताता है। कवि कहते हैं कि मैं भी एक प्रकार का किसान हूँ। किसान के खेत के समान उसके पास चौकोर कागज का पन्ना है। जैसे किसान जमीन पर बीज, खाद, जल डालता है उसी प्रकार मैं कागज़ पर शब्द, भाव बोता हूँ। उसके बाद अनाज, फल-फूल की तरह कविता पुष्पित पल्लवित होती है, इस प्रकार कवि काव्य-रचना रूपी खेती के लिए कागज़ के पन्ने को अपना चौकोना खेत कहते हैं।

2. रचना के संदर्भ में अंधड़ और बीज क्या हैं?

उत्तर:- रचना के संदर्भ में अँधड़ का आशय भावनात्मक आँधी से है जो किसी के मन में अचानक किसी वस्तु, व्यक्ति, भाव, स्थिति को देखकर उत्पन्न होती है जैसे क्रौंच पक्षी के करूण विलाप को सुनकर वाल्मीकि के मन में काव्य उत्पन्न हुआ। बीज का आशय उस रचना, विचार और अभिव्यक्ति से है, जब कोई विषय कवि के मन को कुरेदता है और वह अभिव्यक्ति के लिए व्याकुल हो उठता है।

3. रस का अक्षयपात्र से कवि ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की ओर इंगित किया है?

उत्तर:- कवि ने रचनाकर्म अर्थात् कविता को रस को अक्षयपात्र कहा है। काव्य का आनंद दिव्य व कालजयी होता है। कविता में निहित सौंदर्य, रस और भाव न तो कम होता है, न नष्ट होता है। ये हमेशा मीठे सोते की तरह तृप्ति, सुख एवं आनन्द प्रदान करता है।

4. व्याख्या करें -

शब्द के अंकुर फूटे,

पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

उत्तर:- 'छोटा मेरा खेत' में खेती के रूपक द्वारा काव्य-रचना प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया है। जिस प्रकार धरती में बीज बोया जाता है और वह बीज विभिन्न रसायनों हवा, पानी, आदि को पीकर तथा विभिन्न चरणों से गुजरकर बड़ा होता है उसी प्रकार जब कवि को किसी भाव का बीज मिलता है तब कवि उसे आत्मसात करता है। उसके बाद बीज में से शब्दरुपी अंकुर फूटते है। उसमे विशेष भावों के पत्ते और फूल पनपते हैं तत्पश्चात कविता का जन्म होता है।

रोपाई क्षण की,

कटाई अनंतता की

लुटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।

उत्तर:- साहित्यिक कृति से जो अलौकिक रस-धारा है, उसमें निहित सौंदर्य, रस और भाव न तो कम होता है, न नष्ट होता है। उसका बीज तो क्षणभर में बोया जाता है किन्तु उस रोपाई परिणाम यह होता है कि यह रस-धारा अनंत काल तक चलने वाली कटाई के रूप में आनंद देता रहता है, जितना लोग उसका सुख उठाते है उतना ही यह बढ़ता है।

5.'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने खेत को रस का अक्षय पात्र क्यों कहा है?

उत्तर- कवि ने खेत को रस का अक्षय पात्र इसलिए कहा है क्योंकि अक्षय पात्र में रस कभी खत्म नहीं होता। उसके रस को जितना बाँटा जाता है, उतना ही वह भरता जाता है। खेत की फसल कट जाती है, परंतु वह हर वर्ष फिर उग आती है। कविता का रस भी चिरकाल तक आनंद देता है। यह सृजन-कर्म की शाश्वतता को दर्शाता है।

6. 'छोटा मेरा खेत' कविता का रूपक स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर- इस कविता में कवि ने कवि-कर्म को कृषि के कार्य के समान बताया है। जिस तरह कृषक खेत में बीज बोता है, फिर वह बीज अंकुरित, पल्लवित होकर पौधा बनता है तथा फिर वह परिपक्व होकर जनता का पेट भरता है। उसी तरह भावनात्मक आँधी के कारण किसी क्षण एक रचना, विचार तथा अभिव्यक्ति का बीज बोया जाता है। यह विचार कल्पना का सहारा लेकर विकसित होता है तथा रचना का रूप ग्रहण कर लेता है। इस रचना के रस का आस्वादन अनंतकाल तक लिया जा सकता है। साहित्य का रस कभी समाप्त नहीं होता।

7.कविता लुटने पर भी क्यों नहीं मिटती या खत्म होती?

उत्तर- यहाँ लुटने से आशय बाँटने से है। कविता का आस्वादन अनेक पाठक करते हैं। इसके बावजूद यह खत्म नहीं होती क्योंकि कविता जितने अधिक लोगों तक पहुँचती है उतना ही अधिक उस पर चिंतन किया जाता है। वह शाश्वत हो जाती है।

8.'बीज गल गया निःशेष' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- इसका अर्थ यह है कि जब तक कवि के मन में कविता का मूल भाव पूर्णतया समा नहीं जाता, तब तक वह निजता (अहं) से मुक्त नहीं हो सकता। कविता तभी सफल मानी जाती है, जब वह समग्र मानव जाति की भावना को व्यक्त करती है। कविता को सार्वजनिक बनाने के लिए कवि का अहं नष्ट होना आवश्यक है।

9.'बगुलों के पंख' कविता का प्रतिपाद्य बताइए।

उत्तर- यह सुंदर दृश्य कविता है। कवि आकाश में उड़ते हुए बगुलों की पंक्ति को देखकर तरह-तरह की कल्पनाएँ करता है। ये बगुले कजरारे बादलों के ऊपर तैरती साँझ की सफेद काया के समान लगते हैं। कवि को यह दृश्य अत्यंत सुंदर लगता है। वह इस दृश्य में अटककर रह जाता है। एक तरफ वह इस सौंदर्य से बचना चाहता है तथा दूसरी तरफ वह इसमें बँधकर रहना चाहता है।

****

गद्य खंड

पाठ-11 भक्तिन -महादेवी वर्मा

पाठ का सार- भक्तिन महादेवी जी का प्रसिद्ध संस्मरणात्मक रेखाचित्र है जो स्मृति की रेखाएँ में संकलित है | इसमें लेखिका ने अपनी सेविका भक्तिन के अतीत और वर्तमान का परिचय देते हुए व्यक्तित्व का चित्रण किया है | लेखिका के घर में काम करना शुरू करने से पहले भक्तिन ने संघर्षशील व स्वाभिमानी जीवन जिया और जीवन की राह बदलने का निर्णय लिया | उसके जीवन को महादेवी ने चार परिच्छेद (भागों) में बाँटा है|

प्रथम परिच्छेद में सौतेली माता के कहने पर उसके पिता द्वारा उसका कम उम्र में विवाह करने, विमाता द्वारा जायदाद पाने की लालसा के कारण लक्ष्मी के पिता के गंभीर रूप से बीमार होने पर भी सूचना नहीं देने व पिता की मृत्यु के बाद विमाता द्वारा लक्ष्मी से बुरा व्यवहार करने का वर्णन है |

दूसरे परिच्छेद में लक्ष्मी(भक्तिन) द्वारा तीन बेटियों को जन्म देने के कारण उसकी सास व जेठानियों द्वारा उसकी उपेक्षा करने, उसके पति व बड़े दामाद की मृत्यु का वर्णन है |

तीसरे परिच्छेद में पंचों द्वारा उसकी बेटी की जबरन शादी के बाद जमींदार द्वारा अपमानित होने पर कमाई के उद्देश्य से उसके शहर आने का वर्णन है |

अंतिम परिच्छेद में गाँव से शहर आकर भक्तिन के महादेवी के घर रहकर काम करने, भक्तिन की सेवा-भावना, उसके गुण-दोषों और महादेवी से अटूट सम्बन्ध का वर्णन है |

भक्तिन लेखिका को ग्रामीण भोजन खिलाती है, परन्तु खुद शहर का रसगुल्ला नहीं खाती और महादेवी को देहाती बना देती है | लेखिका द्वारा गुणों के साथ-साथ भक्तिन के दुर्गुणों के बारे में वर्णन किया गया है | जैसे - पूरा सच न बोलना, पैसे छिपाना,बात बदलकर कहना, जिद्दी होना आदि |

भक्तिन द्वारा शास्त्र की बातों को अपने अनुसार बदलने के सन्दर्भ में बाल मुँडवाने के उदाहरण का वर्णन |

भक्तिन के स्वतंत्र व्यक्तित्व की तुलना आँगन के अँधेरे-उजाले,गुलाब व आम से करना |

भक्तिन की सहज बुद्धि व कवियों के बारे में राय का वर्णन है |

लेखिका को कारागार भेजने की बात पर भक्तिन द्वारा साथ जाने की जिद्द करना और अधूरा पर मार्मिक अंत होना |

पठित गद्यांशों पर बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांश – 1

सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है-नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ | उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्गद हो उठी।

क. किसकी दशा अपने नाम से बिल्कुल मेल नहीं खाती थी ?

1.लेखिका की 2. भक्तिन की

3.जेठानी की 4.सास की

ख. 'अनामधन्य गोपालिका की कन्या' संबोधन किसके लिए प्रयोग किया गया है?

1.धन की देवी 2. महादेवी

3.भक्तिन 4. लेखिका

ग. भक्तिन के सेवक धर्म की तुलना .....से की गई है।

1.हनुमान जी 2. लक्ष्मण जी 3.तुलसीदास जी 4. बाल्मीकि जी

घ. कथन (A) भक्तिन अपना असली नाम किसी को नहीं बताती थी।

कारण (R) भक्तिन का नाम समृद्धि- सूचक था।

1.कथन(A) और कथन (R) दोनों सही है तथा कारण (R)कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

2.कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है ।

3.कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

4.कारण (A) सही है, परंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ङ. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. लक्ष्मी के जीवन में उसके नाम का विरोधाभास था।

2. भक्तिन ने लेखिका को अपना असली नाम कभी नहीं बताया।

3. भक्तिन ने लेखिका से उसे वास्तविक नाम से न पुकारने की प्रार्थना की।

4. उपरोक्त कथनों में से कौन- सा/से सही है /हैं ?

1. केवल 1 2. केवल 2

3. 1 और 2 4. 1 और 3

उत्तर

क. 2. भक्तिन की

ख. 3.भक्तिन

ग. 1. हनुमान जी

घ. 4. कथन (A) सही है, परंतु कारण(R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ङ 4. 1 और 3

गद्यांश – 2

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक- स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए हैं।

प्र.(1) भक्तिन व महादेवी के बीच क्या संबंध है ?

(क) सेवक-स्वामी (ख) आत्मीय सम्बन्ध

(ग) मालकिन-नौकरानी (घ) कोई सम्बन्ध नहीं

प्र.(2) महादेवी भक्तिन को अपनी सेविका क्यों नहीं मानती थी ?

(क) दिखावे के कारण (ख) दूसरी सेविका न मिलने के कारण

(ग) आपसी प्रेम व आत्मीय सम्बन्ध के कारण (घ) कम पैसा देने के कारण

प्र.(3) भक्तिन महादेवी द्वारा चले जाने का आदेश पाकर क्या करती ?

(क) अवज्ञा से हँस देती थ (ख) बुरा मानकर नाराज़ हो जाती थी

(ग) छोड़कर चली जा (घ) महादेवी ऐसा आदेश देती ही नहीं थी

प्र.(4) कथन (A) भक्तिन अपना असली नाम किसी को नहीं बताती थी।

कारण (R) भक्तिन का असली नाम समृद्धि- सूचक था।

(क) कथन(A) और कथन (R) दोनों सही है तथा कारण (R)कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(ख) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है ।

(ग)कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(घ)कारण (A) सही है, परंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

प्र.(5). गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

(अ)लक्ष्मी के जीवन में उसके नाम का विरोधाभास था।

(ब)भक्तिन ने लेखिका को अपना असली नाम कभी नहीं बताया।

(स)भक्तिन ने लेखिका से उसे वास्तविक नाम से न पुकारने की प्रार्थना की।

(द)उपरोक्त कथनों में से कौन- सा/से सही है /हैं ?

क. केवल अ ख. केवल ब

ग. अ और ब घ. अ और स

उत्तरमाला -1 ख, 2 ग, 3 क, 4 घ , 5 घ

गद्यांश – 3

मेरे परिचितों और साहित्यिक बंधुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित है; पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है। इस संबंध में भक्तिन की सहजबुद्धि विस्मित कर देने वाली है।

वह किसी को आकार-प्रकार और वेश-भूषा से स्मरण करती है और किसी को नाम के अपभ्रंश द्वारा | कवि और कविता के संबंध में उसका ज्ञान बढ़ा है; पर आदर-भाव नहीं। किसी के लंबे बाल और अस्त-व्यस्त वेश-भूषा देखकर वह कह उठती है- 'का ओहू कवित्त लिखे जानत हैं और तुरंत ही उसकी अवज्ञा प्रकट हो जाती है - तब ऊ कुच्छौ करिहै-धरिहैं ना-बस गली-गली गाउत-बजाउत फिरिहैं।

प्र.(1) भक्तिन किनसे विशेष परिचित हैं ?

(क) अपने परिचितों व साहित्यिक बंधुओं से

(ख) लेखिका के परिचितों व साहित्यिक बंधुओं से

(ग) केवल सभी कवियों से

(घ) उपर्युक्त सभी से

प्र.(2) आगंतुकों के प्रति सद्भाव का भक्तिन के लिए आधार था –

(क) आगंतुकों का सद्भाव (ख) भक्तिन का स्वयं का सद्भाव

(ग) लेखिका का सद्भाव (घ) उपर्युक्त सभी

प्र.(3) 'भक्तिन लेखिका के घर आने वाले परिचितों व साहित्यकारों को उतना ही सम्मान देती थी जितना वे लेखिका को सम्मान देते थे'- इसमें भक्तिन के किस गुण का पता चलता है ?

(क) स्वाभिमानी (ख) सहज बुद्धि

(ग) सेवा-भावना (घ) कार्य-कुशल

प्र.(4) भक्तिन परिचितों व साहित्यिक बंधुओं को कैसे स्मरण करती थी ?

(क) आकार-प्रकार से (ख) वेशभूषा से

(ग) नाम के अपभ्रंश से (घ) उपर्युक्त सभी

प्र.(5) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

(I) भक्तिन के प्रति सम्मान की मात्रा मेरे परिचितों और साहित्यिक बंधुओं के सम्मान की मात्रा पर निर्भर है।

(II) भक्तिन की सहजबुद्धि अपरियोज्य हो जाती है, क्योंकि वह केवल आकार-प्रकार और वेश-भूषा के माध्यम से ही उन्हें स्मरण करती है।

(III) भक्तिन को कवि और कविता के संबंध में ज्ञान है,और आदर-भाव है।

(IV) जब भक्तिन किसी के लंबे बाल और अस्त-व्यस्त वेश-भूषा को देखती है, तो वह उसकी अवज्ञा प्रकट करती है और उसके विरुद्ध आवाज उठाती है।

(क) (I) व (II) (ख) (II) (III)

(ग) (III) (IV) (घ) (II) (IV)

उत्तरमाला -1 क, 2 ग, 3 ख, 4 घ, 5 घ

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्र.(1) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?

उत्तर -भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मी था जिसका अर्थ है- धन की देवी व सुख-समृद्धि से भरपूर | भक्तिन को यह नाम उसके माता-पिता ने यह सोचकर दिया होगा कि उसका जीवन सुख-समृद्धि से भरा रहे | भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से इसलिए छुपाती थी क्योंकि नाम के अनुसार उसके जीवन में सुख-समृद्धि नहीं थी और उसका जीवन गरीबी व दुखों से भरा था और लोग उसका उपहास न करें |

प्र.(2) तीन कन्या-रत्न पैदा करने पर भक्तिन पुत्र-महिमा में अंधी अपनी जिठानियों द्वारा घृणा व उपेक्षा का शिकार बनी | ऐसी घटनाओं से ही अकसर यह धारणा चलती है कि स्त्री ही स्त्री की दुश्मन होती है | क्या इससे आप सहमत हैं ?

उत्तर -इस कहानी में निम्नलिखित घटनाओं से पता चलता है कि स्त्री ही स्त्री की दुश्मन है-

विमाता (सौतेली माता)- विमाता के कहने पर उसकी जल्दी शादी कर दी गई | विमाता ने उसके पिता की मृत्यु के बाद जाने पर उसे अपमानित किया व बुरा व्यवहार किया

सास- तीन बेटियों को जन्म देने के कारण उसकी सास उसे उचित सम्मान नहीं देती थी |

जिठानियाँ- जिठानियाँ व उनके लड़के कोई काम नहीं करते बल्कि घर और खेत का काम लक्ष्मी और उसकी बेटियाँ करती थीं | फिर भी लक्ष्मी और उसकी बेटियों को पौष्टिक भोजन नहीं मिलता था |

प्र.(3) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा ज़बरन पति थोपा जाना एक दुर्घटना भर नहीं, बल्कि विवाह के सन्दर्भ में स्त्री के मानवाधिकार (विवाह करें या न करें अथवा किससे करें) इसकी स्वतंत्रता को कुचलते रहने की सदियों से चली आ रही सामाजिक परंपरा का प्रतीक है |कैसे ?

उत्तर -एक दिन भक्तिन को घर में न पाकर उसके जेठ के बड़े लड़के का साला भक्तिन की बेटी की कोठरी में घुस गया, तो भक्तिन की बेटी ने उसे अच्छी तरह पीटा | जेठ के बड़े लड़के व उसके समर्थकों ने पंचों को बुलाया | तब उस युवक ने झूठ बोला कि इस लड़की ने मुझे बुलाया था | पंचायत ने उन्हें पति-पत्नी की तरह रहने का फैसला सुनाया और भक्तिन की बेटी की बात न सुनी | ऐसा हमारे समाज में सदियों से चला आ रहा है | इससे स्पष्ट है कि सामाजिक परंपरा की आड़ में विवाह के सन्दर्भ में स्त्री के मानवाधिकार व स्वतंत्रता को कुचला जा रहा है|

प्र.(4)"भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं" लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा ?

उत्तर -भक्तिन अच्छी है पर उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं, लेखिका ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि–

वह पूरा सच नहीं बोलती थी बल्कि झूठ बोल जाती थी | लेखिका के इधर-उधर पड़े पैसों को भण्डार घर की मटकी में छिपाकर रखती थी | इस पर संकेत करने पर वह तर्क-वितर्क करती थी | लेखिका के क्रोध से बचने के लिए बातों को बदलकर कह देती थी | वह दूसरों को अपने अनुसार बदल लेती थी परन्तु स्वयं बिलकुल भी नहीं बदलती थी|

प्र.(5) भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है ?

उत्तर -शास्त्र का प्रश्न भक्तिन अपनी सुविधा के अनुसार सुलझा लेती थी | वह प्रत्येक गुरूवार को नाई को बुलाकर उसके उस्तरे पर गंगाजल छिड़ककर अपने बाल मुँडवाती थी | लेखिका द्वारा इस बारे में पूछने पर वह (भक्तिन) कहती थी की शास्त्रों में लिखा है– 'तीरथ गए मुँडाए सिद्ध |' भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का यह उदाहरण लेखिका ने दिया है |

प्र.(6) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ?

उत्तर -भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गई थी क्योंकि–

भक्तिन लेखिका को ग्रामीण भोजन खिलाती थी जैसे –ज्वार के भुट्टे के हरे दानों की खिचड़ी,सफ़ेद महुए की लपसी आदि | वह उसे रात का बासी भोजन खिला देती थी, यह कहकर कि मकई का रात को बना दलिया सवेरे मट्ठे से अच्छा लगता है और तिल के पुए ठंडे अच्छे लगते हैं | लेखिका की साड़ी को इस तरह तह करती थी कि वह सलवटों से भर जाती थी |

प्र.(7) लेखिका और भक्तिन के नामों में क्या विरोधाभास है ?

उत्तर -दोनों का ही नाम के अनुसार जीवन नहीं था | महादेवी के समान भक्तिन के नाम में भी विरोधाभास था –

लक्ष्मी (अर्थ – सुख,धन से भरपूर) – वास्तव में गरीब व संघर्षपूर्ण जीवन

महादेवी (अर्थ – महान देवी) – वास्तव में वे अपने जीवन और व्यक्तित्व को महान व उदार नहीं मानती थी |

प्र.(8) भक्तिन की विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर -भक्तिन की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

वह मेहनती व स्वाभिमानी महिला थी |

उसमें संघर्षशीलता का गुण था |

उसमें सेवा-भावना, त्याग और समर्पण की भावना थी |

वह अन्याय की विरोधी थी |

अन्य गुण – स्नेह व सहानुभूति वाली, सहज बुद्धि वाली, महादेवी के प्रति आदर भाव ।

****

पाठ-12 बाज़ार दर्शन -जैनेन्द्र कुमार

पाठ का सार- इस निबन्ध में जैनेन्द्र कुमार अपने परिचितों, मित्रों से जुड़े अनुभव बताते हुए समझाते हैं कि बाज़ार की जादुई ताकत कैसे हमें अपना गुलाम बना लेती है | अगर बिना ज़रूरत तय किए बाज़ार गए तो उसकी चमक-दमक में फँस जाएँगे

पर्चेज़िंग पावर का अर्थ है बिना आवश्यकता के पैसे के अनुसार सामान खरीदने की ताकत या क्षमता का दिखावा जिसमें मनुष्य गैर-ज़रूरी चीज़ें खरीद लेता है | बाज़ार के आमंत्रण में आग्रह नहीं होता और वह चुपचाप हमें अपनी ओर आकर्षित कर लेता है | इससे मनुष्य के मन में एक चाह जगती है जिससे अभाव उत्पन्न होता है |

लेखक ने बाज़ार के जादू को रूप का जादू कहा है क्योंकि जब हम बाज़ार में चीज़ों को देखते हैं तो हम उनकी ओर आकर्षित हो जाते हैं और उन्हें खरीद लेते हैं |जब मन खाली हो और जेब खाली या भरी हो तो बाज़ार का जादू चलता है |जब बाज़ार का जादू चढ़ता है तो मनुष्य को लगता है कि यह भी ले लूँ, वह भी ले लूँ | वह उनकी ओर चुम्बक की तरह खिंचा चला जाता है | सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाले मालूम होते हैं | जब बाज़ार का जादू उतरता है तो फैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में खलल (बाधा) डालने वाली महसूस होती है |

बाज़ार के जादू से बचने का सीधा-सा उपाय है कि जब भी बाज़ार जाओ तो मन खाली न हो बल्कि भरा हो| आवश्यकता के समय काम आना ही बाज़ार की असली सार्थकता है |

लेखक ने मन पर नियंत्रण के सम्बन्ध में भगत जी का उदाहरण देकर कहा है कि उनका चूरन प्रसिद्ध है लेकिन जब छः आने (24 पैसे) वो कमा लेते थे तो बाकी चूरन बच्चों को मुफ़्त दे देते थे |

भगत जी की विशेषताएँ - उनका मन पर नियंत्रण था और वे संयमी थे | उनका मन अडिग रहता था | बाज़ार जाने पर उनका मन भरा होता था | पैसे की व्यंग्य-शक्ति का उन पर कोई असर नहीं होता था | उनकी आवश्यकताएँ तय होती थीं | उनकी आँखें खुली और मन भरा था यानी वे बाज़ार में सारी चीजें देखकर खुश होते हैं परन्तु खरीदते वही हैं जो ज़रूरी हो | लेखक के अनुसार बाज़ार को सार्थकता और सच्चा लाभ भगत जी जैसे लोग ही दे सकते हैं |

जिन मनुष्यों की आवश्यकताएँ तय नहीं होती वे पर्चेज़िंग पावर के गर्व से बाज़ार में पैसे की विनाशक शक्ति, व्यंग्य-शक्ति से होड़ उत्पन्न कर उसका अहित करते हैं | ये लोग बाज़ारुपन को बढ़ाते हैं |

बाज़ारुपन – ग्राहक व दुकानदार के बीच कपट का बढ़ना और सद्भाव का घटना बाज़ारुपन है |

लेखक ने अर्थशास्त्र को अनितिशास्त्र और मायावी शास्त्र कहा है |

पठित गद्यांशों पर बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांश – 1

बाज़ार आमंत्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो | सब भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है? मैं तुम्हारे लिए हूँ। नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज़ है। अजी आओ भी। इस आमंत्रण में यह खूबी है कि आग्रह तिरस्कार जगाता है। लेकिन ऊँचे बाज़ार का आमंत्रण मूक होता है और उससे एकदम चाह जगती है। चाह मतलब अभाव। चौक बाजार में खड़े होकर आदमी को लगने लगता है कि उसके अपने पास काफी नहीं है और चाहिए, और चाहिए। मेरे यहाँ कितना परिमित है. और यहाँ कितना अतुलित है ओह! कोई अपने को न जाने तो बाज़ार का यह चौक उसे कामना से विकल बना छोड़े विकल क्यों पागल असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल करके मनुष्य को सदा के लिए यह बेकार बना डाल सकता है।

प्र.(1) बाज़ार के आमंत्रण का स्वरुप क्या है ?

(क) बाज़ार अपना स्वरुप दिखाना चाहता है

(ख) बाज़ार तिरस्कार करना चाहता है

(ग) बाज़ार नए उत्पादों से हमें अवगत करवाना चाहता है

(घ) बाज़ार अधिक से अधिक चीज़ें खरीदने के लिए आमंत्रित करता है

प्र.(2) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन का चयन कीजिए-

(क) जब मनुष्य बेचैन हो जाता है तब वह बाज़ार की ओर उन्मुख हो जाता है।

(ख)जब मनुष्य तुलना करने लगता है तब असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या के भाव मनुष्य में उभरते हैं।

(ग)जब मनुष्य को बाज़ार आमंत्रित करता है तब मनुष्य की व्याकुलता इसका कारण होती है।

(घ)जब मनुष्य बाज़ार का तिरस्कार करता है तब वह इसका सही लाभ ले पाता है।

प्र.(3) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
1 आग्रह का तिरस्कार जागता	(i) मौन रहकर कार्य करना
2 बड़े बाज़ार का जादू	(ii) अपनी तृष्णा को रोकना
3 बाज़ार के जादू से बचने का उपाय	(iii) इच्छा पूर्ण ना होना

(क) 1- (iii), 2-(i), 3-(ii) (ख) 1- (i), 2-(iii), 3-(ii)

(ग) 1- (i), 2-(ii), 3-(iii) (घ) 1- (ii), 2-(i), 3-(iii)

प्र.(4) मूक आमंत्रण कौनसा कार्य करता है ?

(क) ग्राहक में चाह जगाने का (ख) आपसी प्रेम बढ़ाने का

(ग) ग्राहक व दुकानदार में वैमनस्य पैदा करने का

(घ) ग्राहक के मन में ख़ुशी उत्पन्न करने का

प्र.(5) बाज़ार के आमंत्रण की क्या विशेषता है ?

(क) यह हमें अपनी ओर आकर्षित नहीं करता

(ख) यह हमें ज़रूरत की चीज़ें खरीदने के लिए प्रेरित करता है

(ग) यह हमें चुपचाप अपनी ओर आकर्षित कर लेता है

(घ) यह हमें नए उत्पादों से अवगत करवाता है

उत्तरमाला –1 घ, 2 ख, 3 क, 4 क, 5 घ

गद्यांश – 2

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति, शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं,

न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं, जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं

प्र.(1) बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकता है ?

(क) जिसे बाजार आकर्षित करता है (ख) पैसे की पावर रखने वाला

(ग) जो अपनी आवश्यकता जानता है (घ) जो बाज़ारूपन को महत्त्व देते हैं

प्र.(2)पर्चेजिंग पॉवर का तात्पर्य है -

(क) पैसे के अनुसार गैर-जरूरी चीजें खरीदने का दिखावा

(ख) कम पैसे में अधिक चीज़ें खरीदना

(ग) उधार में गैर-जरूरी चीजें खरीदने का दिखावा

(घ) दूसरे को सुंदर चीज़ें उपहार में देकर दिखावा करना

प्र.(3) पर्चेजिंग पावर का गर्व बाजार पर क्या प्रभाव डालता है ?

(क) यह बाज़ार को सार्थकता देता हैं

(ख) यह एक विनाशक शक्ति, शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देता हैं

(ग) यह बाज़ार को सच्चा लाभ देता है

(घ) उपर्युक्त सभी

प्र.(4) 'बाजारूपन' से तात्पर्य है-

(क) ग्राहक व दुकानदार में सद्भाव घटना

(ख) ग्राहक व दुकानदार में कपट बढ़ना

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.(5) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

(I) जो अपनी आवश्यकताओं को नहीं जानता वह बाज़ार को विनाशक शक्ति देता है |

(II) पर्चेजिंग पॉवर का गर्व बाजारूपन को बढ़ावा देता है

(III) बाज़ारूपन का आधार कपट नहीं होता |

(IV) अपनी आवश्यकता को जानने वाला बाज़ार को सच्चा लाभ देता है |

उक्त कथनों में से कौनसा / कौनसे कथन सही है ?

(क) केवल (I), (II) (ख) केवल (I),(II), (III)

(ग) केवल (I), (III), (IV) (घ) केवल (I), (II), (IV)

उत्तरमाला -1 ग, 2 क, 3 ख, 4 घ , 5 घ

<u>वर्णनात्मक प्रश्न-</u>

प्र.(1) बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ?

उत्तर -जब बाजार का जादू चढ़ता है तो मनुष्य को लगता है कि यह भी ले लूँ, वह भी ले लूँ। वह उनकी ओर चुम्बक की तरह खिंचा चला जाता है। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाले मालूम होते हैं। जब बाजार का जादू उतरता है तो फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में खलल डालने वाली महसूस होती है।

प्र.(2) बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौनसा सशक्त पहलू उभरकर आता है ? क्या आपकी नज़र में उनका आचरण समाज में शांति स्थापित करने में मददगार हो सकता है ?

उत्तर -बाज़ार में भगत जी के व्यक्तित्व का यह सशक्त पहलू उभरकर आता है कि उनका अपने मन पर नियंत्रण था, वे संयमी थे, उनकी आवश्यकताएँ तय थी और मन भरा था जिसके कारण वे जरूरत की चीजें ही बाजार से खरीदते से थे। | मेरी नज़र में भगत जी के आचरण से समाज में अधिक सामान जोड़ने की होड़ व महँगाई को कम कर सकने में मदद मिल सकती है जिससे समाज में शांति स्थापित हो सकेगी।

प्र.(3)'बाजारूपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं ?

अथवा

बाज़ार की सार्थकता किसमें है?

उत्तर -ग्राहक व दुकानदार के बीच कपट का बढ़ना और सद्भाव का घटना बाजारूपन है जिसमें दोनों एक-दूसरे को ठगने की कोशिश करते हैं और एक को दूसरे के नुकसान में अपना लाभ दिखाई देता है |
लेखक के अनुसार बाजार को सार्थकता और सच्चा लाभ भगत जी जैसे लोग ही दे सकते हैं जिनका मन भरा हो यानी आवश्यकताएँ तय हो और जो ज़रूरत की चीजें ही बाज़ार से खरीदते हो |

प्र.(4) पर्चेजिंग पॉवर का क्या तात्पर्य है ? पर्चेजिंग पावर का गर्व बाजार का क्या अहित कर सकता है ?

उत्तर- पर्चेजिंग पावर का तात्पर्य है - बिना आवश्यकता के पैसे के अनुसार सामान खरीदने की ताकत या क्षमता का दिखावा जिसमें मनुष्य गैर-जरूरी चीजें खरीद लेता है। -पर्चेजिंग पावर का गर्व पैसे से बाजार को केवल एक विनाशक-शक्ति, शैतानी-शक्ति और व्यंग्य की शक्ति ही देता है जिससे न तो हम बाजार से लाभ उठा सकते हैं, न ही उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं।

****

पाठ-13 काले मेघा पानी दे– धर्मवीर भारती

पाठ का सारांश -

- प्रस्तुत संस्मरण लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व का सुंदर चित्रण है | इसमें लेखक ने पानी के सन्दर्भ में प्रसंग रचा है |
- लेखक ने अपने किशोर जीवन के इस संस्मरण में बताया है कि अनावृष्टि दूर करने के लिए गाँव के बच्चों की इन्दर सेना द्वार-द्वार पानी माँगते चलती है परन्तु लेखक का तर्कशील मन इसे पानी की निर्मम बर्बादी मानता है |
- लेखक की माँ समान जीजी इसे उचित मानकर इसे इंद्र देवता को अर्घ्य चढ़ाना मानती है | साथ ही वह कहती है कि ऋषि-मुनियों ने भी दान व त्याग को महत्त्व दिया है | अगर हम दान व त्याग करेंगे तो ईश्वर भी चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे |
- पाठ के अंत में लेखक ने भ्रष्टाचार को रोकने के लिए आम आदमी के नागरिक कर्तव्यों की याद दिलाई है और बताया है कि हम भ्रष्टाचार की बुराई तो करते हैं, पर कहीं हम खुद इसको बढ़ाने में भागीदार तो नहीं बन रहे हैं !
- इस पाठ के मूल सन्देश हैं –

1. तर्क (विज्ञान) व भावना (आस्था) में सामंजस्य स्थापित करना |
2. त्याग की भावना उत्पन्न कर राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का निर्वाह करने का सन्देश
3. भ्रष्टाचार का विरोध |

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांश-1

कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी है पर त्याग का कहीं नामो-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें कहते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल-के-दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?

(I) लेखक के मन को कौन सी बात कचोटती है?

क) भ्रष्टाचारी होना ख) अपनी बात मनवाने की जिद करना
ग) कर्तव्य बोध का अभाव घ) दान ना देना

ii) हमारे देश में भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है?

क) मांगे बड़ी है पर त्याग की भावना नहीं है ख) स्वार्थ ही एकमात्र लक्ष्य रह गया है

ग) भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर स्वयं भ्रष्ट हैं घ) उपरोक्त सभी

iii) 'गगरी फूटी की फूटी रह जाती है' से क्या अभिप्राय है?

क) कल्याणकारी योजनाओं का आम जनता को लाभ नहीं मिलता

ख) सरकारी सहायता जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाती

ग) (I) और (ii) दोनों घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

iv) लेखक का प्रस्तुत गद्यांश में केंद्र बिंदु क्या है?

क) देश में सूखे की समस्या ख) देश में भ्रष्टाचार की समस्या

ग) देश के लोगों में त्याग की भावना का ना होना घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

v) 'आखिर कब बदलेगी स्थिति' कथन में लेखक किस स्थिति की बात कर रहा है?

क) देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में ख) सरकारी योजनाओं के बारे में

ग) देश में सूखे की स्थिति के बारे में घ) देश में अकाल की स्थिति के बारे में

उत्तरमाला -(i) (ग) ,(ii)(घ) ,(iii)(ग) ,(iv)(क) ,(v)(ख)

गद्यांश-2

लेकिन इस बार मैंने साफ इनकार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भरकर पानी इस गंदी मेंढक मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भरकर पानी ले गई उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा। शाम को उन्होंने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया, मुँह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं। पहले वे तमतमाईं, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रह गया। पास आकर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोलीं, "देख भइया, रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे?"

मैं कुछ नहीं बोला। फिर जीजी बोलीं। "तू इसे पानी को बरबादी समझता है पर यह बरबादी नहीं है। पानी का अर्घ्य चढ़ाते हैं, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे? इसीलिए ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊंचा स्थान दिया है।"

(क) लेखक ने मेंढक- मंडली पर पानी फेंकने से इंकार क्यों कर दिया होगा?

(i) पानी बर्बाद नहीं करने के कारण

(ii) मेंढक- मंडली को गंदे लोगों की श्रेणी में रखने के कारण

(iii) पानी फेंकने को बरबादी मानने के कारण

(iv) लोकमान्यताओं में विश्वास नहीं होने के कारण

(ख) अपने डगमगाते पाँव पर भी जीजी बाल्टी भर कर पानी क्यों फेंक रही थी?

(i) क्योंकि लेखक पानी फेंकने से इंकार कर दिया था

(ii) पानी फेंकना आवश्यक मानने के कारण

(iii) लोकमान्यता में विश्वास रखने के कारण

(iv) अंधविश्वास में विश्वास के कारण

(ग) लेखक जीजी से नाराज़ क्यों हो रहा था?

(i) जीजी द्वारा पानी फेंकने के कारण

(ii) लेखक की बात नहीं मानने के कारण

(iii) लेखक और जीजी में वैचारिक अंतर होने के कारण

(iv) जीजी के अंधविश्वासी होने के कारण

(घ) जीजी अधिक देर तक लेखक से गुस्सा क्यों नहीं रह सकी ?

(i) लेखक की बात समझ जाने से (ii) लेखक को समझाना चाहती थी

(iii) लेखक से प्रेम करने के कारण (iv) लेखक की नासमझी के कारण

(ड) पानी का अर्घ्य चढ़ाने से आप क्या समझते हैं?

(i) पानी का दान देना (ii) पानी इंद्र भगवान को समर्पित करना

(iii) पानी का प्रसाद चढ़ाना (iv) पानी का महत्त्व बताना

उत्तरमाला -(क) (iv) ,(ख) (iii) ,(ग) (iv) ,(घ) (iii) ,(ड.) (i)

गद्यांश-2

फिर जीजी बोलीं, "देख, तू तो अभी से पढ़-लिख गया है। मैंने तो गाँव के मदरसे का भी मुँह नहीं देखा। पर एक बात देखी है कि अगर तीस-चालीस मन गेहूं उगाना है तो किसान पाँच-छः सेर अच्छा गेहूं अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियों बनाकर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे में हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं; वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानीवाले बादलों की फसल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघों से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है। यथा राजा तथा प्रजा सिर्फ यही सच नहीं है। सच यह भी है कि यथा प्रजा तथा राजा। यही तो गाँधी जी महाराज कहते हैं।"

(क) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	कॉलम 2
1 पानी की बुवाई	(a) यथा प्रजा तथा राजा
2 ऋषि-मुनियों का कथन	(b) पहले दान व त्याग करो
3 गाँधी जी का कथन	(c) इंदरसेना पर पानी फेंकना

(i) 1- (c), 2-(b), 3-(a) (ii) 1- (a), 2-(c), 3-(b)

(iii) 1- (a), 2-(b), 3-(c) (iv) 1- (b), 2-(a), 3-(c)

(ख) जीजी के अनुसार, मेंढक-मंडली पर पानी फेंकने से क्या होगा?

(i) पानी की बुवाई होगी

(ii) शहर, कस्बा व गाँव पर पानी वाले बादलों की फसल आ जाएगी

(iii) (i) और (ii) दोनों (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ग) गद्यांश के अनुसार त्याग की महत्ता को किसने बताया था?

(i) ऋषि-मुनियों ने (ii) इंदर सेना ने

(iii) मेंढक-मंडली ने (iv) लेखक ने

(घ) गद्यांश के अनुसार हर आदमी का आचरण कैसा है?

(i) पानी माँगना (ii) दान देना

(iii) मेंढक-मंडली पर पान (iv) देवताओं से पानी माँगना

(ङ) 'यथा राजा तथा प्रजा' से क्या आशय है?

(i) कर भला तो (ii) जैसा राजा वैसी प्रजा

(iii) जैसी करनी (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तरमाला -(क)(i) ,(ख)(iii) ,(ग)(i) ,(घ)(i) ,(ङ)(iii)

पाठ पर आधारित प्रश्न-

प्रश्नः 1 लोगों ने लड़कों की टोली की मेढक मंडली नाम किस आधार पर दिया? यह टोली अपने आपको इंदर सेना कहकर क्यों बुलाती ?

उत्तर -इन्दर सेना – जो लोग गाँव के लड़कों की खुले बदन घूमने वाली टोली को इन्द्र देवता का दूत मानते थे और उन पर पानी गिरना इंद्र देवता को अर्घ्य चढ़ाना मानते थे, वे इस टोली को इन्दर सेना मानते थे | यह टोली भी खुद को इन्दर सेना ही कहती थी |

मेढक मंडली- जो लोग गाँव के लड़कों की टोली के लड़कों के नग्नस्वरूप शरीर, उनकी उछलकूद, उनके शोर-शराबे और उनके कारण गली में होने वाले कीचड़-काँदो से चिढ़ते थे, वे उन्हें मेढक मंडली कहते थे |

प्रश्न 2 इंदर सेना पर पानी फेंकने के सन्दर्भ में लेखक व जीजी के मत लिखिए |

उत्तर **-लेखक का मत-** इन्दर सेना पर फेंकना पानी की निर्मम बरबादी है |ये खुद के लिए इंद्र देवता से पानी क्यों नहीं माँग लेते | यह सब अन्धविश्वास व पाखण्ड है, जिसके कारण हम पिछड़ गए |

जीजी का मत- इन्दरसेना पर पानी डालना इंद्र देवता को अर्घ्य चढ़ाना है | ऋषि-मुनियों ने त्याग व दान का महत्त्व बताया है | जिस प्रकार किसान 30-40 मन गेहूँ उगाने के लिए 5-6 सेर गेहूँ की बीज के रूप में ज़मीन में बुवाई करता है उसी प्रकार यह भी पानी की बुवाई है | देवता हमें उसका चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे |

प्रश्न 3.'पानी दे गुड़धानी दे' मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है?

उत्तर -गुड़धानी गुड व अनाज के मिश्रण से बने खाद्य पदार्थ को कहते हैं। बच्चे मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग करते हैं। वे इंद्र देवता से प्रार्थना कर ऐसी वर्षा माँग रहे हैं जिससे उनके खेतों में फ़सलें लहलहाए, उनके अनाज भण्डार भर जाए और उनके गाँव व घरों में सुख-समृद्धि आए |

प्रश्न 4 'गगरी फूटी बेल पियासा' इंदर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है?

उत्तर- **गगरी फूटी-** घरों में पीने व घरेलू आवश्यकताओं के लिए पानी नहीं हैं |

बैल पियासा– बैल खेती का आधार है और जानवरों का प्रतीक भी है | अर्थ यह है कि खेती सूख गई है व जानवर प्यास से मर रहे हैं |

प्रश्न 5 इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है? नदियों का भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व है?

उत्तर -इन्दर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय बोलती थी, इसके कारण हैं –

1. गंगा भारत की सबसे पवित्र नदी है और इसे माँ का स्थान दिया गया है |

2.गंगा भारत के एक बड़े भू-भाग में पीने के लिए व सिंचाई के लिए जल प्रदान करती है व हमारा भरण-पोषण करती है |

नदियों का सामाजिक परिवेश में महत्त्व – नदियों के किनारे बस्तियों की बसावट, शहरों का विकास, खेती-बाड़ी और समृद्ध समाज का विकास

नदियों का सांस्कृतिक परिवेश में महत्त्व – भारत के धार्मिक- सांस्कृतिक केंद्र नदियों के किनारे हैं जैसे- हरिद्वार, आगरा, उज्जैन आदि; धर्म व संस्कृति नदियों के किनारे फली-फूली है |

प्रश्न 6. रिश्तों में हमारी भावना शक्ति बँट जाना विश्वासों के जंगल में सत्य की राह खोजती हमारी बुद्धि की शक्ति को कमजोर करती है। पाठ में जीजी के प्रति लेखक की भावना के संदर्भ में इस कथन के औचित्य की समीक्षा कीजिए।

उत्तर -लेखक का अपनी जीजी के प्रति गहरा प्यार था। दोनों में भावनात्मक संबंध बहुत गहरा था | लेखक जिस परंपरा को या अंधविश्वास का विरोध करता है जीजी उसी का भरपूर समर्थन करती है। धीरे धीरे लेखक और उसकी जीजी के बीच की भावनात्मक शक्ति बँटती चली जाती है। लेखक का विश्वास डगमगाने लगता है। उसकी जीजी लेखक की बुधि शक्ति को भावनात्मक रिश्तों से कमजोर कर देती है। इसलिए वे चाहकर भी किसी बात का विरोध नहीं कर पाता।

प्रश्न 7 दिन दिन गहराते पानी के संकट से निपटने के लिए क्या आज का युवा वर्ग काले मेघा पानी दे की इंदर सेना की तर्ज पर कोई सामूहिक आंदोलन प्रारंभ कर सकता है? अपने विचार लिखिए।

उत्तर -दिन दिन गहराते पानी के संकट से निपटने के लिए आज का युवा वर्ग इंदर सेना की तर्ज पर सामूहिक आंदोलन चला सकता है।

युवा वर्ग जागरूकता रैली निकाल सकते हैं। वे नुक्कड़-नाटको, रेल, पोस्टरों, चर्चाओ रेडियों व टीवी के माध्यम से पानी के संरक्षण, उसके सदुपयोग आदि के बारे में जागृति पैदा कर सकता है। वे वृक्षारोपण करके, तालाबों की खुदाई आदि के जरिए पानी के संकट को काफ़ी हद तक दूर कर सकते हैं।

****

पाठ-14 पहलवान की ढोलक -फणीश्वरनाथ रेणु

सारांश –

- पहलवान की ढोलक कहानी व्यवस्था-परिवर्तन के साथ लोक-कला और इसके कलाकार के अप्रासंगिक होने की कहानी है | इसमें भारत पर इंडिया के छा जाने की समस्या है | यह कहानी लुट्टन सिंह पहलवान के जीवन पर आधारित है |
- माता-पिता की मृत्यु के बाद उसकी विधवा सास द्वारा उसके पालन-पोषण के बाद ढोल की ताल पर पहलवानी सीखी और अच्छा पहलवान बन गया |
- श्यामनगर के दंगल में चाँदसिंह को हराने पर राजासाहब द्वारा राज पहलवान की पदवी बाद वह पंद्रह वर्ष तक अजेय रहा | कुछ समय बाद उसकी पत्नी का देहांत हो गया |
- उसके दोनों बेटे उसके साथ राजमहल में ही रहते थे और राज-दरबार के भावी-पहलवान घोषित हो चुके थे | उसने अपने बेटों को कुश्ती के साथ सांसारिक ज्ञान की शिक्षा भी दी और ढोल को गुरु बताया |
- राजा साहब की अचानक मृत्यु के बाद विलायत से आए राजकुमार के राजा बनने के बाद लुट्टन व उसके बेटों को राजमहल से निकाल दिया गया |
- इसके बाद लुट्टन व उसके बेटे अपने गाँव चले गए | उसके दोनों बेटे मजदूरी करते जिससे उनका जीवन-यापन होता था |
- गाँव में मलेरिया व हैज़े की महामारी और भुखमरी के कारण दिन में तो लोग कराहते हुए बाहर निकलते थे परन्तु रात्रि में केवल सियारों व कुत्तों के रोने की आवाज़ें ही आती थी |
- भीषण रात में पहलवान लुट्टन की ढोलक की आवाज़ गाँव के लोगों में संजीवनी शक्ति भरती थी | भूख व महामारी से दोनों बेटों की मृत्यु के बाद उनको नदी में बहाने के पश्चात वह रात भर ढोलक बजाता रहा जिससे गाँव के लोगों की हिम्मत दुगुनी बढ़ गई | चार-पाँच दिनों बाद एक रात ढोलक की आवाज़ नहीं आई, लुट्टन की मृत्यु हो गई थी |

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांश-1

'शेर के बच्चे' का असल नाम था चाँद सिंह। वह अपने गुरु पहलवान बादल सिंह के साथ, पंजाब से पहले-पहल श्यामनगर मेले में आया था। सुंदर जवान, अंग-प्रत्यंग से सुंदरता टपक पड़ती थी। तीन दिनों में ही पंजाबी और पठान पहलवानों के गिरोह के अपनी जोड़ी और उम्र के सभी पट्ठों को पछाड़कर उसने 'शेर के बच्चे' की टायटिल प्राप्त कर ली थी। इसलिए वह दंगल के मैदान में लँगोट लगाकर एक अजीब किलकारी भरकर छोटी दुलकी लगाया करता था । देशी नौजवान पहलवान, उससे लड़ने की कल्पना से भी घबराते थे। अपनी टायटल को सत्य प्रमाणित करने के लिए ही चाँद सिंह बीच-बीच में दहाड़ता फिरता था।

(क) 'शेर के बच्चे' के नाम से प्रसिद्ध पहलवान का नाम क्या था?

(i) बादल सिंह (ii) सूरज सिंह (iii) तारा सिंह (iv) चाँद सिंह

(ख) चाँद सिंह के गुरु का क्या नाम था ?

(i) हवा सिंह (ii) बादल सिंह (iii) श्याम सिंह (iv) अभिजीत सिंह

(ग) गद्यांश में आए 'देशी पहलवान' से क्या अभिप्राय है?

(i) अन्य प्रांत से आए पहलवान (ii) उसी प्रांत से आए पहलवान

(iii) गाँवों से आए पहलवान (iv) शहरों से आए पहलवान

(घ) 'शेर के बच्चे' की उपाधि उसे कैसे प्राप्त हुई ?

(i) शेर की तरह दहाड़ने से

(ii) अपनी आयु के सभी पहलवानों को हराकर

(iii) अपनी शारीरिक बनावट से

(iv) अपने जुझारु स्वभाव से

(ङ) अपने टायटल की प्रामाणिकता सिद्ध करने के लिए वह क्या करता था?

(i) रोज कुश्ती का अभ्यास करता था (ii) बीच-बीच में जंगल घूमने जाता था

(iii) रोज पहलवानों से दो-दो हाथ करता था (iv) बीच-बीच में शेर की तरह दहाड़ता था

उत्तरमाला -(क)(iv) ,(ख)(ii) ,(ग)(iii) ,(घ)(ii) ,(ङ)(iv)

गद्यांश-2

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख्याल में ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्धमृत, औषधि-उपचार- पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े- बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन - शक्ति - शून्य स्नायुओं में भी बिजली-सी दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति थी, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे।

(क) कथन (A) पहलवान की ढोलक की आवाज सुनकर महामारी से तड़पते हुए लोगों को मृत्यु का भय नहीं लगता था ।

कारण (R) पहलवान की ढोलक में संजीवनी सकती थी।

(i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

(ii) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

(iii) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(ख) गाँव के वासियों में संजीवनी शक्ति भरने का काम किसने किया?

(i) राजा ने (ii) पहलवान ने (iii) पहलवान की ढोलक ने (iv) वैद्य जनों ने

(ग) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1.पहलवान की ढोलक की आवाज सुनकर गांव के लोगों के सामने दंगल का दृश्य आ जाता था

2. पहलवान की ढोलक रात्रि की भयावहता को कम कर देती थी।

3.पहलवान की ढोलक की आवाज पीड़ितों का उपचार करती थी।

उपरोक्त में से कौन- सा/से सही है/हैं?

(i) केवल 1 (ii) केवल 2

(iii) 1 और 2 (iv) 1 और 3

(घ) ढोलक की आवाज़ को सुनकर बिना किसी तकलीफ के अपने प्राण कौन त्याग देता था?

(i) लुट्टन सिंह (ii) चाँद सिंह

(iii) मरता हुआ व्यक्ति (iv) स्वस्थ व्यक्ति

(ङ) गाँव के लोगों की कैसी स्थिति थी ?

(i) अर्द्धमृत (ii) औषधि उपचार पथ्य विहीन

(iii) (i) और (ii) दोनों (iv) संतोषजनक

उत्तरमाला -(क)(ii) ,(ख)(iii) ,(ग)(iii) ,(घ)(iii) ,(ङ)(iii)

अभिकथन-तर्क

1.अभिकथन- गाँव में महामारी फ़ैल चुकी थी उसकी चपेट में आकर लोग मर रहे थे।

कारण- गाँव में मलेरिया और हैजा नामक महामारी फैली थी।

(क)A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या है।

(ख) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या नहीं है।

(ग) A सही है लेकिन R गलत है।

(घ) A गलत है लेकिन R सही है।

उत्तर: (क) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या है।

2. अभिकथन पहलवान के बेटों का भरण-पोषण राज दरबार से होता था।

कारण- लुट्टन पहलवान श्यामनगर का दरबारी पहलवान था। उसका तथा उसके परिवार का सारा खर्च राज दरबार उठाता था।

(क) A और R दोनों सही है A.R की सही व्याख्या नहीं है।

(ख) A और R दोनों सही है A, R की सही व्याख्या है।

(ग) A सही है लेकिन R गलत है।

(घ) A गलत है लेकिन R सही है।

उत्तर : (ख) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या है।

3. अभिकथन- घोड़े का रेस पहले के लोगों और राजाओं का प्रिय शौक नहीं था।

कारण- पहलवानों को राजा एवं लोगों द्वारा विशेष सम्मान दिया जाता था।

(क) A और R दोनों सही है A.R की सही व्याख्या नहीं है।

(ख) A और R दोनों सही है A, R की सही व्याख्या है।

(ग) A सही है लेकिन R गलत है।

(घ) A गलत है लेकिन R सही है।

उत्तर: (क) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या नहीं है।

4. अभिकथन- राजा साहब ने लुट्टन को अपने राजदरबार में रख लिया।

कारण- काला खां मशहूर पहलवान था। ज्यों ही वह लंगोट लगाकर आली कहता था उसके प्रतिद्वंदी डर जाते थे।

(क) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या नहीं है।

(ख) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या है।

(ग) A सही है लेकिन R गलत है।

(घ) A गलत है लेकिन R सही है।

उत्तर: (क) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या नहीं है।

5. अभिकथन- कुत्तों में परिस्थिति को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है।

कारण- उन्होंने महसूस कर लिया था कि लोग महामारी की चपेट में आ चुके हैं। अतः वे सिकुड़े पड़े रहते थे और इकट्ठे मिलकर रहते थे।

(क)A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या नहीं है।

(ख) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या है।

(ग) A सही है लेकिन R गलत है।

(घ) A गलत है लेकिन R सही है।

उत्तर: (ख) A और R दोनों सही है A,R की सही व्याख्या है।

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1 . कहानी के किस-किस मोड़ लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए?

उत्तर-ऐसे अनेक मोड हैं जहाँ उसके जीवन में परिवर्तन आए हैं. बचपन में ही नौ वर्ष की अल्पायु में ही उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई और उसका पालन-पोषण उसकी विधवा सास ने किया। सास पर होने वाले अत्याचारों का बदला के लिए वह पहलवानी करने लगा। किशोरावस्था में उसने श्यामनगर दंगल में चाँद सिंह नामक पहलवान को हरा 'राज-पहलवान' दर्जा हासिल किया। वह पंद्रह वर्ष तक राजदरबार में रहा।फिर दरबार से हटने पर वो गाँव लौटा और बड़ी कठिनाई से जीवन गुजरने लगा,महामारी आने पर तो लुट्टन का परिवार के साथ चपेट में आ गया ओर मृत्यु हो गयी |

प्रश्न 2 . लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि 'मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं यही ढोल है?

उत्तर- वह कहता कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं यही ढोल है | ऐसा उसने इसलिए कहा क्योंकि उसने पहलवानी व कुश्ती के दाँव-पेच ढोल की आवाज़ पर ही सीखे थे, उसे सिखाने वाला कोई व्यक्ति नहीं था | ढोल की आवाज़ उसके शरीर में उमंग व स्फूर्ति भर देती थी | ढोल की आवाज़ के बल पर ही उसने चाँद सिंह को हराया व राज पहलवान बन गया था |

प्रश्न 3. गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों की मृत्यु के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल क्यों बजाता रहा?

अथवा

ढोलक की आवाज का पूरे गाँव में क्या असर होता था?

उत्तर- (i) ढोलक की आवाज़ से गाँव के औषधि-उपचार-पथ्य विहीन प्राणियों में संजीवनी शक्ति भर जाती थी

(ii) इसके कारण गाँव के लोगों के सामने दंगल का दृश्य आ जाता था व जोश भर जाता था।

(iii) इसके कारण उन्हें मौत से डर नहीं लगता था और उन्हें बीमारी की तकलीफ कम महसूस होती थी।

ढोल की आवाज़ से गाँव के लोगों में उत्साह व जोश भरने के कारण लुट्टन ढोल बजाता रहा |

प्रश्न 4 . महामारी फैलने के बाद गाँव में सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य में क्या अंतर होता था?

उत्तर -गाँव में सूर्योदय होते ही लोग खाँसते-फूंखते, कराहते अपने घरों से निकलकर अपने पड़ोसियों व आत्मीयों को ढाँढस् बंधाते थे। वे बचे हुए लोगों को शोक न करने की बात कहते थे। उनके चेहरे पर चमक बनी रहती थी। पर समय आने पर सूर्यास्त तो होते हैं| सभी लोग अपनी-अपनी झोपड़ियों में घुस जाते थे। उनके बोलने की शक्ति भी जाती रहती थी। ऐसे समय में पहलवान की ढोलक की आवाज ही रात्रि की विभीषिका को चुनौती देती रहती थी।

प्रश्न 5 . आशय स्पष्ट कीजिए-

आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी |

उत्तर- इसका तात्पर्य यह है कि महामारी के प्रकोप से रात्रि भयानक थी और गाँव में निराशा का भाव था | ऐसे में यदि कोई व्यक्ति भावुक होकर बीमारी से जूझकर किसी दूसरे की मदद करने की कोशिश करता तो वह भी असफल हो जाता और उसकी शक्ति बीच में ही ख़त्म हो जाती | कोई चाहकर भी किसी दूसरे की मदद नहीं कर पाता था |

प्रश्न 6 . 'पहलवान की ढोलक आज हमारे द्वारा लोककला एवं लोक कलाकारों को अप्रासंगिक बना दिए जाने की करूण कथा भी है। आधुनिकता के दिखावे में हम उन्हें भूलते जा रहे हैं।" तर्कसहित प्रतिपादित कीजिए।

उत्तर-आधुनिकता की चमक-दमक और दिखावे वाली संस्कृति में सीधी-सादी-सरल लोक कलाएँ और कलाकार आधुनिक पीढ़ी को न तो प्रभावित कर पाते हैं और न ही मनोरंजक लगते हैं। आधुनिक परिवेश एवं तकनीक ने लोक कलाओं और खेलों के स्वरूप को बदल दिया है। राजा श्यामानंद लोक कलाओं और कलाकारों को राज्याश्रय तथा मान सम्मान देते थे। राजा साहब के मरते ही विलायत से लौटे राजकुमार द्वारा लुट्टन को निकाल कर पहलवानी जैसी लोककला को समाप्त कर दिया गया।इस तरह लुट्टन बेरोजगार होकर बेटों के साथ गाँव लौट गया |

****

पाठ- 17 शिरीष के फूल -हजारी प्रसाद द्विवेदी

सारांश -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी शिरीष को अद्भुत अवधूत मानते हैं, क्योंकि संन्यासी की भाँति वह सुख-दुख की चिंता नहीं करता। गर्मी, लू, वर्षा और आँधी में भी अविचल खड़ा रहता है। शिरीष के फूल के माध्यम से मनुष्य की अजेय जिजीविषा, धैर्यशीलता और कर्तव्यनिष्ठ बने रहने के मानवीय मूल्यों को स्थापित किया गया है। लेखक ने शिरीष के कोमल फूल और कठोर फलों के द्वारा स्पष्ट किया है कि हृदय की कोमलता बचाने के लिए कभी-कभी व्यवहार की कठोरता भी आवश्यक हो जाती है। महान कवि कालिदास और कबीर भी शिरीष की तरह बेपरवाह, अनासक्त और सरस थे तभी उन्होंने इतनी सुन्दर रचनाएँ संसार को दीं। गांधीजी के व्यक्तित्व में भी कोमलता और कठोरता का अद्भुत संगम था। लेखक सोचता है कि हमारे देश में जो मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर है, क्या वह देश को स्थिर नहीं रहने देगा? गुलामी, अशांति और विरोधी वातावरण के बीच अपने सिद्धांतों की रक्षा करते हुए गाँधीजी जी स्थिर रह सके थे तो देश भी रह सकता है। जीने की प्रबल अभिलाषा के कारण विषम परिस्थितयों में भी यदि शिरीष खिल सकता है तो हमारा देश भी विषम परिस्थितियों में स्थिर रह कर विकास कर सकता है।

शिरीष का फूल बसंत से लेकर आषाढ़ तक ग्रीष्म-ऋतु के चारों महीनों में भी फूलता रहता है | शिरीष के माध्यम से लेखक मनुष्य को अजेय जिजीविषा (जीने की इच्छा) और कर्तव्यशील रहने का संदेश देता है | शिरीष की तरह पलास,कनेर,अमलतास भी गर्मियों में खिलते हैं किन्तु सीमित अवधि के लिए | शिरीष का पेड़ बहुत घना व छायादार होता है |शिरीष इतना कोमल होता है कि वह भौरों के पैरों का दबाव सह सकता है,पक्षियों का नहीं | इसका फल इतना मजबूत होता है कि बहुत समय तक टिके रह सकता है | यह कोमलता व कठोरता का उदाहरण है | लेखक का प्रिय कवि कालिदास थे क्योंकि वे अनासक्त रह सकते थे |

लेखक ने शिरीष की तुलना अवधूत/संन्यासी से की है | कभी-कभी कोमलता को बचाने हेतु व्यवहार में कठोरता आवश्यक हो जाती है | महान कवि कालिदास,कबीर भी शिरीष की तरह अनासक्त,बेपरवाह व सरस थे | बापू (गांधीजी) के व्यक्तित्व में भी कोमलता व कठोरता का अद्भुत संयोग था |

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांश-1

जहाँ बैठ के यह लेख लिख रहा हूँ उसके आगे-पीछे दायें-बायें, शिरीष के अनेक पेड़ हैं। जेठ की जलती धूप में, जबकि धरित्री निर्धूम अग्निकुंड बनी हुई थी, शिरोष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था। कम फूल इस प्रकार की गरमी में फूल सकने की हिम्मत करते हैं। कर्णिकार और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ। वे भी आस-पास बहुत है। लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। यह पंद्रह-बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति। कबीरदास को इस तरह पंद्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था। यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़-के-खंखड़- 'दिन दस फूला फूलिके, खंखड़ भया पलास।" ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले। फूल है शिरोष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से बना रहता है। मन रम गया तो भादों में भी निर्धात फूलता रहता है।

(i) धरित्री निर्धूम अग्निकुंड बनी हुई थी' का भाव है-

(क) धरती पर अग्निकुंड बनाया गया था।

(ख) गरमी अपनी चरम सीमा पर थी।

(ग) धरती अग्निकुंड के समान जल रही थी।

(घ) धरती पर अग्निकुंड ही अग्निकुंड थे।

(ii) आरग्वध किस पेड़ का नाम है?

(क) आम (ख) अमरूद (ग) अमलतास (घ) शिरीष

(iii) शिरीष के साथ अमलतास की तुलना क्यों नहीं की जा सकती?

(क) अमलतास पर कम फूल खिलने के कारण

(ख) अमलतास के फूल अल्प अवधि तक फूलने के कारण

(ग) अमलतास के फूल सुंदर न होने के कारण

(घ) अमलतास के फूल बहुत छोटे होने के कारण

(iv) कबीर दास को क्या पसंद नहीं था?

(क) शिरीष के फूलों का खिलना (ख) शिरीष के फूलों का आकार

(ग) शिरीष के फूलों का रंग (घ) अमलतास के फूलों का 15-20 दिनों के लिए खिलना

(v) शिरीष के फूलों को कब से कब तक खिला हुआ देखा जा सकता है?

(क) वसंत के आगमन से वसंत के प्रस्थान तक

(ख) वसंत के आगमन जेठ माह तक

(ग) वसंत के आगमन से सावन तक

(घ) वसंत के आगमन से आषाढ़ महीने तक

उत्तर- (i) (ख), (ii)(ग), (iii)(ख), (iv)(घ), (v)(घ)

गद्यांश-2

मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती ? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अंतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफसोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी-'धरा को प्रमान यही तुलसी, जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है! सुनता कौन है? महाकालदेवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी हैं, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो कालदेवता की आँख बचा जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की और मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे !

(i) गद्यांश में किस अधिकार लिप्सा की ओर संकेत किया गया है?

(क) अपनी जगह पर जमे रहने के अधिकार का लालच

(ख) किसी अन्य के लिए अधिकार त्यागने की इच्छा

(ग) बलपूर्वक अधिकार छीन लेने का लालच

(घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) जगत के अतिपरिचित और अतिप्रमाणित सत्य क्या है?

(क) वृद्धावस्था। (ख) मृत्यु।

(ग) दोनों ही संसार के अतिपरिचित और अति प्रामाणिक सत्य हैं।

(घ) दोनों का ही संसार में स्वागत होता है।

(iii) "जो फरा सो झरा' में जीवन के किस सत्य का उद्घाटन हुआ है?

(क) गिरने के लिए ही फूल, फल बनते हैं।

(ख) जो फलते हैं वे गिरते भी हैं।

(ग) फलना और गिरना देखने के लिए लोग धरती पर आते हैं।

(घ) जो इस दुनिया में आया है वह एक दिन अवश्य नष्ट होता है।

(iv) 'महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं'- का आशय इनमें से क्या है?

(क) महाकाल लोगों को चेतावनी दे रहे हैं।

(ख) महाकाल लोगों को दंड दे रहे हैं।

(ग) महाकाल के कोड़ों की आवाज आकर्षक है।

(घ) महाकाल देवता अपने कोड़ों की मार से लोगों के प्राण ले रहे हैं।

(v) किस प्रकार काल देवता के कोड़ों की मार से बचा जा सकता है ?

(क) हिलते-डुलते रहने पर। (ख) स्थान बदलते रहने पर।

(ख) आगे की ओर मुँह किए रहने पर। (घ) 'क','ख' और 'ग' तीनों।

उत्तर (i) (क),(ii) (ग), (iii) (घ). (iv) (घ),(v) (घ)

गद्यांश-3

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन-धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आपमें सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ है? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है।

(i) शिरीष का वृक्ष किस प्रकार की भावना जगाता है ?

(क) संघर्षशीलता (ख) सरसता

(ग) जुझारूपन (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) शिरीष के पेड़ को अवधूत क्यों कहा गया है?

(क) योगियों की तरह कठिन परिस्थितियों में मस्त रहना।

(ख) गरमी तथा उमस में फूल धारण किए रहना।

(ग) विपरीत परिस्थितियों में भी सरस बने रहना।

(घ) 'क', 'ख' और 'ग' तीनों

(iii) देश के ऊपर से कौन-सा बवंडर गुजरने का संकेत नहीं किया गया है?

(क) जगह-जगह हुए अग्निका (ख) हिंसा और रक्तपात

(ग) रूढ़िवादी विचारधारा (घ) चोरी, डकैती तथा लूटपाट

(iv) अंत में लेखक ने शिरीष की तुलना किसके साथ की है?

(क) महात्मा गांधी (ख) सुभाष चंद्र बोस

(ग) सरदार पटेल (घ) लाल बहादुर शास्त्री

(v) जेठ माह की कठिन धूप में भी हरा-भरा रहने वाला शिरीष हमें क्या प्रेरणा देता है?

(क) सदैव प्रसन्न रहने की

(ख) हर परिस्थिति से समझौता कर लेने को

(ग) हर परिस्थिति में डटे रहने की

(घ) सरसता के साथ कठोरता बनाए रखने की

उत्तर (i) (घ),(ii) (घ), (iii) (ग),(iv) (क) (v) (ग)

गद्यांश-4

कालिदास सौंदर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे. दुख हो कि सुख, वे अपना भाव रस उस अनासक्त कृषिवल की भाँति खींच लेते थे, जो निर्दलित ईक्षुदंड से रस निकाल लेता है। कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे। कुछ इसी श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिंदी कवि सुमित्रानंदन पंत में है कविवर रवींद्रनाथ में यह अनासक्ति थी एक जगह उन्होंने लिखा. राजोद्यान का | सिंहद्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्पकला कितनी ही सुंदर क्यों न हो, वह यह नहीं कहता कि हम में आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है, यही बताना उसका कर्तव्य है।' फूल हो या पेड़, वह अपने आप में समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए उठी हुई अँगुली है। वह इशारा है।

(i) कालिदास की सौंदर्य दृष्टि कैसी थी ?

(क) स्थूल और बाहरी (ख) सूक्ष्म और संपूर्ण

(ग) आसक्ति और आडंबरों (घ) अतिक्रम और अभ्रभेदी

(ii) कौन-से गुण के कारण कालिदास, सुमित्रानंदन पंत और रवींद्रनाथ टैगोर कविताओं के साथ न्याय कर पाए?

(क) गंतव्यता (ख) निर्दलीयता (ग) कृषिवलता (घ) तटस्थता

(iii) फूलों और पेड़ों से हमें जीवन की---------- की प्रेरणा मिलती है -

(क) निरंतरता (ख) भावपूर्णता (ग) समापनता (घ) अतिक्रमणता

(iv) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन (A) पुष्प या पेड़ अपने सौंदर्य से यह बताते हैं कि यह सौंदर्य अंतिम नहीं है।

कारण (R) भारतीय शिल्पकला विशेष रूप से प्रसिद्ध है। विभिन्न कवियों ने इस बात की पुष्टि की है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(I) कला की कोई सीमा नहीं होती।

(II) शिरीष के वृक्ष को कालजयी अवधूत के समान कहा गया है।

(III) कालिदास की समानता आधुनिक काल के कवियों के साथ दिखाई गई है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सा / कौन से सही है हैं?

(क) केवल I (ख) केवल III (ग) I और II (घ) I और III

उत्तर (i) (ख), (ii) (घ), (iii) (क), (iv) (घ), (v) (घ)

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्रश्न-1.लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना ? (सी.बी.एस.ई.)

उत्तर- शिरीष की तुलना अवधूत से करने के पीछे दोनों के स्वभाव में साम्यता होना है | जिस प्रकार संन्यासी ऋतुओं/मौसमों की परवाह किए बिना अपनी साधना में लीन रहते है,ठीक उसी प्रकार शिरीष वसंत से लेकर आषाढ़-भादों तक खिला रहता है | जब पूरा संसार प्रचंड गर्मी से जल रहा होता है,उस समय भी शिरीष फलता-फूलता रहता है | शिरीष घना व छायादार होता है ,वह मनुष्य को विषय-वासनाओं से ऊपर उठकर अजेयता से जीवन जीने का संदेश देता है|

प्रश्न-2. हृदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी-कभी जरूरी भी हो जाती है- प्रस्तुत पाठ के आधार पर स्पष्ट करें | (सी.बी.एस.ई.)

उत्तर- शिरीष के फूल कोमल व शिरीष का पेड़ सरस होता है परंतु शिरीष के फल कठोर होते हैं। इनके माध्यम से लेखक यह बताना चाहता है कि जिस प्रकार शिरीष के फलों की कठोरता उसके फूलों की कोमलता व सरसता को बचाने के लिए जरूरी है उसी प्रकार मनुष्य के व्यवहार में बाहरी कठोरता उसके हृदय की कोमलता को बचाने के लिए जरूरी हैं |

प्रश्न-3. द्विवेदी जी ने शिरीष के माध्यम से कोलाहल व संघर्ष से भरी जीवन-स्थितियों में अविचल रह कर जिजीविषु बने रहने की सीख दी है । स्पष्ट करें।

शिरीष,अवधूत और गांधी एक-दूसरे के समान कैसे हैं ? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए (सी.बी.एस.ई.)

उत्तर- जिस प्रकार शिरीष चारों ओर फैली भीषण गर्मी, लू व उमस के बावजूद भी सरस व फला-फूला रहता है। उसी प्रकार मनुष्य को भी मारकाट, आगजनी, लूटपाट, खून- खच्चर आदि विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिर व शांत बने रहना चाहिए और गांधी जी के समान आत्मबल को महत्त्व देकर अविचल (अडिग) रहना चाहिए।

प्रश्न-4. हाथ, वह अवधूत आज कहाँ है। ऐसा कहकर लेखक ने आत्मबल पर देह-बल के वर्चस्व की वर्तमान सभ्यता के संकट की ओर संकेत किया है। कैसे ?

उत्तर: यहाँ, 'अवधूत' शब्द महात्मा गांधी के लिए प्रयुक्त हुआ | लेखक को महसूस होता है कि वर्तमान समाज में धनबल व देहबल को अधिक महत्त्व दिया जा रहा है जिससे मानवता खतरे में है। आज लेखक को गाँधी जी जैसे लोगों को कमी महसूस होती है। जिन्होंने अपने आत्मबल के आधार पर अंग्रेजों के धनबल व देहबल को हराया।

प्रश्न-5. कवि (साहित्यकार) के लिए अनासक्त योगी की स्थिर प्रज्ञता और विदग्ध प्रेमी का हृदय- एक साथ आवश्यक है। ऐसा विचार प्रस्तुत कर लेखक ने साहित्य-कर्म के लिए बहुत ऊँचा मानदंड निर्धारित किया है । विस्तारपूर्वक समझाएँ ।

उत्तर: लेखक ने कवि (साहित्यकार) के दो गुण बताए है जो इस प्रकार हैं :

(i)**अनासक्त योगी की स्थिर प्रज्ञता -** कवि को उस संन्यासी की भाँति होना चाहिए जिसे सांसारिकता से लगाव न हो और उसका ज्ञान स्थिर हो। उसे शुष्क, कठोर व मर्यादित होना चाहिए |

(ii) **विदग्ध प्रेमी का हृदय-** कवि का दिल बिछड़े हुए प्रेमी के दिल की तरह होना चाहिए जिसमें प्रेम की अधिकता, सरसता, व मधुरता हो |

प्रश्न-6. सर्वग्रासी काल की मार से बचते हुए वही दीर्घजीवी हो सकता है, जिसने अपने व्यवहार में जड़ता छोड़कर नित बदल रही स्थितियों में निरंतर अपनी गतिशीलता बनाए रखी है। पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

उत्तर: शिरीष गर्मी, लू व उमस में भी हरा-भूरा, फला-फूला व सरस बना रहता है। उसी प्रकार जो व्यक्ति बाहरी विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाकर निरंतर आगे बढ़ने की कोशिश करता है व प्रगतिशील बना रहता है वही व्यक्ति लंबे समय तक जीवित रहता है और महान बनता है |

****

पाठ-18 श्रम विभाजन और जाति प्रथा,मेरी कल्पना का आदर्श समाज .डॉ - आम्बेडकर

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांश-1

श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति - प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। जाति - प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रूचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्व नहीं रहता । 'पूर्व लेख' ही इसका आधार है। इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगों में गरीब तो अरुचि के साथ केवल वि वर्ष कार्य करते हैं ऐसी स्थिति सभ्यता मनुष्य को दुर्भावना से प्राप्त भ्रष्ट कर चालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है ऐसी स्थिति में जहां काम करने वालों का ना दिल लगता हो ना दिमाग वहां कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति प्रथा हानिकारक प्रथा है क्योंकि यह मनुष्य के संभावित प्रेरणा रुचि व आत्मशक्ति को दबा कर उन्हें आशा भाविक नियमों में जकड़ कर निष्क्रिय बना देती है

क. गद्यांश के अनुसार श्रम विभाजन की दृष्टि से जाति प्रथा दोषपूर्ण क्यों है?

1. व्यक्तिगत रुचियों को ध्यान में न रखने के कारण
2. मनुष्य के पेशे को पूर्व लेख से जोड़े रखने के कारण
3 मनुष्य को स्वतंत्र छोड़े जाने के कारण
4. व्यक्तिगत भावनाओं को ध्यान में रखने के कारण

ख. कारण (A) आर्थिक पहलू से जाति प्रथा हानिकारक है।

कारण (R) जाति- प्रथा मनुष्य के रूचि एवं आत्मशक्ति को कम करके उसे निष्क्रिय बना देती हैं ।

1.कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या करता है|
2. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R)सही है ।
3. कथन (A)तथा कारण (A)दोनों गलत है ।
4. कथन (A) सही है, किंतु कारण(R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग. कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए क्या आवश्यक है ?

1. रूचि के अनुसार काम करने का अवसर प्रदान करना
2. कार्य को जबरन थोपा जाना
3. कार्य करने की विशेष छूट प्रदान करना
4. उत्पादकता को कम कर देना

घ. श्रम के क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या .....है।

1. आर्थिक ढांचे की 2.स्वेच्छानुसार काम न मिलने की
3.जनसंख्या वृद्धि की 4.कार्य के प्रति उदासीन न होने की

ङ. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. कार्य निर्धारित होने से कार्य का महत्व बढ़ता है
2. जाति - प्रथा के कारण श्रमिकअरुचि के साथ विवशतावशही उद्योगों में कार्य कर रहे हैं।
3. जाति प्रथा का श्रम - विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर करता है ।

उपर्युक्त में से कौन सा /से सही है/ हैं ?

1.केवल 1. 2. केवल 2 3. 1 और 2 4. 1 और 3

उत्तर- क. 2. , ख. 1., ग. 1., घ. 2., ङ. 2.

गद्यांश-2

इसी प्रकार स्वतंत्रता पर भी क्या कोई आपत्ति हो सकती है? गमनागमन की स्वाधीनता, जीवन तथा शारीरिक सुरक्षा की स्वाधीनता के अर्थों में शायद ही कोई 'स्वतंत्रता' का विरोध करे| इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औज़ार व सामग्री रखने के अधिकार जिससे शरीर को स्वस्थ रखा जा सके, के अर्थ में भी 'स्वतंत्रता पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती तो फिर मनुष्य की शक्ति के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की भी स्वतंत्रता क्यों न प्रदान की जाए?

जाति प्रथा के पोषक, जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी समिल्लित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है। उदाहरणार्थ, जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं।

(क) दासता में कौन-सी अवधारणा समिल्लित नहीं है? सही विकल्प का चयन कीजिए:-

I. स्वाधीनता के साथ जीना |

II.कानूनी पराधीनता का होना |

III.इच्छा के विरुद्ध कार्य करना।

IV. दूसरों द्वारा निश्चित कार्य करना |

(ख) मनुष्य के प्रभावशाली प्रयोग से लेखक का तात्पर्य है: सही विकल्प छाँटिए:-

I. उसे शारीरिक स्वतंत्रता प्रदान की जाए।

II.उसे अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाए

III. उसे अपनी मर्जी से जाति के चयन का अधिकार मिलें |

IV. उसे शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति का अधिकार दिया जाए |

(ग) जाति प्रथा के पोषक यदि मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता दें, तब इसका क्या परिणाम होगा? सही विकल्प छाँटिए:-

I. दासता को बढ़ावा मिलेगा।

II. स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा |

III. कानूनी - पराधीनता बढ़ जाएगी |

IV. लोकतांत्रिक मूल्य सुदृढ़ होंगे |

(घ) 'स्वतंत्रता' पर किसी को कोई आपत्ति क्यों नहीं है? सही विकल्प छाँटिए:-

I. इससे समाज में दासता समाप्त हो जाएगी।

II.क्योंकि स्वतंत्रता सभी को जाति विरोधी लगती है।

III. क्योंकि सभी को स्वतंत्र और सुरक्षित रहना प्रिय है।

IV. इसके साथ भी जातिवाद और शोषण की प्रक्रिया बनी रहती है।

(ड.) जाति प्रथा के पोषक से लेखक का क्या तात्पर्य है? सही विकल्प का चयन कीजिए:-उत्तर-

I. जाति के चयन को बढ़ावा देने वाले

II. जातिगत भेदभाव को प्राथमिकता देने वाले !

III. जातिगत भेदभाव के व्यवहार को समाप्ति देने वाले

IV.जाति को कानूनी मान्यता दिलाने की कोशिश करने वाले |

उत्तर – (क) I, (ख) II, (ग) IV, (घ) IV, (ड.) II

अभिकथन तर्क -(Assertion and reasoning)

1 अभिकथन- जातिवाद के पोषक जातिवाद का समर्थन करते हैं।

कारण- आधुनिक सभ्य समाज कार्य-कुशलता' के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है।

(क) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(ख) कथन और कारण दोनों सही है परन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन सही है, कारण गलत है।

(घ)कथन गलत है, कारण सही है।

2अभिकथन- भारत की जाति व्यवस्था विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता।

कारण- यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती बल्कि विभाजित वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है।

(क) कथन और कारण दोनों सही है और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन और कारण दोनों सही है, परन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन सही है, कारण गलत है। (घ)कथन गलत है, कारण सही है।

3अभिकथन- भारत की जातिप्रथा स्वाभाविक विभाजन नहीं है।

कथन -यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है।

(क) कथन और कारण दोनों सही है और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन और कारण दोनों सही हैपरन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन सही है, कारण गलत है।

(घ) कथन गलत है, कारण सही है।

4कथन (A) डॉक्टर अंबेडकर जी ने अपने आदर्श समाज के भाईचारा में स्त्रियों को भी सम्मिलित किया है।

कारण (R) समाज स्त्री और पुरुष दोनों से ही बनता है।

क. कथन A और कारण दोनो सही हैं और कारण, कथन A की सही व्याख्या है।

ख. कथन A और कारण दोनों सही हैं और कारण R. कथन A की सही व्याख्या नहीं है।

ग. कथन A सही है, किंतु कारण 8 गलत है |

घ. कथन A गलत है, किंतु कारण सही है |

5कथन (A) जाति प्रथा आधारित भारतीय समाज में कोई कमी नहीं है।

कारण (R) भारतीय समाज में जातियों के आधार पर जीवन के अनेक क्षेत्र में भेदभाव पूर्ण व्यवहार होता है जो एक शब्द समाज के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है।

क. कथन A और कारण दोनो सही हैं और कारण, कथन A की सही व्याख्या है।

ख. कथन A और कारण दोनों सही हैं और कारण R. कथन A की सही व्याख्या नहीं है।

ग. कथन A सही है, किंतु कारण 8 गलत है |

घ. कथन A गलत है, किंतु कारण सही है |

उत्तरमाला- 1. क , 2. क , 3. क , 4. क , 5. घ

वर्णनात्मक प्रश्न-

.1जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के क्या तर्क हैं? जाति प्रथा को श्रम विभाजन का आधार क्यों नहीं माना जा सकता? पाठ से उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर- 1. जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन भी कराती है। सभ्य समाज में श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में विभाजन अस्वाभाविक है।

2. जाति प्रथा में श्रम विभाजन मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है।

3.इसमें मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा निजी क्षमता का विचार किए बिना किसी दूसरे के द्वारा उसके लिए पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

4. जाति प्रथा मनुष्य को जीवन भर के लिए एक पेशे में बाँध देती है, भले ही वह अपर्याप्त क्यों न हो। इससे भुखमरी व बेरोजगारी बढती है |

2. जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है? क्या यह स्थिति आज भी है?

उत्तर- जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का कारण भी बनती रही है। भारत में जाति प्रथा के कारण व्यक्ति को जन्म के आधार पर एक पेशे से बांध दिया जाता था। इससे व्यक्ति की रुचि या कुशलता का ध्यान नहीं रखा जाता था। उस पेशे से गुजारा होगा या नहीं. इस पर भी विचार नहीं किया जाता था। इस कारण भुखमरी की स्थिति आ जाती थी। इसके अतिरिक्त संकट के समय भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की अनुमति नहीं दी जाती थी। अतः यदि वह व्यवसाय बदला जाए तो बेरोजगारी बढ़ती है। आज भारत की स्थिति बदल रही है। सरकारी कानून सामाजिक सुधार विश्वव्यापी परिवर्तनों से जाति प्रथा के बंधन से मुक्ति दी गई है । आज अपनी जाति से अलग पेशा अपना रहे है।

3. लेखक के मत से 'दासता' की व्यापक परिभाषा क्या हैं? समझाइए।

उत्तर- लेखक के अनुसार, दासता केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है। जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है।

4.शारीरिक वंश परंपरा और सामाजिक उत्तराधिकार की दृष्टि से मनुष्यों में असमानता संभावित रहने के बावजूद समता को एक व्यवहार्य सिद्धांत मानने का आग्रह क्यों करते हैं? इसके पीछे उनके क्या तर्क है?

उत्तर- शारीरिक वंश-परंपरा और सामाजिक उत्तराधिकार की दृष्टि से मनुष्यों में असमानता संभावित रहने के बावजूद असमानता को एक व्यवहार्य सिद्धांत मानने का आग्रह करते है क्योंकि समाज को अपने सभी सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता तभी प्राप्त हो सकती है जब उन्हें आरंभ से ही समान अवसर एवं समान व्यवहार उपलब्ध कराए जाएं। व्यक्ति को अपनी क्षमता के विकास के लिए समान अवसर देने चाहिए। अतः सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

5.सही में अबेडकर ने भावनात्मक समत्व की मानवीय दृष्टि के तहत जातिवाद का उन्मूलन चाहा है, जिसकी प्रतिष्ठा के लिए भौतिक स्थितियों और जीवन सुविधाओं का तर्क दिया है। क्या इससे आप सहमत हैं?

उत्तर- आंबेडकर ने भावनात्मक समत्व की मानवीय दृष्टि के तहत जातिवाद का उन्मूलन चाहा, जिसकी प्रतिष्ठा के लिए भौतिक स्थितियों और जीवन सुविधाओं का तर्क दिया है। हम उनकी इस बात से सहमत है। आदमी की भौतिक स्थितियाँ उसके स्तर को निर्धारित करती है। जीवन जीने की सुविधाएँ मनुष्य को सही मायनों में मनुष्य सिद्ध करती है। व्यक्ति का रहन सहन और चाल चलन काफी हद तक उसकी जातीय भावना को खत्म कर देता है।

6.आदर्श समाज के तीन तत्वों में से एक 'भातृता' को रखकर लेखक ने अपने आदर्श समाज में स्त्रियों को भी सम्मिलित किया है अथवा नहीं? आप इस 'भातृता' शब्द से कहाँ तक सहमत हैं? यदि नहीं, तो आप क्या शब्द उचित समझेंगे / समझेगी?

उत्तर- आदर्श समाज के तीन तत्वों में से एक 'भातृता' को रखकर लेखक ने अपने आदर्श समाज में स्त्रियों को भी सम्मिलित किया है। लेखक समाज की बात कर रहा है और समाज स्त्री-पुरुष दोनों से मिलकर बना है। उसने आदर्श समाज में हर आयुवर्ग को शामिल किया है। 'भ्रातृता' शब्द संस्कृत का शब्द है जिसका अर्थ है-भाईचारा यह सर्वथा उपयुक्त है। समाज में भाईचारे के सहारे ही संबंध बनते है। कोई व्यक्ति एक दूसरे से अलग नहीं रह सकता। समाज में भाईचारे के कारण ही कोई परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचता है।

7. समता काल्पनिक जगत की वस्तु है। फिर भी इस पर बल क्यों दिया जाता है ?

उत्तर- सभी मनुष्यों में शारिरिक वंश परंपरा, सामाजिक, उत्तराधिकार व मनुष्य के अपने प्रयत्न एक समान नहीं हो सकती । इसलिए समता काल्पनिक जगत की वस्तु है। डॉ आंबेडकर का मानना है कि समाज में सभी लोगों को आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए व उनके साथ समान व्यवहार होना चाहिए। यही समता है और इसी पर बल दिया गया है।

8.आदर्श समाज के तत्व लिखिए।

उत्तर- आदर्श समाज के तीन तत्त्व हैं –

भ्रातृता/भाईचारा:- समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए |

स्वतंत्रता :- जब मनुष्य को गमनागमन, सुरक्षा, संपत्ति आदि की स्वतंत्रता के समान पेशा चुनने की भी छूट होनी चाहिए ।

समता : शारिरिक वंश परंपरा, सामाजिक, उत्तराधिकार व मनुष्य के अपने प्रयत्न अलग-अलग होने बावजूद सभी मनुष्यों को आगे बढने के समान अवसर मिलने चाहिए ।

****

वितान भाग-2

पाठ-1 सिल्वर वैडिंग -मनोहर श्याम जोशी

पाठ का सार/ बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु नोट्स-

1.कहानी के बीज वाक्य- 'जो हुआ होगा', समहाठ इम्प्रापर , मूल सम्वेदना- पीढ़ी अन्तराल

2.यशोधर पन्त होम मिनिस्ट्री में सेक्शन ऑफिसर थे, किशनदा(कृष्णानन्द पांडे) की तरह ऑफिस से चलते-चलते जूनियरों से मनोरंजक बात की, मैट्रिक परीक्षा रेम्जे स्कूल अल्मोड़ा से पास की |

3.चड्ढा के पूछने पर यशोधर बाबू ने बताया कि घड़ी उन्हें शादी में मिली थी, मेनन के पूछने पर बताया कि उनकी शादी 06-02-1947 को हुई तब मेनन ने कहा कि आज उनकी सिल्वर वैडिंग है (शादी के 25 वर्ष / रजत जयंती)

4.चड्ढा के कहने पर यशोधर बाबू ने दो बार पैसे दिए(10 व 20 रु.) - यशोधर बाबू कंजूस थे

5.ऑफिस से लौटते वक्त यशोधर बाबू जाते थे- बिरला मन्दिर- पहाड़गंज – घर (8 बजे)

6.यशोधर बाबू गोल मार्केट में रहना चाहते थे- गोल मार्केट ढहाए जाने का गम मनाने के लिए

7.यशोधर बाबू का परिवार-

- बड़ा लड़का भूषण- विज्ञापन संस्था में नौकरी, योग्यता साधारण परन्तु वेतन असाधारण, रू.1500, यशोधर बाबू को यह समहाठ इम्प्रापर लगता है
- दूसरा बेटा IAS की तैयारी कर रहा था, 'एलाइड सर्विसेस' में न 'ज्वाइन' करना यशोधर बाबू को सही नही लग रहा था
- तीसरा बेटा स्कालरशिप लेकर अमेरिका गया
- बेटी शादी का प्रस्ताव न मानती, डॉक्टरी की पढाई करने के लिए अमेरिका जाने की धमकी देती
- पत्नी – समय के साथ ढल सकने में सफल होती है क्योंकि
- वह बच्चों की तरफदारी करती थीं, खुल कर जीना चाहती थी, आधुनिक बनना चाहती थी जैसे – बिना बाँह का ब्लाउज पहनना, ऊँची हील वाली सैंडिल पहनना, रसोई के बाहर दाल-भात खाना, लिपिस्टिक लगाना, बालों में खिज़ाब लगाना आदि |
- यशोधर बाबू - समय के साथ ढल नहीं पाते क्योंकि वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे, वे आदर्शवादी,परंपरावादी थे , किशनदा का उन पर प्रभाव था, भारतीय संस्कृति को मानने वाले व पाश्चात्य संस्कृति के विरोधी थे |

8.यशोधर बाबू में एक तरह का द्वंद्व है जिसके कारण नया उन्हें कभी-कभी खींचता है पर पुराना उन्हें छोड़ता नहीं | इसलिए उन्हें सहानुभूति से देखने की ज़रूरत है |

9.यशोधर बाबू बच्चो की तरक्की से खुश थे परन्तु बच्चे गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा करते थे जो अच्छा नही था

10.जो हुआ होगा – यथास्थितिवाद को प्रकट करता है | यह कहानी में दो बार आया –

(i)पता नहीं क्या हुआ होगा – जब यशोधर किशनदा के गाँव जाकर उनके जाति भाई से उनकी मृत्यु का कारण पूछते हैं |

(ii) मरते समय सब अकेले – संध्या पूजा के समय किशनदा यशोधर के ध्यान में आते हैं और कहते हैं सभी जो हुआ होगा से ही मरते हैं अर्थात मरते समय सब अकेले होते हैं , चाहे वो गृहस्थ हो या संन्यासी, अमीर हो या गरीब |

11.समहाठ इम्प्रापर – अनिर्णय की स्थिति| जो बात यशोधर बाबू को अपने विचारों व परम्पराओं के अनुसार ठीक नहीं लगती थी | जैसे – पत्नी व बेटी का आधुनिक कपड़े पहनना, स्कूटर की सवारी, भूषण का टी.वी. फ्रिज खरीदना, भूषण को असाधारण वेतन देना |

समहाठ इम्प्रापर के तकिया कलाम से कहानी में पीढ़ी अंतराल का कथ्य स्पष्ट होता है|

12.किशनदा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाए – यशोधर बाबू अपने परिवार को नाराज़ नहीं करना चाहते थे |

13.बच्चों की बात जो यशोधर बाबू ने नहीं मानी और उन्हें अपनी भयंकर भूल मालूम होती है – डी.डी. ए. फ़्लैट के लिए पैसा न भरना |

14.यशोधर बाबू अपने बीमार जीजाजी जनार्दन को देखने अहमदाबाद जाना चाहते थे परन्तु उनकी पत्नी व बच्चों को लगता था कि यशोधर जी का एक तरफ़ा लगाव आर्थिक दृष्टि से मूर्खतापूर्ण है

15.किशनदा की जो छवि यशोधर बाबू के मन में बसी थी – सुबह सैर के लिए निकलने वाली (कुर्ता-पाजामा, ऊनी गाउन,गोल टोपी, पाँवों में देसी खड़ाऊं, हाथ में कुत्तों को भगाने के लिए छड़ी)

16.यशोधर बाबू के दूर के रिश्ते का भांजा जो सिल्वर वैडिंग में आया – चंद्रदत्त तिवारी

17.यशोधर बाबू की बेटों द्वारा खरीदी गई नई चीज़ों पर टिप्पणी –

- गैस पर बनी रोटी उन्हें रोटी जैसी नहीं लगती, फ्रिज के बासी खाने को खाना उन्हें अच्छा नहीं लगता परन्तु उन्हें संतोष है कि उनके घर आये साधारण हैसियत वाले मेहमान इस फ्रिज का पानी पीकर अपने आप को धन्य महसूस करते हैं |
- सिल्वर वैडिंग पार्टी उन्हें समहाउ इम्प्रापर मालूम होती है परन्तु उन्हें संतोष है कि उनके जन्मदिन पर कभी लड्डू नहीं आए और विवाह उन्होंने दो से चार हज़ार कर्ज़ा लेकर किया लेकिन उनकी सिल्वर वैडिंग पार्टी में केक, मिठाई, फल, कोल्डड्रिंक व चाय सब हैं

18.यशोधर की पत्नी का चचेरा भाई जिसने भूषण को नौकरी दिलवाई – गिरीश

19.पार्टी के अंत में भूषण ने उन्हें ऊनी ड्रेसिंग गाउन और बेटी ने कुर्ता-पाजामा देते हुए कहा कि आप दूध लेने जाते समय यह पहना करें, जो उन्हें बुरा लगा |

20.अंत में गाउन पहनते वक्त उनकी आँखों में आँसू थे क्योंकि –

(i)उनके बेटे ने यह नहीं कहा कि दूध मैं ला दूँगा |

(ii)उन्हें किशनदा की याद आ गई |

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1.'आप लोगों की देखादेखी से सेक्सन की घडी भी सुस्त चलने लगी है' यह किसका कथन है ?

(a) यशोधर पन्त का (b) चड्ढा का

(c) किशन दा (d) भगवान दास का

2.यशोधर दफ्तर में किशन दा को क्या कहकर पुकारते थे ?

(a) मालिक (b) साहब

(c) भाई साहब (d) बाबूजी

3.यशोधर बाबू ने मैट्रिक परीक्षा कहाँ से पास की थी ?

(a) रेम्जे स्कूल दिल्ली (b) रेम्जे स्कूल देहरादून

(c) रेम्जे स्कूल अल्मोड़ा (d)रेम्जे स्कूल जयपुर

4. भगवान दास कौन था ?

(a) यशोधर के ऑफिस का सहकर्मी

(b) यशोधर के ऑफिस का चपरासी

(c) यशोधर का दोस्त

(d) चड्ढा का दोस्त

5. 'हमारे लोगों में <u>कस्टम</u> नहीं है' रेखांकित शब्द का अर्थ है ?

(a) सामान (b) अच्छाई

(c) बोलने का तरीका (d) रीति रिवाज

5. किशन दा का इनमे से कौनसा कथन नहीं था ?

(a) मूर्ख लोग मकान बनाते है और होशियार रहते है

(b) अर्ली टू बेड एंड अर्ली टू राइज मेक्स ए मेन हेल्दी एंड वाइज

(c) जिम्मेदारी सर पर पड़ेगी तो सब अपने आप ही ठीक हो जायेगा

(d) हमारा तो सैप ही ऐसा ठहरा

6. 'जन्यो पूर्णिमा' क्या है ?

(a) जनेऊ पूर्णिमा (होली) (b) बुद्ध पूर्णिमा

(c) गुरु पूणिमा (d) उपरोक्त सभी

7. यशोधर बाबू ने 'सिल्वर वैडिंग' पाठ में किस बस्ती का जिक्र किया है ?

(a) एंड्रूज गंज (b) लक्ष्मी बाई नगर

(c) पंडारा रोड़ (d) उपरोक्त सभी

8. सामाजिक जीवन में जो कार्य सिद्धांत विरुद्ध हो तब यशोधर किस तकिया कलाम का उपयोग करते थे ?

(a) जो हुआ होगा (b) समहाउ इम्प्रापर

(c) आई डू नॉट माइंड (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

9. 'सिल्वर वैडिंग' पाठ की मूल संवेदना क्या है

(a) हाशिये पर धकेले जाते मानवीय मूल्य

(b) पीढीजन्य अंतराल

(c) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(d) आधुनिकता का प्रभाव

10. यशोधर की पत्नी के चरित्र की कौनसी विशेषता थी ?

(a) आधुनिकता की चाह

(b) पुराने संस्कारों को मानना

(c) पति के विचारों से सहमती रखने वाली

(d) रिश्तेदारो से अच्छा व्यवहार करना

11. यशोधर अपने ऑफिस में किस पद पर कार्यरत थे ?

(a) एजुकेशन ऑफिसर (b) रीजनल ऑफिसर

(c) सेक्शन ऑफिसर (d) असिस्टंट ऑफिसर

12. यशोधर बाबू अपनी पत्नी आधुनिकता को देखकर किन-किन नामों से संबोधित करके मजाक उड़ाया करता था ?

(a) शानयल बुढिया (b) चटाई का लहंगा बूढी मुहँ मुहासे

(c) लोग करे तमासे (d) ऊपर दिए हुए सभी

13. यशोधर बाबू के पुत्र को विज्ञापन कम्पनी में कितनी मासिक सेलेरी मिलती थी ?

(a) 1000 रुपये (b) 1200 रुपये

(c) 1500 रुपए (d) 2000 रुपये

14. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में यशोधर बाबू की क्या भूमिका है ?

(a) चरित नायक की

(b) नए परिवेश में मिसफिट होते हुए व्यक्ति की

(c) परंपरावादी की

(d) इनमें से तीनों

15. 'सिल्वर वैडिंग' पाठ में मर्यादा पुरुष किसे कहा गया है ?

(a) यशोधर बाबू को (b) कृष्णानन्द पाण्डेय को

(c) भूषण को (d) गिरीश को

16. निम्न में से कौनसी बात यशोधर बाबू को 'समहाउ इम्प्रापर' लगती है ?

(a) साधारण पुत्र को असाधारण वेतन मिलने पर

(b) खुशहाली में रिश्तेदारों की उपेक्षा करने पर

(c) केक काटने की विदेशी परंपरा पर

(d) उपरोक्त सभी

17. उम्र बढ़ने के साथ-साथ यशोधर बाबू ने किशनदा के कौन से मानक स्थापित किये ?

(a) रोज मंदिर जाना (b)संध्या पूजा करना

(c) गीता प्रेस गोरखपुर की किताबे पढना (d) उपरोक्त सभी

18. यशोधर की पत्नी यशोधर की किस नारे से चिड़ती थी ?

(a) जो हुआ होगा (b) समहाउ इम्प्रापर

(c) आई डू नॉट माइंड (d) 'हमारा तो सैप' ही ऐसा ठहरा

19.यशोधर की पत्नी ने जनम से बूढा किसे कहा है ?

(a) यशोधर को (b) किशनदा को

(c) उपरोक्त दोनों को (d) किसी को नहीं

20. सुमेलित कीजिए -

1 सी जी एच एस से - (A) सब्जी लाना

2 पहाड़गंज से - (B) कोयला लाना

3 डिपो से - (C) दालें लाना

4 सदर बाजार से - (D) दवा लाना

(a) 1 (C), 2 (B), 3 (D), 4 (A)

(b) 1 (B), 2 (C), 3 (A), 4 (D)

(c) 1 (D), 2 (A), 3 (B), 4 (C)

(d) 1 (D), 2 (A), 3 (C), 4 (B)

उत्तर तालिका

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
a	b	c	b	d	d	a	d	b	A
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
c	d	c	d	b	d	d	d	b	c

दक्षता आधारित प्रश्न

1.कथन - समहाउ इम्प्रोपर का संबंध यशोधर के व्यक्तित्व से था |

कारण – यह वाक्यांश उनके पुराने परम्परावादी व्यक्तित्व पर प्रश्न चिह्न लगाता है

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है

b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर- a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है

2. **कथन – भूषण को अपने पिता का साईकिल चलाना नागवार गुजरता है |**

कारण – क्योंकि हैसियत के हिसाब से साईकिल छोटा वाहन है |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है

b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

3. **कथन – यशोधर बाबू को अपने साधारण बेटे को असाधारण वेतन देने वाली नौकरी 'समहाउ' लगती है |**

कारण – वह अपने बेटे की तरक्की से खुश नहीं है |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है

b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर- c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

4. कथन – यशोधर जी का प्रवचनों में खासा ध्यान लगता है |

कारण – क्योंकि वे बचपन से ही धार्मिक और कर्मकांडी थे |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है

b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर-c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

5. निम्न कथनों पर विचार कीजिए –

कथन-A किशन दा की मौत 'जो हुआ होगा' से हुई होगी |

कथन-B यशोधर बचपन से ही परम्परावादी और कर्मकांडी थे |

कथन-C यशोधर मन ही मन अपने बच्चों की तरक्की से खुश थे |

a. कथन A तथा B सत्य है

b. कथन A तथा C सत्य है

c. कथन A,B तथा C तीनों असत्य है

d. कथन A,B तथा C तीनों सत्य है

उत्तर- b. कथन A तथा C सत्य है

अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

1. कहानी 'सिल्वर वैडिंग' में किशनदा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा' से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है ?

I. लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है

II. लेखक को मृत्यु का कारण पता है

III. लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित हैं

IV. लेखक को मृत्यु से कोई अंतर नहीं पड़ता

2. किशनदा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाए थे, क्योंकि-

I. यशोधर बाबू की पत्नी किशनदा से नाराज़ थी |

II. यशोधर बाबू के घर में किशनदा के लिए स्थान का अभाव था |

III. यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज़ नहीं करना चाहते थे |

IV. किशनदा को यशोधर बाबू ने अपने घर में स्थान देना चाहा था जिसे किशनदा ने स्वीकार नहीं किया |

3. यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था ?

I. किशनदा उन्हें भड़काते थे

II. पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी

III. पीढ़ी के अंतराल के कारण

IV. वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे

4. यशोधर बाबू के बारे में आपकी क्या धारणा बनती है ?सही कथन चुनिए |

I. यशोधर बाबू के विचार पूरी तरह से पुराने हैं | वे सहानुभूति के पात्र नहीं हैं |

II. यशोधर बाबू में एक तरह का द्वंद्व है जिसके कारण नया उन्हें कभी-कभी खींचता है पर पुराना उन्हें छोड़ता नहीं | इसलिए उन्हें सहानुभूति से देखने की ज़रूरत है |

III. यशोधर बाबू एक आदर्श व्यक्तित्व है और नयी पीढ़ी द्वारा उनके विचारों को अपनाना ही उचित है |

IV. इनमें से कोई नहीं |

5. सिल्वर वैडिंग पार्टी उन्हें समहाउ इम्प्रापर मालूम होती है परन्तु उन्हें संतोष है कि -

I. विवाह उन्होंने दो से चार हज़ार कर्ज़ा लेकर किया लेकिन उनकी सिल्वर वैडिंग पार्टी में केक, मिठाई, फल, कोल्डड्रिंक व चाय सब हैं

II. उनके बेटों ने पहली बार पार्टी आयोजित की है

III. उनके बच्चों को उनकी परवाह है व खूब तरक्की कर रहे हैं

IV. उनके बच्चे संस्कारी हो गए हैं

6. सिल्वर वेडिंग' का क्या अर्थ है ?

I. शादी की रजत जयंती II. शादी के 25 वर्ष पूरा हो जाने का अवसर

III.उपर्युक्त दोनों IV. इनमें से कोई नहीं

7. पाँच साढ़े पाँच बजे दफ्तर से चलते-चलते यशोधर बाबू की आदत क्या थी-

I. सबको साथ लेकर चलना। II. सहयोगियों के साथ मनोरंजक बात करना।

III. सबसे पहले दफ्तर से जाना। IV. फाइलों को सही जगह रखना।

8. ऑफिस में यशोधर बाबू की शादी की बात कैसे चली ?

I. ऑफिस में लेट आने पर II. ऑफिस से जल्दी जाने पर

III. समय पर काम खत्म करने पर IV. घड़ी के बारे में चर्चा करने पर

9. यशोधर बाबू ने दफ्तर में पार्टी के लिए पैसे दो बार दिए, एक बार दस रुपये और दूसरी बार बीस रुपये, इससे पता चलता है कि–

I. वे मितव्ययी हैं II. वे अपव्ययी हैं

III. कंजूस हैं IV. अनुचित खर्च करने वाले हैं

10. दुनियादारी के हिसाब से अपने बच्चों की कौन सी बात यशोधर बाबू अपनी गलती के तौर पर स्वीकार करते हैं---

I. गोल मार्केट में रहना II. सरकारी क्वार्टर में रहना

III. किशन दा का गांव में रहना IV. डी. डी.ए फ्लैट के लिए पैसा न भरना

11. यशोधर बाबू के जीवन में किशनदा के योगदान से सम्बंधित असत्य कथन है -

I. यशोधर की सोच पर किशनदा का प्रभाव था

II. किशनदा ने यशोधर को अपने घर में आश्रय दिया और उसकी नौकरी लगवाई

III. किशनदा ने उन्हें सामाजिक व दफ्तरी जीवन की व्यावहारिकता सिखाई

IV. किशनदा ने उन्हें पढ़ने के लिए आर्थिक मदद दी

12. यशोधर जी ने सेक्रेट्रिएट साइकिल से जाना क्यों बंद कर दिया ?

I. उन्होंने स्कूटर खरीद लिया था

II. उन्होंने कार खरीद ली थी

III. उनका बेटा साइकिल से कॉलेज जाता था

IV. उनके बेटों का पिता का साइकिल सवार होना सख्त नागवार था-

13. यशोधर बाबू के अनुसार निम्नलिखित में से समहाउ इम्प्रापर नहीं था -

I. भूषण का टी.वी. फ्रिज खरीदना II. साधारण बेटे को असाधारण वेतन

III. स्कूटर की सवारी

IV. घर आए साधारण हैसियत वाले मेहमानों का फ्रिज का पानी पीकर अपने आप को धन्य महसूस करना

14. कहानी के अंत में गाउन पहनते वक्त उनकी आँखों में आँसू थे क्योंकि –

I. उनके बेटे ने यह नहीं कहा कि दूध मैं ला दूँगा II. उन्हें किशनदा की याद आ गई

III. उपर्युक्त दोनों IV. इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला-

1	III	**4**	II	**7**	II	**10**	IV	**13**	IV
2	III	**5**	I	**8**	IV	**11**	IV	**14**	III
3	IV	**6**	III	**9**	III	**12**	IV		

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्रश्न-1 यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है, लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों? (CBSE)

उत्तर- यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है क्योंकि उसमें अपने बच्चों के प्रति प्रेम था जिसके कारण वह उनकी तरफ़दारी करती थी। वह स्वतंत्र होकर जीना चाहती थी। उस पर किसी व्यक्ति विशेष का प्रभाव नहीं था और उसका व्यवहार बहुत लचीला था

यशोधर बाबू समय के साथ ढल सकने में असफल हुए हैं क्योंकि वे एक आदर्शवादी व परम्परावादी व्यक्ति थे । वे पाश्चात्य संस्कृति के घोर विरोधी थे | उन पर किशनदा के आदर्शों का प्रभाव था और उनके व्यवहार में लचीलापन नहीं था|

प्रश्न 2. पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य की आप कितनी अर्थ छवियाँ खोज सकते/सकती हैं? (CBSE)

उत्तर: पाठ में 'जो हुआ होगा' दो बार प्रयुक्त हुआ है | पहली बार जो हुआ होगा तब प्रयुक्त होता है जब यशोधर बाबू किशनदा के गाँव जाकर उनके जाति-भाई उनकी मृत्यु का कारण पूछते हैं तो वह कहता है कि जो हुआ होगा अर्थात् पूता नहीं क्या हुआ होगा ।

दूसरी बार जो हुआ होगा तब प्रयोग हुआ जब संध्या-पूजन के समय यशोधर बाबू के ध्यान में अचानक किशनदा आते हैं और कहते हैं कि गृहस्थ हों, ब्रह्मचारी हों, अमीर हों, गरीब हों। सभी इसी जो हुआ होगा' से मरते हैं अर्थात् मरते समय हर हर आदमी अकेला होता है ।

प्रश्न 3.'समहाठ इंप्रापर' वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू लगभग हर वाक्य के प्रारंभ में तकिया कलाम की तरह करते हैं? इस काव्यांश का उनके व्यक्तित्व और कहानी के कथ्य से क्या संबंध बनता है ? (CBSE)

उत्तर: जो बात यशोधर बाबू को भारतीय संस्कृति के अनुसार ठीक नहीं लगती थी या उचित नहीं लगती थी उसे वह 'समहाऊ इमप्रापर' मानते थे। जैसे उनकी पत्नी का आधुनिक बनना, बड़े बेटे भूषण को असाधारण वेतन मिलना, बेटी द्वारा जीन्स टॉप पहनना आदि । इससे उनके व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे आदर्शवादी सिद्धांतवादी व पुराने रीति-रिवाज को मानने वाले व्यक्ति थे । वे पाश्चात्य संस्कृति के घोर विरोधी थे और उनका व्यवहार लचीला नहीं था |इससे कहानी के कथ्य में 'पीढ़ी अंतराल' का पता चलता है |

प्रश्न 4.यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशनदा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। आपके जीवन को दिशा देने में किसका महत्त्वपूर्ण योगदान है और कैसे? (CBSE)

उत्तर:मेरे जीवन को दिशा देने में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान मेरे गुरुओं का रहा है। उन्होंने हमेशा मुझे यही शिक्षा दी कि सत्य बोलो। सत्य बोलने वाला व्यक्ति हर तरह की परेशानी से मुक्त हो जाता है जबकि झूठ बोलने वाला अपने ही जाल में फँस जाता है। उसे एक झूठ छुपाने के लिए सैकड़ों झूठ बोलने पड़ते हैं। अपने गुरुओं की इस बात को मैंने हमेशा याद रखा। वास्तव में उनकी इसी शिक्षा ने मेरे जीवन की दिशा बदल दी।

प्रश्न 5.वर्तमान समय में परिवार की संरचना, स्वरूप से जुड़े आपके अनुभव इस कहानी से कहाँ तक सामंजस्य बिठा पाते हैं?

उत्तर: यशोधर बाबू और वर्तमान में परिवारों की स्थिति एक समान हैं, जो इस प्रकार हैं –

1. यशोधर बाबू का परिवार के समान वर्तमान में भी लोग एकल परिवार में ही रहते हैं।

2. यशोधर बाबू तथा उनके बच्चों में आपसी तालमेल नहीं था व पीढ़ी अंतराल था और वर्तमान परिवारों में भी ऐसा दिखाई देता है ।

4. यशोधर बाबू का परिवार और वर्तमान परिवार आधुनिक सुख-सुविधाओं का पक्षधर है।

प्रश्न 6. किसे आप सिल्वर वैडिंग कहानी की मूल संवेदना कहेंगे/कहेंगी और क्यों?

उत्तर: मेरी समझ में पीढ़ी अंतराल ही **'सिल्वर वैडिंग'** शीर्षक कहानी की मूल संवेदना है। यशोधर बाबू और उसके पुत्रों में एक पीढ़ी को अंतराल है। इसी कारण यशोधर बाबू अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पाते हैं। यह सिद्धांत और व्यवहार की लड़ाई है। यशोधर बाबू सिद्धांतवादी हैं तो उनके पुत्र व्यवहारवादी। आज सिद्धांत नहीं व्यावहारिकता चलती है। यशोधर बाबू के विचार पूरी तरह से पुराने हैं जो नयी पीढ़ी के साथ कहीं भी तालमेल नहीं रखते।

****

पाठ-2 जूझ - डॉ. आनंद यादव

पाठ का सारांश - "जूझ" कहानी मूलरूप से मराठी उपन्यास "झोबी" से ली गई हैं। जिसके लेखक डॉ आनंद यादव हैं। इस मराठी कहानी का हिंदी अनुवाद केशव प्रथम वीर द्वारा किया हैं। जूझ (अर्थात जूझना या संघर्ष करना) कहानी आनंद यादव की आत्मकथा का एक हिस्सा है । इस कहानी के जरिये आनंद यादव ने यह बताया है कि कैसे उन्होंने अपने बचपन के दिनों में स्कूल जाने व पढ़ने लिखने के लिए भी संघर्ष किया। और फिर अपनी लगन व मेहनत से साहित्य जगत में सर्वोच्च मुकाम हासिल किया।

इस आत्मकथात्मक उपन्यास में जीवन का मर्मस्पर्शी चित्रण तो है ही, अस्त-व्यस्त-अलमस्त निम्नमध्यमवर्गीय ग्रामीण समाज और लड़ते-जूझते किसान-मजदूरों के संघर्ष का भी अनूठी झांकी है | दिए गए अंश में पढने की लालसा लिए धीरे-धीरे साहित्य, संगीत और अन्य विषयों की ओर बढ़ते किशोर के कदमों की आकुल आहत सुनी जा सकती है |

कुछ महत्वपूर्ण स्मरणीय प्रश्न:-

1.जूझ कहानी के लेखक कौन हैं – डॉ. आनंद यादव (आनंद रतन यादव)

2."झोबी" उपन्यास किस भाषा में लिखा गया हैं– मराठी

3.जूझ कहानी के शीर्षक का अर्थ क्या हैं – संघर्ष करना / जूझारुपन

4.जूझ कहानी किस शैली में लिखी गई हैं – आत्मकथात्मक शैली

5.जूझ कहानी का हिंदी अनुवाद किसने किया – केशव प्रथम वीर ने

6.जूझ कहानी के नायक की चरित्र की विशेषताएं क्या हैं – संघर्षशील ,जुझारूपन , परिश्रमी और कविता के प्रति लगाव

7.लेखक ने दुबारा कौनसी कक्षा में दाखिला लिया – पांचवी कक्षा में

8.लेखक के पिता का क्या नाम था – रत्नाप्पा

9. गांव के मुखिया का नाम क्या था – दत्ताजीराव

10.लेखक क्यों पढ़ना चाहते थे – वो पढ़ – लिखकर कोई अच्छी नौकरी पाना चाहते थे।

11.पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले किससे की – अपनी मां से

12.लेखक को सातवीं कक्षा तक कौन पढ़ाना चाहता था – मां

13.लेखक की मां के अनुसार उसके पति ने लेखक को पाठशाला जाने से क्यों रोक दिया – खुद काम से बचने केलिए

14.किसके कहने पर लेखक के पिता ने लेखक को स्कूल भेजना शुरू किया – गांव के मुखिया दत्ताजी राव के कहने पर

15.पाठशाला जाने का समय किस समय से था – सुबह 11:00 बजेसे

16.शर्त के अनुसार पाठशाला जाने से पहले लेखक को सवेरे कितने बजे तक खेत में काम करना होता था – 11 बजे तक

17.लेखक का दादा (पिता) जल्दी कोल्हू क्यों चलवाता था – क्योंकि वह अपने गुड से अच्छी कमाई करना चाहता था या अधिक पैसे कमाने के लिए

18.जूझ पाठ के अनुसार लेखक के घर कोल्हू चलना कब से शुरू होता था – दिवाली के बाद

19.सौंदलगेकर किस विषय के अध्यापक थे – मराठी

20.लेखक की कक्षा के मॉनिटर का क्या नाम था – बसंत पाटिल

21.बसंतपाटिल की नकल करने से लेखक को क्या लाभ पहुंचा – वो गणित विषय में प्रवीण हो गए ,कक्षा में मॉनिटर जैसा सम्मान मिला व अध्यापक की नजरों में एक अच्छे छात्र की जगह बनी।

22.लेखक की मां के अनुसार उसका पति दिनभर बाहर किसके पास रहता था –रखमाबाई

23.लेखक की मां के अनुसार पढ़ाई की बात करने पर लेखक का पिता कैसे गुर्राता है – जंगली सूअर के समान

24.लेखक के कक्षा – अध्यापक व गणित अध्यापक का क्या नाम था – मंत्री

25.जिस शरारती लड़के ने लेखक के सिर से गमछा छीना था ,उसका क्या नाम था – चह्वाण

26.दादा ने अपने बेटे के सामने स्कूल जाने के लिए क्या शर्त रखी –स्कूल जाने से पहले खेतों में पानी भरना , स्कूल से आने के बाद जानवर चराना और घर में काम अधिक होने पर स्कूल नजाना।

27.लेखक को अकेलेपन में आनंद क्यों आने लगा – क्योंकि अकेले में वो अपनी कविताओं को लिख सकते थे ,उनको खुलकर गा सकते थे और उनमें अभिनय भी कर सकतेथे।

28.जूझ कहानी के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेले पन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया – अब उन्हें अकेलापन अच्छा लगने लगाया अकेलेपन से बोरियत खत्म हो गई।

29.लेखक के मराठी शिक्षक की क्या विशेषताएं थी – उनको कविता में छंद ,अलंकार , गति आरोह – अवरोह का अच्छा ज्ञान था

30.मराठी भाषा की कविताओं के अलावा सौंदलगेकर को किस भाषा की कविताएं कंठस्थ याद थी – गुजराती

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. **'जूझ' उपन्यास की मूल विषयवस्तु क्या है ?**

a. गंवई जीवन के यथार्थ का वर्णन
b. गंवई जीवन के रंगारंग परिवेश का वर्णन
c. लड़ते-जूझते किसान-मजदूर के संघर्ष की कहानी
d. उपर्युक्त सभी

2.**लेखक को पाठशाला जाने से किसने रोका है ?**

a. सौंदेलगेकर ने
b. उसकी माँ ने
c. उसके पिता ने
d. दत्ता जी राव देसाई ने

3.**आनंद यादव के पिता सबसे पहले कोल्हू क्यों चलाते है ?**

a. ताकि गुड के अच्छे दाम मिल सके
b. ताकि गुड की अच्छी गुणवत्ता प्राप्त हो सके
c. गुड ज्यादा बिक सके
d. सबसे पहले आराम मिल सके |

4.**लेखक की कक्षा के कक्षाध्यापक का क्या नाम था ?**

a. वसंत पाटिल
b. मंत्री नमक मास्टर
c. रणवरे मास्टर
d. सौन्दलगेकर मास्टर

5.**सौन्देलगेकर मास्टर किस विषय के अध्यापक थे ?**

a. विज्ञान विषय के
b. इतिहास विषय के
c. हिंदी विषय के
d. मराठी विषय के

6.**लेखक की माँ लेखक के पिता को क्या कहकर पुकारती थी ?**

a. बरहेला सूअर
b. पागल व्यक्ति
c. पागल कुत्ता
d. पागल हाथी

7. **लेखक के पिता ने आनंद यादव की कौन-कौन सी गलत आदतों के बारे में दत्ताजी राव को बताया ?**

a. कंडे और चारा बेचना
b. सिनेमा देखना या जुआ खेलना
c. खेती व घर के काम में ध्यान न देना
d. उपर्युक्त सभी |

8. **आनंद की कक्षा का मॉनिटर किसे बनाया गया ?**

a. जकाते को
b. आनंद को
c. वसंत पाटिल को
d. गणप्पा को

9. **'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के कौनसी विशेषता नहीं थी ?**

a. पढने की लालसा
b. पिता का का सम्मान न करना
c. आत्मविश्वासी तथा कर्मठ
d. कविता के प्रति लगाव

10. 'जूझ' उपन्यास का हिंदी अनुवाद किसने किया था **?**

a. आनंद यादव ने
b. केशव प्रथम वीर ने
c. रामविलास शर्मा ने
d. विद्याशंकर ने

11.**अनंत काणेकर की कविता 'चाँद रात पसरीते पांढरी गाया धरनिवरी' किस छंद में लिखा गया हैं** ?

a. केशव करणी जाति छंद
b. मतगयंद सवैया छंद
c. सोरठा छंद
d. मालती छंद

12.**दत्ता जी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा | यदि झूठ का सहारा न लेना पड़ता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता** ?

a. दत्ताजी राव उसके पिता पर दबाव नहीं दे पाते
b. लेखक पिता द्वारा दिए हुए काम ही करता
c. वह सारा जीवन खेती में ही लगा रहता
d. उपरोक्त सभी

उत्तरमाला

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
d	c	a	b	d	a	d	c	b	b	a	d

दक्षता आधारित प्रश्न

1.**निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**

कथन-A जूझ गँवई जीवन के खुरदरे यथार्थ और उसके रंगारंग परिवेश की विश्वसनीय गाथा है

कथन-B यथार्थवाद और अधुनिकताबोध की झलक

कथन-C निम्न मध्यमवर्गीय ग्रामीण समाज और लड़ते – जूझते किसान-मजदूरों के संघर्ष की अनूठी झांकी है|

a. कथन A तथा B सत्य है
b. कथन A तथा C सत्य है
c. कथन A,B तथा C तीनों असत्य है
d. कथन A,B तथा C तीनों सत्य है

उत्तर- b. कथन A तथा C सत्य है

2.सुमेलित कीजिए-

1.आनंदा का कक्षाध्यापक – (A) न.व. सोंदेल्गेकर
2.मराठी के अध्यापक - (B) मंत्री नामक मास्टर
3.कक्षा का मॉनिटर - (C) दत्ताजी राव देसाई
4.आनंद को स्कूल भेजने का श्रेय – (D) वसंत पाटिल

(a) 1 (C), 2 (A), 3 (D), 4 (C)
(b) 1 (B), 2 (C), 3 (A), 4 (D)
(c) 1 (D), 2 (A), 3 (B), 4 (C)
(d) 1 (D), 2 (A), 3 (C), 4 (B)

उत्तर-(a) 1 (C), 2 (A), 3 (D), 4 (C)

3. कथन- दादा ईख पेरने के लिए जल्दी कोल्हू चलाता था |
कारण- क्योंकि ईख के अच्छे दाम मिलते थे |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है
b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है
c. कथन सत्य है और कारण असत्य है
d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर- a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है

अभ्यास के लिए महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. 'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ? सही विकल्प छांटिए -

I. अकेलापन डरावना है
II. अकेलापन उपयोगी है
III. अकेलापन अनावश्यक है
IV. अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है

2. 'जूझ' पाठ के अनुसार - "पढ़ाई-लिखाई के सम्बन्ध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था |" क्योंकि -

I. लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था
II. लेखक व दत्ताजी राव जानते थे कि पढ़ाई- लिखाई से मनुष्य प्रगति करता है |
III. दत्ता जी राव खेती को महत्त्व देते थे
IV. लेखक केवल अपने पिता का विरोध करना चाहता था

3. जूझ पाठ में लेखक पढ़ाई क्यों करना चाहता था ?

I. ताकि वह शहर जा सके
II. ताकि वह पढ़-लिख कर नौकरी कर सके और चार पैसे उसके हाथ में आ जाए
III. ताकि वह कवि बन सके
IV. ताकि वह पाठशाला में मज़े कर सके

4. स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ?

I. मास्टर साहब द्वारा पाठशाला के समारोह में कविता गवाने और मास्टर द्वारा शाबाशी देने से
II. मास्टर साहब के दरवाज़े पर छाई मालती की बेल को देखने व उस पर लिखी मास्टर की कविता को पढ़ने से
III. मास्टर द्वारा कवियों के संस्मरण सुनाने और कविता के शास्त्र की जानकारी देने के कारण
IV. उपर्युक्त सभी

5. श्री सौन्दलगेकर के अध्यापन की विशेषताओं से सम्बंधित असत्य कथन है -

I. उन्हें केवल मराठी की ही कविताएँ याद थीं
II. कविता गाकर सुनाते व अभिनय के साथ भाव-ग्रहण करवाते
III. अन्य कवियों की कविताएँ व उनसे मुलाक़ात के संस्मरण सुनाते
IV. सुरीला गला व रसिकता

6. लेखक के पिता ने उसे पाठशाला भेजने के लिए जो शर्तें रखी, उसमें इनमें से कौनसी शर्त नहीं थी ?

I. प्रतिदिन समय पर पाठशाला जाना
II. छुट्टी के बाद बस्ता घर रखकर खेत में ढोर चराना
III. ग्यारह बजे तक खेत में पानी देना, खेत से पाठशाला जाना
IV. खेत में ज्यादा काम होने पर पाठशाला से छुट्टी लेना

7. 'जूझ' पाठ के अनुसार वसंत पाटिल की विशेषता नहीं है ?

I. वह दुबला-पतला व होशियार था
II. वह घमंडी था
III. वह शांत स्वभाव वाला था
IV. वह घर से तैयारी करके आता था

8. 'जूझ' पाठ में लेखक का पाठशाला में विश्वास कैसे बढ़ने लगा ?

I. मास्टरों के अपनेपन के कारण
II. वसंत की दोस्ती के कारण
III. उपर्युक्त दोनों
IV. इनमें से कोई नहीं

9. 'जूझ' पाठ में लेखक भैंस चराते-चराते किन विषयों पर कविता लिखता था ?

I. पाठशाला पर
II. फसलों, जंगली फूलों और आस पास के वातावरण पर
III. परिवार के सदस्यों पर
IV. बच्चों पर

10. मराठी अध्यापक की किस बात से लेखक को लगा कि वह भी कविता कर सकता है ?

I. जब मास्टर ने काव्य-प्रतियोगिता रखी
II. जब लेखक ने मास्टर की दी हुई पुस्तकें पढ़ी

III. जब मास्टर ने अपने घर के दरवाज़े पर छाई हुई मालती की बेल पर कविता लिखी

IV. उपर्युक्त सभी

11.खेत में काम करते हुए अगर लेखक के पास कागज़ और पैंसिल न होते तो वह क्या करता था ?

I. कागज़ पैंसिल लेने घर जाता

II. अपनी हथेली पर लिखता

III. वह खेत में कुछ नहीं लिखता

IV. वह लकड़ी के छोटे टुकड़े से भैंस की पीठ पर लिखता या पत्थर की शिला पर कंकड़ से लिखता

12.दीवाली बीत जाने पर लेखक के पिता ईख पेरने का कोल्हू चलाते थे | उनका कोल्हू जल्दी चलाने का/के कारण था/थे ?

I. उनके गुड़ का अच्छा न होना

II. बाज़ार में जल्दी गुड लाने पर भाव अधिक मिलेगा

III. उपर्युक्त दोनों

IV. इनमें से कोई नहीं

13.कविता के प्रति लगाव से पहले खेत में काम करते समय अकेलेपन के प्रति लेखक की क्या धारणा थी?

I. ढोर चराते, पानी लगाते व दूसरे काम करते अकेलापन खटकता था

II. उसे लगता था कोई साथ में हो जिससे वह गपशप व हँसी मज़ाक कर सके |

III. उपर्युक्त दोनों

IV. अकेलापन अच्छा लगता था, समय आसानी से निकल जाता है

14.कविता के प्रति लगाव के बाद खेत में काम करते समय अकेलेपन के प्रति लेखक की क्या धारणा थी ?

I. अकेलापन अच्छा लगता था, समय आसानी से निकल जाता है

II. अकेला होने पर वह ऊँची आवाज़ में गा सकता है व थुई-थुई कर नाच सकता है

III. उपर्युक्त दोनों

IV. उसे लगता था कोई साथ में हो जिससे वह गपशप व हँसी मज़ाक कर सके |

उत्तरमाला-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
II	II	II	IV	I	I	II	III	II	III	IV	III	III	III

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है? (CBSE)

उत्तर: 'जूझ' का अर्थ है-संघर्ष। इसमें कथा नायक आनंद के पाठशाला जाने का, भोगे हुए गंवई जीवन के खुरदरे यथार्थ का, पाठशाला में स्थापित होने का, कविता लेखन सीखने का संघर्ष का वर्णन है | इस कहानी के कथानायक में संघर्ष की प्रवृत्ति है। उसका पिता उसको पाठशाला जाने से मना कर देता है। इसके बावजूद, कथा नायक माँ को पक्ष में करके देसाई सरकार की सहायता लेता है। इस प्रकार यह शीर्षक कथा-नायक की संघर्ष करने की केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है।

प्रश्न 2. स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ? (सैंपल पेपर)

उत्तर: लेखक को मराठी का अध्यापक बड़े आनंद के साथ पढ़ाता था। वह भाव छंद और लय के साथ कविताओं का पाठ करता था। बस तभी लेखक के मन में भी यह विचार आया कि क्यों न वह भी कविताएँ लिखना शुरू करें। खेतों में काम करते-करते और भैंसे चराते-चराते उसे बहुत-सा समय मिल जाता था। इस कारण लेखक ने कविताएँ लिखनी आरंभ कर दी और अपनी सारी कविताओं को वह मराठी के अध्यापक को दिखाता था ताकि उसकी कमियों को दूर किया जा सके।

प्रश्न 3. श्री सौंदलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित करें जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक के मन में रुचि जगाई? (CBSE)

उत्तर: मराठी अध्यापक सौंदलगेकर पढ़ाते समय वे स्वयं में रम जाते थे। सुरीला गला, छद की बढ़िया लय-ताल और उसके साथ ही रसिकता थी उनके पास। पुरानी-नयी मराठी कविताओं के साथ-साथ उन्हें अनेक अंग्रेजी कविताएँ भी कंठस्थ थीं। वे अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते। उसी भाव की अन्य कविता भी सुनाते। वे स्वयं भी कविता लिखते थे। उनसे प्रभावित होकर लेखक भी तुकबंदी करने का प्रयास करता था। इन सब कारणों से लेखक के मन में कविताओं के प्रति रुचि जगी।

प्रश्न 4. कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? (CBSE)

उत्तर: **कविता के प्रति लगाव से पहले लेखक को** ढोर चराते, पानी लगाते व दूसरे काम करते अकेलापन खटकता था | उसे लगता था कि खेत में काम करते समय कोई साथ में हो जिससे वह गपशप व हँसी मज़ाक कर सके |

कविता के प्रति लगाव के बाद उसे अकेलापन अच्छा लगता था व खेत में उसका समय आसानी से निकल जाता है | उसे लगता था कि अकेला होने पर वह ऊँची आवाज़ में गा सकता है व थुई-थुई कर नाच सकता है |

प्रश्न 5. आपके खयाल से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ताजी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का? तर्क सहित उत्तर दें।

उत्तर: पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था। लेखक का दृष्टिकोण पढ़ाई के प्रति यथार्थवादी था। उसे पता था कि खेती से गुजारा नहीं होने वाला। पढ़ने से उसे कोई-न-कोई नौकरी अवश्य मिल जाएगी और विठोबा आण्णा की तरह कुछ धंधा-कारोबार किया जा सकेगा। दत्ता जी राव का रवैया भी सही है। उन्होंने लेखक के पिता को धमकाया तथा लेखक को पाठशाला भिजवाया। इसके विपरीत, लेखक के पिता का रवैया एकदम अनुचित था।

प्रश्न 6. दत्ताजी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेना पड़ता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता? अनुमान लगाएँ।

उत्तर: यदि झूठ का सहारा न लेते तो लेखक अनपढ़ रह जाता और वह जीवनभर खेतों में कोल्हू के बैल की तरह जुता रहता। उसे सिवाय भैंसे चराने अथवा खेती करने के और कोई काम न होता। वह दिन-भर खेतों पर काम करता और शाम को घर लौट आता। उसका पिता अय्याशी करता रहता। लेखक के सारे सपने टूट जाते।

पाठ-3 अतीत में दबे पाँव- ओम जोशी

पाठ का सार - मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा दुनिया के दो सबसे पुराने नियोजित शहर माने जाते हैं | मुअनजो-दड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रान्त में स्थित है | मुअनजो-दड़ो का अर्थ- मुर्दों का टीला | यह ताम्र काल का सबसे बड़ा शहर था | यह उस सभ्यता की राजधानी रहा होगा जिसका क्षेत्रफल 200 हैक्टर व आबादी 85000 रही होगी | वर्ष 1922 में पुरातत्त्ववेत्ता राखलदास बनर्जी ने बौद्ध स्तूप के आस-पास की गई खुदाई में ईसा पूर्व के निशान पाए | लेखक ने इस बौद्ध स्तूप को नागर भारत का सबसे पुराना लैंडस्केप कहा है |

नगर-नियोजन की अनूठी मिसाल है - मुअनजो-दड़ो | उनकी बसावट ग्रिड प्लान के अनुसार थी | वर्तमान में ब्रासीलिया, चंडीगढ़ और इस्लामाबाद ग्रिड शैली के शहर हैं | किसी भी घर का प्रवेश द्वार मुख्य सड़क पर नहीं खुलता था |घरों में बड़ा आँगन कुम्हारी या धातु व्यवसाय के लिए रखा जाता

सिन्धु-सभ्यता एक जल-संस्कृति- सिन्धु नदी के किनारे टीलों पर बसावट, पहली ज्ञात संस्कृति जिसमें कुएँ पाए जाते थे, मुअनजो-दड़ो में सात सौ कुएँ, महाकुंड पवित्र जल के लिए, जल-निकासी हेतु प्रत्येक घर में पक्की ईंटों से बनी नालियाँ होती थी जो बाहर एक हौद में खुलती थी |

मुअनजो-दड़ो के **घरों में कमरे छोटे** होने के कारण -आबादी अधिक होना, नौकरों के लिए छोटे कमरे

मुख्य फ़सलें व फल - कपास, गेहूँ, जौ, सरसों, ज्वार, बाजरा, रागी,चना, बेर, खजूर, खरबूजे व अंगूर

मुअनजो-दड़ो की गलियों में घूमते हुए लेखक को पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित **कुलधरा** गाँव की याद आती है |

मुअनजो-दड़ो का अजायबघर में प्रदर्शित चीज़ें - काला पड़ गया गेहूँ, ताँबे और काँसे के बर्तन, मुहरें, वाद्य, ताँबे का आईना | चाक पर बने विशाल मृद-भांड (मिट्टी के बर्तन) व उन पर काले-भूरे चित्र, चौपड़ की गोटियाँ, दीये, मिट्टी के कंगन, मिट्टी की बैलगाड़ी व अन्य खिलौने | माप-तौल पत्थर, दो पाटन वाली चक्की, कंघी, रंग-बिरंगे पत्थरों के मानकों वाला हार और पत्थर के औज़ार | इस अजायबघर में प्रदर्शित चीज़ों में **औज़ार तो हैं, पर हथियार नहीं |**

सिन्धु सभ्यता को लो-प्रोफ़ाइल सभ्यता- छोटी-छोटी चीजों को महत्व , औज़ार, नावें मूर्तियाँ व मूर्तियों पर छोटा मुकुट होता था |

सिन्धु सभ्यता का सौन्दर्य-बोध - वास्तुकला और नगर-नियोजन, धातु व पत्थर की मूर्तियाँ व मुहरें सुंदर होती थी | उनके द्वारा बनाए गए मृद्भांडों (मिट्टी के बर्तनों) पर मनुष्यों, वनस्पतियों व पशु-पक्षियों के सुंदर चित्र थे | उनका केश-विन्यास भी सुंदर था | उनकी लिपि सुघड़ अक्षरों वाली थी और खिलौने व आभूषण भी सुंदर थे | उस समय ताँबे, काँसे, हाथी दाँत व सोने की सुइयों से सुंदर कशीदाकारी (कपड़ों पर चित्र अंकित करने की कला) की जाती थी | उस समय की मूर्तियों पर गुलकारी वाले दुशाले (शाल जिस पर फूल चित्रित हो) भी पर मिलते हैं |

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

प्र.1 'अतीत में दबे पाँव' के लेखक हैं –

(क) मनोहर श्याम जोशी (ख) ओम थानवी

(ग) आनंद यादव (घ) ऐन फ्रैंक

प्र.2 'अतीत में दबे पाँव' के लेखक का सम्बन्ध किस समाचार-पत्र से नहीं रहा है ?

(क) राजस्थान पत्रिका (ख) जनसत्ता (दिल्ली)

(ग) जनसत्ता (कलकत्ता) (घ) पंजाब केसरी

प्र.3 मुअनजो-दड़ो स्थित है -

(क) सिंध (पाकिस्तान) (ख) पंजाब (पाकिस्तान)

(ग) गुजरात (भारत) (घ) राजस्थान (भारत)

प्र.4 मुअनजो-दड़ो की आबादी थी –

(क) लगभग 25000 (ख) लगभग 50000

(ग) लगभग 85000 (घ) लगभग 70000

प्र.5 मुअनजो-दड़ो का अर्थ है –

(क) हमारा टीला (ख) रेत का टीला

(ग) मुर्दों का टीला (घ) पत्थर का टीला

प्र.6 यह पहली ज्ञात संस्कृति है जिसमें ___ पाए जाते थे |

(क) तालाब (ख) कुएँ

(ग) नदी (घ) जीव-जंतु

प्र.7 पुरातत्त्ववेत्ता राखलदास बनर्जी ने बौद्ध स्तूप के आस-पास की गई खुदाई में __के निशान पाए –

(क) ईसा पूर्व (ख) ईसा पश्चात्

(ग) ईसा समकालीन समय (घ) बुद्ध के समकालीन समय

प्र.8 मुअनजो-दड़ो का क्षेत्रफल लगभग था -

(क) 20 हैक्टर (ख) 50 हैक्टर

(ग) 100 हैक्टर (घ) 200 हैक्टर

प्र.9 मुअनजो-दड़ो में अनुष्ठान के समय सामूहिक स्नान किसमें किया जाता था ?

(क) कुएँ में (ख) महाकुंड में

(ग) नदी में (घ) तालाब में

प्र.10 मुअनजो-दड़ो में लगभग ___ कुएँ थे –

(क) 300 (ख) 500

(ग) 700 (घ) 900

प्र.11 'सिन्धु सभ्यता- एक जल संस्कृति थी' इस सम्बन्ध में कौनसा कथन असत्य है ?

(क) कुएँ आयताकार या चौकोर थे |

(ख) महाकुंड की पार्श्व दीवारों में सफ़ेद डामर का प्रयोग था |

(ग) जल-निकासी व्यवस्था बेजोड़ थी | (घ) महाकुंड में पवित्र जल होता था |

प्र.12 निम्नलिखित में से कौनसी फ़सल सिन्धु सभ्यता के निवासी नहीं उगाते थे ?

(क) अरहर (ख) कपास

(ग) गेहूँ (घ) जौ

प्र.13 निम्नलिखित में से कौनसा फल सिन्धु सभ्यता के निवासी नहीं उगाते थे ?

(क) खजूर (ख) खरबूजा

(ग) पपीता (घ) अंगूर

प्र.14 मुअनजो-दड़ो से सम्बंधित कौनसा कथन असत्य है ?

(क) बसावट ग्रिड प्लान के अनुसार थी

(ख) सड़कें आड़ी व सीधी थी

(ग) घरों के प्रवेश द्वार मुख्य सड़क पर खुलते थे

(घ) घरों में बड़ा आँगन था

प्र.15 सिन्धु घाटी सभ्यता की राजधानी कौनसा शहर रहा होगा ?

(क) हड़प्पा (ख) मुअनजो-दड़ो

(ग) सिंध (घ) गुजरात

प्र.16 'अतीत में दबे पाँव' में लेखक की किस स्थान की यात्रा के अनुभवों का वर्णन है ?

(क) हड़प्पा (ख) इस्लामाबाद

(ग) चंडीगढ़ (घ) मुअनजो-दड़ो

प्र.17 सिंधु सभ्यता के लोग यातायात के साधन के रूप में प्रयोग में लाते थे –

(क) ऊँटगाड़ी (ख) बैलगाड़ी

(ग) घोड़ागाड़ी (घ) मोटरकार

प्र.18 लेखक व उनके साथियों को अपराध बोध है -

(क) मुअनजो-दड़ो के घरों में दबे पाँव घुसने का

(ख) मुअनजो-दड़ो के अजायबघर छोटा होने का

(ग) मुअनजो-दड़ो पूरा न देख पाने का

(घ) मुअनजो-दड़ो की खुदाई करने का

प्र.19 लेखक ने सिन्धु सभ्यता को लो-प्रोफ़ाइल सभ्यता कहा है–

(क) बड़ी चीज़ों को महत्त्व देने के कारण (ख) अधिक खेती करने के कारण

(ग) लघुता को महत्त्व देने के कारण (घ) धर्म को महत्त्व देने के कारण

प्र.20 सिंधु सभ्यता का सौन्दर्य-बोध था-

(क) धर्म-पोषित (ख) समाज-पोषित

(ग) राज-पोषित (घ) व्यक्ति-पोषित

प्र.21 मुअनजो-दड़ो की गलियों में घूमते हुए लेखक को किस स्थान की याद आती है ?

(क) हड़प्पा (ख) चंडीगढ़

(ग) कुलधरा (घ) दिल्ली

प्र.22 मुअनजो-दड़ो की खुदाई में निकली चीज़ों की संख्या लगभग है –

(क) दस हज़ार से कुछ अधिक (ख) बीस हज़ार

(ग) तीस हज़ार (घ) पचास हज़ार से अधिक

प्र.23 मुअनजो-दड़ो के अजायबघर में प्रदर्शित चीज़ों में नहीं है -

(क) लोहे के हथियार (ख) ताँबे के बर्तन

(ग) मृद्भांड (घ) चौपड़ की गोटियाँ

प्र.24 सिन्धु सभ्यता- एक स्व-अनुशासित सभ्यता थी- इस कथन को पुष्ट करने वाला कथन नहीं है –

(क) उस समय साफ़-सफ़ाई अच्छी थी

(ख) उस समय राजतंत्र था

(ग) उस समय औज़ारों के अवशेष मिले हैं

(घ) उस समय सामाजिक व्यवस्थाएँ उत्तम थी

प्र.25 सिंधु सभ्यता- लो-प्रोफ़ाइल सभ्यता थी- इस कथन को पुष्ट करने वाला कथन नहीं है–

(क) मूर्तियाँ छोटी होती थी (ख) औज़ार छोटे होते थे

(ग) नावों का आकार छोटा होता था (घ) महल बड़े व हथियार छोटे होते थे

प्र.26 सिंधु सभ्यता की कौनसी विशेषता नहीं थी ?

(क) इस सभ्यता का जल-प्रबंध उत्तम था, इसलिए इसे जल-संस्कृति कहा गया है

(ख) यह सभ्यता सुनियोजित और सौन्दर्य-बोध से परिपूर्ण थी

(ग) इनकी लिपि अक्षरात्मक थी जिसे पढ़ा नहीं जा सका

(घ) इसके तांबे और कांसे के बर्तन, मुहरें, मृद्भांड व पत्थर के औजार भी मिले हैं

प्र.27 मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा सिन्धु सभ्यता के ----------दौर के शहर हैं –

(क) आरंभिक (ख) मध्य

(ग) परवर्ती या परिपक्व (घ) आरम्भ-मध्य

प्र.28"सिंधु सभ्यता साधन- संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था |" पंक्ति का तात्पर्य है –

(क) इस सभ्यता में साधन बहुत थे जो देखने में आकर्षक थे |

(ख) इस सभ्यता में राजा प्रजा की तरह सादगी से रहता था |

(ग) इस सभ्यता में सभी लोग संपन्न थे और वे दिखावा नहीं करते थे |

(घ) इस सभ्यता में सभी प्रकार के साधन थे किन्तु दिखावा नहीं था |

प्र.29 " सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था |" ऐसा इसलिए कहा गया है, क्योंकि-

(क) सिन्धु घाटी सभ्यता में अमीर-गरीब न थे, अतः समाज में समानता थी |

(ख) सिन्धु घाटी सभ्यता में धर्म का महत्त्व न था, अतः समाज सर्वोपरि था |

(ग) सिन्धु घाटी सभ्यता में लोगों के सुंदर कार्यों को समाज महत्त्व दिया जाता था और वे सुंदर वस्तुएँ बनाते थे |

(घ) सिंधु घाटी सभ्यता के सभी लोगों में सौन्दर्य के प्रति चेतना अधिक थी |

प्र.30 " टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज हैं|" इस कथन का भाव हो सकता है -

(क) पुरातन इमारतों के अध्ययन मात्र से इतिहास की व्याख्या संभव हो पाती है |

(ख) इतिहास की समझ हेतु केवल सभ्यता और संस्कृति को जानना आवश्यक होता है |

(ग) ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिह्न महसूस होते हैं |

(घ) ऐतिहासिक इमारतों, कला, खान-पान इत्यादि में सदा जीवन्तता होती है |

प्र.31 मुअनजो-दड़ो की बसावट के संबंध में कौनसा कथन सही है ?

(क) पूरा मुअनजो-दड़ो छोटे-मोटे टीलों पर आबाद था

(ख) ये टीले प्राकृतिक नहीं थे

(ग) कच्ची व पक्की ईंटों से सतह को ऊपर उठाया गया ताकि सिन्धु के पानी से बचाव हो सके

(घ) सभी कथन सही हैं

प्र.32 सन 1922 में कौन बौद्ध स्तूप की खोजबीन करना चाहते थे ?

(क) राखलदास बनर्जी

(ख) दीक्षित काशीनाथ

(ग) माधोस्वरूप वत्स

(घ) जॉन मार्शल

प्र.33 भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के महानिदेशक जिनके निर्देश पर खुदाई का व्यापक अभियान शुरू हुआ –

(क) राखलदास बनर्जी (ख) दीक्षित काशीनाथ

(ग) माधोस्वरूप वत्स (घ) जॉन मार्शल

प्र.34 नागर भारत का सबसे पुराना लैंडस्केप किसे कहा गया है ?

(क) बौद्ध स्तूप

(ख) हड़प्पा के घर

(ग) मुअनजो-दड़ो की गलियाँ

(घ) उपर्युक्त सभी

प्र.35 सिन्धु घाटी सभ्यता के अद्वितीय वास्तुकौशल को प्रदर्शित करने वाला निर्माण जो अपने मूलस्वरूप के नज़दीक बचा रह सका है –

(क) ज्ञानशाला

(ख) कोठार

(ग) सभा भवन

(घ) आनुष्ठानिक महाकुंड

प्र.36 निम्नलिखित में से ग्रिड शैली का शहर नहीं है –

(क) ब्रासीलिया (ख) चंडीगढ़

(ग) इस्लामाबाद (घ) जम्मू

प्र.37 मुअनजो-दड़ो की नगर-योजना आज की सेक्टर-मार्का कॉलोनियों के नीरस नियोजन की अपेक्षा ज्यादा रचनात्मक थीं क्योंकि-

(क) उसकी बसावट शहर के खुद विकसने का अवकाश छोड़ कर चलती थीं

(ख) उनका आड़ा-तिरछा नियोजन था

(ग) आधुनिक साधन सुविधाओं के कारण

(घ) उपर्युक्त सभी

प्र.38 महाकुंड के संबंध में कौनसा कथन ग़लत है ?

(क) कुंड 40 फुट लम्बे, 25 फुट चौड़े, 7 फुट गहरे होते थे

(ख)इनके तीन तरफ साधुओं के कमरे होते थे

(ग) महाकुंड की पार्श्व दीवारों में सफ़ेद डामर का प्रयोग किया जाता था

(घ) कुंड में चारों दिशाओं से सीढ़ियाँ उतरती थीं

प्र.39 'मेलुहा' शब्द का प्रयोग किया जाता था –

(क) हड़प्पा के लिए (ख) मुअनजो-दड़ो के लिए

(ग) मेसोपोटामिया के लिए (घ) मिस्र के लिए

प्र.40 सिंधु घाटी सभ्यता की खेती और व्यापार के सम्बन्ध में कौनसा कथन गलत है ?

(क) सिंधु सभ्यता के लोग रबी की फ़सल लेते थे

(ख) यहाँ कपास की खेती होती थी

(ग) सिंधु घाटी के लोग अन्न उपजाते नहीं थे बल्कि आयात करते थे

(घ) मुअनजो-दड़ो में सूत की कताई-बुनाई के साथ रंगाई भी होती थी

प्र.41 कुलधरा कहाँ है ?

(क) जयपुर में (ख) जैसलमेर में

(ग) जम्मू में (घ) जालंधर में

प्र.42 चंडीगढ़ के वास्तुकार थे –

(क) जॉन मार्शल (ख) माधोस्वरूप वत्स

(ग) कार्बूजिए (घ) उपर्युक्त सभी

प्र.43 मुअनजो-दड़ो में बड़े घरों में कमरे छोटे का / के कारण हैं –

(क) शहर की आबादी अधिक होना (ख) छोटे कमरे नौकरों के लिए

(ग) उपर्युक्त दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.44 मुअनजो-दड़ो के किसी भी घर में खिड़कियों या दरवाज़ों पर छज्जों के चिह्न नहीं होने से लेखक ने क्या अनुमान लगाया ?

(क) मुअनजो-दड़ो में उस वक्त मरुभूमि नहीं थी

(ख) वहाँ रेगिस्तान ही रहा होगा

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.45 जॉन मार्शल ने मुअनजो-दड़ो पर ---------- खण्डों का विशद प्रबंध छपवाया |

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) सात

प्र.46 सिन्धु सभ्यता के सौन्दर्य बोध से सम्बंधित कौनसा कथन असत्य है ?

(क) उनके द्वारा बनाए गए मृद्भांडों पर मनुष्यों, वनस्पतियों व पशु-पक्षियों के सुंदर चित्र थे |

(ख) उनकी मुहरें सुंदर होती थी जिन पर बारीक आकृतियाँ उत्कीर्ण होती थी |

(ग) उनकी लिपि सुघड़ अक्षरों वाली थी और खिलौने व आभूषण भी सुंदर थे |

(घ) उस समय बड़ी समाधियाँ व महल होते थे |

प्र.47 मुअनजो-दड़ो में खुदाई बंद करने का कारण है -

(क) सिन्धु के पानी के रिसाव से क्षार और दलदल की समस्या के कारण

(ख) रेललाइन बिछाने के कारण

(ग) अजायबघरों में स्थान की कमी के कारण

(घ) चीज़ें अन्य स्थानों पर ले जाने के कारण

प्र.48. मुअनजो-दड़ो किस युग के शहरों में सबसे बड़ा शहर है ?

(क) लौह युग (ख) ताम्र युग

(ग) कांस्य युग (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.49 अतीत में दबे पाँव शीर्षक की सार्थकता को प्रकट करने वाला / वाले कथन हैं –

(क) इस पाठ से हमें अतीत (भूतकाल) में बसे सुनियोजित नगरों,सड़कों,अनाज भंडारों, यातायात के साधन के रूप में बैलगाड़ी, उनकी जीवन-शैली आदि की जानकारी मिलती है |

(ख) लेखक और उनके साथी मकान मालिकों की इजाज़त के बिना उनके घरों में धीरे से व दबे पाँव प्रवेश कर गए |

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.50. मुअनजो-दड़ो के कोठार में क्या संग्रह किया जाता रहा होगा ?

(क) खुदाई में निकली चीज़ें

(ख) कर के रूप में हासिल अनाज

(ग) यातायात के साधन

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला –

1	ख	11	क	21	ग	31	घ	41	ख
2	घ	12	क	22	घ	32	क	42	ग
3	क	13	ग	23	क	33	घ	43	ग
4	ग	14	ग	24	ख	34	क	44	क
5	ग	15	ख	25	घ	35	घ	45	क
6	ख	16	घ	26	ग	36	घ	46	घ
7	क	17	ख	27	ग	37	क	47	क
8	घ	18	क	28	घ	38	घ	48	ख
9	ख	19	ग	29	ग	39	ख	49	ग
10	ग	20	ख	30	ग	40	ग	50	ख

दक्षता आधारित प्रश्न -

1.कथन- सिन्धु घाटी सभ्यता एक महान जल संस्कृति थी |
कारण- यहाँ जल निकासी उत्तम प्रबंध था |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है
b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है
c. कथन सत्य है और कारण असत्य है
d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर- b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

2.कथन- सिन्धु घाटी सभ्यता राजपोषित/धर्मपोषित न होकर समाजपोषित थी |
कारण- वहाँ की शासन व्यवस्था में सहकारिता की भावना थी |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है
b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है
c. कथन सत्य है और कारण असत्य है
d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर- b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

3.कथन- सिन्धु घाटी सभ्यता स्वास्थ्य के प्रति बेहद जागरूक थे |
कारण- ढकी हुई नालियाँ मुख्य सड़क के दोनों तरफ समान्तर दिखाई देती है |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है
b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है
c. कथन सत्य है और कारण असत्य है
d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर- b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

4.कथन- सिन्धु घाटी सभ्यता के छोटे घरों को देखकर अचरज होता है |
कारण– वहाँ के लोग गरीब थे |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है
b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है
c. कथन सत्य है और कारण असत्य है
d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर- c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

5.कथन- सिन्धु घाटी सभ्यता में राजतंत्र नहीं था |

कारण– वहाँ से मिली चीजों में औजार तो मिले है परन्तु हथियार नहीं|

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है

b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

c. कथन सत्य है और कारण असत्य है

d. कथन और कारण दोनों असत्य है

उत्तर-b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है

वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. सिंधु सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था, कैसे? (CBSE)

उत्तर: **सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी** क्योंकि उनके दोमंज़िला घरों में बड़ा आँगन होता था | उनकी खेती उन्नत थी व अनाज भण्डार भरे होते थे | वे यातायात के लिए बैलगाड़ियों का इस्तेमाल करते थे | कशीदेकारी के लिए सोने की सुईयों का इस्तेमाल करते थे |

उनमें भव्यता का आडम्बर नहीं था क्योंकि वे छोटी-छोटी चीजों को महत्व देते थे | उनकी मूर्तियाँ,औज़ार व नावों का आकार भी छोटा होता था | किसी भी बड़े महल व समाधियों के अवशेष भी नहीं हैं |

प्रश्न 2. 'सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था।' ऐसा क्यों कहा गया? (CBSE-2012, 2013)

उत्तर: सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था क्योंकि उनकी वास्तुकला और नगर-नियोजन उत्तम व सुंदर था | उनके द्वारा बनाई गई धातु व पत्थर की मूर्तियाँ, खिलौने, मुहरें, लिपि व आभूषण सुंदर थे | उनके द्वारा बनाए गए मृद्भांड सुंदर थे | उस समय सुंदर कशीदाकारी व गुलकारी की जाती थी | उस समय किसी राजतंत्र या धर्मतंत्र का अभाव था| कोई महल व समाधि नहीं थी |

प्रश्न 3. पुरातत्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि-"सिंधु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।" (CBSE)

उत्तर: सिंधु-सभ्यता से जो अवशेष प्राप्त हुए हैं उनमें औजार तो हैं, पर हथियार नहीं हैं। सिन्धु सभ्यता में न भव्य राजप्रासाद मिले हैं, न मंदिर, न राजाओं व महतों की समाधियाँ। इन सबके बावजूद यहाँ ऐसा अनुशासन जरूर था जो नगर-योजना, वास्तु-शिल्प, मुहर-ठप्पों, पानी या साफ़-सफ़ाई जैसी सामाजिक व्यवस्थाओं में एकरूपता रखे हुए था। इन आधारों पर विद्वान यह मानते हैं कि यह सभ्यता समझ से अनुशासित सभ्यता थी, न कि ताकत से।

प्रश्न 4. 'यह सच है कि यहाँ किसी आँगन की टूटी-फूटी सीढ़ियाँ अब आप को कहीं नहीं ले जातीं; वे आकाश की तरफ़ अधूरी रह जाती हैं, लेकिन उन अधूरे पायदानों पर खड़े होकर अनुभव किया जा सकता है कि आप दुनिया की छत पर हैं, वहाँ से आप इतिहास को नहीं उस के पार झाँक रहे हैं।' इस कथन के पीछे लेखक का क्या आशय है? (CBSE)

उत्तर: इस कथन के पीछे लेखक का आशय है कि लेखक ने अपनी मुअनजो-दड़ो की यात्रा के दौरान खंडहर घरों के आँगन की टूटी-फूटी सीढ़ियों पर खड़े होकर देखा तो उन्हें महसूस हुआ कि यह सभ्यता तो विश्व की सर्वश्रेष्ठ व जीवंत सभ्यता थी | उन अवशेषों से उन्हें महसूस हुआ कि उनका नगर-नियोजन, वास्तुशिल्प, जल-नियोजन,कृषि, यातायात आदि उन्नत थे | इनसे इतिहास की जानकारी के साथ खंडहर मकानों में रहने वाले लोगों के जीवन को लेखक अपनी आँखों से देखने व अनुभव करने की कोशिश करता है |

प्रश्न 5.टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों को भी दस्तावेज़ होते हैं-इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए। (CBSE)

उत्तर: मुअनजो-दड़ो में प्राप्त खंडहर यह अहसास कराते हैं कि आज से पाँच हजार साल पहले कभी यहाँ बस्ती थी। ये खंडहर उस समय की संस्कृति का परिचय कराते हैं। लेखक कहता है

कि इस आदिम शहर के किसी भी मकान की दीवार पर पीठ टिकाकर सुस्ता सकते हैं चाहे वह एक खंडहर ही क्यों न हो, रसोई की खिड़की पर खड़े होकर उसकी गंध महसूस कर सकते हैं या शहर के किसी सुनसान मार्ग पर कान देकर बैलगाड़ी की रुन-झुन सुन सकते हैं। ये एक प्रकार के दस्तावेज होते हैं जो इतिहास के साथ-साथ उस अनछुए समय को भी हमारे सामने उपस्थित कर देते हैं।

प्रश्न 7. नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को जल-संस्कृति कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क दें। (CBSE-2009)

उत्तर: सिन्धु-सभ्यता को जल-संस्कृति निम्नलिखित कारणों से कह सकते हैं -

1. नदी- सिन्धु नदी के किनारे टीलों पर बसी सभ्यता थी |

2.कुएँ - यह पहली ज्ञात संस्कृति है जिसमें कुएँ थे | मुअनजो-दड़ो में पक्की ईंटों से बने लगभग सात सौ गोलाकार कुएँ थे |

3.महाकुंड व स्नानघर - पवित्र जल के लिए अनुष्ठान के समय सामूहिक स्नान के लिए पक्की ईंटों से बने महाकुंड थे तथा प्रत्येक घर में एक स्नानघर होता था |

4.जल-निकासी - उस समय की जल-निकासी हेतु पक्की ईंटों से बंद बनी नालियों से होती थी जो बाहर एक हौद में खुलती थी |

****

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24

SET- 1

विषय- हिंदीआधार (विषय कोड-302)

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक :80**

सामान्यनिर्देश-

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' तथा खंड- 'ब' | कुल प्रश्न 14 हैं|
- खंड 'अ' में कुल 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं |
- खंड'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए |
- दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

	खंड-'अ'(वस्तुपरकप्रश्न)	
प्रश्न संख्या	**अपठित बोध**	**अंक (15)**
प्रश्न 1	राष्ट्रीय भावना के अभ्युदय एवं विकास के लिए भाषा भी एक प्रमुख तत्व है। मानव समुदाय अपनी संवेदनाओं, भावनाओं बाधित नहीं करतीं। इसी प्रकार यदि राष्ट्र की एक सम्पर्क भाषा का विकास हो जाए तो पारस्परिक संबंधों के गतिरोध बहुत सीमा तक समाप्त हो सकते हैं। मानव-समुदाय को एक जीवित-जाग्रत एवं जीवंत शरीर की संज्ञा दी जा सकती है और उसका अपना एक निश्चित व्यकि तत्व होता है। भाषा अभिव्यक्ति के माध्यम से इस व्यक्तित्व को साकार करती है, उसके अमूर्त मानसिक वैचारिक स्वरूप को मूर्त एवं बिंबात्मक रूप प्रदान करती है। मनुष्यों के विविध समुदाय हैं, उनकी विविध भावनाएँ हैं, विचारधाराएँ हैं, संकल्प एवं आदर्श हैं, उन्हें भाषा ही अभिव्यक्त करने में सक्षम होती है। साहित्य, शास्त्र, गीत-संगीत आदि में मानव-समुदाय अपने आदर्शों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं एवं विशिष्टताओं को वाणी देता है, पर क्या भाषा के अभाव में काव्य, साहित्य, संगीत आदि का अस्तित्व संभव है? वस्तुतः ज्ञानराशि एवं भावराशि का अपार संचित कोश जिसे साहित्य का अभिधान दिया जाता है, शब्द-रूप ही तो है। अतः इस संबंध में वैमत्य की किंचित् गुंजाइश नहीं है कि भाषा ही एक ऐसा साधन है जिससे मनुष्य एक-दूसरे के निकट आ सकते हैं, उनमें परस्पर घनिष्ठता स्थापित हो सकती है। यही कारण है कि एक भाषा बोलने एवं समझने वाले लोग परस्पर एकानुभूति रखते हैं, उनके विचारों में ऐक्य रहता है। अतः राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा तत्व परम आवश्यक है। **1.राष्ट्रीय भावना के अभ्युदय एवं विकास के लिए कौनसा तत्व प्रमुख है?** a.समाज एक प्रमुख तत्त्व है b.भाषा एक प्रमुख तत्त्व है c.संस्कृति एक प्रमुख तत्त्व है d.इतिहास एक प्रमुख तत्त्व है **2.भाषा के बारे में मानव समुदाय क्या सोचता है?** a.भाषा संवेदनाओं, भावनाओं व विचारों की अभिव्यक्ति b.भाषा केवल सम्प्रेषण का माध्यम है c.भाषा का महत्त्व समुदाय से कम है d.उपरोक्त में से कोई नहीं	1×10=10

	3. पारस्परिक संबंधों का गतिरोध किससे समाप्त हो सकता है ? a.राष्ट्र भाषा से b.राजभाषा से c.संपर्क भाषा से d.देशज भाषा से **4. मानव समुदाय को किसकी संज्ञा दी गयी है ?** a.जीवित b.जाग्रत c.जीवंत d.उपरोक्त सभी **5. भाषा अभिव्यक्ति से व्यक्तित्व के कौन-कौन से रूप साकार होते है ?** a.मूर्त b.अमूर्त c.बिंबात्मक d.उपरोक्त सभी **6.गद्यांश में 'मूर्त' शब्द का विलोम शब्द ढूंढकर लिखिए |** a.अमूर्त b.अज्ञात c.विख्यात d.अन्मूर्त **7. राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा-तत्व क्यों आवश्यक है?** a.क्योंकि भाषा से विकास संभव है b.क्योंकि वह मानव समुदाय में एकानुभूति और विचार ऐक्य का साधन है। c.क्योंकि वह मानव समुदाय में घृणा की भावना जाग्रत करता है | d.क्योंकि वह मानव समुदाय में संकीर्णता की भावना जाग्रत करता है **8. 'भाषा बहता नीर' से क्या आशय है ?** a.भाषा बहता पानी है b.भाषा सरल और प्रवाहमयी होती है c.भाषा कुछ समय में समाप्त हो जाती है d.भाषा जटिल हो जाती है **9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए |** i. भाषा बहते हुए पानी के समान होती है | ii. भाषा राष्ट्रीय एकता स्थापित करती है | iii. भाषा से संकीर्णता आती है | iv. भाषा से एकानुभूति और विचारों की एकता आती है | a. कथन i, iv सही है b. कथन i, iii, iv सही है c. कथन i, ii, iv सही है d. कथन iii, iv सही है **10. साहित्य की परिभाषा के लिए उपयुक्त पदबंध बताइए।** a. ज्ञानराशि एवं भावराशि का संचित कोश। b. ह्रदय की भावना ही साहित्य है c. संवेदनाओं की अनुभूति ही साहित्य है d. चित्रात्मक भाषा ही साहित्य है	
प्रश्न 2	**दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** फूलों को पाने के पहले, शूलों को अपनाना है सहज नहीं फूलों को पाना, पहले काँटे चुभते हैं| कठिन राह में चलने से ही, पग में छाले, दुखते है || मोती के लिए समुन्दर में,तुमको गोता खाना है | फूलों को पाने के पहले, शूलों को अपनाना है|| मंजिल तक जाने से पहले, पग-पग पर बाधाएँ हैं | एक नहीं जाने कितनी ही,	**1×5 = 5**

	कड़ी हुई विपदाएँ हैं || उन्हें रौंदकर आगे बढ़कर, भय को दूर भगाना है | फूलों को पाने के पहले, शूलों को अपनाना है|| गिरना और संभलकर बढ़ना, साहस का साथ निभाना | विजय चाहते हो जीवन में, दृढ़ता से बढ़ते जाना || हार नहीं सकता वह जिसने सीखा मुसकाना है | फूलों को पाने के पहले, शूलों को अपनाना है || **1. मनुष्य को लक्ष्य प्राप्ति से पहले गुजरना पड़ता है -** a. बाधाओं से b. विपदाओं से c. कठिनाइयों से d. उपरोक्त सभी **2. फूलों की प्राप्ति में कौन बाधक है ?** a. काँटे b. स्वयं फूल c. आदमी d. माली **3. पग में छाले कब दुखते है ?** a. कठिन राह पर चलने से b. कंटीली डगर पर चलने से c. ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने से d. पत्थरों की रह पर चलने से **4. कवि किनको रौंदने की बात कर रहा है ?** a. फूलों को b. मंजिल को c. काँटों को d. बाधाओं और विपदाओं को **5. कवि के किन व्यक्तियों के जीवन में हार नहीं होती ?** a. दृढ़ता से आगे बढ़ने वालों की b. साहस से जीने वालों की c. नित्य प्रसन्न रहने वालों की d.कठिन राह पर चलने वालों की	
प्रश्न संख्या	**अभिव्यक्ति और माध्यम**	**अंक (5)**
प्रश्न 3	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढकर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** **1. निम्न में से कौनसा जनसंचार का कार्य है ?** a. सूचना देना b. मनोरंजन करना c. एजेंडा तय करना d. उपरोक्त सभी **2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -** **कथन-(A)** छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होता है **कारण-(R)** क्योकि इन्हें सुविधानुसार पढ़ा जा सकता है a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है c. कथन सत्य है और कारण असत्य है d. कथन और कारण दोनों असत्य है **3. निम्न में से कौनसा टीवी खबरों के चरण में शामिल नहीं है** a. फोन इन b. ट्रिपल स्पेस	**1×5 = 5**

	c. एंकर पैकेज d. ड्राई एंकर **4. हिंदी का पहला समाचार-पत्र कौनसा और किसके द्वारा प्रकाशित किया गया?** a. उद्दंड मार्तंड – जुगलकिशोर शुक्ल द्वारा b. सरस्वती - आचार्य रामचंद्र शुक्ल c. बंगाल गज़ट – आगस्ट हिक्की d. केशरी – बाल गंगाधर तिलक **5. किस पत्रकारिता का उत्तरदायित्व सरकार के कामकाज पर निगाह रखना होता है ?** a. खोजपरक पत्रकारिता b. वॉचडॉग पत्रकारिता c. एडवोकेसी पत्रकारिता d. विशेषीकृत पत्रकारिता	
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 4	**निम्नलिखित काव्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** **1. दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कवि ने मुख्य रूप से क्या व्यक्त किया है** a.जीवन की क्षणभंगुरता b.प्रेम की व्यग्रता c.प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता d.उपरोक्त सभी **2. 'जल्दी-जल्दी' में कौनसा अलंकार है ?** a.यमक अलंकार b.पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार c.अनुप्रास अलंकार d.मानवीकरण अलंकार **3. सुमेलित कीजिए |** 1. पंथी --- A. आशा 2. मंजिल --- B. तीव्रता 3. प्रत्याशा --- C राहगीर 4. चंचलता --- D लक्ष्य a. 1-D, 2-B, 3-C, 4-A b. 1-A, 2-B, 3-C, 4-D c. 1-C, 2-D, 3-C, 4-A d. 1-C, 2-D, 3-A, 4-B **4. निम्न कथनों पर विचार कीजिए** **कथन-A** वात्सल्य भाव की व्यग्रता सभी प्राणियों में पाई जाती है **कथन-B** पक्षियों द्वारा घोंसलों से झाँकना दृश्य बिंब को दर्शाता है **कथन-C** चिड़ियाँ भी दिन ढलने पर चंचल हो उठती है a. कथन A तथा B सत्य है b. कथन-B तथा C सत्य है c. कथन A,B तथा C तीनों असत्य है d. कथन A,B तथा C तीनों सत्य है **5. बच्चे प्रत्याशा में होंगे** **नीड़ो से झाँक रहे होंगे ---** **उपरोक्त कविता के अंश में किस मानव-सत्य को दर्शाया गया है ?** a. वात्सल्य और प्रेम के कारण माँ का मन आशंका से भर जाता है b. पक्षियों में वात्सल्य भावना नहीं होती है	**1×5 = 5**

	c. बच्चों को भोजन,स्नेह व सुरक्षा का भाव प्रत्येक प्राणी में होता है d. क तथा ग दोनों सही है |	
प्रश्न 5	**निम्नलिखित गद्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** "शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब होती थी| जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती, फिर उसमें पपड़ी पड़ कर ज़मीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलते-चलते आदमी आधे रास्ते में लू खा कर गिर पड़े| ढोर-ढंगर प्यास के मारे मरने लगते, लेकिन बारिश का कहीं नाम-निशान नहीं, ऐसे में पूजा-पाठ कथा-विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इंदर सेना| वर्षा के बादलों के स्वामी हैं, इंद्र और इंद्र की सेना टोली बांध कर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए| पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो| एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों और पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर-भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं| कैसी निर्मम बरबादी है पानी की|" **1. गाँव की हालत खराब क्यों होती थी?** a. बाढ़ के कारण b. सूखे के कारण c. भूकंप के कारण d. महामारी के कारण **2. गाँव के लोग बरसात के लिए क्या उपाय करते थे?** a. पूजा-पाठ आदि अनुष्ठान करते b. सरकार से प्रार्थना करते c. गाँव छोड़कर चले जाते d. सभी विकल्प ठीक हैं **3. इंदर-सेना किसे प्रसन्न करने का प्रयास करती थी?** a. भगवान शिव को b. वर्षा के राजा इंद्र को c. लोगों को d. सभी विकल्प ठीक हैं **4. लेखक को क्या बात समझ नहीं आती थी?** a. लोग पूजा पाठ क्यों करते हैं b. इंदर सेना क्यों बनी है c. लोग इतनी कठिनाई से इकट्ठा किया पानी बरबाद क्यों कर रहे हैं d. सभी विकल्प ठीक है **5. गाँव के कैसे दृश्य के सन्दर्भ में कौनसा कथन सत्य है ?** **कथन-1** जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती **कथन-2** भयंकर लू चलती **कथन-3** ढोर-ढंगर प्यास के मारे मरने लगते a.केवल कथन 1 सत्य है b.केवल कथन 1 और 2 सत्य है c.केवल कथन 3 सत्य है d.तीनों कथन सत्य है |	**1×5 = 5**
प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 6	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए |** **1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए |** **कथन-i 'सिल्वर वैडिंग' कहानी वर्तमान युग में बदलते जीवन-मूल्यों की कहानी है।** **कथन-ii यशोधर अपने बच्चों की तरक्की से पूर्णतः खुश नहीं थे |** **कथन-iii यशोधर संग्रह वृत्ति, भौतिक चकाचौंध से दूर, वे आत्मीयता और सामूहिकता के बोध से युक्त हैं।** a. कथन i,ii और iii सत्य है	**1×10=10**

b. केवल कथन i सत्य है
c. केवल कथन i और ii सत्य है
d. केवल कथन i और iii सत्य है

2. 'सिल्वर वैडिंग' पाठ की मूल संवेदना क्या है ?

a. हाशिये पर धकेले जाते मानवीय मूल्य
b. पीढीजन्य अंतराल
c. पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव
d. आधुनिकता का प्रभाव

3. यशोधर की पत्नी के चरित्र की कौनसी विशेषता थी ?

a. आधुनिकता की चाह
b. पुराने संस्कारों को मानना
c. पति के विचारों से सहमती रखने वाली
d. रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार करना

4. 'समहाउ इम्प्रोपर' वाक्यांश का प्रयोग किन सन्दर्भों में हुआ है ?

a. अपने से परायेपन का व्यवहार मिलने पर
b. वृद्धा पत्नी के आधुनिका स्वरुप को देखकर
c. केक काटने की विदेशी परंपरा पर
d इनमें से सभी

5.दत्ताजीराव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा| यदि झूठ का सहारा न लेता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता?

A. दत्ताजीराव उसके पिता पर दबाव नहीं दे पाते
B बिना झूठ का सहारा लिए उसकी प्रतिभा कभी भी न चमक पाती।
C वह सारा जीवन खेती में ही लगा रहता
D फिर ही वह पढ़ लिखकर बड़ा आदमी बन जाता

a. सभी कथन सत्य है
b. कथन A,B तथा C सत्य है
c. केवल कथन D सत्य है
d. सभी कथन असत्य है

6. लेखक आनंद यादव की माँ लेखक के पिता को क्या कहकर पुकारती थी ?

a. बरहेला सूअर
b. पागल व्यक्ति
c. पागल कुत्ता
d. पागल हाथी

7. लेखक की कक्षा के कक्षाध्यापक का क्या नाम था ?

a. वसंत पाटिल
b. मंत्री नमक मास्टर
c. रणवरे मास्टर
d. सौंदेल्गेकर मास्टर

8. 'मुअनजो-दड़ो' शब्द क्या अर्थ है ?

a. मुर्दों का टीला
b. ऊँचा टीला
c. उत्कृष्ट स्थल
d. प्राचीन टीला

9.कथन- सिन्धु घाटी सभ्यता स्वास्थ्य के प्रति बेहद जागरूक थे |
कारण- ढकी हुई नालियाँ मुख्य सड़क के दोनों तरफ समान्तर दिखाई देती है |

a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है
b. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है
c. कथन सत्य है और कारण असत्य है
d. कथन और कारण दोनों असत्य है

	10. मुअनजो-दड़ो के सबसे ऊँचे चबूतरे पर क्या विद्यमान है? a. मंदिर b. बौद्ध स्तूप c. राजमहल d. विशाल भवन	
	खण्ड-'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
प्र.सं.	**जनसंचार और सृजनात्मक लेखन**	**अंक (16)**
प्रश्न 7	**निम्नलिखित दिए गए 03 विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -** क. सुपर बाजार की सैर ख. चौराहे पर खिलौने बेचते बच्चे ग. मेले में कुश्ती प्रतियोगिता	6×1=6
प्रश्न 8	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-** (i) कहानी में पात्रों अथवा चरित्रों का क्या महत्त्व है? **अथवा** नाटक की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए? (ii) कहानी और नाटक में क्या समानताएं हैं? **अथवा** कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन – किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?	2×2=4
प्रश्न 9	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** (i) रेडियो समाचार लेखन के लिए बुनियादी बातों को विस्तृत रूप में लिखिए ? (ii) भारत में इंटरनेट पत्रकारिता के इतिहास का संक्षिप्त परिचय दीजिए ? (iii) पत्रकारीय लेखन क्या है तथा पत्रकार के कितने प्रकार होते है ?	3×2=6
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (20)**
प्रश्न 10	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** **(i) 'जन्म से ही वे लाते हैं अपने साथ कपास'**-कपास से बच्चों का क्या सम्बन्ध है? **(ii)** फूलों के खिलने और कविता में क्या समानता है ? **(iii)** 'कैमरे में बंद अपाहिज' करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है – स्पष्ट कीजिए |	3×2=6
प्रश्न 11	**निम्नलिखितप्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** **(i)** भोर के नभ और राख से लीपे गए चौके में क्या समानता है ? **(ii)** बोले वचन मनुज अनुसारी से कवि का क्या तात्पर्य है? **(iii)** चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें' से कवि का क्या तात्पर्य है?	2×2=4
प्रश्न 12	**निम्नलिखितप्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** **(i)** भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा जबरन पति थोंपा जाना स्त्री के मानवाधिकारों को कुचलने की परम्परा का प्रतीक है | इस कथन तर्कसम्मत टिप्पणी कीजिए | **(ii)** बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है? **(iii)** इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को जीजी ने किस प्रकार सही ठहराया?	3×2=6

प्रश्न 13	**निम्नलिखितप्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** **(i)** 'निस्तब्धता' किसे कहते है? उस रात की निस्तब्धता क्या प्रयत्न कर रही थी और क्यों? **(ii)** कालिदास, पंत और रवींद्रनाथ टैगोर में कौन सा गुण समान था? 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए | **(iii)** मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर रहती है ?	**2×2=4**
	पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2	**अंक (04)**
प्रश्न 14	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 02 प्रश्नों में से किसी 01 प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** 'यशोधर बाबू एक आदर्श व्यक्तित्व हैं और नई पीढ़ी द्वारा उनके विचारों को अपनाना ही उचित है'-इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए | ***अथवा*** टूटे फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज़ होते हैं –इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए |	**4x1 = 4**

****

अंक-योजना प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र2023-24

SET- 1

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक :80**

सामान्य निर्देश-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- खंड-'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाएगा |
- खंड-'ब' में वर्णात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं |
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ |
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाएगा |

	खंड-'अ' वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
प्रश्न 1	**प्रश्न –अपठित बोध– गद्यांश**	**1×10=10**
1.	b. भाषा एक प्रमुख तत्त्व है	1
2.	a. भाषा संवेदनाओं, भावनाओं व विचारों की अभिव्यक्ति	1
3.	c. संपर्क भाषा से	1
4.	d. उपरोक्त सभी	1
5.	d. उपरोक्त सभी	1
6.	a. अमूर्त	1
7.	b. क्योंकि वह मानव समुदाय में एकानुभूति और विचार ऐक्य का साधन है।	1
8.	b. भाषा सरल और प्रवाहमयी होती है	1
9.	c. कथन i,ii,iv सही है	1
10.	a. ज्ञानराशि एवं भावराशि का संचित कोश।	1
प्रश्न 2	**प्रश्न – अपठित बोध– पद्यांश**	**1×5 = 5**
1.	a. बाधाओं से	1
2.	b काँटे	1
3.	a. कठिन राह पर चलने वालों की	1
4.	d. बाधाओं और विपदाओं से	1
5.	b. साहस से जीने वालों की	1
प्रश्न 3	**प्रश्न –अभिव्यक्ति और माध्यम**	**1×5 = 5**
1.	d. उपरोक्त सभी	1
2.	a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है	1
3.	b. ट्रिपल स्पेस	1
4.	a. उद्दंत मार्तंड – जुगलकिशोर शुक्ल द्वारा	1
5.	b.वॉचडॉग पत्रकारिता	1

प्रश्न 4	**प्रश्न –काव्यांश–पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	d. उपरोक्त सभी	1
2.	b. पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार	1
3.	d. 1-C, 2-D, 3-A, 4-B	1
4.	d. कथन A,B तथा C तीनों सत्य है	1
5.	d. क तथा ग दोनों सही है |	1
प्रश्न 5	**प्रश्न –गद्यांश–पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	b. सूखे के कारण	1
2.	a. पूजा-पाठ आदि अनुष्ठान करते	1
3.	b. वर्षा के राजा इंद्र को	1
4.	c. लोग इतनी कठिनाई से इकट्ठा किया पानी बरबाद क्यों कर रहे हैं	1
5.	d.तीनों कथन सत्य है |	1
प्रश्न 6	**प्रश्न –पूरक पाठ्यपुस्तकवितान भाग 2**	**1×10=10**
1.	a. कथन i,ii और iii सत्य है	1
2.	b. पीढीजन्य अंतराल	1
3.	a. आधुनिकता की चाह	1
4.	d इनमें से सभी	1
5.	b. कथन A,B तथा C सत्य है	1
6.	a. बरहेला सूअर	1
7.	b. मंत्री नमक मास्टर	1
8.	a. मुर्दों का टीला	1
9.	a. कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है	1
10.	b. बौद्ध स्तूप	1
	खंड-'ब'वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
	जनसंचार और सृजनात्मक लेखन	
प्रश्न 7	**दिए गए 03विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख:** आरम्भ –1 अंक विषयवस्तु –3 अंक प्रस्तुति –1 अंक भाषा –1 अंक	**6×1=6**
प्रश्न 8	प्रश्न – लगभग 40 शब्दों में उत्तर:	**2×2=4**
(i)	कहानी में पात्रों के चरित्र-चित्रण का महत्वपूर्ण स्थान होता है। पात्रों का चरित्र-चित्रण करके ही कहानीकार कहानी को आगे बढ़ाता है। हर पात्र का अपना स्वभाव होता है। **<u>अथवा</u>** नाटक सर्वसाधारण की वस्तु है अतः उसकी भाषा शैली सरल , स्पष्ट और सुबोध होनी चाहिए , जिससे नाटक में प्रभाविकता का समावेश हो सके तथा दर्शक को क्लिष्ट भाषा के कारण बौद्धिक श्रम ना करना पड़े अन्यथा रस की अनुभूति में बाधा पहुंचेगी। अतः नाटक की भाषा सरल व स्पष्ट रूप में प्रवाहित होनी चाहिए।	2
(ii)	कहानी और नाटक में निम्नलिखित समानताएं हैं- कहानी- 1. कहानी का केंद्र बिंदु कथानक होता है। 2. कहानी में एक कहानी होती है। 3. कहानी में पात्र होते हैं। नाटक- 1.नाटक का केंद्र बिंदु कथानक होता है। 2. नाटक में भी एक कहानी होती है। 3. नाटक में भी पात्र होते हैं।	2

	अथवा कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए- कहानी एक ही जगह पर स्थित होनी चाहिये। कहानी में संवाद नहीं होते और नाट्य संवाद के आधार पर आगे बढता है। कहानी का नाट्य रूपांतर करने से पहले उसका कथानक बनाना बहुत जरूरी है। नाट्य मे हर एक पत्र का विकास कहानी जैसे आगे बढती है, वैसे होता है। कहानी कागजी होती है।	
प्रश्न 9	**प्रश्न – दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	रेडियो समाचार-लेखन के लिए बुनियादी बातें : ➢ समाचार वाचन के लिये तैयार की गई कापी साफ़-सुथरी ओर टाइप्ड कॉपी हो । ➢ कापी को ट्रिपल स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए। ➢ पर्याप्त हाशिया छोड़ा जाना चाहिए। ➢ अंकों को लिखने में सावधानी रखनी चाहिए। ➢ संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचा जाना चाहिए।	3
(ii)	भारत- पहला चरण 1993 से तथा दूसरा चरण 2003 से शुरू माना जाता है। भारत में सच्चे अर्थों में वेब पत्रकारिता करने वाली साइटें 'रीडिफ़ डॉट कॉम', इंडिया इफ़ोलाइन' व 'सीफ़ी' हैं । रीडिफ़ को भारत की पहली साइट कहा जाता है । वेब साइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय 'तहलका डॉट्कॉम' को जाता है। हिंदी में नेट पत्रकारिता वेब दुनिया' के साथ शुरू हुई। प्रभा साक्षी नाम का अखबार प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ़ नेट पर ही उपलब्ध है। हिन्दी की सर्व श्रेष्ठ साइट बीबीसी की है ।	3
(iii)	पत्रकारिता आधुनिक सभ्यता का एक प्रमुख व्यवसाय है, जिसमें समाचारों का एकत्रीकरण, लिखना, जानकारी एकत्रित करके पहुँचाना, सम्पादित करना और सम्यक प्रस्तुतीकरण आदि सम्मिलित हैं। पत्रकार तीन प्रकार के होते है – पहला- पूर्णकालिक पत्रकार दूसरा- अंशकालिक पत्रकार तीसरा – फ्रीलांसर पत्रकार	3
	प्रश्न –पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2	
प्रश्न 10	**प्रश्न – दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	कपास की तरह ही बच्चे भी जन्म से ही कोमल और मुलायम होते हैं । बच्चों के सपने कपास से बनी डोर के सामान होते हैं ,जो पतंग की तरह ऊँची उड़ान भरते हैं ।बच्चे कपास की तरह कोमल आकर्षक और लचीले होते हैं लचीलेपन के कारण ही वो एक छत से दूसरी छत पर आसानी से छलांग लगा लेते हैं साथ ही उनकी भावनाएँ भी कपास के सामान स्वच्छ होती हैं यही कारण है की इन दोनों में समानता बताई गयी है ।	3
(ii)	फूल रंग बिरंगे व् सुंदर होते हैं, प्रकृति में अपनी छटा बिखेरते हैं । फूलों को देखकर ह्रदय प्रस्फुटित होता है, ठीक उसी प्रकार कवि के ह्रदय में विभिन्न भावों का आगमन होता है, जिन्हें वह कविता के माध्यम से व्यक्त करता है । कविता को पढ़कर पाठक को आनंद की प्राप्ति होती है ।	3
(iii)	यह कविता करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है । बाहरी तौर पर कार्यक्रम एक अपंग व्यक्ति के जीवन की समस्याओं से दर्शकों को दो–चार करवाने के उद्देश्य को लेकर चलता है पर संचालक महोदय का पूरा ध्यान दर्शकों की	3

	वाहवाही पाने में लगा रहता है	सस्ती भावुकता के लिए वह अपाहिज और दर्शकों दोनों को एक साथ रुलाना चाहता है इसके लिए वह हृदयहीन क्रूर प्रश्न पूछने से भी नहीं हिचकिचाता		
प्रश्न 11	**प्रश्न – दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	भोर के नभ और राख़ से लीपे गए चौके में यह समानता है कि दोनों ही गहरे सलेटी रंग के हैं पवित्र हैं ,नमी से युक्त हैं		2
(ii)	भगवान राम एक साधारण मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं किसी अवतारी मनुष्य की तरह नहीं। भ्रातृ प्रेम का चित्रण किया गया है।तुलसीदास की मानवीय भावों पर सशक्त पकड़ है।दैवीय व्यक्तित्व का लीला रूप ईश्वर राम को मानवीय भावों से समन्वित कर देता है।	2
(iii)	चित्रात्मक वर्णन द्वारा कवि ने एक ओर काले बादलों पर उड़ती बगुलों की श्वेत पंक्ति का चित्र अंकित किया है तथा इस अप्रतिम दृश्य के हृदय पर पड़ने वाले प्रभाव को चित्रित किया है। कवि के अनुसार यह दृश्य उनकी आँखें चुराए लिए जा रहा है |मंत्र मुग्ध कवि इस दृश्य के प्रभाव से आत्म विस्मृति की स्थिति तक पहुँच जाता है।	2
प्रश्न 12	**प्रश्न – दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	भारतीय विवाह परंपरा में लड़कियों को अपनी इच्छानुसार वर चुनने की स्वतंत्रता नहीं होती थी तथा समाज व पंचायत द्वारा उनकी इच्छा को नजअंदाज भी कर दिया जाता था	इस पाठ में भक्तिन की बड़ी बेटी के साथ भी यही होता है	आज भी हमारे समाज में स्त्रियों की यही दशा है, जो स्त्रियों के मानवाधिकारों के विरुद्ध है |विवाह जैसा गंभीर निर्णय लेने का लड़कियों को कोई अधिकार नहीं था, जो समाज की स्त्री विरोधी एवं पुरुषवादी मानसिकता का द्योतक है		3
(ii)	बाजार का जादू चढ़ने पर मनुष्य बाजार के आकर्षक चीजों के वश में हो जाता है	वह लालक में आकर अनावश्यक चीजों को खरीदता चला जाता है	इस जादू के प्रभाव में मनुष्य सोचने लगता है कि बाजार में बहुत कुछ है और उसके पास बहुत कम चीजें हैं| बाजार का जादू उतरने पर मनुष्य को पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती है, बल्कि खलल ही डालती हैं	बाजार का जादू उतरने पर उसे खरीदी गई चीजें अनावश्यक ही लगाने लगती हैं|	3
(iii)	i.पानी का अर्घ्य- कुछ पाने के लिए कुछ चढावा देना पडता है। इंद्र को पानी का अर्घ्य चढाने से वे वर्षा करेंगे। ii. त्याग की भावना से दान-जिस वस्तु की अधिक जरूरत है उसके दान से फल मिलता है। iii. पानी की बुवाई- पानी को गलियों में बीज की तरह बोएँगे तब जाकर ही पानी की फसल(वर्षा) लहलहाएगी।	3
प्रश्न 13	**प्रश्न – दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	निस्तब्धता का अर्थ मौन या गतिहीनता है क्योकिं रात के अंधेरे में सब कुछ शान्त हो जाता है। उस रात की निस्तब्धता करूण सिसकियों व आहों को दबाने की कोशिश कर रही है क्योकिं दिन में मौत का तांडव रहता है तथा हर तरफ चीख - पुकार होती है।	2
(ii)	महाकवि कालिदास, सुमित्रानंदन पंत और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर तीनों स्थिरप्रज्ञ और अनासक्त कवि थे	वे शिरीष के समान सरस और मस्त अवधूत थे		2
(iii)	मनुष्य की क्षमता मुख्यत: तीन बातों पर निर्भर रहती है- i-शारीरिक वंश परंपरा ii-सामाजिक उत्तराधिकार iii-मनुष्य के अपने प्रयत्न	2

	प्रश्न – पूरक पाठ्यपुस्तकवितान भाग 2	
प्रश्न 14	यशोधर बाबू एक सामजिक व्यक्ति थे	अपनी नौकरी शुरू करने के साथ उन्होंने संयुक्त परिवार अपने साथ रखा था	इसी प्रकार सालों में कुमाउनी परम्परा से संबंधित आयोजन भी किया करते थे	यशोधर बाबू एक असंतुष्ट पिता भी थे |अपनी संतानों के साथ उनका संबंध सामान्य नहीं था |अपने पारिवारिक माहौल से बचने के लिए ही वे जान बूझकर अधिक समय तक घर से बाहर रहने की कोशिश करते थे |यशोधर बाबू परम्परावादी व्यक्ति थे	उन्हें सामाजिक रिश्तों को निबाहने में आनंद आता है	अपनी बहन को नियमित तौर पर पैसा भेजते हैं |आधुनिकता के विरोधी होने के बाद भी उन्हें अपने बेटों की प्रगति अच्छी लगती है |नई पीढ़ी को उनके आदर्शों को अपनाना तो चाहिए पर उसमें समयानुकूल परिवर्तन आवश्यक है पुरानी बातों को उसी रूप में अपनाना व्यावहारिक नहीं होगा | **<u>अथवा</u>** i. पूरा अवशेष उस संस्कृति कि रहन सहन व्यवस्था के साथ ही उन पूर्वजोके जीवन संदर्भों से परिचित कराती है | ii. हम कल्पना केसहारे उस समय मे प्रवेश कर उस काल खंड कि अनुभूति प्राप्त करते है| iii. खंडहरों से उस सभ्यता की प्रामाणिकता सिद्ध होती है		**4x1 = 4**

****

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)

SET- 2

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' तथा खंड-'ब'| कुल प्रश्न 14 हैं |
- खंड 'अ' में कुल 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं |
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए |
- दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

	खंड-'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)	
प्रश्न संख्या	**अपठित बोध**	**अंक (15)**
प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए –** विज्ञान प्रकृति को जानने का महत्वपूर्ण साधन है। भौतिकता आज आधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति का स्तर निर्धारित करती है। विज्ञान केवल सत्य,अर्थ और प्रकृति के बारे में उपयोग ही नहीं बल्कि प्रकृति की खोज का एक क्रम है। विज्ञान प्रकृति को जानने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह प्रकृति को जानने के विषय में हमें महत्वपूर्ण और विश्वसनीय ज्ञान देता है। व्यक्ति जिस बात पर विश्वास करता है वही उसका ज्ञान बन जाता है। कुछ लोगों के पास अनुचित ज्ञान होता है और वह उसी ज्ञान को सत्य मानकर उसके अनुसार काम करते हैं। वैज्ञानिकता और आलोचनात्मक विचार उस समय जरूरी होते हैं जब वह विश्वसनीय ज्ञान पर आधारित हों। वैज्ञानिक और आलोचक अक्सर तर्कसंगत विचारों का प्रयोग करते हैं। तर्क हमें उचित सोचने पर प्रेरित करते हैं। कुछ लोग तर्क संगत विचारधारा नहीं रखते क्योंकि उन्होंने कभी तर्क करना जीवन में सीखा ही नहीं होता। प्रकृति वैज्ञानिक और कवि दोनों की ही उपास्या है। दोनों ही उससे निकटतम संबंध स्थापित करने की चेष्टा करते है, किंतु दोनों के दृष्टिकोण में अंतर है। वैज्ञानिक प्रकृति के बाल्य रूप का अवलोकन करता है और सत्य की खोज करता है, परंतु कवि बाड्य रूप पर मुग्ध होकर उससे भावों का तादात्म्य स्थापित करता है। वैज्ञानिक प्रकृति की जिस वस्तु का अवलोकन करता है, उसका सूक्ष्म निरीक्षण भी करता है। चंद्र को देखकर उसके मस्तिष्क में अनेक विचार उठते हैं उसका तापक्रम क्या है, कितने वर्षों में वह पूर्णतः शीतल हो जाएगा,ज्वार- भाटे पर उसका क्या प्रभाव होता है, किस प्रकार और किस गति से वह सौर मंडल में परिक्रमा करता है और किन तत्वों से उसका निर्माण हुआ है? वह अपने सूक्ष्म निरीक्षण और अनवरत चिंतन से उसको एक लोक ठहराता है और उस लोक में स्थित ज्वालामुखी पर्वतों तथा जीवनधारियों की खोज करता है। इसी प्रकार वह एक प्रफुल्लित पुष्प को देखकर उसके प्रत्येक अंग का विश्लेषण करने को तैयार हो जाता है। उसका प्रकृति-विषयक अध्ययन वस्तुगत होता है। उसकी दृष्टि में विश्लेषण और वर्ग विभाजन की प्रधानता रहती है। वह सत्य और वास्तविकता का पुजारी होता है। कवि की कविता भी प्रत्यक्षावलोकन से प्रस्फुटित होती है वह प्रकृति के साथ अपने भावों का संबंध स्थापित करता है। वह उसमें मानव चेतना का अनुभव करके उसके साथ अपनी	**1×10=10**

आंतरिक भावनाओं का समन्वय करता है। वह तथ्य और भावना के संबंध पर बल देता है। उसका वस्तुवर्णन हृदय की प्रेरणा का परिणाम होता है, वैज्ञानिक की भाँति मस्तिष्क की यांत्रिक प्रक्रिया नहीं। कवियों द्वारा प्रकृति-चित्रण का एक प्रकार ऐसा भी है जिसमें प्रकृति का मानवीकरण कर लिया जाता है अर्थात प्रकृति के तत्त्वों को मानव ही मान लिया जाता है। प्रकृति में मानवीय क्रियाओं का आरोपण किया जाता है। हिंदी में इस प्रकार का प्रकृति-चित्रण छायावादी कवियों में पाया जाता है। इस प्रकार के प्रकृति-चित्रण में प्रकृति सर्वथा गौण हो जाती है। इसमें प्राकृतिक वस्तुओं के नाम तो रहते हैं परंतु झंकृत चित्रण मानवीय भावनाओं का ही होता है। कवि लहलहाते पौधे का चित्रण न कर खुशी से झूमते हुए बच्चे का चित्रण करने लगता है |

1. विज्ञान प्रकृति को जानने का एक महत्वपूर्ण साधन है क्योंकि यह-

(a) समग्र ज्ञान के साथ तादात्म्प स्थापित करता है

(b) प्रकृति आधुनिक विज्ञान की उपास्या है

(c) महत्वपूर्ण और विश्वसनीय ज्ञान प्रदान करता है

(d) आधुनिक वैज्ञानिक का स्तर निर्धारित करता है

2. 'वैज्ञानिक प्रकृति के बाहय रूप का अवलोकन करते हैं यह कथन दर्शाता है कि वे

(a) कवियों की तुलना में अधिक श्रेष्ठ हैं

(b) ज्वारभाटे के परिणाम से बचना चाहते हैं

(c) वर्ग विभाजन के पक्षधर बने रहना चाहते हैं

(d) प्रकृति से अविदूर रहने का प्रयास करते हैं

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

कथन (i) : विज्ञान प्रकृति को जानने का महत्वपूर्ण साधन है।

कथन (ii) : वैज्ञानिकता और आलोचनात्मक विचार उस समय जरूरी होते हैं जब वह विश्वसनीय ज्ञान पर आधारित हों।

कथन (iii) : प्रकृति में मानवीय क्रियाओं का आरोपण किया जाता है।

कथन (iv) : प्रकृति-चित्रण में प्रकृति सर्वथा गौण हो जाती है।

(a) केवल कथन i सही है

(b) केवल कथन ii सही है

(c) सभी i ,ii ,iii ,iv कथन सही है

(d) केवल कथन i ,ii ,iii सही है

4. कौन अनवरत चिंतन करता है ?

(a) सूक्ष्माचारी (b) विज्ञानोपासक

(c) ध्यानविलीन योगी (d) अवसादग्रस्त व्यक्ति

5. कौन वास्तविकता का पुजारी होता है ?

(a) यथार्थवादी (b) काव्यवादी (c) प्रकृतिवादी (d) विज्ञानवादी

6. कवि की कविता किससे प्रस्फुटित होती है ?

(a) विचारों के मंथन से

(b) प्रकृति के साक्षात दर्शन से

(c) भावनाओं की उहापोह से

(d) प्रेम की तीव्र इच्छा से

7. कवि के संबंध में इनमें से सही तथ्य है-

(a)ज्वालामुखी के रहस्य जानता है

(b) जीवधारियों की खोज करता है

(c) सत्य का उपासक नहीं होता

	(d) प्रफुल्लित पुष्प का अध्ययनकर्ता **8. 'इत' प्रत्यय युक्त शब्द कौन-सा है ?** (a) झंकृत (b) नित (c) ललित (d) उचित **9. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है** (a) कवि की सोच और वैज्ञानिकता (b) प्रकृति के उपासक-कवि और वैज्ञानिक (c) वैज्ञानिक उन्नति और काव्य जगत (d) वैज्ञानिक दृष्टिकोण-अतुलनीय **10. प्रकृति का मानवीकरण दर्शाता है कि-** (a) कल्पना प्रधान व भावोन्मेशयुक्त कविता रची जा रही है (b) मानवीकरणअलंकार का दुरुपयोग हो रहा है (c) प्रकृति व मानव के सामंजस्य से उदित दीप्ति फैल रही है (d) मानव द्वारा प्रकृति का संरक्षण हो रहा है	
प्रश्न 2	**दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए –** आज करना है जिसे, करते उसे हैं आज ही। सोचते कहते हैं जो कुछ कर दिखाते हैं वही ।। मानते जी की हैं सुनते हैं, सदा सबकी कही। जो मदद करते हैं अपनी इस जगत में आप ही ॥ भूलकर भी दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं। कौन ऐसा काम है, वे कर जिसे सकते नहीं॥ **1. कर्मवीर समय का सदुपयोग किस तरह करते हैं?** (a) हर काम को समय पर करते हैं। (b) आज का काम कल पर नहीं छोड़ते। (c) बेकार की बातों में समय बरबाद नहीं करते (d) आलस्य में समय नहीं गँवाते हैं। **2. कर्मवीर के काम करने के तरीके की प्रमुख विशेषताएँ हैं** (a) वे जो ठान लेते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं, वे बेकार की बातों में समय बर्बाद नहीं करते (b) वे किसी के बहकावे में नहीं आते, मन में जो सोचते हैं वही करते हैं। (c) वे उचित काम को ही करते हैं। (d) वे वीरता के कार्य करते हैं, मुसीबतें आने पर कभी हिम्मत नहीं हारते **3. 'भूलकर भी दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं' पंक्ति का भावार्थ है** (a) वे दूसरों की मदद के लिए हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठते (b) वे दूसरों की मदद नहीं लेते। (c) वे दूसरों की सलाह नहीं मानते (d) वे दूसरों से कोई उम्मीद नहीं रखते **4. कर्मवीर की दो मुख्य विशेषताएँ हैं** **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -** **कथन (i): वे किसी की मदद लेने की उम्मीद में बैठे नहीं रहते** **कथन (ii): उनकी कथनी-करनी एक जैसी होती है।** **कथन (iii): वे दृढ़ संकल्पी होते हैं, वे समय का सदुपयोग करते हैं** **कथन (iv): वे सुस्त तथा अस्वाभिमानी होते हैं**	1×5 =5

(a) केवल कथन i सही है
(b) केवल कथन ii सही है
(c) सभी i ,ii ,iii ,iv कथन सही है
(d) केवल कथन i ,ii ,iii सही है

5. कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए |

कॉलम 1		कॉलम 2	
1	कर्मवीर	(i)	सहायक
2	कथनी	(ii)	कही हुई बात
3	मददगार	(iii)	कर्तव्य में वीर

(a) 1- (i), 2-(iii) ,3-(iii)
(b) 1- (i), 2-(iii) ,3-(iii)
(c) 1- (i), 2-(iii) ,3-(iii)
(d) 1- (iii), 2-(ii) ,3-(i)

प्रश्न संख्या	अभिव्यक्ति और माध्यम	अंक (5)
प्रश्न 3	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढकर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** 1.इनमें से कौन-सा जनसंचार माध्यम अनपढ़ व्यक्ति के लिए उपयोगी नहीं है? (a) इंटरनेट (b) समाचार-पत्र (c) पत्रिकाएँ (d) तीनों 2.दृश्यों का किस माध्यम में अधिक महत्व होता है? (a) समाचार पत्र (b) रेडियो (c) टेलीविज़न (d) इंटरनेट 3.पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं? (a) दो (b) चार (c) तीन (d) पांच 4.समाचार पत्र का संपादन करने वाले को क्या कहते हैं? (a) प्रकाशक (b) संवाददाता (c) फीचर लेखक (d) संपादक 5.विशेष लेखन के लिए किस प्रकार की भाषा शैली अपेक्षित है? (a) साहित्यिक भाषा (b) सहज,सरल तथा बोधगम्य भाषा (c) बाजारू भाषा (d) हिन्दी उर्दू मिश्रित भाषा	1×5 = 5
प्रश्न संख्या	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2	अंक (10)
प्रश्न 4	**निम्नलिखित काव्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** कविता एक उड़ान हैं चिड़िया के बहाने कविता की उड़ान भला चिडिया क्या जाने? बाहर भीतर इस घर, उस घर कविता के पंख लगा उड़ने के माने चिडिया क्या जाने ? कविता एक खिलना हैं फूलों के बहाने कविता का खिलना भला फूल क्या जाने बाहर भीतर इस घर, उस घर बिना मुरझाए महकने के माने फूल क्या जाने?	1×5 = 5

	कविता एक खेल हैं बच्चों के बहाने बाहर भीतर यह घर, वह घर सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने। **1. 'कविता के बहाने ' कविता में कवि को किस बात का शक है –** (a) कविता के सर्वव्यापी होने पर (b) कविता के मनोरंजक होने पर (c) कविता में भावानुभूति के अभाव पर (d) यांत्रिकता के दबाव में कविता के अस्तित्व को लेकर **2.'कविता के बहाने ' कविता की यात्रा कहाँ तक नहीं जाती है –** (a) फूल तक (b) फल तक (c) चिड़िया तक (d) बच्चे तक **3.'कविता के बहाने'कविता में कवि ने कविता की संपूर्णता की तुलना पूर्ण रूप में की गई है** (a) फूल तक (b) बच्चे तक (c) चिड़िया तक (d) सभी से **4. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए |** **कथन (A) .'कविता के बहाने'कविता में कवि ने कविता की संपूर्णता की तुलना पूर्ण रूप से चिड़िया ,फूल और बच्चे से की है** **कारण (R) क्योंकि कविता की सम्पूर्णता इन तीनों की तुलना से ही संभव है** (a) कथन (A) सही है , कारण (R) गलत है | (b) कथन (A) सही नहीं है , कारण (R) सही है | (c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है, किन्तु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता (d) कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है | **5.उक्त पंक्तियों में कविता एक उड़ान हैं किसके बहाने हैं ?** (a)कागज के बहाने (b) पतंग के बहाने (c) डोर के बहाने (d) चिड़िया के बहाने	
प्रश्न 5	**निम्नलिखित गद्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुःख ही अधिक है। जब उसने गेहुँए रंग और बटिया जैसी मुख वाली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों ने ओंठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की । उचित भी था,क्योंकि सास तीन-तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर विराजमान पुरखिन के पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जिठानियां काक-भुशुंडी जैसे काले लालों की सृष्टि कर के इस पद के लिए उम्मीदवार थीं । छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया । **1. 'कन्या के दो संस्करण और कर डाले' पंक्ति का आशय है** (a) दो कन्याओं का विवाह करना (b) दो और कन्याओं का जन्म होना (c) कन्यादान करना (d) ये सभी **2.भक्तिन की सास के कितने लड़के थे ?** (a) तीन (b) दो (c) पाँच (d) छह	**1×5 =5**

3.भक्तिन का गुना कितने वर्ष की उम्र में हो गया था?

(a) छः वर्ष (b) नौ वर्ष

(c) सात वर्ष (d) इनमें से कोई नहीं

4.कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए |

कॉलम 1		कॉलम 2	
1	परिच्छेद	(i)	विभाजन
2	ओंठ बिचकाना	(ii)	अपरम्परागत रूप से सोचना
3	लीक से हटकर सोचना	(iii)	घृणा प्रकट करना

(a) 1- (i), 2-(iii) ,3-(ii)

(b) 1- (ii), 2-(iii) ,3-(i)

(c) 1- (iii), 2-(i) ,3-(ii)

(d) 1- (ii), 2-(i) ,3-(iii)

5.गद्यांश के पाठ और लेखिका का नाम क्या है ?

(a) भक्तिन – कृष्णा सोबती (b) भक्तिन- महादेवी

(c) भक्तिन – लक्ष्मी (d) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 6	**निम्नलिखित पेश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -**	1×10=10

1. सिल्वर वैडिंग' पर भूषण ने अपने पिता को क्या उपहार दिया?

(a) घड़ी (b) पैंट (c) पैंट और कमीज़ (d) ऊनी ड्रेसिंग गाउन

2.यशोधर बाबू का अपने बच्चों के प्रति कैसा व्यवहार था?

(a) स्नेहपूर्ण (b) ईर्ष्यापूर्ण

(c) घृणापूर्ण (d) अलगाव भरा

3.यशोधर बाबू की पत्नी किसका साथ देती है?

(a) पति का (b) आधुनिकता का

(c) अपने बच्चों का (d)मौज मस्ती का

4. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए |

कथन (A) :यशोधर बाबू महत्त्वाकांक्षी और प्रगतिशील हैं | उनमे समय के साथ बदलाव आ गया है |

कथन (R) : यशोधर बाबू के बच्चे उन्हें पिछड़ा मानते हैं |

(a) कथन (A) सही है , कारण (R) गलत है |

(b) कथन (A) सही नहीं है , कारण (R) सही है |

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है, किन्तु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता

(d) कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :-

कथन 1 :सिन्धु घटी सभ्यता टीलों पर आबाद थी

कथन 2 :मुअनजो-दड़ो छोटे मोटे टीलों पर बसा था |

कथन 3 :सिन्धु घटी सभ्यता की खूबी सौन्दर्य बोध है |

कथन 4 : सिन्धु सभ्यता में नगर नियोजन उन्नत नहीं था |

	(a)कथन (1) तथा (2) सही है (b)कथन (1),(2) तथा (3) सही है (c)कथन (2) ,(3) तथा (4) सही है (d) कथन (2) तथा (3) सही है **6.लेखक का दादा जल्दी कोल्हू क्यों चलाता था?** (a) जल्दी काम खत्म करने के लिए (b) अधिक पैसे के लिए (c) अपनी आवारागर्दी के लिए (d) आराम करने के लिए **7.लेखक की कक्षा के मॉनीटर का नाम क्या था?** (a) वसंत पाटील (b) चव्हाण पाटील (c) मनोहर पाटील (d) राव पाटील **8.कहानी के शीर्षक 'जूझ' का अर्थ है-** (a) संघर्ष (b) चालाकी (c) मेहनत (d) कठिनाई **9.'जूझ' पाठ के रचयिता का नाम है-** (a) फणीश्वर नाथ रेणु (b) आनंद यादव (c) धर्मवीर भारती (d) मनोहर श्याम जोशी **10.'जूझ' उपन्यास मूलतः किस भाषा में रचित है?** (a) मराठी (b) गुजराती (C) अवधी (d) ब्रज	
	खण्ड-'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
प्रश्न संख्या	**जनसंचार और सृजनात्मक लेखन**	**अंक (16)**
प्रश्न 7	**निम्नलिखित दिए गए 03 विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -** क) मंच पर प्रस्तुति ख) खिड़की से बाहर का दृश्य ग) काश ! मैं उड़ पाता	6×1=6
प्रश्न 8	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-** (i) कहानी का नाट्य- रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए? अथवा रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभावों और संवादों का क्या महत्त्व है ? (ii) रटंत क्या है ? रटंत को कुटेव (बुरी लत) क्यों कहा गया है ? अथवा रेडियो की तुलना में टी.वी. माध्यम की कोई दो सीमाएं बताएं ।	2×2=4
प्रश्न 9	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** **(i)**उलटा पिरामिड शैली से आप क्या समझते हैं ? **(ii)** समाचार पत्र कब सम्पूर्ण समझा जाता है ? **(iii)** मुद्रित माध्यम की सीमाएँ बताइए ?	3×2=6
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (20)**
प्रश्न 10	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** (i)बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को कविता रेखांकित करती है?	3×2=6

	(ii) कवितावली के आधार पर पुष्टि कीजिए कि तुलसी को अपने समय की आर्थिक सामाजिक समस्याओं की जानकारी थी | (iii) दिन जल्दी-जल्दी ढलता हैं- की आवृति से कविता की किस विशेषता का पता चलता हैं?	
प्रश्न 11	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** (i) उषा कविता के आधार पर गांव की सुबह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। (ii) सोचकर बताएँ कि पतंग के लिए सबसे हलकी और रंगीन चीज़, सबसे पतला कागज़, सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया है? (iii) कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं?	2×2=4
प्रश्न 12	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** (i) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना है? (ii) ढोलक की आवाज का पूरे गांव पर क्या असर होता था? (iii) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?	3×2=6
प्रश्न 13	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** (i) बाज़ारूपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं अथवा बाज़ार की सार्थकता किसमें हैं? (ii) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई? (iii) पहलवान की ढोलक का गाँव वालों पर क्या प्रभाव होता था ?	2×2=4
प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (04)**
प्रश्न 14	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 02 प्रश्नों में से किसी 01 प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए –** यशोधर पन्त की पीढ़ी की विवशता यह है कि वो पुराने को अच्छा समझते है और वर्तमान से तालमेल नहीं बैठा पाते ' –इस कथन के आधार पर समीक्षा कीजिए *अथवा* कथानायक (आनंद) के पिता उसे स्कूल क्यों नहीं भेजना चाहते ? समीक्षा करें |	4x1 = 4

****

अंक-योजना प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24

SET- 2

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- खंड-'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाएगा |
- खंड-'ब'में वर्णात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं |ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं |
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ |
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाएगा |

	खंड-'अ' वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
प्रश्न 1	**प्रश्न – अपठित बोध – गद्यांश**	**1×10=10**
1.	**(c)** महत्वपूर्ण और विश्वसनीय ज्ञान प्रदान करता	1
2.	**(d)** प्रकृति से अविदूर रहने का प्रयास करते हैं	1
3.	(c) सभी i ,ii ,iii ,iv कथन सही है	1
4.	(b) विज्ञानोपासक	1
5.	(d) विज्ञानवादी	1
6.	(b) प्रकृति के साक्षात दर्शन से	1
7.	(d) प्रफुल्लित पुष्प का अध्ययनकर्ता	1
8.	(b) नित	1
9.	(a) कवि की सोच और वैज्ञानिकता	1
10.	(b) मानवीकरणअलंकार का दुरुपयोग हो रहा है	1
प्रश्न 2	**अपठित पद्यांश को पढ़कर उत्तर लिखिए :-**	**1×5 = 5**
1.	(b) आज का काम कल पर नहीं छोड़ते।	1
2.	(c) वे उचित काम को ही करते हैं।	1
3.	(a) वे दूसरों की मदद के लिए हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठते	1
4.	(c) केवल कथन i ,ii ,iii , कथन सही है	1
5.	(d) 1- (iii), 2-(ii) ,3-(i)	1
प्रश्न 3	**प्रश्न – अभिव्यक्ति और माध्यम**	**1×5 = 5**
1.	(d) तीनों	1
2.	(c) टेलीविजन	1
3.	(c) तीन	1
4.	(d) संपादक	1
5.	(b) सहज,सरल तथा बोधगम्य भाषा	1
प्रश्न 4	**प्रश्न – काव्यांश – पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	(d) यांत्रिकता के दबाव में कविता के अस्तित्व को लेकर	1
2.	(b) फल तक	1

3.	(d) सभी से	1
4.	(d) कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |	1
5.	(d) चिड़िया के बहाने	1
प्रश्न 5	**प्रश्न – गद्यांश – पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	(b) दो और कन्याओं का जन्म होना	1
2.	(a) तीन	1
3.	(b) नौ वर्ष	1
4.	(a) 1- (i), 2-(iii) ,3-(ii)	1
5.	(b) भक्तिन- महादेवी	1
प्रश्न 6	**प्रश्न – पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2** निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार सही विकल्पों का चयन कीजिए:-	**1×10=10**
1.	(d) ऊनी ड्रेसिंग गाउन	1
2.	(d) अलगाव भरा	1
3.	(c) अपने बच्चों का	1
4.	(d)कथन (A)सही है तथा कारण (R)दोनों सही हैं कारण (R)कथन (A)की सही व्याख्या करता है |	1
5.	(d) कथन (2) तथा (3) सही है	1
6.	(b) अधिक पैसे के लिए	1
7.	(a) वसंत पाटील	1
8.	(a) संघर्ष	1
9.	(b) आनंद यादव	1
10.	(a) मराठी	1
	खंड-'ब' वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
	जनसंचार और सृजनात्मक लेखन	
प्रश्न 7	**दिए गए 03 विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख:** आरम्भ – 1 अंक विषयवस्तु – 3 अंक प्रस्तुति – 1 अंक भाषा – 1 अंक उत्तर - स्वविवेक से लिखेंगे	**6×1=6**
प्रश्न 8	**प्रश्न – लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	कहानी एक ही जगह पर स्थित होनी चाहिये। कहानी में संवाद नहीं होते और नाट्य संवाद के आधार पर आगे बढता है। ... ●कहानी का नाट्य रूपांतर करने से पहले उसका कथानक बनाना बहुत जरूरी है। ●नाट्य मे हर एक पत्र का विकास कहानी जैसे आगे बढती है, वैसे होता है। ... ●कहानी कागजी होती है। **<u>अथवा</u>** रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभावों और संवादों का विशेष महत्व है, जो इस प्रकार है- (i) रेडियो नाटक में पात्रों से सम्बन्धित सभी जानकारियाँ संवादों द्वारा मिलती हैं | (ii) पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ संवादों के द्वारा ही उजागर होती हैं |	2

	(iii) रेडियो नाटक का पूरा कथानक संवादों पर ही आधारित होता है | (iv) इसमें ध्वनि प्रभावों और संवादों के माध्यम से ही कथा को श्रोताओं तक पहुँचाया जाता है | (v) संवादों के माध्यम से ही रेडियो नाटक का उद्देश्य स्पष्ट होता है |	
(ii)	दूसरों द्वारा तैयार की गई सामग्री को याद करके ज्यों का त्यों प्रस्तुत करना रटंत कहलाती है | इसे कुटेव (बुरी लत) इसलिए कहा जाता है क्योंकि – i) इससे मनुष्य दूसरों पर निर्भर हो जाता है | ii) इससे भावों की मौलिकता ख़त्म हो जाती है | iii) इससे असली अभ्यास का मौका नहीं मिलता | iv) इससे सोचने की शक्ति कमजोर हो जाती है | **<u>अथवा</u>** टी.वी. श्रव्य माध्यम होने के साथ- साथ दृश्य माध्यम भी है, अतः दर्शकों को रेडियो की तुलना में अधिक बाँधे रखता है टीवी में शब्द दृश्यों के अनुसार और उनके सहयोगी के रूप में चलते हैं किंतु रेडियो में शब्द और आवाज़ ही सब कुछ है	2
प्रश्न 9	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	उल्टा पिरामिड शैली मे समाचार पत्र के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को सर्वप्रथम लिखा जाता है। उसके बाद घटते हुए महत्व क्रम में दूसरे तथ्यों या सूचनाओं को बताया जाता है। इस शैली के अंतर्गत समाचारों को तीन भागों में विभाजित किया जाता है – इंट्रो,बॉडी,समापन	3
(ii)	समाचार पत्र तभी सम्पूर्ण समझा जाता है , जब उसका कलेवर व्यापक होता है | पाठक अपनी रुचियों की सारी ख़बरें ,जैसे साहित्य ,विज्ञानं , खेल आदि की विस्तार से जानकरी पढना चाहते है |इसके आलावा सामान्य ख़बरों से हटकर विशेष क्षेत्रों और विषयों के बारें में जानकारी देना जरूरी है |	3
(iii)	मुद्रित माध्यम की सीमाएँ : निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम किसी काम के नहीं होते। ये तुरंत घटी घटनाओं को संचालित नहीं कर सकते। इसमें स्पेस तथा शब्द सीमा का ध्यान रखना पड़ता है। इसमें एक बार समाचार छप जाने के बाद अशुद्धि-सुधार नहीं किया जा सकता।	3
	प्रश्न – पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2	
प्रश्न 10	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	(i) बादलों के आगमन से प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन होते है। समीर बहने लगती है। बादल गरजने लगते है। मूसलाधार वर्षा होती है। बिजली चमकने लगती है। छोटे-छोटे पौधे खिल उठते हैं। गर्मी के कारण दुखी प्राणी बादलों को देखकर प्रसन्न हो जाता है।	3
(ii)	कवितावली' में उद्धृत छंदों के अध्ययन से पता चलता है कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है। उन्होंने समकालीन समाज का यथार्थपरक चित्रण किया है। तुलसी दास तो यहाँ तक बताते हैं कि पेट भरने के लिए लोग गलत-सही सभी कार्य करते हैं। उनके समय में भयंकर गरीबी व बेरोजगारी थी। गरीबी के कारण लोग अपनी संतानों तक को बेच देते थे। बेरोजगारी इतनी अधिक थी कि लोगों को भीख तक नहीं मिलती थी। दरिद्रता रूपी रावण ने हर तरफ हाहाकार मचा रखा था।	3
(iii)	दिन जल्दी-जल्दी ढलता है-की आवृत्ति से यह प्रकट होता है कि लक्ष्य की तरफ़ बढ़ने वाले मनुष्य को समय बीतने का पता नहीं चलता। गंतव्य का स्मरण पथिक के कदमों में स्फूर्ति भर देता है।	3

प्रश्न 11	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	कवि ने गाँव की सुबह का सुंदर चित्रण करने के लिए गतिशील बिंब-योजना की है। भोर के समय आकाश नीले शंख की तरह पवित्र लगता है। उसे राख से लिपे चौके के समान बताया गया है जो सुबह की नमी के कारण गीला लगता है। फिर वह लाल केसर से धोए हुए सिल-सा लगता है।	2
(ii)	कवि ने पतंग के लिए सबसे हलकी और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज, सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग किया है। वह इसके माध्यम से पतंग की विशेषता तथा बाल-सुलभ चेष्टाओं को बताना चाहता है। बच्चे भी हलके होते हैं, उनकी कल्पनाएँ रंगीन होती हैं। वे अत्यंत कोमल व निश्छल मन के होते हैं। इसी तरह पतंगें भी रंगबिरंगी, हल्की होती हैं।	2
(iii)	कविता और बच्चों में समानांतर रखने के निम्नलिखित कारण हैं- * बच्चों के समान कविता में शब्दों की कोई सीमा नहीं होती है। जैसे बच्चे खेलते समय सारी सीमाएँ तोड़ देते हैं, वैसे ही कविता भी सारी सीमाएँ तोड़ देती है * बच्चों व कविता के लिए कोई अपना-पराया नहीं होता है। सब उनके अपने होते हैं। * जिस प्रकार बच्चों की कल्पनाएँ अनंत होती हैं, वैसे ही कवि की कल्पनाओं का अनंत रूप कविता होती है	2
प्रश्न 12	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी' शिरीष को अद्भुत अवधूत मानते हैं, क्योंकि संन्यासी की भाँति वह सुख-दुख की चिंता नहीं करता। शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार करता है	3
(ii)	ढोलक की आवाज़ से रात की विभीषिका और सन्नाटा कम होता था महामारी से पीड़ित लोगों की नसों में बिजली सी दौड़ जाती थी, उनकी आँखों के सामने दंगल का दृश्य साकार हो जाता था और वे अपनी पीड़ा भूल खुशी-खुशी मौत को गले लगा लेते थे।	3
(iii)	जीजी जी ने इंद्रसेना पर पानी फेंकने की बात अनेक तरह के तर्क देकर सही ठहराया। जीजी कहा कि यदि हम इंदर सेना पर पानी नहीं फेकेंगे तो भगवान हमें पानी कैसे देंगे। जिस तरह भगवान से किसी मनोकामना की पूर्ति के लिए कुछ चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है, उसी तरह हम पानी रूप अर्ध्य भगवान पर चढ़ायेंगे तो बदले में ईश्वर पानी की बारिश करेंगे।	3
प्रश्न 13	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	जब सामान बेचने वाले बेकार की चीजों को आकर्षक बनाकर बेचने लगते हैं, तब बाज़ार में बाजारुपन आ जाता है। जो विक्रेता, ग्राहकों का शोषण नहीं करते और छल-कपट से ग्राहकों को लुभाने का प्रयास नहीं करते साथ ही जो ग्राहक अपनी आवश्यकताओं की चीजें खरीदते हैं वे बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं।	2
(ii)	भक्तिन तो देहाती थी ही पर उसके आ जाने पर महादेवी भी अधिक देहाती हो गई, पर उसे शहर की हवा नहीं लग पाई है। उसने महादेवी को भी देहाती खाने की विशेषताएँ बता-बताकर उनके खाने की आदत डाल दी। वह बताती कि मकई का रात को बना दलिया सवेरे मट्टे से सौंधा लगता है। बाजरे के तिल लगाकर बनाये पुए बहुत अच्छे लगते हैं	2
(iii)	ठीक है कि ढोलक की आवाज में बुखार को दूर करने की ताकत न थी, पर उसे सुनकर मरते हुए प्राणियों को अपनी आँखें मूंदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी। उस समय वे मृत्यु से नहीं डरते थे। इस प्रकार ढोलक की आवाज गाँव वालों को मृत्यु से लड़ने की प्रेरणा देती थी |	2

	प्रश्न – पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2	
प्रश्न 14	यशोधर बाबू सदैव पुराने लोगों के साथ रहे, पले, बढ़े। वे परम्परावादी व सिद्धांतवादी थे | अत: उन परंपराओं को छोड़ नहीं सकते थे। उन पर किशन दा के सिद्धांतों का बहुत प्रभाव था। इन सब कारणों से यशोधर बाबू समय के साथ बदलने में असफल रहते हैं। दूसरी तरफ, उनकी पत्नी पुराने संस्कारों की थीं। वे एक संयुक्त परिवार में आई थीं जहाँ उन्हें सुखद अनुभव हुआ। उनकी इच्छाएँ अतृप्त रहीं। वे मातृ सुलभ प्रेम के कारण अपनी संतानों का पक्ष लेती हैं **<u>अथवा</u>** पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था। लेखक का दृष्टिकोण पढ़ाई के प्रति यथार्थवादी था। उसे पता था कि खेती से गुजारा नहीं होने वाला। पढ़ने से उसे कोई-न-कोई नौकरी अवश्य मिल जाएगी और गरीबी दूर हो जाएगी। वह सोचता भी है-पढ़ जाऊँगा तो नौकरी लग जाएगी, चार पैसे हाथ में रहेंगे, विठोबा आण्णा की तरह कुछ धंधा-कारोबार किया जा सकेगा। दत्ता जी राव का रवैया भी सही है। इसके विपरीत, लेखक के पिता का रवैया एकदम अनुचित था।	**4x1 = 4**

****

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24

SET- 3

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' तथा खंड-'ब'| कुल प्रश्न 14 हैं |
खंड 'अ' में कुल 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं |
खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए |
दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

	खंड-'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)	
प्रश्न संख्या	**अपठित बोध**	**अंक (15)**
प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** जी-20 दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का समूह है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा तय करता है	जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था के एजेंडे तैयार किए जाते हैं	इसमें दुनिया की शीर्ष 19 अर्थव्यवस्था वाले देश और यूरोपीय संघ शामिल है | दुनिया भर का 85% कारोबार जी-20 सदस्य देशों में ही होता है। जी-20 को ग्रुप ऑफ ट्वेंटी भी कहा जाता है। यह यूरोपियन यूनियन एवं 19 देशों का एक अनौपचारिक समूह है। जी-20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत दिसंबर 1999 में हुई थी। इसकी शुरुआत जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हुई थी। इसके बाद यह निश्चय हुआ कि साल में एक बार जी-20 देशों के नेताओं की बैठक की जाएगी। वहीं जी-20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल है। इस साल भारत जी-20 देशों की अध्यक्षता के पद पर कार्यरथ है। सरकार के स्तर पर अगला जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारत के सामने इसे लेकर कठिन चुनौतियां है। भारत के सामने जी-20 की प्राथमिकताओं में समावेशी न्याय, संगत और सतत विकास, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, तकनीकी सक्षम विकास, जलवायु, वित्तपोषण, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा आदि विषय शामिल है। जिन पर विचार किया जाएगा। **1. भारत के सामने जी 20 की प्राथमिकताओं में प्रमुख प्राथमिकता है** a. महिला सशक्तिकरण b. वैश्विक खाद सुरक्षा c. समावेशी न्याय d. उपर्युक्त सभी **2.** जी-20 **में सम्मिलित प्रमुख संगठन का नाम है** a. भारत b. एशिया c. यूरोपीय d. आस्ट्रेलिया	**1×10=10**

	3. जी-20 के वर्ष 2023 की अध्यक्षता कौन करेगा ? a. भारत b. अमेरिका c. जापान d. ब्राजील **4. जी 20 के शिखर सम्मेलन की शुरुआत कहां से हुई ?** a. कनाडा b. बर्लिन c. यूरोपीय संघ d. दिल्ली **5. वर्ष 2023 का** जी-20 **नेताओं का शिखर सम्मेलन कब और कहां आयोजित किया जाएगा ?** a. 9 और 10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में b. 22 और 23 सितंबर 2023 को मास्को में c. . 9 और 10 मार्च 2023 को नई दिल्ली में d. उपर्युक्त सभी जगहों पर **6. दुनिया भर का कितना प्रतिशत व्यवसाय जी-20 के देशों द्वारा किया जाता है?** a. 60 % b. 100% c. 90% d. 85% **7. वैश्विक शब्द में मूल शब्द है -** a. वैश्व b. वैश्वि c. विश्व d. वै **8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए** **कथन 1** जी-20 **वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा तय करता है।** **कथन 2** जी-20 **शिखर सम्मेलनो की शुरुआत 9 और 10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में हुई** **कथन 3 जी 20 में सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, नेपाल और तुर्की शामिल है** **कथन 4 महिला सशक्तिकरण का आगाज सर्वप्रथम जी20 सम्मेलन में हुआ।** **निम्नलिखित में से कौन सा कथन या कौन से कथन सही है -** a. केवल कथन 1 b. केवल कथन 1और 2 c. कथन 1, 2 और 3 d. उपर्युक्त सभी **9. वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा निम्नलिखित में से कौन तय करता/करते हैं** a. भारत b. अमेरिका c. जापान d. जी 20 **10. उपर्युक्त गद्यांश सर्वाधिक उचित शीर्षक का चयन कीजिए –** a. अर्थव्यवस्था का केंद्र जी 20 b. जी-20 में भारत की भूमिका c. जी-20 समूह d. अमेरिका और जी 20	
प्रश्न 2	**दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** प्रभु ने तुमको कर दान किये सब वांछित वस्तु विधान किये तुम प्राप्त करो उनको न अहो फिर है किसका वह दोष कहो? समझो ना अलभ्य किसी धन को नर हो ना निराश करो मन को किस गौरव के तुम योग्य नहीं कब कौन तुम्हें सुख भोग्य नहीं जन हो तुम भी जगदीश्वर के सब है जिसके अपने घर के फिर दुर्लभ क्या उसके जन को? नर हो, ना निराश करो मन को	**1×5 = 5**

	करके विधि-वाद ना भेद करो निज लक्ष्य निरंतर भेद करो बनता बस उद्यम ही विधि है मिलती जिससे सुख की निधि है समझो धिक् निष्क्रिय जीवन को नर हो ना निराश करो मन को। **1.प्रभु ने मनुष्यों को क्या दान में दिया है?** a.हाथ b.धन c. सफल जीवन d.उपरोक्त में से कोई नहीं **2.वांछित वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने में किसका दोष है?** a.परिश्रमी मनुष्य का b.आधुनिकता वादी प्रवृत्ति का c.कर्म व श्रम ना करने वाले मनुष्य का d.उपरोक्त में से कोई नहीं **3. विधि वाद का खेद कौन व्यक्त करते हैं?** a. परिश्रम करने वाले b.भाग्यवादी मनुष्य c.कर्मशील एवं साहसी d.उदार चित वाला मनुष्य **4.काव्यांश में जो प्रेरणा दी गई है, उनमें से सही कथन कौन सा है** **कथन 1.निराश ना होने की** **कथन 2.लक्ष्य प्राप्ति का उचित प्रयास करने की** **कथन 3.कर्म निष्ठा एवं साहसी बनने की** **कथन 4. भाग्य पर विश्वास करने की** a. केवल कथन 1 b. केवल कथन 1और 2 c. कथन 1, 2 और 3 d. उपर्युक्त सभी **5. निम्नलिखित कथनों को सुमेलित कीजिए** **1.जगदीश्वर — क) निस् उपसर्ग** **2.गौरव — ख) परिश्रम** **3.उद्यम — ग) अ प्रत्यय** **4.निष्क्रिय — घ) दीर्घ संधि** a. 1. क 2. ख 3. ग 4. घ b.1. ख 2. क 3. ग 4. घ c.1. घ 2. ग 3. ख 4. क d.1. घ 2. ख 3. ग 4. क	
प्रश्न संख्या	**अभिव्यक्ति और माध्यम**	**अंक (5)**
प्रश्न 3	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढकर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** **1. निम्नलिखित में से कौन सी बातें रेडियों के लिये समाचार लेखन की बुनियादी बातें हैं –** a. साफ-सुधरी और टाइप्ड कॉपी b. डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षरों का उचित प्रयोग c. क और ख दोनों d. कोई भी नहीं	**1×5 = 5**

	2.प्रसारण के लिए तैयार की जा रही समाचार कॉपी को कंप्यूटर पर कितने स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए? a. सिंगल स्पेस b. डबल स्पेस c. ट्रिपल स्पेस d. इनमें से कोई भी नहीं **3. उल्टा पिरामिड शैली में समाचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को कहां लिखा जाता है?** a. सबसे पहले b. बीच में c. आखिर में d. कहीं भी **4. लेखन में हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है?** a.भाषा b. व्याकरण c. वर्तनी d.उपयुक्त सभी **5. निम्नलिखित में से कौन-सा टी.वी. का सूचना चरण नहीं होता ?** a.फोन-इन b.एंकर पैकेज c. ड्राई ऐंकर d.स्क्रिप्ट	
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 4	**निम्नलिखित काव्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी।। अर्ध राति गई कपि नहिं आयउ। राम उठाइ अनुज उर लायउ।। सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ।। मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता।। सो अनुराग कहाँ अब भाई। उठहु न सुनि मम बच बिकलाई ।। जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू। पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू ।। सुत बिन नारि भवन परिवारा। होहिं जाहिं जग बारहिं बारा।। अस बिचारि जिय जागहु ताता। मिलइ न जगत सहोदर भ्राता ।। जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिबर कर हीना।। अस मम जिवन बंधु बिनु तोही। जौं जड़ दैव जिआवै मोही।। जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई। नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई ।। बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं। नारि हानि बिसेष छति नाहीं।। **1. प्रस्तुत पंक्तियों में किस भाषा का प्रयोग हुआ है?** a. ब्रज b. हिंदी c.अवधी d.संस्कृत **2.आधी रात्रि बीत जाने पर भी कौन नहीं आया ?** a.भालू b.वानर c. हनुमान जी d.सुग्रीव जी **3. राम द्वारा लक्ष्मण का स्वभाव कैसा बताया जा रहा है?** a. उग्र b.कठोर c.शांत एवं धैर्यवान d.कोमल एवं मृदु **4. लक्ष्मण ने राम के लिए क्या किया?** a. माता-पिता का त्याग b.वन में नाना प्रकार के कष्टों का सहन c. सदैव हनुमान का साथ देते रहे d. 'क' एवं 'ख' दोनों	**1×5 = 5**

	5.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। **कथन(A) : लक्ष्मण जी ने श्री राम जी के हित हेतु जंगल में सर्दी, गर्मी, बरसात इत्यादि सभी प्रकार के कष्टों को सहन किया ।** **कारण (R): लक्ष्मण जी ने अपने माता पिता को इस बात का वचन दिया था।** a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है। b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है। c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता	
प्रश्न 5	**निम्नलिखित गद्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन-धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आपमें सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ है? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। **1. शिरीष का वृक्ष किस प्रकार की भावना जगाता है ?** a.संघर्षशीलता b.सरसता c.जुझारूपन d. उपर्युक्त सभी **2. शिरीष के पेड़ को अवधूत क्यों कहा गया है?** a.योगियों की तरह कठिन परिस्थितियों में मस्त रहना। b. मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर करने के कारण c.विपरीत परिस्थितियों में भी सरस बने रहना। d.'a', 'और 'c' दोनों **3. अंत में लेखक ने शिरीष की तुलना किसके साथ की है?** a.महात्मा गांधी b. सुभाष चंद्र बोस c. सरदार पटेल d.लाल बहादुर शास्त्री **4. जेठ माह की कठिन धूप में भी हरा-भरा रहने वाला शिरीष हमें क्या प्रेरणा देता है?** a. सदैव प्रसन्न रहने की b.हर परिस्थिति से समझौता कर लेने को c. हर परिस्थिति में डटे रहने की d. कठोरता बनाए रखने की **5. निम्नलिखित कथनों को सुमेलित कीजिए** **कॉलम 1** / **कॉलम 2** **1. शिरीष को संज्ञा** / **क. मार-काट, लूट-पाट आदि** **2. शिरीष की विशेषता** / **ख. चिलचिलाती धूप में सरस रहना** **3.एक बूढा** / **ग. महात्मा गांधी** **4. बवंडर** / **घ. अवधूत**	**1×5 = 5**

	a. 1. क 2. ख 3. ग 4. घ b.1. ख 2. क 3. ग 4. घ c.1. घ 2. ग 3. ख 4. क d.1. घ 2. ख 3. ग 4. क	
प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 6	**निम्नलिखित पेश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** **1. जनार्दन' शब्द सुनकर यशोधर पंत को किसकी याद आई ?** a. किशन दा की b.भूषण की c.अपने बहनोई जनार्दन जोशी की d.चड्ढा की **2. यशोधर बाबू का विवाह कब हुआ था ?** a.6 फरवरी, 1947 b. 6 फरवरी, 1946 c.5 फरवरी, 1947 d.6 फरवरी,1945 **3. जूझ' उपन्यास मूलतः किस भाषा में रचित है?** a. मराठी b. गुजराती c. अवधी d. ब्रज **4. 'जूझ' के कथानायक का क्या नाम बताया गया है?** a.. आनंदा b. दत्ता जी राव c. मोहन आनंद d. कमल आनंद **5. पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले किससे की?** a. दादा से b. माँ से c. दत्ता जी राव से d. सौंदलगेकर से। **6. सौंदलगेकर किस विषय का अध्यापक था?** a. अंग्रेज़ी का b. गणित का c. मराठी का d. संस्कृत का **7.मुअनजो-दड़ो का क्षेत्रफल लगभग था -** a.20 हैक्टर b.50 हैक्टर c. 100 हैक्टर d. 200 हैक्टर **8.मुअनजो-दड़ो में अनुष्ठान के समय सामूहिक स्नान किसमें किया जाता था ?** a.कुएँ में b.महाकुंड में c. नदी में d.तालाब में **9.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।** **कथन(A) : यशोधर बाबू के बच्चे उन्हें जनार्दन जोशी जी(यशोधर बाबू के जीजा जी) के समाचार लेने से रोकते हैं।** **कारण (R): लेखक संदेश देना चाहता है कि रिश्तो को निभाना पुरानी पीढ़ी की दकियानूसी सोच है** a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है। b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है। c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या	1×10=10

	करता **10. निम्नलिखित कथनों में से सही कथन का चयन कीजिए** **कथन 1. जल-निकासी हेतु प्रत्येक घर में पक्की ईंटों से बनी नालियाँ होती थी जो बाहर एक हौद में खुलती थी।** **कथन 2. मोहनजोदड़ो में कुँओं की संख्या 700 थी।** **कथन 3. 'अतीत मैं दबे पांव' पाठ के लेखक ओम थानवी है** **कथन 4.मुअनजो-दड़ो की गलियों में घूमते हुए लेखक को पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित बामनवास गाँव की याद आती है ।** a. केवल कथन 1 b. केवल कथन 1और 2 c. कथन 1, 2 और 3 d. उपर्युक्त सभी	
	खण्ड-'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
प्रश्न संख्या	**जनसंचार और सृजनात्मक लेखन**	**अंक (16)**
प्रश्न 7	**निम्नलिखित दिए गए 03 विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -** क. मेरी कक्षा का ब्लैक बोर्ड ख. यदि मैं प्रधानमन्त्री होता ग. जहां न पहुँचे रवि वहाँ न पहुँचे कवि	**6×1=6**
प्रश्न 8	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-** (i) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? अथवा रेडियो नाटक की कहानी में किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ? (ii) अप्रत्याशित विषयों पर लेखन को प्राथमिकता क्यों दी जाती है ? अथवा कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कौन-कौन सी समस्याएँ आती हैं ?	**2×2=4**
प्रश्न 9	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** (i) बीट रिपोर्टिंग तथा विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अन्तर है ? (ii) रेडियो और टेलीविज़न समाचार की भाषा और शैली पर प्रकाश डालिए। (iii) हिंदी नेट संसार या वेब पत्रकारिता के इतिहास पर प्रकाश डालिए।	**3×2=6**
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (20)**
प्रश्न 10	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** (i) उषा' कविता में कौन-कौन-से उपमानों का उल्लेख हुआ है? (ii) पर्दे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है ?	**3×2=6**

	(iii) 'बात सीधी थी पर' कविता का सन्देश स्पष्ट कीजिए |	
प्रश्न 11	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** (i) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने खेत को रस का अक्षय पात्र क्यों कहा है? (ii) फ़िराक' की रूबाइयों में उभरे घरेलू जीवन के बिंबों का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। (iii) 'आत्मपरिचय' कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए |	**2×2=4**
प्रश्न 12	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** (i) 'पहलवान की ढोलक गाँव के असहाय और मरणासन्न लोगों को बढ़ने का हौसला देती है।' इस कथन के सन्दर्भ में तर्क प्रस्तुत कीजिये । (ii) सही में अबेडकर ने भावनात्मक समत्व की मानवीय दृष्टि के तहत जातिवाद का उन्मूलन चाहा है, जिसकी प्रतिष्ठा के लिए भौतिक स्थितियों और जीवन सुविधाओं का तर्क दिया है। क्या इससे आप सहमत हैं? (iii) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा ज़बरन पति थोपा जाना एक दुर्घटना भर नहीं, बल्कि विवाह के सन्दर्भ में स्त्री के मानवाधिकार (विवाह करें या न करें अथवा किससे करें) इसकी स्वतंत्रता को कुचलते रहने की सदियों से चली आ रही सामाजिक परंपरा का प्रतीक है |कैसे ?	**3×2=6**
प्रश्न 13	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** (i) पानी दे गुड़धानी दे' मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है ? (ii) सिद्ध कीजिए कि शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार करता है ? (iii) बाजारूपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं?	**2×2=4**
प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (04)**
प्रश्न 14	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 02 प्रश्नों में से किसी 01 प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए –** सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था।' ऐसा क्यों कहा गया? अथवा कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारण में क्या बदलाव आया? यदि आप लेखक के स्थान पर होते तो कैसा अनुभव करते?	**4x1 = 4**

****

अंक-योजना प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24

SET- 3

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |

खंड-'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाएगा |

खंड-'ब' में वर्णात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं |

यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ | मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाएगा |

	खंड-'अ' वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
प्रश्न 1	**प्रश्न - अपठित बोध - गद्यांश**	**1×10=10**
1.	d. उपर्युक्त सभी	1
2.	c. यूरोपीय	1
3.	a. भारत	1
4.	b. बर्लिन	1
5.	a. . 9 और 10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में	1
6.	d. 85%	1
7.	c. विश्व	1
8.	b. केवल कथन 1और 2	1
9.	d. जी 20	1
10.	c. जी-20 समूह	1
प्रश्न 2	**प्रश्न - अपठित बोध - पद्यांश**	**1×5 = 5**
1.	a.हाथ	1
2.	c.कर्म व श्रम ना करने वाले मनुष्य का	1
3.	b.भाग्यवादी मनुष्य	1
4.	c. कथन 1, 2 और 3	1
5.	c.1. घ 2. ग 3. ख 4. क	1
प्रश्न 3	**प्रश्न - अभिव्यक्ति और माध्यम**	**1×5 = 5**
1.	c. क और ख दोनों	1
2.	c. ट्रिपल स्पेस	1
3.	a. सबसे पहले	1
4.	d.उपयुक्त सभी	1
5.	d.स्क्रिप्ट	1
प्रश्न 4	**प्रश्न - काव्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	c.अवधी	1

2.	c. हनुमान जी	1
3.	d.कोमल एवं मृदु	1
4.	d. 'क' एवं 'ख' दोनों	1
5.	a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।	1
प्रश्न 5	**प्रश्न - गद्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	d. उपर्युक्त सभी	1
2.	d.'a', 'और 'c'	1
3.	a.महात्मा गांधी	1
4.	c. हर परिस्थिति में डटे रहने की	1
5.	d.1. घ 2. ख 3. ग 4. क	1
प्रश्न 6	**प्रश्न - पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**1×10=10**
1.	c.अपने बहनोई जनार्दन जोशी की	1
2.	a.6 फरवरी, 1947	1
3.	a.मराठी	1
4.	a.आनंदा	1
5.	a मां से	1
6.	c. मराठी का	1
7.	d. 200 हैक्टर	1
8.	b.महाकुंड में	1
9.	a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।	1
10.	c. कथन 1, 2 और 3	1
	खंड-'ब' वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
	जनसंचार और सृजनात्मक लेखन	
प्रश्न 7	**दिए गए 03 विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख:** आरम्भ - 1 अंक, विषयवस्तु - 3 अंक, प्रस्तुति - 1 अंक, भाषा - 1 अंक	**6×1=6**
प्रश्न 8	प्रश्न – लगभग 40 शब्दों में उत्तर:	**2×2=4**
(i)	उत्तर-कहानी अथवा कथानक का नाट्य रूपांतरण करते समय निम्नलिखित आवश्यक बातों का ध्यान रखना चाहिए- i) कथानक के अनुसार ही दृश्य दिखाए जाने चाहिए। ii) नाटक के दृश्य बनाने से पहले उसका खाका तैयार करना चाहिए। iii) नाटकीय संवादों का कहानी के मूल संवादों के साथ मेल होना चाहिए। iv) कहानी के संवादों को नाट्य रूपांतरण में एक निश्चित स्थान मिलना चाहिए। v) संवाद सहज, सरल, संक्षिप्त, सटीक, प्रभाभी शैली और बोलचाल की भाषा में होने चाहिए। **<u>अथवा</u>** उत्तर- रेडियो नाटक में कहानी में इन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है- (i). **कहानी एक घटना प्रधान न हो**-रेडियो नाटक की कहानी एक्शन आधारित नहीं होनी चाहिए क्योंकि ऐसी कहानी श्रोताओं को थोड़ी देर में ही ऊबाऊ बना देती है (ii). **अवधि सीमा -** रेडियो नाटक की अवधि पंद्रह से तीस मिनट तक हो सकती है। रेडियो नाटक की अवधि इससे अधिक नहीं होनी चाहिए क्योंकि रेडियो नाटक को सुनने के लिए मनुष्य की एकाग्रता की अवधि 15 से 30 मिनट तक की होती है। (iii) **पात्रों की संख्या सीमित हो** - रेडियो नाटक में अधिकतम 5 पात्र हो सकते है क्योंकि रेडियो नाटक में श्रोता पात्रों की पहचान उनकी आवाज के द्वारा ही करता है |	2

(ii)	उत्तर : अप्रत्याशित विषयों पर लेखन को प्राथमिकता देने के लाभ इस प्रकार है– i) इससे मनुष्य दूसरों पर निर्भर नहीं रहता । ii) इससे मनुष्य के सोचने की ताकत बढ़ जाती है । iii) इससे मनुष्य में नए व मौलिक विचार आते हैं । iv) इससे लेखन कौशल बढ़ता है । **अथवा** **नाट्य रूपांतरण करते समय कौन-कौन सी समस्याएँ आती हैं ?** उत्तर- कहानी के नाट्य रूपांतरण में निम्नलिखित समस्याएँ आती हैं - i) पात्रों के मनोभावों और उससे सम्बन्धित प्रसंगों की नाटकीय प्रस्तुति करना । ii) पात्रों के द्वंद्वों की नाटकीय प्रस्तुति करना । समाधान – इसके लिए स्वगत कथन यानी मंच के एक कोने में जाकर बोलना चाहिए । साथ ही वायस ओवर का प्रयोग करना चाहिए जिसमें मंच के पीछे से आवाज़ आए ।	2
प्रश्न 9	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	उत्तर : i) बीट रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता को उस क्षेत्र की सामान्य जानकारी होनी चाहिए किन्तु विशेषीकृत रिपोर्टिंग में संवाददाता को उस क्षेत्र की गहरी समझ होनी चाहिए । ii) बीट रिपोर्टिंग में संवाददाता को बीट से जुड़ी सामान्य खबरें लिखनी होती है जबकि विशेषीकृत रिपोर्टिंग में संवाददाता को विशेष क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं और मुद्दों का बारीकी से विश्लेषण कर पाठकों के लिए अर्थ स्पष्ट करना होता है । iii) बीट रिपोर्टिंग की भाषा-शैली सामान्य जबकि विशेषीकृत रिपोर्टिंग की भाषा-शैली विशेष होती है।	3
(ii)	उत्तर : रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा की विशेषताएँ इस प्रकार हैं - i) भाषा सरल किन्तु स्तरीय हो । आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया ज ii) वाक्य छोटे सीधे और स्पष्ट लिखे जाएँ। वाक्यों में तारतम्य हो । iii) गैरजरूरी विशेषणों, तत्सम शब्दों, उपमाओं आदि से बचना चाहिए। iv) मुहावरों का इस्तेमाल जहाँ जरूरी हो, वही करना चाहिए। v) रेडियो व टी.वी. में अखबारों से भिन्न निम्नलिखित, उपरोक्त, अधोहस्ताक्षारित, क्रमांक आदि शब्दों का प्रयोग नहीं होता है ।	3
(iii)	हिंदी में नेट पत्रकारिता 'वेब दुनिया' के साथ शुरू हुई। इंदौर के नयी दुनिया समूह से शुरू हुआ यह पोर्टल हिंदी का संपूर्ण पोर्टल है। 'जागरण', 'अमर उजाला', 'नयी दुनिया', 'हिन्दुस्तान', 'भास्कर', 'राजस्थान पत्रिका', 'नवभारत टाइम्स', 'प्रभात खबर' व 'राष्ट्रीय सहारा' के वेब संस्करण शुरू हुए । 'प्रभासाक्षी' नाम से शुरू हुआ अखबार, प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ़ इंटरनेट पर ही उपलब्ध है। आज पत्रकारिता के लिहाज़ से हिंदी की सर्वश्रेष्ठ साइट बीबीसी की है। बेव जगत का एक अच्छा पहलू यह भी है कि इसमें कई साहित्यिक पत्रिकाएँ चल रही ।	3
	प्रश्न - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2	
प्रश्न 10	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	उत्तर- 'उषा' कविता में प्रयुक्त उपमान इस प्रकार हैं - 1. नीला शंख- सुबह के आकाश के लिए। 2 राख से लीपा हुवा चौका- भोर के नभ के लिए। 3. काली सिल अंधेरे से युक्त आसमान। 4. स्लेट पर लाल खड़िया चाक- भोर से नमी युक्त वातावरण में उगते सूरज की लालिमा	3

	के लिए। 5. नीले जल में झिलमिलाती गोरी देह- नीले आकाश में आता सूरज	
(ii)	उत्तर- प्रसारण समय में रोचक सामग्री परोस पाना ही मीडिया कर्मियों का एकमात्र उद्देश्य होता है	प्रसारण के समय में वे कार्यक्रम को अधिक से अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए सभी हथकंडे आजमा लेते हैं	उन्हें किसी की पीड़ा से कम नहीं बल्कि बढ़ा- चढ़ाकर दिखने की आदत होती हैं। मीडियाकर्मी को व्यावसायिक उद्देश्य पूरा करने से सरोकार रहता हैं		3
(iii)	कविता में कथ्य व माध्यम के द्वंद्व को बताते हुए कहा गया है कि हमें बात बात को सीधे-सरल शब्दों में कहना चाहिए	भाषा को सुन्दर, अलंकृत और जटिल बनाने के चक्कर में बात उलझने लगती है और मूल बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है	इसलिए हमें सही बात के लिए सही शब्दों का प्रयोग करना चाहिए	साथ ही भाषा की सरलता पर ध्यान देना चाहिए		3
प्रश्न 11	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	कवि ने खेत को रस का अक्षय पात्र इसलिए कहा है क्योंकि अक्षय पात्र में रस कभी खत्म नहीं होता। उसके रस को जितना बाँटा जाता है, उतना ही वह भरता जाता है। खेत की फसल कट जाती है, परंतु वह हर वर्ष फिर उग आती है। कविता का रस भी चिरकाल तक आनंद देता है। यह सृजन-कर्म की शाश्वतता को दर्शाता है।	2
(ii)	फ़िराक की रूबाइयों में घरेलू जीवन के अत्यंत सुंदर चित्र उपस्थित है। जैसे-माँ अपने प्यारे शिशु को लेकर आँगन में खड़ी है, वह उसे झुलाती है, हँसाती है। इसमें बच्चे के नहलाने के दृश्य का सजीव चित्रांकन हुआ है। इसी प्रकार दीवाली व रक्षाबंधन जैसे पर्व को जिस प्रकार अभिव्यक्त किया गया है, वह आम आदमी से जुड़ा हुआ है। बच्चे का किसी वस्तु के लिए ज़िद करना और माँ द्वारा उसे बहलाना जैसे दृश्य आम परिवारों में भी दिखाई देते हैं।	2
(iii)	इस कविता में कवि ने निम्नलिखित बातों को प्रकट किया है- कवि ने स्वयं की अस्मिता को दुनिया के सामने प्रकट किया है | कवि ने अपने कोमल भाव व प्रेम भरे विचार प्रकट किए हैं | कवि ने अपने स्वप्नों के संसार को प्रकट किया है | कवि ने अपने निजी प्रेम और हृदय में प्रेम की आग को सबके सामने प्रकट किया है | कविता की एक-एक पंक्ति कवि का परिचय दे रही है	अतः यह शीर्षक सार्थक है		2
प्रश्न 12	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	लुट्टन पहलवान की डोलक बजती है, तो गाँव के मरीज और बेसहारा लोगों को उत्साह मिलता है। उन्हें मौत के मुँह में बैठकर भी हौसला मिलता है। हिम्मत मिलती है कहते हैं लोग शेर के आने की शंका से डरते हैं, मौत का आना आशंका थी। पहलवान की ढोलक की आवाज सुनते ही बड़े बच्चे जवानों की आँखों के सामने दंगल का दृश्य नाचने लगता था। तब उन लोगों के बेजान अंगों में बिजली दौड़ जाती थी। उनकी तेजविहीन आखों के सामने दंगल का दृश्य उपस्थित हो जाता और वे मौत की आशंका को भूल जाते थे।	3
(ii)	आंबेडकर ने भावनात्मक समत्व की मानवीय दृष्टि के तहत जातिवाद का उन्मूलन चाहा, जिसकी प्रतिष्ठा के लिए भौतिक स्थितियों और जीवन सुविधाओं का तर्क दिया है। हम उनकी इस बात से सहमत है। आदमी की भौतिक स्थितियाँ उसके स्तर को निर्धारित करती है। जीवन जीने की सुविधाएँ मनुष्य को सही मायनों में मनुष्य सिद्ध करती है। व्यक्ति का रहन सहन और चाल चलन काफी हद तक उसकी जातीय भावना को खत्म कर देता है।	3
(iii)	एक दिन भक्तिन को घर में न पाकर उसके जेठ के बड़े लड़के का साला भक्तिन की बेटी की कोठरी में घुस गया, तो भक्तिन की बेटी ने उसे अच्छी तरह पीटा	जेठ के बड़े लड़के व उसके समर्थकों ने पंचों को बुलाया	तब उस युवक ने झूठ बोला कि इस लड़की ने मुझे बुलाया था	पंचायत ने उन्हें पति-पत्नी की तरह रहने का फैसला सुनाया और भक्तिन की	3

	बेटी की बात न सुनी	स्पष्ट है कि सामाजिक परंपरा की आड़ में विवाह के सन्दर्भ में स्त्री के मानवाधिकार व स्वतंत्रता को कुचला जा रहा है		
प्रश्न 13	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	गुड़धानी गुड़ व अनाज के मिश्रण से बने खाद्य पदार्थ को कहते हैं। बच्चे मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग करते हैं। ●पानी से प्यास बुझती है, साथ ही अच्छी वर्षा से ईख व धान भी उत्पन्न होता है, यहाँ गुढधानी से अभिप्राय अनाज से है। गाँव की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित होती है जो वर्षा पर निर्भर है। अच्छी वर्षा से अच्छी फसल होती है जिससे लोगों का पेट भरता है। और चारों तरफ खुशहाली छा जाती है।	2
(ii)	शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार करता है	जब पृथ्वी अग्नि के समान तप रही होती है वह तब भी कोमल फूलों से लदा लहलहाता रहता है	बाहरी गरमी, धूप, वर्षा आँधी, लू उसे प्रभावित नहीं करती। इतना ही नहीं वह लंबे समय तक खिला रहता है	शिरीष विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्यशील रहने तथा अपनी अजेय जिजीविषा के साथ निस्पृह भाव से प्रचंड गरमी में भी अविचल खड़ा रहता है।	2
(iii)	ग्राहक व दुकानदार के बीच कपट का बढ़ना और सद्भाव का घटना बाजारूपन है जिसमें दोनों एक-दूसरे को ठगने की कोशिश करते हैं और एक को दूसरे के नुकसान में अपना लाभ दिखाई देता है	 लेखक के अनुसार बाजार को सार्थकता और सच्चा लाभ भगत जी जैसे लोग ही दे सकते हैं जिनका मन भरा हो यानी आवश्यकताएँ तय हो और जो ज़रूरत की चीजें ही बाज़ार से खरीदते हो		2
	प्रश्न - पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2	
प्रश्न 14	उत्तर..सिंधु घाटी के लोगों में कला या सुरुचि का महत्त्व ज्यादा था। वास्तुकला या नगर-नियोजन ही नहीं, धातु और पत्थर की। मूर्तियाँ, मृद्-भांडे, उन पर चित्रित मनुष्य, वनस्पति और पशु-पक्षियों की छवियाँ, सुनिर्मित मुहरें, उन पर बारीकी से उत्कीर्ण आकृतियाँ, खिलौने, केश-विन्यास, आभूषण और सबसे ऊपर सुघड़ अक्षरों का लिपिरूप सिंधु सभ्यता को तकनीक-सिद्ध से ज्यादा कला-सिद्ध जाहिर करता है। सिंधु सभ्यता समाज प्रधान थी। यह व्यक्तिगत न होकर सामूहिक थी। इसमें न तो किसी राजा का प्रभाव था और न ही किसी धर्म विशेष का। अतः सिंधु सभ्यता का सौंदर्य समाज पोषित था ***अथवा*** उत्तर.. **कविता के प्रति लगाव से पहले लेखक को** ढोर चराते, पानी लगाते व दूसरे काम करते अकेलापन खटकता था	उसे लगता था कि खेत में काम करते समय कोई साथ में हो जिससे वह गपशप व हँसी मज़ाक कर सके | **कविता के प्रति लगाव के बाद उसे** अकेलापन अच्छा लगता था व खेत में उसका समय आसानी से निकल जाता है	उसे लगता था कि अकेला होने पर वह ऊँची आवाज़ में गा सकता है व थुई-थुई कर नाच सकता है		**4x1 = 4**

****

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24

SET- 4

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' तथा खंड-'ब'| कुल प्रश्न 14 हैं |
- खंड 'अ' में कुल 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं |
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए |
- दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

	खंड-'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)	
प्रश्न संख्या	**अपठित बोध**	**अंक (15)**
प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** राहे पर खड़ा है, सदा से ठूँठ नहीं है। दिन थे जब वह हरा भरा था और उस जनसंकुल चौराहे पर अपनी छतनार डालियों से बटोहियों की थकान अनजाने दूर करता था। पर मैंने उसे सदा ठूँठ ही देखा है। पत्रहीन, शाखाहीन, निरवलंब, जैसे पृथ्वी रूपी आकाश से सहसा निकलकर अधर में ही टंग गया हो। रात में वह काले भूत-सा लगता है, दिन में उसकी छाया इतनी गहरी नहीं हो पाती जितना काला उसका जिस्म है और अगर चितेरे को छायाचित्र बनाना हो तो शायद उसका-सा 'अभिप्राय' और न मिलेगा। प्रचंड धूप में भी उसका सूखा शरीर उतनी ही गहरी छाया ज़मीन पर डालता जैसे रात की उजियारी चाँदनी में। जब से होश सँभाला है, जब से आँख खोली है, देखने का अभ्यास किया है, तब से बराबर मुझे उसका निस्पंद, नीरस, अर्थहीन शरीर ही दिख पड़ा है। पर पिछली पीढ़ी के जानकार कहते हैं कि एक जमाना था जब पीपल और बरगद भी उसके सामने शरमाते थे और उसके पत्तों से, उसकी टहनियों और डालों से टकराती हवा की सरसराहट दूर तक सुनाई पड़ती थी। पर आज वह नीरव है, उस चौराहे का जवाब जिस पर उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम चारों और की राहें मिलती हैं और जिनके सहारे जीवन अविरल बहता है। जिसने कभी जल को जीवन की संज्ञा दी, उसने निश्चय जाना होगा की प्राणवान जीवन भी जल की ही भांति विकल, अविरल बहता है। सो प्राणवान जीवन, मानव संस्कृति का उल्लास उपहार लिए उन चारों राहों की संधि पर मिलता था जिसके एक कोण में उस प्रवाह से मिल एकांत शुष्क आज वह ठूँठ खड़ा है। उसके अभाग्यों परंपरा में संभवतः एक ही सुखद अपवाद है - उसके अंदर का स्नेहरस सूख जाने से संख्या का लोप हो जाना। संज्ञा लुप्त हो जाने से कष्ट की अनुभूति कम हो जाती है। **1. जनसंकुल का क्या आशय है?** a.जनसंपर्क b.भीड़भरा c.जनसमूह d.जनजीवन **2. आम की छतनार डालियों के कारण क्या होता था?** a. यात्रियों को ठंडक मिलती थी b. यात्रियों को विश्राम मिलता था	**1×10=10**

	c. यात्रियों की थकान मिटती थी d. यात्रियों को हवा मिलती थी **3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-** **कथन (I) उसका सुखा शरीर तेज धूप और चाँदनी रात में एक जैसी ही छाया जमीन पर डालता है ।** **कथन (II) अभी इसकी छाया पीपल और बरगद से गहरी है।** **कथन (III) जीवन वायु की तरह बहता है ।** **कथन (IV) लेखक ने उसे हरा भरा देखा है।** **गद्यांश के अनुसार कौन सा/से कथन सही हैं ?** a. केवल कथन। सही है। b. केवल कथन ॥ सही है। c. केवल कथन ॥ और ॥ सही हैं। d. केवल कथन । और IV सही हैं। **4. आम के वृक्ष के सामने पीपल और बरगद के शरमाने का क्या कारण था?** a. उसका अधिक हरा-भरा और सघन होना b. हवा की आवाज सुनाई देना c. अधिक फल फूल लगना d.अधिक ऊँचा होना **5. आम के अभागेपन में संभवतः एक ही सुखद अपवाद था -** a. उसका नीरस हो जाना b. संज्ञा लुप्त हो जाना c. सूख कर ठूँठ हो जाना d. अनुभूति कम हो जाना **6. "अविरल" शब्द में उपसर्ग कौनसा हैं ?** a. विर् b.अ c. र d. ल **7. "नीरस" शब्द का क्या अर्थ होता है ?** a. चतुर b.पत्रहीन c.जिसमें रस न हो d. परंपरा **8. संज्ञा लुप्त हो जाने से कष्ट की _____ कम हो जाती है।** a. परम्परा b.अनुभूति c.जिन्दगी d. परीक्षा **9.एक जमाना था जब पीपल और बरगद भी उसके सामने शरमाते थे- कौन कहते हैं ?** a. पिछली पीढ़ी के जानकार b.नई पीढ़ी के जानकार c. वैज्ञानिक d. साहित्यकार **10.गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए |** a. प्राणवान जीवन b.आम का वृक्ष c.मानव संस्कृति d. पीपल और बरगद	
प्रश्न 2	**दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** सूख रहा है समय इसके हिस्से की रेत उड़ रही है आसमान में	**1×5 = 5**

सूख रहा है
आँगन में रखा पानी का गिलास
पँखुरी की साँस सूख रही है
जो सुन्दर चोंच मीठे गीत सुनाती थी
उससे अब हाँफने की आवाज़ आती है
हर पौधा सूख रहा है
हर नदी इतिहास हो रही है
हर तालाब का सिमट रहा है कोना
यही एक मनुष्य का कंठ सूख रहा है
वह जेब से निकालता है पैसे और
खरीद रहा है बोतल बंद पानी
बाकी जीव क्या करेंगे अब
न उनके पास जेब है न बोतल बंद पानी

1.'सूख रहा है समय' कथन का क्या आशय है ?

a. गर्मी बढ़ रही है
b. जीवनमूल्य समाप्त हो रहे है
c.फूल मुरझाने लगे है
d.नदियाँ सूखने लगी है

2. हर नदी के इतिहास होने का तात्पर्य है -

a.नदियों के नाम इतिहास में लिखे जा रहे है
b. नदियों का इतिहास रोचक है
c. नदियों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है
d. लोगों को को नदियों की जानकारी नहीं है

3. "पँखुरी की साँस सूख रही है
जो सुन्दर चोंच मीठे गीत सुनाती थी"
ऐसी परिस्थिति किस कारण से उत्पन्न हुई ?

a.मौसम बदल रहे है
b.अब पक्षी के पास सुन्दर चोंच नहीं है
c.पतझड़ के कारण पत्तियां सूख रही है
d.अब प्रकृति की ओर कोई ध्यान नहीं देता

4. कवि के दर्द का क्या कारण है ?

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
कथन (I)- पँखुरी की साँस सूख रही है
कथन (II)- पक्षी हाँफ रहे है
कथन (III)- मानव का कंठ सूख रहा है
कथन (IV)- प्रकृति पर संकट मंडरा रहा है
निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

विकल्प:-

a. केवल कथन (III) सही है।
b.केवल कथन (IV) सही है।
c.केवल कथन (II) और(III) सही हैं।
d.केवल कथन (I) और(IV) सही हैं।

5. कॉलम 1 कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1		**कॉलम 2**	
1	रेत	(i)	आँगन

	2	पानी का गिलास	(ii)	जेब
	3	पैसे	(iii)	आसमान

a. 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)
b.1-(ii), 2-(iii), 3-(i)
c.1-(iiii), 2-(ii), 3-(i)
d.1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

प्रश्न संख्या	अभिव्यक्ति और माध्यम	**अंक (5)**
प्रश्न 3	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढकर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** **1. निम्नलिखित में से कौन सी बातें रेडियों के लिए समाचार लेखन की बुनियादी बातें हैं -** a. साफ-सुधरी और टाइप्ड कॉपी b. डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षरों का प्रयोग c. क और ख दोनों d. कोई भी नही **2. पहली वेबसाइट अस्तित्व _____ आई थी ?** a. 1992 में b. 1991में c. 1994 में d. 1990 में **3. पत्रकारिता का मूल तत्व क्या है ?** a. लेखन लेखन b. सक्षमता c. जिज्ञासा d. दूरदर्शिता **4. समाचार लिखते समय कितने ककारो को ध्यान में रखा जाता है ?** a. चार b. सात c. छः d. पांच **5. विशेष लेखन के लिए किस प्रकार की भाषा शैली अपेक्षित है?** a. साहित्यिक भाषा b. सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा c. बाजारू भाषा d. हिन्दी उर्दू मिश्रित भाषा	1×5 = 5
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 4	**निम्नलिखित काव्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** बात सीधी थी पर एक बार भाषा के चक्कर में जरा टेढ़ी फँस गई। उसे पाने की कोशिश में भाषा को उलटा-पलटा तोड़ा मरोड़ा घुमाया फिराया कि बात या तो बने या फिर भाषा से बाहर आए लेकिन इससे भाषा के साथ-साथ बात और भी पेचीदा होती चली गई। **1.भाषा के चक्कर में पड़कर बात कैसी हो गई?**	1×5 = 5

	a. सीधी b. उल्टी c. टेढ़ी d. ये सभी **2.उसे पाने की कोशिश में पंक्ति में 'उसे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?** a. कवि b. प्रियसी c. बात d. कलम **3.बात सीधी थी पर' में कवि ने किस पर बल दिया है?** a. भावों की सरलता b. भाषा की जटिलता c. भावों की गंभीरता d. भाषा की सहजता **4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।** **कथन (A) :भाषा के भावों की अभिव्यक्ति ठीक से स्पष्ट नहीं होती।** **कारण (R) : भाषा के साथ तोड़-मरोड़ करने का परिणाम होता है।** a. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है। b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है। c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता। d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। **5.प्रस्तुत काव्यांश का केंद्रीय भाव क्या है?** a. भाषा की सहजता पर जोर देना b. भावों को प्रमुखता प्रदान करना c. बात कहने का ढंग सीखाना d. बातचीत के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करना	
प्रश्न 5	**निम्नलिखित गद्यांश के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-** मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती ? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अंतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफसोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी-'धरा को प्रमान यही तुलसी, जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है! सुनता कौन है? महाकालदेवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी हैं, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो कालदेवता की आँख बचा जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की और मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे ! **1. गद्यांश में किस अधिकार लिप्सा की ओर संकेत किया गया है?** a. अपनी जगह पर जमे रहने के अधिकार का लालच b. किसी अन्य के लिए अधिकार त्यागने की इच्छा c. बलपूर्वक अधिकार छीन लेने का लालच d. इनमें से कोई नहीं **2. जगत के अतिपरिचित और अतिप्रमाणित सत्य क्या है?** a. वृद्धावस्था।	**1×5 = 5**

b. मृत्यु।
c. दोनों ही संसार के अतिपरिचित और अति प्रामाणिक सत्य हैं।
d. दोनों का ही संसार में स्वागत होता है।

3. "जो फरा सो झरा' में जीवन के किस सत्य का उद्घाटन हुआ है?

a. गिरने के लिए ही फूल, फल बनते हैं।
b. जो फलते हैं वे गिरते भी हैं।
c. फलना और गिरना देखने के लिए लोग धरती पर आते हैं।
d. जो इस दुनिया में आया है वह एक दिन अवश्य नष्ट होता है।

4.कॉलम 1 कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1		कॉलम 2	
1	काल देवता की मार से बचना	(i)	कष्ट देना
2	शाश्वत सत्य	(ii)	स्थान बदलते रहना
3	कोड़े बरसाना	(iii)	बुढापा और मृत्यु

a. 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)
b.1-(ii), 2-(iii), 3-(i)
c.1-(iiii), 2-(ii), 3-(i)
d.1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

5. किस प्रकार काल देवता के कोड़ों की मार से बचा जा सकता है ?

a. हिलते-डुलते रहने पर।
b. स्थान बदलते रहने पर।
c. आगे की ओर मुँह किए रहने पर।
d. 'क','ख' और 'ग' तीनों।

प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (10)**
प्रश्न 6	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** **1.मुअनजो-दड़ो के कोठार में क्या संग्रह किया जाता रहा होगा ?** a.खुदाई में निकली चीज़ें b. कर के रूप में हासिल अनाज c. यातायात के साधन d. इनमें से कोई नहीं **2.मुअनजो-दड़ो किस युग के शहरों में सबसे बड़ा शहर है ?** a. लौह युग b. ताम्र युग c. कांस्य युग d. इनमें से कोई नहीं **3. 'मेलुहा' शब्द का प्रयोग किया जाता था -** a. हड़प्पा के लिए b. मुअनजो-दड़ो के लिए c. मेसोपोटामिया के लिए d. मिस्त्र के लिए **4. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-** **कथन(A): 'समहाउ इम्प्राॅपर' वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू लगभग हर बातें के प्रारंभ में तकिया कलाम की तरह करते हैं।** **कारण(R): वह पुरानी पीढ़ी के हैं तथा नए परिवेश में उन्हें कई कमियां नजर आती हैं।** a. कथन (A) सही है कारण (R) गलत है। b. कथन (A) सही नहीं है कारण (R) सही है ।	**1×10=10**

	c. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। d. कथन (A) तथा कारण(R) दोनों सही है कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। **5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-** **कथन (I) : सिंधु सभ्यता में बनाए गए मृद्भांडों पर मनुष्यों, वनस्पतियों व पशु-पक्षियों के सुंदर चित्र थे।** **कथन (II) : सिंधु सभ्यता की मुहरें सुंदर होती थी जिन पर बारीक आकृतियाँ उत्कीर्ण होती थी** **कथन (III) : सिंधु सभ्यता में बड़ी समाधियाँ व महल होते थे।** **कथन (IV) :सिंधु घाटी के लोग अन्न उपजाते नहीं थे बल्कि आयात करते थे।** a. कथन (I) तथा(II) सही हैं। b. कथन (I),(II) तथा(III) सही हैं। c. कथन (II),(III) तथा(IV) सही हैं। d. कथन (II) तथा(III) सही हैं। **6. यशोधर बाबू का विवाह कब हुआ था ?** a. 6 फरवरी, 1947 b. 6 फरवरी, 1946 c. 5 फरवरी, 1947 d. 6 फरवरी, 1945 **7. यशोधर बाबू अपने बीमार बहनोई को देखने कहाँ जाना चाहते थे ?** a. राजस्थान b. इलाहाबाद c. अहमदाबाद d. पटना **8. जूझ कहानी में खेत का कौन-सा काम समाप्त होने के बाद लेखक ने माँ से पढ़ाई की बात की?** a. पानी लगाने का काम b. बिजाई का काम c. कटाई का काम d. कोल्हू का काम **9. लेखक की माँ के अनुसार उसके पति ने लेखक को पाठशाला जाने से क्यों रोक दिया?** a.खर्चे से बचने के लिए b. बीमारी से बचने के लिए c. अनपढ़ता से बचने के लिए d. खुद काम से बचने के लिए **10. 'जूझ' कहानी से लेखक की किस प्रवृत्ति का उद्घाटन हुआ है?** a. पढ़ने की प्रवृत्ति का b. कविता करने की प्रवृत्ति का c. लेखन प्रवृत्ति का d. संघर्षमयी प्रवृत्ति का।	
	खण्ड-'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
प्रश्न संख्या	**जनसंचार और सृजनात्मक लेखन**	**अंक (16)**
प्रश्न 7	**निम्नलिखित दिए गए 03 विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -** क. आधुनिक शिक्षा प्रणाली और विद्यार्थी ख. घटते सामाजिक मूल्य ग. नौकरी के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा	**6×1=6**
प्रश्न 8	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-** **(i)** कहानी के पात्र नाट्य रूपांतरण में किस प्रकार परिवर्तित किये जा सकते हैं ? ***अथवा*** पारंपरिक और अप्रत्याशित विषयों में अंतर बताइए। **(ii) अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के विषय क्या हो सकते हैं?** ***अथवा*** रेडियो नाटक के लिए कहानी का चुनाव करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?	**2×2=4**

प्रश्न 9	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** **(i)** बीट रिपोर्टिंग को विस्तार से समझाइए। **(ii)** स्तम्भ लेखन पर प्रकाश डालिए। **(iii)** हिंदी ऑनलाइन पत्रकारिता के दोष बताइए।	**3×2=6**
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**अंक (20)**
प्रश्न 10	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** (i) हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएंगे पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग किया हैं ? (ii) कविता उषा की भाषा शैली एवं अभिव्यक्ति संबंधी विशेषताएं लिखिए। (iii) कवितावली में उदधृत छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है ।	**3×2=6**
प्रश्न 11	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** (i) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने खेत को रस का अक्षय पात्र क्यों कहा है? (ii) 'बादल राग' कविता में 'ऐ विप्लव के वीर' किसे कहा गया है और क्यों? (iii) 'सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है ।' कैसे ?	**2×2=4**
प्रश्न 12	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-** (i) "भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं" लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा ? (ii) 'बाजारूपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं अथवा बाज़ार की सार्थकता किसमें है? (iii) लोगों ने लड़कों की टोली की मेढक मंडली नाम किस आधार पर दिया? यह टोली अपने आपको इंदर सेना कहकर क्यों बुलाती थी?	**3×2=6**
प्रश्न 13	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-** (i) पहलवान लुट्टन के सुखचैन भरे दिनों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए? (ii) श्रम विभाजन किसे कहते हैं ? (iii) पर्चेजिंग पावर का गर्व बाजार का क्या अहित कर सकता है ?	**2×2=4**
प्रश्न संख्या	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**अंक (04)**
प्रश्न 14	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 02 प्रश्नों में से किसी 01 प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशनदा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। आपके जीवन को दिशा देने में किसका महत्त्वपूर्ण योगदान है और कैसे? ***अथवा*** दत्ताजी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा	**4x1 = 4**

	लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेना पड़ता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता? अनुमान लगाएँ।	

****

अंक-योजना प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24

SET- 4

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)

कक्षा-बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- खंड-'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाएगा
- खंड-'ब'में वर्णात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं |
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ |
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाएगा |

	खंड-'अ' वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
प्रश्न 1	**प्रश्न - अपठित बोध - गद्यांश**	**1×10=10**
1.	b.भीडभरा	1
2.	c. यात्रियों की थकान मिटती थी	1
3.	a. केवल कथन। सही है।	1
4.	a.उसका अधिक हरा भरा और सघन होना	1
5.	d.अनुभूति कम हो जाना	1
6.	b. अ	1
7.	c.जिसमें रस न हो	1
8.	b.अनुभूति	1
9.	a.पिछली पीढ़ी के जानकार	1
10.	a.प्राणवान जीवन	1
प्रश्न 2	**प्रश्न - अपठित बोध - पद्यांश**	**1×5 = 5**
1.	b.जीवनमूल्य समाप्त हो रहे है	1
2.	c. नदियों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है	1
3.	d. अब प्रकृति की ओर कोई ध्यान नहीं देता	1
4.	b.केवल कथन (IV) सही है।	1
5.	b.1-(ii), 2-(iii), 3-(i)	1
प्रश्न 3	**प्रश्न - अभिव्यक्ति और माध्यम**	**1×5 = 5**
1.	c. क और ख दोनों	1
2.	b. 1991में	1
3.	c. जिज्ञासा	1
4.	c. छः	1
5.	b. सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा	1
प्रश्न 4	**प्रश्न - काव्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	c. टेढ़ी	1
2.	c. बात	1

3.	d. भाषा की सहजता	1
4.	d. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
5.	a. भाषा की सहजता पर जोर देना	1
प्रश्न 5	**प्रश्न - गद्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2**	**1×5 = 5**
1.	a. अपनी जगह पर जमे रहने के अधिकार का लालच	1
2.	c. दोनों ही संसार के अतिपरिचित और अति प्रामाणिक सत्य हैं।	1
3.	d. जो इस दुनिया में आया है वह एक दिन अवश्य नष्ट होता है।	1
4.	b.1-(ii), 2-(iii), 3-(i)	1
5.	d. 'क','ख' और 'ग' तीनों।	1
प्रश्न 6	**प्रश्न - पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**	**1×10=10**
1.	b. कर के रूप में हासिल अनाज	1
2.	b. ताम्र युग	1
3.	b. मुअनजो-दड़ो के लिए	1
4.	d. कथन (A) तथा कारण(R) दोनों सही है कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
5.	a. कथन (I) तथा(II) सही हैं।	1
6.	a. 6 फरवरी, 1947	1
7.	c. अहमदाबाद	1
8.	d. कोल्हू का काम	1
9.	d. खुद काम से बचने के लि	1
10.	d. संघर्षमयी प्रवृत्ति का।	1
	खंड-'ब' वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
	जनसंचार और सृजनात्मक लेखन	
प्रश्न 7	**दिए गए 03 विषयों में से किसी 01 विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख:** आरम्भ - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक प्रस्तुति - 1 अंक भाषा - 1 अंक	**6×1=6**
प्रश्न 8	**प्रश्न – लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	उत्तर-कहानी के पात्र नाट्य रूपांतरण में निम्न प्रकार से परिवर्तित किये जा सकते हैं- i) नाट्य रूपांतरण करते समय कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता का नाटक के पात्रों से मेल होना चाहिए। ii) पात्रों की भावभंगिमाओं तथा उनके व्यवहार का भी उचित ध्यान रखना चाहिए। iii) पात्र घटनाओं के अनुरूप मनोभावों को प्रस्तुत करने वाले होने चाहिए। iv) पात्र अभिनय के अनुरूप होने चाहिए। v) पात्रों का मंच के साथ मेल होना चाहिए। vi) पात्रों के संवाद छोटे, प्रभावशाली, बोलचाल की भाषा में हो । ***अथवा*** उत्तर : पारंपरिक विषय वो विषय होते हैं जो किसी मुद्दे, विचार, घटना आदि से जुड़े होते हैं और अधिकतर सामाजिक और राजनीतिक विषय होते हैं। इसमें आप अपनी व्यक्तिगत राय को उतनी तवज्जह न देकर सामूहिक विचार पर ज़ोर देते हैं, जबकि अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में आपके अपने निजी विचार होते हैं।	2

(ii)	दैनिक जीवन से जुड़े हुए किसी भी विषय पर अप्रत्याशित लेखन लिखा जा सकता है । ये विषय कुछ भी हो सकते हैं, जैसे मेरे घर का बगीचा, एकशाम पहाड़ी जीवन के नाम, दीवाल घड़ी, बारिश में बिन छतरी, तीन घंटे का अकेलापन, दिव्य शक्तियाँ और मैं, फर्ज कीजिए आप तिलचट्टा हैं, धारावाहिकों में स्त्री, समुद्र किनारे आप और आपकी यादें वगैरह-वगैरह। ***अथवा*** उत्तर- रेडियो नाटक के लिए कहानी का चुनाव करते समय मुख्य बातों का ध्यान रखना चाहिए - (i) कहानी सिर्फ घटना प्रधान न हो | (ii) उसकी अवधि बहुत ज्यादा न हो | (iii) पात्रों की संख्या सीमित हो |	2
प्रश्न 9	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	उत्तर-संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आम तौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं। एक संवाददाता की बीट अगर अपराध है तो इसका अर्थ है कि वह अपराधिक घटनाओं की रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार होगा।विशेष लेखन केवल रिपोर्टिंग नहीं है। अब बीट रिपोर्टिंग के आगे एक तरह की विशेषीकृत रिपोर्टिंग है , जिसमें ना सिर्फ उस विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए बल्कि उसके रिपोर्टिंग से संबंधित भाषा और शैली पर भी पूरा अधिकार होना चाहिए।	3
(ii)	उत्तर : स्तंभ लेखन एक प्रकार का विचारत्मक लेखन है । कुछ महत्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान एवं लेखन शैली के लिए जाने जाते हैं । ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर समाचरपत्र उन्हें अपने पत्र में नियमित स्तम्भ - लेखन की जिम्मेदारी प्रदान करते हैं । इस प्रकार किसी समाचार-पत्र में किसी ऐसे लेखक द्वारा किया गया विशिष्ट तथा नियमित लेखन जो अपनी विशिष्ट शैली एव वैचारिक रुझान के कारण समाज में ख्याति प्राप्त हो, स्तम्भ लेखन कहा जाता है ।	3
(iii)	**उत्तर :** हिंदी की वेब पत्रकारिता अभी अपने शैशव काल में ही है। इसकी सबसे बड़ी समस्या हिंदी के फ़ौंट की है। अभी भी हमारे पास कोई एक 'की-बोर्ड' नहीं है। डायनमिक फ़ौंट की अनुपलब्धता के कारण हिंदी की ज्यादातर साइटें खुलती ही नहीं हैं। अब माइक्रोसॉफ्ट और वेबदुनिया ने यूनिकाड फ़ौंट बनाए हैं। लेकिन ये भी खास लोकप्रिय नहीं हो पा रहे हैं। हिंदी जगत जब तक हिंदी के बेलगाम फ़ौंट संसार पर नियंत्रण नहीं लगाएगा और 'की-बोर्ड' का मानकीकरण नहीं करेगा तब तक यह समस्या बनी रहेगी।	3
	प्रश्न - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2	
प्रश्न 10	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	उत्तर- 'हम समर्थ शक्तिमान' के माध्यम से कवि ने मीडियाकर्मियों पर व्यंग्य किया है जो स्वयं को पूर्ण मानकर एक अपाहिज व्यक्ति को दुर्बल समझने का अहंकार पाले हुए हैं | 'हम एक दुर्बल को लाएंगे ' के माध्यम से लाचारी का भाव प्रकट होता है | साक्षात्कारकर्ता किसी भी बेबस और लाचार व्यक्ति को लाकर उससे तरह-तरह के सवाल पूछकर उसका तमाशा बना सकता है |	3
(ii)	उत्तर – कविता उषा कवि शमशेर बहादुर सिंह द्वारा रचित ग्रामीण परिक्षेत्र की पृष्ठभूमि पर लिखी गयी एक अनुपम कृति है जिसमें शांत ग्रामीण जीवन का सजीव चित्रण किया है,कवि शहर की अलसाई सुबह के स्थान पर गतिशील ग्रामीण सुबह का चित्रण करने में स्वयं को ज्यादा सहज महसूस करता है | कविता में ग्रामीण	3

	क्षेत्रों में प्रयोग किये जाने वाले वस्तुओं का यथार्थ चित्रण है |यथार्थ जीवन से चुने गए उपमान –राख से लीपा चौका का वर्णन प्रभावशाली है,दृश्यबिंब इतने सजीव है कि सभी क्रियाएं आँखों के सामने उपस्थित हो जाती हैं	
(iii)	उत्तर :- तुलसीदास मानवीय-संवेदना के कवि हैं। उन्होने युगीन चेतना का सुंदर समावेश काव्य में किया है। कवितावली में उद्धृत पदों के अंतर्गत यह सपष्ट हो जाता है कि तुलसी को अपने युग की समस्याओं की अच्छी समझ थी। वे संत होते हुए भी जनता की पीड़ा से वाकिफ थे । उन्हें समाज में व्याप्त गरीबी, बेकारी तथा भुखमरी का ज्ञान था। किसान, मजदूर, बनिक इत्यादि वर्गों की जीविका के ह्रास को कवि ने देखा था। भयंकर बेकारी तथा भूख का चित्र सामने आया है। 'पेट की आग' का असर सब प्रकार के लोगों पर था। काम न मिलने की विवशता में लोग ऊंच – नीच कर्म कर रहे थे तथा धर्म-अधर्म पर विशेष ध्यान नहीं दे रहे थे । इस प्रकार, तुलसीदास ने अपने युग की आर्थिक विषमता को ठीक से समझा था।	3
प्रश्न 11	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	उत्तर- कवि ने खेत को रस का अक्षय पात्र इसलिए कहा है क्योंकि अक्षय पात्र में रस कभी खत्म नहीं होता। उसके रस को जितना बाँटा जाता है, उतना ही वह भरता जाता है। खेत की फसल कट जाती है, परंतु वह हर वर्ष फिर उग आती है। कविता का रस भी चिरकाल तक आनंद देता है। यह सृजन-कर्म की शाश्वतता को दर्शाता है।	2
(ii)	उत्तर- इस कविता में 'ऐ विप्लव के वीर!' बादल को कहा गया है। बादल घनघोर वर्षा करता है तथा बिजलियाँ गिराता है। इससे सारा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। बादल क्रांति का प्रतीक है। क्रांति आने से बुराई रूपी कीचड समाप्त हो जाता है तथा आम व्यक्ति को जीने योग्य स्थिति मिलती हैं।	2
(iii)	कवि सीधी सरल बात को प्रभावी बनाने की कोशिश करता है	इसके लिए वह सुंदर, अलंकृत, प्रभावी व जटिल भाषा का प्रयोग करता है	भाषा के इस प्रदर्शन के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी व पेचीदा हो जाती है		2
प्रश्न 12	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:**	**3×2=6**
(i)	भक्तिन अच्छी है पर उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं, लेखिका ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि– वह पूरा सच नहीं बोलती थी बल्कि झूठ बोल जाती थी | लेखिका के इधर-उधर पड़े पैसों को भण्डार घर की मटकी में छिपाकर रखती थी	इस पर संकेत करने पर वह तर्क-वितर्क करती थी | लेखिका के क्रोध से बचने के लिए बातों को बदलकर कह देती थी | वह दूसरों को अपने अनुसार बदल लेती थी परन्तु स्वयं बिलकुल भी नहीं बदलती थी|	3
(ii)	ग्राहक व दुकानदार के बीच कपट का बढ़ना और सद्भाव का घटना बाजारूपन है जिसमें दोनों एक-दूसरे को ठगने की कोशिश करते हैं और एक को दूसरे के नुकसान में अपना लाभ दिखाई देता है	 लेखक के अनुसार बाजार को सार्थकता और सच्चा लाभ भगत जी जैसे लोग ही दे सकते हैं जिनका मन भरा हो यानी आवश्यकताएँ तय हो और जो ज़रूरत की चीजें ही बाज़ार से खरीदते हो		3
(iii)	गाँव के कुछ लोगों की लड़कों के नंगे शरीर, उछल-कूद, शोर-शराबे और उनके कारण गली में होने वाले कीचड़ से चिढती थी। वे इसे अंधविश्वास मानते थे। इसी	3

	कारण वे इन लड़कों की टोली को मेढक मंडली कहते थे। यह टोली स्वयं को इंदर सेना कहकर बुलाती थी। ये बच्चे इकट्ठे होकर भगवान इंद्र से वर्षा करने की गुहार लगाते थे। बच्चों का मानना था कि वे इद्र की सेना के सैनिक है तथा उसी के लिए लोगों से पानी माँगते हैं ताकि इंद्र बादलों के रूप में बरसकर सबको पानी दें।	
प्रश्न 13	**प्रश्न - दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:**	**2×2=4**
(i)	उत्तर-पहलवान ने जब श्याम नगर के दंगल में चाँद सिंह को हराया तो राजा साहब ने उसे राज पहलवान घोषित करके दरबार में रख लिया,अब लुट्टन के संघर्ष के दिन समाप्त हो गए थे ,उसे खाने पीने की भी कोई कमी नहीं थी उसकी प्रतिष्ठा भी दूर तक फ़ैल गयी थी|	2
(ii)	उत्तर- श्रम विभाजन का अर्थ है– मानवोपयोगी कार्यों का वर्गीकरण करना| प्रत्येक कार्य को कुशलता से करने के लिए योग्यता के अनुसार विभिन्न कामों को आपस में बाँट लेना | कर्म और मानव-क्षमता पर आधारित यह विभाजन सभ्य समाज के लिए आवश्यक है |	2
(iii)	पर्चेजिंग पावर का गर्व पैसे से बाजार को केवल एक विनाशक-शक्ति, शैतानी-शक्ति और व्यंग्य की शक्ति ही देता है जिससे न तो हम बाजार से लाभ उठा सकते हैं, न ही उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं।	2
	प्रश्न - पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2	
प्रश्न 14	मेरे जीवन को दिशा देने में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान मेरे गुरुओं का रहा है। उन्होंने हमेशा मुझे यही शिक्षा दी कि सत्य बोलो। सत्य बोलने वाला व्यक्ति हर तरह की परेशानी से मुक्त हो जाता है जबकि झूठ बोलने वाला अपने ही जाल में फँस जाता है। उसे एक झूठ छुपाने के लिए सैकड़ों झूठ बोलने पड़ते हैं। अपने गुरुओं की इस बात को मैंने हमेशा याद रखा। वास्तव में उनकी इसी शिक्षा ने मेरे जीवन की दिशा बदल दी ***अथवा*** यदि झूठ का सहारा न लेते तो लेखक अनपढ़ रह जाता और वह जीवनभर खेतों में कोल्हू के बैल की तरह जुता रहता। उसे सिवाय भैंसे चराने अथवा खेती करने के और कोई काम न होता। वह दिन-भर खेतों पर काम करता और शाम को घर लौट आता। उसका पिता अय्याशी करता रहता। लेखक के सारे सपने टूट जाते। वह अपना जीवन और प्रतिभा ऐसे ही व्यर्थ जाने देता। बिना झूठ का सहारा लिए उसकी प्रतिभा कभी भी न चमक पाती। केवल एक झूठ ने लेखक के जीवन की दिशा ही बदल दी।	**4x1 = 4**

****

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24
विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)
कक्षा-बारहवीं

SET- 5

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' तथा खंड-'ब'| कुल प्रश्न 14 हैं |
- खंड 'अ' में कुल 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं |
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए |
- दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए |

	खंड-'अ' वस्तुपरक प्रश्न	
	अपठित गद्यांश	
प्रश्न-1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** मैं सोचता हूँ, स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई पड़ी हुई है । दुनिया की आधी से बड़ी ताकत उनके पास है । आधी तो इसलिए कहता हूँ कि दुनिया में स्त्रियाँ आधी तो हैं ही । आधी बड़ी इसलिए कि बच्चे उनकी छाया में पलते हैं, वे जैसा चाहें उन बच्चों को परिवर्तित कर सकती हैं । पुरूषों के हाथ में कितनी ताकत हो, लेकिन पुरूष भी एक दिन स्त्री की गोद में होता है, वहीं से अपनी यात्रा शुरू करता है । एक बार स्त्री की पूरी शक्ति जागृत हो जाए और वे निर्णय कर लें कि किसी प्रेम की दुनिया को निर्मित करेंगी, जहाँ युद्ध नहीं होंगे, जहाँ हिंसा नहीं होगी, जहाँ राजनीति नहीं होगी, जहाँ राजनीतिज्ञ नहीं होंगे, जहाँ जीवन में कोई बीमारियाँ नहीं होंगी तो ये संसार स्वर्ग से कम नहीं होगा । जहाँ भी प्रेम है, जहाँ भी करूणा है, जहाँ भी दया है, वहाँ स्त्री मौजूद है । इसलिए मैं कहता हूँ कि स्त्री के पास आधी से भी ज़्यादा बड़ी ताकत है और वह पाँच हज़ार वर्षों से बिलकुल सोई हुई तथा सुप्त पड़ी है । नारी की शक्ति का कोई उपयोग नहीं हो सका है । भविष्य में यह उपयोग हो सकता है । उपयोग होने का एक सूत्र यही है कि स्त्री यह तय कर लें कि उन्हें पुरूषों जैसा नहीं बनना है। **(i) इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए -** (क) स्त्री – स्वभाव (ख) स्त्री – जागरण (ग) स्त्री की महत्ता (घ) स्त्री – स्वभाव का जागरण **(ii) स्त्रियों की शक्ति को सुप्त क्यों कहा गया है ?** (क) वे अपने मूल स्वभाव को जान नहीं सकी | (ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी (ग) वे स्वयं को पुरुष जैसा समझती हैं | (घ) वे स्वयं को पुरुष से हीन समझती हैं | **(iii) स्त्रियों में पुरुषों को बदलने की ताकत है, क्योंकि –** (क) स्त्रियाँ अधिक शक्तिशाली हैं	**1×10=10**

	(ख) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते–बढ़ते हैं (ग) स्त्रियों में सृजन की ताकत है (घ) पुरुष स्त्रियों के बिना नहीं रह सकता **(iv) स्त्री में कौन-से गुण प्रबल हैं ?** (क) संघर्ष और साहस (ख) नैतिकता और समझदारी (ग) प्रेम और करुणा (घ) शांति और उन्नति **(v) निम्न कथनों पर विचार कीजिए –** **कथन- I** स्त्रियों के पास महान किन्तु सुप्त शक्ति है | **कारण-II** स्त्रियों की शक्ति का उपयोग तभी हो सकता है जब वह पुरुषों का अनुकरण करेंगी | क) दोनों कथन सत्य है | ख) दोनों कथन असत्य है | ग) कथन I सत्य तथा कथन II असत्य है | घ) कथन I असत्य तथा कथन II सत्य है | **(vi) दुनिया की आधी से बड़ी ताकत किनके पास है?** (क) पुरुषों के पास (ख) वृद्धों के पास (ग) बच्चों के पास (घ) स्त्रियों के पास **(vii) स्त्री कितने हजार वर्षों से सोई हुई है ?** (क) पांच हजार वर्षों से (ख) चार हजार वर्षों से (ग) छह हजार वर्षों से (घ) सात हजार वर्षों से **(viii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि स्त्री की मौजूदगी कहाँ-कहाँ है ?** (क) जहाँ प्रेम है (ख) जहाँ करुणा है (ग) जहाँ दया है (घ) उपरोक्त सभी **(ix) किसकी शक्ति का अभी तक कोई उपयोग नहीं हो सका है? गद्यांश के आधार पर बताइए |** (क) नारी की (ख) पुरुष की (ग) देश की (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं **(x) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए -** **कथन (A)** दुनिया की आधी से बड़ी ताकत स्त्रियों के पास है । **कारण (R)** अब पुरुष वर्ग स्त्रियों का पक्षधर हो गया है | क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है | ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं | ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है | घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है |	
प्रश्न-2	**दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए -** कालिदास का अमर काव्य है , मैं तुलसी की रामायण | अमृतवाणी हूँ गीता की, घर-घर होता पारायण | मैं भूषण की शिव बावनी, आल्हा का हुंकारा हूँ | सूरदास का मधुर गीत मैं,	**1×5= 5**

	मीरा का इक तारा हूँ । वरदायी की गौरव गाथा, रण गर्जन गंभीर हूँ । मातृभूमि पर मिटने वाले, मतवाले की पीर हूँ । मेरा परिचय इतना है, मैं भारत की तस्वीर हूँ । **(i) कविता में किसके बारे में बात की गई है ?** (क) देश के बारे में (ख) तुलसीदास के बारे में (ग) रामायण के बारे में (घ) मधुर गीत के बारे में **(ii) गीता को अमृतवाणी कहने का कारण है –** (क) गीता मधुर गीतों का संग्रह है (ख)गीता के उपदेश मनुष्य को जीवन का वास्तविक अर्थ समझते हैं (ग)गीता एक मनोरंजक काव्य है (घ)उपरोक्त में से कोई नहीं **(iii) निम्न कथनों पर विचार कीजिए ।** **कथन- I** तुलसीदास जी ने गीता की रचना की । **कथन- II** कवि भूषण ने आल्हा की वीरता का वर्णन किया । क) दोनों कथन सत्य है । ख) दोनों कथन असत्य है । ग) कथन **I** सत्य तथा कथन **II** असत्य है । घ) कथन **I** असत्य तथा कथन **II** सत्य है । **(iv) प्रस्तुत काव्यांश में "मतवाले की पीर" से क्या आशय है ?** (क)किसी व्यक्ति का निवास स्थान (ख)किसी देशभक्त क्रांतिकारी का समाधि स्थल (ग)कृषि योग्य भूमि (घ)कोई क्रीड़ा स्थल **(v) प्रस्तुत काव्यांश में प्रयुक्त शब्द "पारायण" का अर्थ है –** (क) किसी विषय पर वाद-विवाद (ख) किसी घटना विशेष को स्मरण करना (ग) समय बाँधकर किसी ग्रन्थ का आरंभ से अंत तक पाठ (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	
प्रश्न-3	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-** **(i) क्रिकेट मैच का प्रसारण किस प्रकार का है ?** (क) एंकर पैकेज (ख)फोन इन (ग) सीधा प्रसारण (घ)एंकर वाइट **(ii) केवल इंटरनेट पर उपलब्ध होने वाला समाचार पत्र कौन- सा है ?** (क)पंजाब केसरी (ख)प्रभा साक्षी (ग) अमर उजाला (घ)भास्कर **(iii) मुद्रित माध्यम के सन्दर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए।** **कथन-I** छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होता है, इन्हें सुविधा अनुसार किसी भी प्रकार से पढ़ा जा सकता है। **कथन-II** निरक्षरों के लिए यह उपयोगी माध्यम है ।	**1×5= 5**

	कथन-III यह चिंतन,विचार और विश्लेषण का माध्यम है | क) केवल कथन-I सत्य है ख) केवल कथन-II सत्य है ग) कथन-I तथा III सत्य है घ) तीनों कथन सत्य है **(iv) भुगतान के आधार पर अलग –अलग समाचार पत्रों के लिए लिखने वाले पत्रकार को क्या कहते हैं** (क) फ्री लांसर (ख) पूर्णकालिक (ग) अंशकालिक (घ) अल्पकालिक **(v) संवादाताओं के बीच काम का विभाजन उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रखकर किया जाता है | मीडिया की भाषा में इसे क्या कहते हैं ?** (क)साक्षात्कार (ख)डेस्क (ग)बीट (घ)संपादन	
प्रश्न-4	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए-** खेती ना किसान को ,भिखारी को ना भीख,बलि, बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी | जीविका बिहीन लोग सीयमान सोच बस , कहैं एक –एकन सों "कहाँ जाई ,का करी ? बेदहूँ पुरान कही , लोकहूँ बिलोकिअत , साँकरे सबै पै, राम ! रावरें कृपा करी दारिद –दसानन दबाई दुनी , दीनबंधु ! दुरित –दहन देखि तुलसी हहा करी || **(i) समाज में चारों ओर किसका बोल-बाला है ?** (क) प्रेम और भाईचारे का (ख)गरीबी और बेकारी का (ग)घृणा और लड़ाई का (घ)अमीरी और रोजगारी का **(ii) सम्पूर्ण समाज को गरीबी ने किस रूप में घेर रखा है ?** (क) रावण (ख) राक्षस (ग) शैतान (घ) दानव **(iii) वेदों और पुराणों के अनुसार संकट के समय कौन सहायता करता है ?** (क) नेता लोग (ख) अफसर (ग) प्रभु राम (घ) देवता **(iv) "दारिद- दसानन" में अलंकार है ?** (क)यमक (ख)श्लेष रूपक (ग)रूपक (घ)उत्प्रेक्षा **(v) प्रस्तुत काव्यांश में प्रयुक्त "बनिज" शब्द का क्या अर्थ है ?** (क)बनिया (ख)व्यापारी (ग)नौकर (घ)परिवार	**1×5= 5**
प्रश्न-5	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर**	**1×5= 5**

	वाले विकल्प का चयन कीजिए- एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है	दुःख हो या सुख यह हार नहीं मानता| न ऊधो का लेना, न माधो का देना ? जब धरती और आसमान जलते रहते हैं , तब भी यह हजरत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं	मौज में आठों याम मस्त रहते हैं	एक वनस्पति शास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है	ज़रूर खींचता होगा , नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं	कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा , पर सरस और मादक	कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे	शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है	जो कवि अनासक्त नहीं रह सका, जो फक्कड़ नहीं बन सका, जो किये-कराए का लेखा- जोखा मिलाने में उलझ गया, वह भी क्या कवि है ? **(i) वनस्पति शास्त्री के अनुसार शिरीष का पेड़ कहाँ से रस खींचता है ?** (क)जीवमंडल से (ख)भूमंडल से (ग)सौरमंडल से (घ)वायुमंडल से **(ii) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए -** **कथन (A)** शिरीष एक अद्भुत अवधूत है | **कारण (R)** यह भयंकर लू में भी कोमल व सरस बना रहता है | क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है | ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं | ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है | घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है | **(iii) काव्यांश में "यह हजरत" किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?** (क)कबीरदास के लिए (ख)शिरीष के पेड़ के लिए (ग)कालिदास के लिए (घ)वनस्पति शास्त्री के लिए **(iv) अनासक्त योगी किसे कहा गया है ?** (क)महाकवि सूरदास जी को (ख)महाकवि तुलसीदास जी को (ग)संत कबीरदास जी को (घ)महाकवि कालिदास जी को **(v) लेखक किस कवि को कवि मानता है ?** (क)जो स्वार्थी हो (ख)जो सुंदर कविताएँ लिखता हो (ग)जिसे दुनियादारी से अधिक मतलब न हो (घ)जो निज कल्याण को सर्वोपरि समझता हो	
प्रश्न-6	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए -**	**1×10=10**

(i) 'सिल्वर वेडिंग' कहानी में शादी की कौनसी वर्षगाँठ मनाई जा रही है?

(क)बीसवीं (ख)पच्चीसवीं

(ग)तीसवीं (घ)पैंतीसवीं

(ii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए |

कथन-I 'सिल्वर वैडिंग' कहानी वर्तमान युग में बदलते जीवन-मूल्यों की कहानी है।

कथन-II यशोधर अपने बच्चों की तरक्की से पूर्णतः खुश नहीं थे |

कथन-III यशोधर भौतिक चकाचौंध से दूर तथा आत्मीयता व सामूहिकता के बोध से युक्त हैं।

क) कथन I,II और III सत्य है

ख) केवल कथन I सत्य है

ग) केवल कथन I और II सत्य है

घ) केवल कथन I और III सत्य है

(iii) "सिल्वर वेडिंग" कहानी की मूल संवेदना क्या है ?

(क)बढ़ती महँगाई

(ख)दलित की मनोव्यथा

(ग)पीढ़ी के अंतराल से पैदा हुई बिखराव की पीड़ा

(घ)आधुनिकता का प्रभाव

(iv) "जूझ पाठ" साहित्य की किस विधा में लिखा गया है ?

(क)रेखाचित्र

(ख)संस्मरण

(ग)कहानी

(घ)आत्मकथात्मक उपन्यास

(v) जूझ उपन्यास मूलतः किस भाषा में लिखा गया है ?

(क)अवधी (ख)ब्रज

(ग)मराठी (घ)हिन्दी

(vi) जूझ कहानी में लेखक की किस प्रवृत्ति का वर्णन हुआ है ?

(क)लेखन की प्रवृत्ति का

(ख)संघर्षमयी प्रवृत्ति का

(ग)कविता करने की

(घ)पढ़ने की

(vii) जूझ कहानी में लेखक की कक्षा के मोनीटर का नाम क्या था ?

(क)धनराम (ख)राव पाटिल

(ग)वसंत पाटिल (घ)चह्वाण

(viii) "अतीत में दबे पाँव" पाठ में किस सभ्यता का वर्णन है ?

(क)मिस्र (ख)रोमन

(ग)मेसोपोटामिया (घ)सिन्धुकालीन

(ix) मुअनजो-दडो का अर्थ है ?

(क)समाधियों की जगह

(ख)दो जगहों को जोड़ना

(ग)मृतकों या मुर्दों का टीला

(घ)इनमें से कोई नहीं

(x) लेखक ने सिंधु सभ्यता के सौंदर्य -बोध को क्या नाम दिया है ?

(क)राज- पोषित

(ख)धर्म- पोषित

	(ग)समाज-पोषित (घ)व्यापार -पोषित	
	खण्ड-'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
प्रश्न-7	**दिए गये तीन अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -** (क) न जाओ शहरों की ओर (ख) नकली सामान, भरपूर विज्ञापन (ग) प्रातःकाल योग करते लोग	6×1=6
प्रश्न-8	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-** (क) रेडियो नाटक के लिए कहानी का चुनाव करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? अथवा अप्रत्याशित विषयों पर लेखन को प्राथमिकता क्यों दी जाती है ? (ख) कहानी के नाट्य रूपांतरण में आने वाली मुख्य समस्या व उसका समाधान लिखिए | अथवा नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के संदर्भ में "मैं" शैली के प्रयोग के बारे में क्या मान्यता है ?	2×2=4
प्रश्न-9	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** (क) फीचर और समाचार में अंतर स्पष्ट कीजिए | (ख) बीट रिपोर्टिंग एवं विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है? (ग) मुद्रित माध्यमों की खूबियाँ और कमियाँ क्या – क्या हैं ?	3×2=6
प्रश्न-10	**काव्यखंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए-** (क) बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं ,किन्तु कभी –कभी भाषा के चक्कर में "सीधी बात भी टेढ़ी" हो जाती है | कैसे ? (ख)बादलों को विप्लव के वीर क्यों कहा गया है? (ग) "कैमरे में बंद अपाहिज " कविता मीडिया के लोगों की संवेदनहीनता को प्रकट करती है | कैसे ? स्पष्ट कीजिए |	3×2=6
प्रश्न-11	**काव्यखंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए -** (क) "उषा" कविता में भोर के नभ की तुलना किस से की गई है और क्यों (ख) बच्चे की हँसी का क्या कारण है ? उसके गूंजने से क्या तात्पर्य है ? (ग) "पतंग" कविता के आधार पर बताएं – दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है ?	2×2=4
प्रश्न-12	**गद्यखंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -** (क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ? (ख) बाज़ारूपन से क्या तात्पर्य है ? किस प्रकार के व्यक्ति बाज़ार को	3×2=6

	सार्थकता प्रदान करते हैं ? (ग) जाति- प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आम्बेडकर के क्या तर्क हैं ?	
प्रश्न-13	**गद्यखंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए -** (क) "पहलवान की ढोलक" पाठ के आधार पर बताइए कि ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ? (ख) जीजी ने इंद्रसेना पर पानी फेंके जाने के समर्थन में क्या-क्या तर्क दिए? (ग) लेखक के मत से "दासता " की व्यापक परिभाषा क्या है ?	2×2=4
प्रश्न-14	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए –** सिल्वर वैडिंग कहानी के कथ्य का विश्लेषण कीजिए | **अथवा** नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को जल-संस्कृति कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क दें।	4x1 = 4

****

अंक-योजना प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2023-24
विषय- हिंदी आधार (विषय कोड-302)
कक्षा-बारहवीं
अंक योजना

SET- 5

सामान्य निर्देश :-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- खंड 'अ' में दिए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए |
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्नों की अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है |
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिया जाए|
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए |

		खंड-'अ' वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम सं.		**उत्तर**	अंक विभाजन
प्रश्न-1	(i)	(ख) स्त्री – जागरण	1
	(ii)	(ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी	1
	(iii)	(ख) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते–बढ़ते हैं	1
	(iv)	(ग) प्रेम और करुणा	1
	(v)	ग) कथन I सत्य तथा कथन II असत्य है	1
	(vi)	(घ) स्त्रियों के पास	1
	(vii)	(क) पांच हजार वर्षों से	1
	(viii)	(घ) उपरोक्त सभी	1
	(ix)	(क) नारी की	1
	(x)	घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है	1
प्रश्न-2	(i)	क) देश के बारे में	1
	(ii)	ख) गीता के उपदेश मनुष्य को जीवन का वास्तविक अर्थ समझाते हैं	1
	(iii)	ग) कथन **I** सत्य तथा कथन **II** असत्य है	1
	(iv)	ख) किसी देशभक्त क्रांतिकारी का समाधि स्थल	1
	(v)	ग) समय बाँधकर किसी ग्रन्थ का आरंभ से अंत तक पाठ	1
प्रश्न-3	(i)	ग) सीधा प्रसारण	1
	(ii)	ख) प्रभा साक्षी	1
	(iii)	ग) कथन-I तथा III सत्य है	1
	(iv)	क) फ्री लांसर	1
	(v)	ग) बीट	1
प्रश्न-4	(i)	ख) गरीबी और बेकारी	1
	(ii)	क)रावण	1
	(iii)	ग) प्रभु राम	1

	(iv)	ग) रूपक	1
	(v)	ख) व्यापारी	1
प्रश्न-5	(i)	घ) वायुमंडल से	1
	(ii)	क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है |	1
	(iii)	ख) शिरीष के पेड़ के लिए	1
	(iv)	घ) महाकवि कालिदास	1
	(v)	ग) जिसे दुनियादारी से अधिक मतलब ना हो	1
प्रश्न-6	(i)	ख) पच्चीसवीं	1
	(ii)	घ) केवल कथन I और III सत्य है	1
	(iii)	ग) पीढ़ी के अंतराल से पैदा हुई बिखराव की पीड़ा	1
	(iv)	घ) आत्मकथात्मक उपन्यास	1
	(v)	ग) मराठी	1
	(vi)	ख) संघर्षमयी प्रवृत्ति का	1
	(vii)	ग) वसंत पाटिल	1
	(viii)	घ) सिन्धुकालीन	1
	(ix)	ग) मृतकों का टीला	1
	(x)	समाज –पोषित	1
		खंड-'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
प्रश्न-7		किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख आरंभ – 1 विषयवस्तु - 3 प्रस्तुति – 1 भाषा – 1	6
प्रश्न-8	(क)	रेडियो नाटक की कहानी केवल घटना प्रधान न हो | संवाद या आवाजों के जरिये रेडियो नाटक का कथानक व्यक्त होना चाहिए | कहानी की अवधि अधिक लंबी न हो | कहानी में पात्रों की संख्या सीमित हो , क्योंकि श्रोता केवल आवाज़ के सहारे चरित्रों को याद रख पाता है | ऐसी स्तिथि में रेडियो नाटक में यदि बहुत ज्यादा किरदार हैं तो उनके साथ एक रिश्ता बनाये रखने में श्रोता को दिक्कत होगी | **अथवा** i) अप्रत्याशित लेखन के माध्यम से हर किसी को रचनात्मक एवं मौलिक लेख लिखने का अवसर मिलता है। ii) इसमें लेखक विचारों को किसी तर्क एवं चिंतन मनन के माध्यम से पुष्ट करने की कोशिश करता है iii) इससे आपके लेखन कौशल में अत्यधिक विकास होता है। iv) इससे भाषा पर आपकी अच्छी पकड़ बनती है। v) अप्रत्याशित विषयों पर लेखन कम समय में अपने विचारों को संकलित कर उन्हें सुंदर और सुघड़ ढंग से अभिव्यक्त करने की चुनौती है।	**2×2=4**
	(ख)	मुख्य समस्या- कहानी में पात्रों के मनोभावों व मानसिक द्वंद्वों को विवरण के रूप में लिखा जाता है | उन प्रसंगों, मनोभावों व मानसिक द्वंद्वों के दृश्यों को नाटक के रूप में प्रस्तुत करना कठिन होता है |	

		समाधान- इसके लिए स्वगत कथन व वोइस ओवर का प्रयोग किया जाना चाहिए | **अथवा** नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में आत्मपरक "मैं" शैली के प्रयोग से लेखक के विचारों व उसके व्यक्तित्व की झलक मिलती है | इससे आत्मनिष्ठता का भी पता चलता है |	
प्रश्न-9	(क)	फीचर :- i) फीचर का उद्देश्य मनोरंजन करना,सूचना देना एवं शिक्षित करना होता है | ii) फीचर लेखन में लेखक के पास अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएं व्यक्त करने का अवसर होता है iii) फीचर लेखन की भाषा सरल व आकर्षक होती है | iv) फीचर आत्मकथात्मक शैली में लिखे जाते हैं | समाचार :- i) किसी ताज़ा घटना की रिपोर्ट समाचार कहलाती है | ii) समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर बल दिया जाता है | iii) समाचार की भाषा सपाट बयानी होती है | iv) समाचार उल्टा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं |	3×2=6
	(ख)	बीट रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता में उस क्षेत्र की जानकारी होना पर्याप्त है उसे सामान्य तौर पर खबरें ही लिखनी होती है।बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को संवाददाता कहते हैं| विशेषीकृत रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता को सामान्य खबरों से आगे बढ़कर उस क्षेत्र से जुड़ी सूचनाओं का बारीकी से विश्लेषण कर पाठकों के लिए उसका अर्थ स्पष्ट करना होता है। विशेष कृत रिपोर्टिंग करने वाले रिपोर्टर को विशेष संवाददाता कहते हैं।	
	(ग)	खूबियां :- i) लिखे हुए शब्दों में स्थायीत्व होता है | ii) इनको हम अनेकों बार पढ़ सकते हैं | iii) जटिल शब्द आने पर शब्दकोष का प्रयोग भी किया जा सकता है iv) इनका अध्ययन ,चिंतन एवं मनन किया जा सकता है | v)इनको अपनी रूचि अनुसार पहले तथा बाद में पढ़ा जा सकता है | कमियाँ :- i) मुद्रित माध्यम अशिक्षित लोगों के लिए अनुपयोगी होते है | ii) यह तुरंत घटी घटना की जानकारी नही दे पाते | iii) इनको समय-समय पर अपडेट नहीं किया जा सकता | iv) एक बार छाप जाने के बाद अशुद्धि सुधर नहीं किया जा सकता |	
प्रश्न-10	(क)	बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं ,परन्तु कभी-कभी भाषा के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है | इसका कारण उपयुक्त शब्दों का प्रयोग न करना होता है | मनुष्य अपनी भाषा को कठिन बना देता है तथा आडंबरपूर्ण या चमत्कारपूर्ण शब्दों से अपनी बात को कहने में स्वयं को श्रेष्ठ सझता है | इससे वह अपनी मूल बात को कहने में असफल हो जाता है | मनुष्य को समझना चाहिए कि हर शब्द का अपना विशिष्ट अर्थ होता है ,भले ही वह समानार्थी या पर्यायवाची हो |अतः कई बार शब्दों के चक्कर में उलझकर भाव अपना अर्थ खो बैठते हैं |	3×2=6
	(ख)	बादल राग कविता में ऐ विप्लव के वीर बादलों को कहा गया है ,क्योंकि बादल ही धरा पर वर्षा और बिजली गिराकर क्रांति करते हैं	

		और उथल –पुथल मचा देते हैं	इन्हीं के कारण छोटे पौधे, घास और वनस्पतियों को उगने और बढ़ने का अवसर मिलता है	कवि का यह विचार क्रांतिकारी है और यह संबोधन उचित है		
	(ग)	यह कविता अपनेपन भावना में छिपी क्रूरता को व्यक्त करती है	सामाजिक उद्देश्यों के नाम पर अपाहिज की पीड़ा को जनता तक पहुँचाया जाता है |यह कार्य ऊपर से करुण भाव को दर्शाता है ,परन्तु इसका वास्तविक उद्देश्य कुछ और ही होता है	संचालक अपाहिज की अपंगता को बेचना चाहता है |वह एक रोचक कार्यक्रम बनाना चाहता है ताकि उसका कार्यक्रम जनता में लोकप्रिय हो सके |उसे अपाहिज की पीड़ा से कोई लेना –देना नहीं है	यह कविता यही स्पष्ट करती है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले अधिकांश कार्यक्रम कारोबारी दबाव के कारण संवेदनशील होने का दिखावा करते हैं	वास्तविक में यह कविता ऐसे संचालकों की संवेदनहीनता को प्रकट करती है		
प्रश्न-11	(क)	उषा कविता में भोर के नभ की तुलना राख से लीपे गए गीले चौके से की गई है	इस समय आकाश नम एवं धुंधला प्रतीत होता है	इसका रंग राख से लीपे चौके जैसा मटमैला होता है	जिस प्रकार चूल्हा –चौका सूखकर साफ हो जाता है, उसी प्रकार सूर्योदय होने पर आकाश भी निर्मल और स्वच्छ हो जाता है		**2×2=4**
	(ख)	बच्चे की हँसी का कारण है –माँ के द्वारा बच्चे को लोका दिया जाना या उसे खुश करने के लिए हवा में उछालना	 उसके गूंजने का तात्पर्य है- इससे बच्चा खुश होकर हँसता है और उसकी हँसी गूंजने लगती है		
	(ग)	इसका तात्पर्य है कि पतंग उड़ाते समय बच्चे ऊँची दीवारों से छतों पर कूदते हैं तो उनकी पदचापों संगीत उत्पन्न होता है	यह संगीत मृदंग की ध्वनि की तरह लगता है	साथ ही बच्चों का शोर भी चरों दिशाओं में गूंजता है		
प्रश्न-12	(क)	भक्तिन एक देहाती अर्थात ग्रामीण एवं अशिक्षित महिला थी	इसलिए वह बिल्कुल देहाती भाषा का प्रयोग करती थी |देहाती होने के साथ – साथ वह समझदार भी थी	वह दूसरों को तो अपने मन के अनुसार बना लेती थी किन्तु अपने व्यवहार में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं चाहती थी	महादेवी वर्मा बार –बार प्रयास करके भी उसके स्वभाव को बदल न सकी	इसलिए भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गई		**3×2=6**
	(ख)	बाज़ारूपन से तात्पर्य है – दिखावे के लिए बाज़ार का उपयोग	बाज़ार में छल व कपट से निरर्थक वस्तुओं की खरीदफ़रोख्त दिखावे के आधार पर होने लगती है	बाज़ारूपन के कारण मनुष्य को केवल अपना लाभ-हानि ही दिखाई देता है	 वे व्यक्ति जो अपनी आवश्यकता के बारे में निश्चित होते हैं, बाज़ार को सार्थकता प्रदान कर सकते हैं	ये लोग कभी भी “पर्चेजिंग पावर” के गर्व में नहीं डूबते		
	(ग)	जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही रूप न मानने के पीछे आम्बेडकर के निम्नलिखित तर्क हैं :- i) जाति प्रथा श्रम- विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन भी करती है		

		ii) श्रम-विभाजन निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है , परन्तु श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वभाविक विभाजन किसी अन्य देश में नहीं है | iii) भारत की जाति- प्रथा श्रमिकों के अस्वभाविक विभाजन के साथ-साथ विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है |	
प्रश्न-13	(क)	ढोलक की आवाज़ गाँववालों में धैर्य , साहस और स्फूर्ति प्रदान करती थी | रात्रि की विभीषिका तथा सन्नाटे को ललकार कर चुनौती पैदा करती थी जब पूरा गाँव महामारी कारण मलेरिये और हैज़े से त्रस्त होकर अधमरा, निर्बल,और निस्तेज होगया था, तब इस भयंकर वातावरण में ढोलक की आवाज़ लोगों में संजीवनी शक्ति प्रदान किया करती थी |	**2×2=4**
	(ख)	जीजी ने इन्दर सेना पर पानी फेंके जाने के समर्थन में कई तर्क दिए जो निम्नलिखित हैं :- i) किसी से कुछ पाने के लिए पहले कुछ चढ़ावा देना पड़ता है | इंद्र को पानी का अर्घ्य चढ़ाने से ही वे वर्षा के जरिये पानी देंगे | ii) त्याग भावना से दिया गया दान ही फलीभूत होता है | जिस वस्तु की अधिक ज़रूरत है उसके दान से ही फल मिलता है | iii) जिस तरह किसान पांच -छह सेर अच्छे गेहूँ खेतों में बोता है ताकि उसे तीस- चालीस मन गेहूँ मिल सके,उसी तरह पानी की भी यही स्तिथि है |	
	(ग)	लेखक के अनुसार "दासता" से अभिप्राय केवल क़ानूनी पराधीनता से नहीं है | दासता की व्यापक परिभाषा है – किसी व्यक्ति को अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता न देना, उसे दासता में जकड़कर रखना | इसमें वह स्थिति भी सम्मिलित है जिसमें कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्त्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है |	
प्रश्न – 14		सिन्धु-सभ्यता को जल-संस्कृति निम्नलिखित कारणों से कह सकते हैं - **1. नदी-** सिन्धु नदी के किनारे टीलों पर बसी सभ्यता थी | **2.कुएँ -** यह पहली ज्ञात संस्कृति है जिसमें कुएँ थे | मुअनजो-दड़ो में पक्की ईंटों से बने लगभग सात सौ गोलाकार कुएँ थे | **3.महाकुंड व स्नानघर -** पवित्र जल के लिए अनुष्ठान के समय सामूहिक स्नान के लिए पक्की ईंटों से बने महाकुंड थे तथा प्रत्येक घर में एक स्नानघर होता था | **4.जल-निकासी -** उस समय की जल-निकासी हेतु पक्की ईंटों से बंद बनी नालियों से होती थी जो बाहर एक हौद में खुलती थी |	**4x1 = 4**

****

परियोजना कार्य हेतु कुछ सुझावात्मक विषय

परिशिष्ट-1

क्र.सं.	परियोजना शीर्षक (पाठ का नाम)	उपविषय			
1.	**'आत्मपरिचय' व 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' गीत का वर्तमान परिप्रेक्ष्य**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव कवि-परिचय व हालावादी काव्यधारा का परिचय	आत्मपरिचय कविता में कवि का संसार से प्रीति-कलह का रिश्ता, कवि के व्यक्तित्व की विशेषताएँ	गीत का मूलभाव और समय के महत्व पर रोचक तथ्यों व कविताओं का संकलन	आत्मपरिचय व एक गीत की वर्तमान में प्रासंगिकता पर विचार निष्कर्ष
2.	**पतंग कविता में प्रकृति चित्रण**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव कवि-परिचय	पतंग कविता का मूलभाव, कविता के प्राकृतिक परिवर्तन	ऋतुओं व प्रकृति पर आधारित विभिन्न कविताओं का संकलन	ऋतुओं का हमारे जीवन पर प्रभाव , निष्कर्ष
3.	**'कविता – कल, आज और कल' (कुंवर नारायण-कविता के बहाने, बात सीधी थी पर)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव कवि-परिचय,कविता की विकास यात्रा (भक्तिकाल, रीतिकाल)	कविता के बहाने व बात सीधी थी पर - मूलभाव, आधुनिक युग में कविता की संभावनाएँ, चार आधुनिक कवियों की जानकारी	वर्तमान में कविता के विषय व उनका तुलनात्मक अध्ययन वर्तमान कविताओं का संकलन	कविता की वर्तमान में प्रभाव निष्कर्ष
4.	**मीडिया और समाज (रघुवीर सहाय-कैमरे में बंद अपाहिज)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव कवि-परिचय, कविता का सन्देश, कवि की अन्य कविताओं का संकलन	टी.वी. पर दिखाए जाने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की सूची व दो कार्यक्रमों की समीक्षा	शारीरिक चुनौती के बावजूद सफलता प्राप्त करने वाले चार व्यक्तित्वों की जानकारी	मीडिया व सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव
5.	**हिंदी कविता में प्रकृति चित्रण (शमशेर बहादुर सिंह -उषा)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव कवि-परिचय, प्रकृति चित्रण करने वाले प्रमुख कवि	प्रकृति चित्रण पर आधारित दो कविताओं का विश्लेषण (उपमान, भाषा, परिवेश व भाव)	सूर्योदय व सूर्यास्त का शब्दचित्र सूर्योदय व सूर्यास्त पर एक एक कविता का संकलन / तुलना	प्रकृति चित्रण का पर्यावरण संरक्षण में योगदान, निष्कर्ष
6.	**तुलसीदास – युगद्रष्टा कवि (कवितावली, लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव कवि-परिचय, काव्यगत विशेषताएं, छंदों की जानकारी	तुलसी के समकालीन कवियों की जानकारी, अवधी व ब्रज भाषा के क्षेत्रों सहित भाषायी जानकारी	वर्तमान व तुलसी युगीन समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन व समाधान	पठित अंश की वर्तमान में प्रासंगिकता पर विचार निष्कर्ष

7.	**बादल राग- प्रकृति वर्णन के साथ क्रान्ति का आह्वान**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव कवि-परिचय, कविता का मूल भाव	निराला के समकालीन कवियों का सचित्र वर्णन	बादल राग कविता में प्रकृति वर्णन प्रकृति पर आधारित अन्य कविताओं का संकलन	बादल राग कविता में क्रान्ति के भाव, निष्कर्ष
8.	**भक्तिन, वर्तमान नारी और समाज (महादेवी वर्मा- भक्तिन)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखिका-परिचय, पाठ का सारांश	राष्ट्र निर्माण में नारी की भूमिका नारी की महत्ता को दर्शाने वाली काव्य-पंक्तियों, नारे, श्लोक आदि का संकलन	बेबी हालदार और भक्तिन के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन उपलब्धि हासिल करने वाली चार महिलाओं की सचित्र जानकारी	भक्तिन और वर्तमान नारी का तुलनात्मक अध्ययन निष्कर्ष
9.	**बाज़ार और विज्ञापनों का समाज पर प्रभाव (जैनेन्द्र कुमार - बाज़ार दर्शन)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखक-परिचय, पाठ का सारांश	चार विज्ञापनों का संकलन व किसी एक विज्ञापन की समीक्षा करते हुए लिखिए कि विज्ञापन ने किस प्रकार आपको सामान खरीदने के लिए प्रेरित किया ?	बाज़ारों के प्रकार, उनकी सचित्र जानकारी व प्रभाव	पर्चेजिंग पॉवर का सकारात्मक उपयोग निष्कर्ष
10.	**सामाजिक सन्दर्भों में युवा वर्ग की भूमिका (धर्मवीर भारती-काले मेघा पानी दे)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखक-परिचय, पाठ का सारांश व सन्देश	जीजी व लेखक के मत की तुलना नदियों का भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में महत्त्व	'जल-संरक्षण' पर तथ्य सहित जानकारी बादलों या पानी से सम्बंधित दो कविताओं का संकलन	युवा जिन्होंने समाज सुधार में योगदान दिया निष्कर्ष
11.	**महामारी में उत्साहवर्धन करते खेल और लोक कलाएँ (फणीश्वर नाथ रेणु- पहलवान की ढोलक)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखक-परिचय, पाठ का सारांश व सन्देश	कलाओं का जीवन में महत्त्व- विषय पर रचनात्मक लेख किन्हीं दो लोक कलाओं की सचित्र जानकारी	पाठ में चित्रित महामारी व कोरोना महामारी की स्थिति का तुलना लुट्टन व कोरोना वारियर्स की तुलना	भारत के परंपरागत खेलों का परिचय निष्कर्ष

12.	**शिरीष के फूल निबन्ध में लालित्य के साथ सन्देश**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखक-परिचय, पाठ का सारांश व सन्देश	पाठ में वर्णित विभिन्न वनस्पतियों का सचित्र वर्णन	गाँधीजी का जीवन-परिचय, शिरीष व गाँधीजी की तुलना	सच्चे कवि के गुण, शिरीष व संन्यासी की तुलना, निष्कर्ष
13.	**आदर्श समाज का वर्तमान परिप्रेक्ष्य (भीमराव आम्बेडकर - जाति-प्रथा और श्रम विभाजन मेरी कल्पना का आदर्श समाज)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखक परिचय एवं प्रमुख रचनाएँ 'जाति-प्रथा और श्रम विभाजन' पर डॉ. आम्बेडकर के विचार	आदर्श समाज पर डॉ. आम्बेडकर व महात्मा गांधी के विचारों की तुलना	सामाजिक समानता पर आधारित कहानियों व कथाकारों की सूची बनाइये शेखर जोशी की कहानी गलता लोहा पर भी विचार कीजिये |	'अवसर की समानता' पर प्राचीन एवं वर्तमान परिस्थितियों का तुलनात्मक अध्ययन निष्कर्ष
14.	**सिन्धु सभ्यता का नगर नियोजन और वर्तमान महानगर (ओम थानवी -अतीत में दबे पाँव)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखक परिचय, प्रमुख यात्रा वृतांतों व लेखकों की सूची	सिन्धु घाटी सभ्यता का परिचय एवं इसके प्रमुख नगर सिन्धु घाटी सभ्यता का नगर नियोजन	सिन्धु घाटी सभ्यता के प्रमुख नगर मोहनजोदड़ो का नगर नियोजन एवं वर्तमान समय में महानगरों के नगर नियोजन का तुलनात्मक अध्ययन	अपनी किसी महानगर की यात्रा के अनुभव निष्कर्ष
15.	**सिन्धु सभ्यता का जल-प्रबंधन और वर्तमान जल-प्रबंध (अतीत में दबे पाँव)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव लेखक परिचय, प्रमुख यात्रा वृतांतों व लेखकों की सूची	सिन्धु घाटी सभ्यता का परिचय एवं इसके प्रमुख नगर सिन्धु घाटी सभ्यता 'जल संस्कृति के रूप में'	सिन्धु घाटी सभ्यता एवं वर्तमान समय में जल-प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन	भारत के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों की जानकारी निष्कर्ष
16.	**नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन का महत्त्व**	अप्रत्याशित विषयों पर लेखन क्या है?, रटंत बुरी लत क्यों ?, अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के लाभ	नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में ध्यान रखने योग्य बातें, नए और अप्रत्याशित विषयों की सूची	दो नए विषयों पर रचनात्मक लेख	दो अप्रत्याशित विषयों पर रचनात्मक लेख

17.	**जनसंचार माध्यमों का विकास और समाज (विभिन्न माध्यमो के लिए लेखन)**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव प्रिंटमाध्यम,टी.वी.,रेडियो,सिनेमा की विकास यात्रा	इन्टरनेट की विकास यात्रा इंटरनेट के लाभ-हानियाँ	वर्तमान परिपेक्ष्य में जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का तुलनात्मक अध्ययन ।	वर्तमान सन्दर्भ में मीडिया व सोशल मीडिया की भूमिका । निष्कर्ष ।
18.	**समाचार-पत्र और पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप**	विषय-परिचय, विषय का चुनाव पत्रकारीय लेखन एवं पत्रकारों के प्रकार, प्रमुख हिंदी समाचार-पत्रों का संकलन/सूची	समाचार लेखन एवं फीचर लेखन, विशेष रिपोर्ट एवं विचारपरक लेखन का तुलनात्मक अध्ययन	समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली व ककारों का वर्णन, फीचर लेखन में ध्यान रखने योग्य बातें ।	वर्तमान समय में समाचार पत्रों की उपयोगिता । निष्कर्ष ।

आंतरिक मूल्यांकन हेतु कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ- कुल अंक 20

श्रवण (सुनना) कौशल परीक्षा (5 अंक)	**वाचन (बोलना) कौशल परीक्षा (5 अंक)**	**परियोजना कार्य (10 अंक)**
वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना ।	भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम- प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद वाचन।	विषय-वस्तु - 5 अंक भाषा एवं प्रस्तुति- 3 अंक शोध व मौलिकता- 2 अंक

वाचन (बोलना) एवं श्रवण (सुनना) कौशल का मूल्यांकन:

• परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। या

परीक्षक 2-3 मिनट का श्रव्य अंश (ऑडियो क्लिप) सुनवाएगा। अंश रोचक होना चाहिए। कथ्य / घटना पूर्ण एवं स्पष्ट होनी चाहिए। वाचक का उच्चारण शुद्ध, स्पष्ट एवं विराम चिह्नों के उचित प्रयोग सहित होना चाहिए।

• परीक्षार्थी ध्यानपूर्वक परीक्षक / ऑडियो क्लिप को सुनने के पश्चात परीक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अपनी समझ से उत्तर देंगे।

• किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे शिक्षार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभवों का प्रत्यास्मरण कर सकें।

• कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना ।

• परिचय देना (स्व/ परिवार / वातावरण / वस्तु व्यक्ति/ पर्यावरण/ कवि / लेखक आदि)

परियोजना कार्य के आधार बिंदु -

1. प्रमाण पत्र 2. आभार ज्ञापन
3. विषय-सूची 4. उद्देश्य
5. समस्या का बयान 6. परिकल्पना
7. प्रक्रिया (साक्ष्य संग्रह, साक्ष्य का विश्लेषण)
8. प्रस्तुतीकरण (विषय का विस्तार)
9. अध्ययन का परिणाम
10. अध्ययन की सीमाएँ 11. स्रोत
12. अध्यापक टिप्पणी